ऊँ गं गणपतये नमः

शुभ 卐 लाभ

जन्मपत्रिका

Hritik Roshan

जन्मपत्रिका

Hritik Roshan

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	10/01/1974
दिन	गुरुवार
जन्म समय	12:00:00 घंटे
इष्ट	11:54:11 घटी
स्थान	Mumbai
राज्य	Maharashtra
देश	India
अक्षांश	18:58:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे

Model: 2-Gold-Horoscope-Plan

SrNo: 112-114-105-1023 / 501 Date: 07/11/2019

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/01/1974**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**12:00:00 घंटे**
इष्ट	11:54:11 घटी
स्थान	**Mumbai**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	18:58:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:21:20 घंटे
वेलान्तर	-00:07:24 घंटे
साम्पातिक काल	18:38:56 घंटे
सूर्योदय	07:14:19 घंटे
सूर्यास्त	18:17:55 घंटे
दिनमान	11:03:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	26:08:06 धनु
लग्न के अंश	18:55:35 मीन

चैत्रादि संवत / शक	2030 / 1895
मास	माघ
पक्ष	कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि	2
तिथि समाप्ति काल	10:42:18
जन्म तिथि	3
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	आश्लेषा
नक्षत्र समाप्ति काल	26:37:26 घंटे
जन्म नक्षत्र	आश्लेषा
सूर्योदय कालीन योग	प्रीति
योग समाप्ति काल	26:29:21 घंटे
जन्म योग	प्रीति
सूर्योदय कालीन करण	गर
करण समाप्ति काल	10:42:18 घंटे
जन्म करण	वणिज

अवकहड़ा चक्र

लग्न–लग्नाधिपति	मीन – गुरु
राशि–स्वामी	**कर्क – चन्द्र**
नक्षत्र–चरण	**आश्लेषा – 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	प्रीति
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डू–डूंगरमल
पाया(राशि–नक्षत्र)	रजत – रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

घात चक्र

मास	पौष
तिथि	2-7-12
दिन	बुधवार
नक्षत्र	अनुराधा
योग	व्याघात
करण	नाग
प्रहर	1
वर्ग	मेष
लग्न	तुला
सूर्य	सिंह
चन्द्र	सिंह
मंगल	कन्या
बुध	मिथुन
गुरु	तुला
शुक्र	वृश्चिक
शनि	कर्क
राहु	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	18:55:35	457:14:32	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	–––
सूर्य			धनु	26:08:06	01:01:07	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	20:53:31	15:02:24	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	स्वराशि
मंगल			मेष	12:37:35	00:24:42	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	स्वराशि
बुध		अ	धनु	26:42:18	01:38:23	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	सम राशि
गुरु			मक	22:58:23	00:13:35	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	नीच राशि
शुक्र	व		मक	16:50:31	00:17:36	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	मित्र राशि
शनि	व		मिथु	06:19:01	00:04:30	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
राहु	व		धनु	05:00:22	00:02:29	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	नीच राशि
केतु	व		मिथु	05:00:22	00:02:29	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	नीच राशि
हर्ष			तुला	04:03:29	00:01:13	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	–––
नेप			वृश्चि	15:07:53	00:01:49	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	–––
प्लूटो	व		कन्या	13:19:44	00:00:03	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	–––
दशम भाव			धनु	15:26:47	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	--

व – वक्री स – स्थिर

अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:29:58

लग्न–चलित

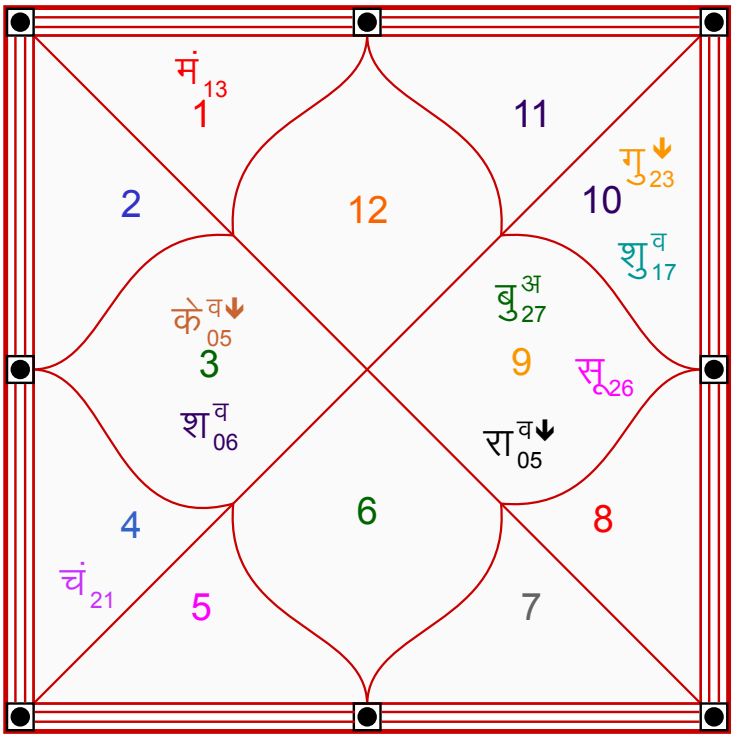

चन्द्र कुंडली

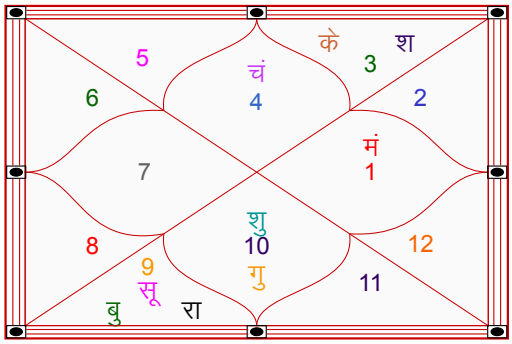

नवमांश कुंडली

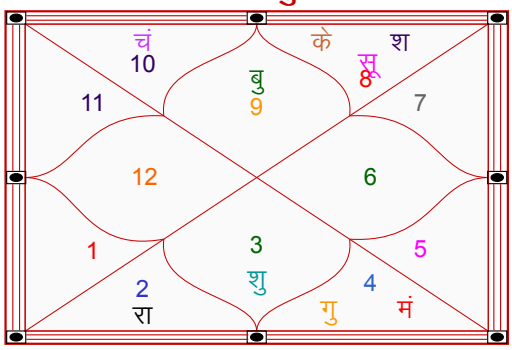

चलित तथा निरयण भाव चलित

चलित अंश

भाव	भाव संधि		भाव मध्य	
1	मीन	03:20:47	मीन	18:55:35
2	मेष	03:20:47	मेष	17:45:59
3	वृष	02:11:11	वृष	16:36:23
4	मिथुन	01:01:35	मिथुन	15:26:47
5	कर्क	01:01:35	कर्क	16:36:23
6	सिंह	02:11:11	सिंह	17:45:59
7	कन्या	03:20:47	कन्या	18:55:35
8	तुला	03:20:47	तुला	17:45:59
9	वृश्चिक	02:11:11	वृश्चिक	16:36:23
10	धनु	01:01:35	धनु	15:26:47
11	मकर	01:01:35	मकर	16:36:23
12	कुम्भ	02:11:11	कुम्भ	17:45:59

निरयण भाव चलित

भाव	राशि	अंश
1	मीन	18:55:35
2	मेष	22:38:34
3	वृष	20:19:44
4	मिथुन	15:26:47
5	कर्क	11:37:01
6	सिंह	12:16:02
7	कन्या	18:55:35
8	तुला	22:38:34
9	वृश्चिक	20:19:44
10	धनु	15:26:47
11	मकर	11:37:01
12	कुम्भ	12:16:02

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
आश्लेषा	मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा
ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद
रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य

चलित कुंडली

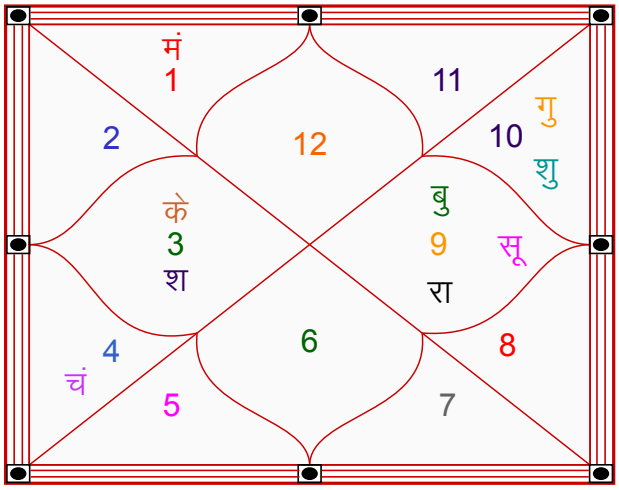

भाव कुंडली

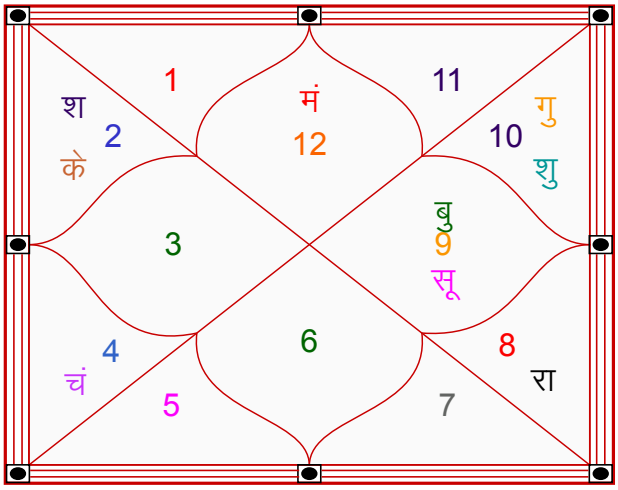

कारक,अवस्था,रश्मि

ग्रह	——— कारक ———		——— अवस्था ———				
	चर	स्थिर	बालादि	दीप्तादि	शयनादि	रश्मि	ग्रह बल
सूर्य	अमात्य	पितृ	मृत	मुदित	निद्रा	5.64	39 %
चंद्र	मातृ	मातृ	कुमार	स्वस्थ	उपवेशन	7.66	57 %
मंगल	ज्ञाति	भ्रातृ	युवा	स्वस्थ	आगम	4.39	30 %
बुध	आत्मा	ज्ञाति	मृत	विकल	आगम	0.00	45 %
गुरु	भ्रातृ	धन	कुमार	भीत	नृत्यलिप्सा	0.35	55 %
शुक्र	पुत्र	कलत्र	युवा	मुदित	आगम	4.88	76 %
शनि	कलत्र	आयु	कुमार	मुदित	आगमन	1.29	35 %
राहु	———	ज्ञान	बाल	भीत	निद्रा	0.00	72 %
केतु	———	मोक्ष	बाल	भीत	उपवेशन	0.00	72 %
कुल						**24.21**	

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
आश्लेषा	मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा
ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद
रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य

चलित कुंडली

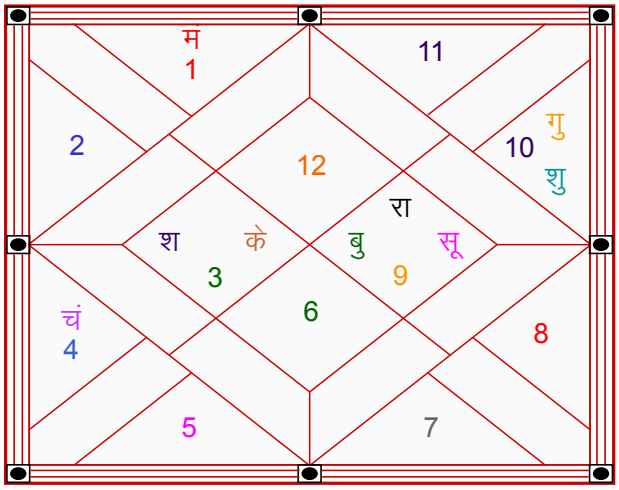

लग्न–चलित

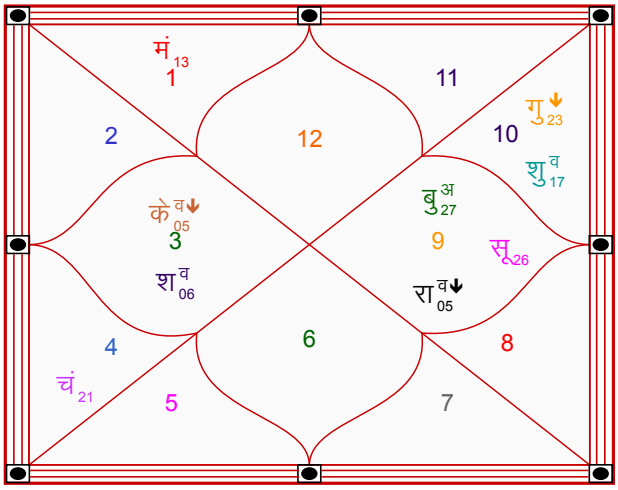

सुदर्शन चक्र

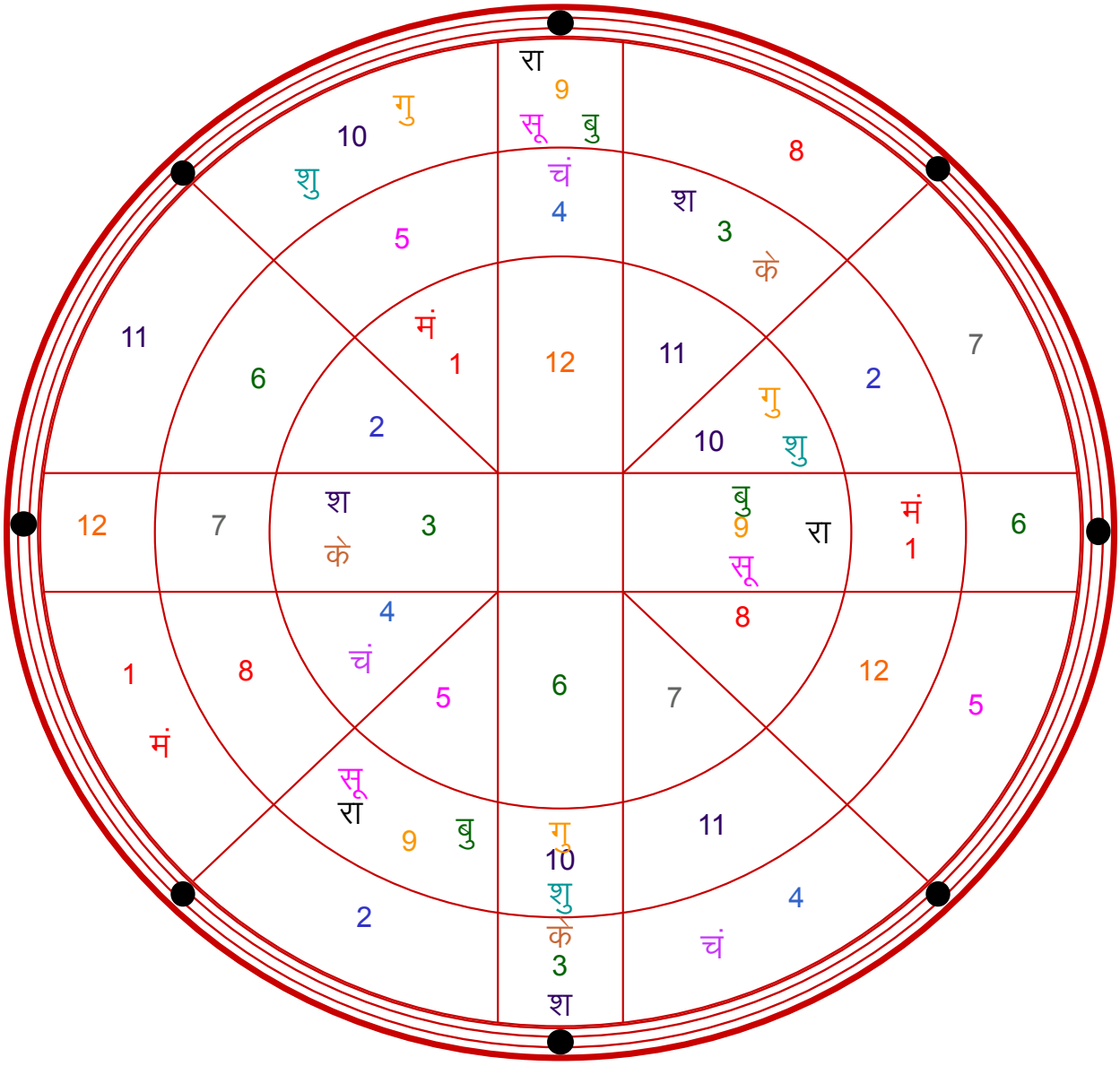

नोटः सुदर्शन चक्र क्रमानुसार बाहरी वृत से अन्तः वृत तक सूर्य, चन्द्र एवं जन्मांग कुंडलियों में ग्रहों की तुलनात्मक स्थिति दर्शाता है। किसी भाव का विचार करने के लिए उस भाव को प्रकट करने वाली तीनों राशियों का विचार करना चाहिए।

कृष्णमूर्ति पद्धति

भोग्य दशा काल : बुध 11 वर्ष 5 मास 21 दिन

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		धनु	26:14:32	गुरु	शुक्र	केतु	राहु
चंद्र		कर्क	20:59:57	चंद्र	बुध	शुक्र	शनि
मंगल		मेष	12:44:01	मंगल	केतु	बुध	राहु
बुध		धनु	26:48:44	गुरु	सूर्य	सूर्य	राहु
गुरु		मक	23:04:49	शनि	चंद्र	सूर्य	शनि
शुक्र	व	मक	16:56:57	शनि	चंद्र	शनि	चंद्र
शनि	व	मिथु	06:25:27	बुध	मंगल	चंद्र	केतु
राहु	व	धनु	05:06:48	गुरु	केतु	मंगल	शनि
केतु	व	मिथु	05:06:48	बुध	मंगल	सूर्य	राहु
हर्ष		तुला	04:09:55	शुक्र	मंगल	शुक्र	शनि
नेप		वृश्चि	15:14:20	मंगल	शनि	गुरु	शनि
प्लूटो	व	कन्या	13:26:10	बुध	चंद्र	राहु	शुक्र

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	मीन	19:02:01	गुरु	बुध	केतु	गुरु
2	मेष	22:45:00	मंगल	शुक्र	शनि	शुक्र
3	वृष	20:26:10	शुक्र	चंद्र	केतु	बुध
4	मिथु	15:33:13	बुध	राहु	शुक्र	शुक्र
5	कर्क	11:43:28	चंद्र	शनि	चंद्र	बुध
6	सिंह	12:22:29	सूर्य	केतु	बुध	चंद्र
7	कन्या	19:02:01	बुध	चंद्र	बुध	राहु
8	तुला	22:45:00	शुक्र	गुरु	शनि	शुक्र
9	वृश्चि	20:26:10	मंगल	बुध	शुक्र	राहु
10	धनु	15:33:13	गुरु	शुक्र	शुक्र	केतु
11	मक	11:43:28	शनि	चंद्र	मंगल	शुक्र
12	कुंभ	12:22:29	शनि	राहु	शनि	गुरु

के.पी. अयनांश : 23:23:31

फॉरच्युना : तुला 13:47:26

लग्न कुंडली

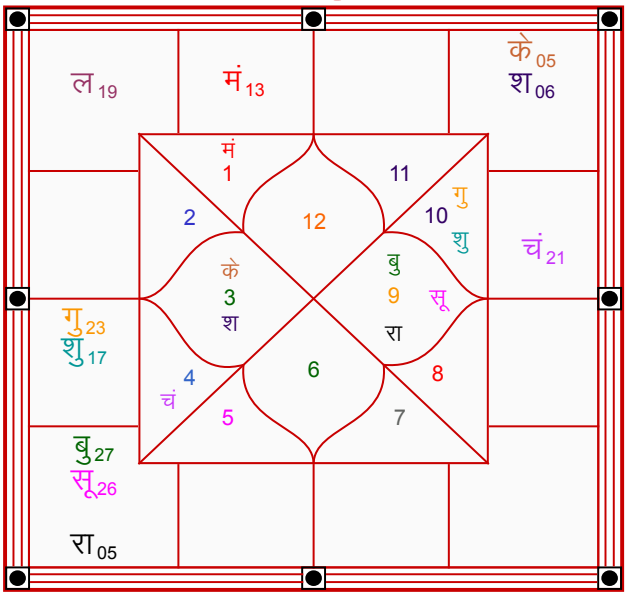

भाव कुंडली

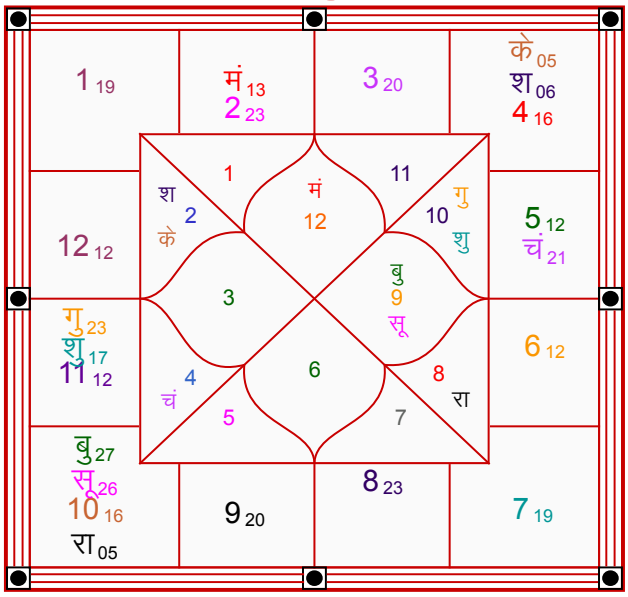

कारकत्व एवं स्वामित्व

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	मंगल, गुरु– शनि, केतु,
2	मंगल– शनि– केतु–
3	सूर्य– मंगल, शुक्र– शनि, राहु, केतु,
4	चंद्र– बुध–
5	चंद्र, गुरु+ शुक्र+
6	सूर्य– बुध–
7	चंद्र– बुध–
8	सूर्य– शुक्र–
9	मंगल– शनि– राहु, केतु–
10	सूर्य, चंद्र, बुध+ गुरु–
11	सूर्य, गुरु, शुक्र, शनि–
12	शनि–

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	3- 6- 8- 10, 11,
चंद्र	4- 5, 7- 10,
मंगल	1, 2- 3, 9-
बुध	4- 6- 7- 10+
गुरु	1- 5+ 10- 11,
शुक्र	3- 5+ 8- 11,
शनि	1, 2- 3, 9- 11- 12-
राहु	3, 9,
केतु	1, 2- 3, 9-

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	बुध
लग्न राशि स्वामी	गुरु
राशि नक्षत्र स्वामी	बुध
राशि स्वामी	चन्द्र
वार स्वामी	गुरु
लग्न अन्तर स्वामी	केतु
राशि अन्तर स्वामी	शुक्र

कारकत्व–सारिणी

भाव	स्थित ग्रह के नक्षत्र में	स्थित ग्रह	स्वामी के नक्षत्र में	स्वामी
1	श के	मं	--	गु
2	--	--	श के	मं
3	मं रा	श के	सू	शु
4	--	--	चं	बु
5	गु शु	चं	गु शु	चं
6	--	--	बु	सू
7	--	--	चं	बु
8	--	--	सू	शु
9	--	रा	श के	मं
10	चं बु	सू बु	--	गु
11	सू	गु शु	--	श
12	--	--	--	श

ग्रह कारक सारिणी–1

ग्रह	भावाधिपति	नक्षत्राधिपति	स्थित	भाव
सूर्य	6	---	धनु	10
चंद्र	5	3,7,11	कर्क	5
मंगल	2,9	---	मेष	1
बुध	4,7	1,9	धनु	10
गुरु	1,10	8	मकर	11
शुक्र	3,8	2,10	मकर	11
शनि	11,12	5	मिथुन	3
राहु	---	4,12	धनु	9
केतु	---	6	मिथुन	3

ग्रह कारक सारिणी–2

ग्रह	भावाधि भाव	नक्षत्राधि भाव	स्थित भाव	स्वामित्व	अन्तर स्वामी	स्थित भाव
सूर्य	3,8	2,10	11	---	6	3
चंद्र	4,7	1,9	10	3,8	2,10	11
मंगल	---	6	3	4,7	1,9	10
बुध	6	---	10	6	---	10
गुरु	5	3,7,11	5	6	---	10
शुक्र	5	3,7,11	5	11,12	5	3
शनि	2,9	---	1	5	3,7,11	5
राहु	---	6	3	2,9	---	1
केतु	2,9	---	1	6	---	10

भाव मध्य दृष्टि विचार

दृष्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	348.93	17.77	46.61	75.45	106.61	137.77	168.93	197.77	226.61	255.45	286.61	317.77
सूर्य	––	––	––	सप्त	––	––	––	––	––	युति	––	––
266.14	0.00	0.00	0.00	4.36	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4.36	0.00	0.00
चंद्र	––	––	––	––	युति	––	तृती	चतु	पंच	––	सप्त	––
110.89	0.00	0.00	0.00	0.00	9.01	0.00	2.61	2.05	1.30	0.00	9.01	0.00
मंगल	––	युति	––	तृती	4था	पंच	––	सप्त	8वां	––	––	––
12.63	0.00	8.59	0.00	2.22	9.14	0.67	0.00	8.59	9.14	0.00	0.00	0.00
बुध	––	––	––	––	––	––	––	––	––	युति	––	––
266.70	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3.82	0.00	0.00
गुरु	तृती	चतु	5वां	––	––	––	9वां	––	––	––	युति	––
292.97	1.47	0.62	7.86	0.00	0.00	0.00	9.12	0.00	0.00	0.00	7.86	0.00
शुक्र	तृती	चतु	पंच	––	सप्त	––	––	––	––	––	युति	––
286.84	2.56	2.91	2.99	0.00	10.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	10.00	0.00
शनि	10वा	––	––	युति	नवां	3रा	––	––	––	सप्त	––	––
66.32	2.48	0.00	0.00	5.77	0.90	3.63	0.00	0.00	0.00	5.77	0.00	0.00
राहु	––	––	––	सप्त	––	––	––	––	––	युति	––	पंचा
245.01	0.00	0.00	0.00	4.60	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4.60	0.00	0.37
केतु	––	––	––	युति	––	पंचा	––	––	––	सप्त	––	––
65.01	0.00	0.00	0.00	4.60	0.00	0.37	0.00	0.00	0.00	4.60	0.00	0.00
हर्ष	––	सप्त	––	––	––	––	––	युति	––	––	––	––
184.06	0.00	1.35	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.35	0.00	0.00	0.00	0.00
नेप	पंच	––	सप्त	––	––	––	––	––	युति	––	––	चतु
225.13	1.64	0.00	9.88	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.88	0.00	0.00	2.31
प्लूटो	सप्त	––	––	––	––	––	युति	––	तृती	चतु	पंच	––
163.33	8.33	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.33	0.00	1.96	2.55	1.96	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त – दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त – दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति – युति	0	15	10	सप्त – सप्तम	180	15	10
पंच – पंचम	120	6	3	चतु – चतुर्थ	90	6	3
तृती – तृतीय	60	6	3	अष्ट – अष्टमांश	45	1	1
नवां – नवमांश	40	1	1	पंचा – पंचमांश	72	1	1
अष्टां – अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ – षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां – मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

ग्रह दृष्टि विचार

दृष्य ग्रह

	सूर्य 266.14	चंद्र 110.89	मंगल 12.63	बुध 266.70	गुरु 292.97	शुक्र 286.84	शनि 66.32	राहु 245.01	केतु 65.01	हर्ष 184.06	नेप 225.13	प्लूटो 163.33
सूर्य 266.14	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	युति 9.98	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00
चंद्र 110.89	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	सप्त 9.76	सप्त 9.11	—— 0.00	अष्टां 0.18	—— 0.00	—— 0.00	पंच 0.19	—— 0.00
मंगल 12.63	—— 0.00	4था 6.48	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	सप्त 6.24	8वां 9.66	षष्ठ 0.45
बुध 266.70	युति 9.98	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00
गुरु 292.97	—— 0.00	सप्त 9.76	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	युति 8.01	5वां 1.73	—— 0.00	5वां 3.06	9वां 3.99	—— 0.00	9वां 5.32
शुक्र 286.84	—— 0.00	सप्त 9.11	चतु 1.35	—— 0.00	युति 8.01	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00
शनि 66.32	—— 0.00	अष्ट 0.79	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	सप्त 9.91	युति 9.91	पंच 2.49	—— 0.00	—— 0.00
राहु 245.01	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	सप्त 9.91	—— 0.00	सप्त 10.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00
केतु 65.01	—— 0.00	अष्ट 0.18	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	युति 9.91	सप्त 10.00	—— 0.00	पंच 2.91	—— 0.00	—— 0.00
हर्ष 184.06	—— 0.00	—— 0.00	सप्त 6.24	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	तृती 2.91	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00
नेप 225.13	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	तृती 2.70	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00
प्लूटो 163.33	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	पंच 1.82	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	—— 0.00	तृती 2.67	—— 0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त – दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त – दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति – युति	0	15	10	सप्त – सप्तम	180	15	10
पंच – पंचम	120	6	3	चतु – चतुर्थ	90	6	3
तृती – तृतीय	60	6	3	अष्ट – अष्टमांश	45	1	1
नवां – नवमांश	40	1	1	पंचा – पंचमांश	72	1	1
अष्टां – अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ – षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां – मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

भाव दृष्टि विचार

दृष्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	348.93	22.64	50.33	75.45	101.62	132.27	168.93	202.64	230.33	255.45	281.62	312.27
सूर्य	––	पंच	––	सप्त	––	––	––	––	––	युति	––	––
266.14	0.00	1.83	0.00	4.36	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4.36	0.00	0.00
चंद्र	––	––	––	––	युति	––	तृती	चतु	पंच	––	सप्त	––
110.89	0.00	0.00	0.00	0.00	5.64	0.00	2.61	2.69	2.97	0.00	5.64	0.00
मंगल	––	युति	––	तृती	4था	पंच	––	सप्त	8वां	––	––	––
12.63	0.00	4.99	0.00	2.22	9.94	2.99	0.00	4.99	6.92	0.00	0.00	0.00
बुध	––	पंच	––	––	सप्त	––	––	––	––	युति	युति	अष्ट
266.70	0.00	1.46	0.00	0.00	0.09	0.00	0.00	0.00	0.00	3.82	0.09	0.63
गुरु	तृती	चतु	5वां	––	––	––	9वां	––	––	––	युति	––
292.97	1.47	2.99	9.62	0.00	0.00	0.00	9.12	0.00	0.00	0.00	3.72	0.00
शुक्र	तृती	चतु	पंच	––	सप्त	––	––	––	––	––	युति	––
286.84	2.56	0.16	1.83	0.00	8.54	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.54	0.00
शनि	10वा	––	––	युति	––	3रा	––	––	––	सप्त	––	––
66.32	2.48	0.00	0.00	5.77	0.00	8.12	0.00	0.00	0.00	5.77	0.00	0.00
राहु	––	––	सप्त	सप्त	––	––	––	––	युति	युति	––	––
245.01	0.00	0.00	0.34	4.60	0.00	0.00	0.00	0.00	0.34	4.60	0.00	0.00
केतु	––	––	युति	युति	––	––	––	––	––	सप्त	––	––
65.01	0.00	0.00	0.34	4.60	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4.60	0.00	0.00
हर्ष	––	––	––	––	––	––	––	––	––	––	––	––
184.06	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
नेप	पंच	––	सप्त	––	––	––	––	––	युति	––	––	चतु
225.13	1.64	0.00	8.56	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.56	0.00	0.00	2.20
प्लूटो	सप्त	––	––	––	––	––	युति	नवां	––	चतु	पंच	––
163.33	8.33	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.33	0.47	0.00	2.55	2.70	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त – दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त – दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति – युति	0	15	10	सप्त – सप्तम	180	15	10
पंच – पंचम	120	6	3	चतु – चतुर्थ	90	6	3
तृती – तृतीय	60	6	3	अष्ट – अष्टमांश	45	1	1
नवां – नवमांश	40	1	1	पंचा – पंचमांश	72	1	1
अष्टां – अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ – षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां – मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिएं, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

सूर्य कुंडली

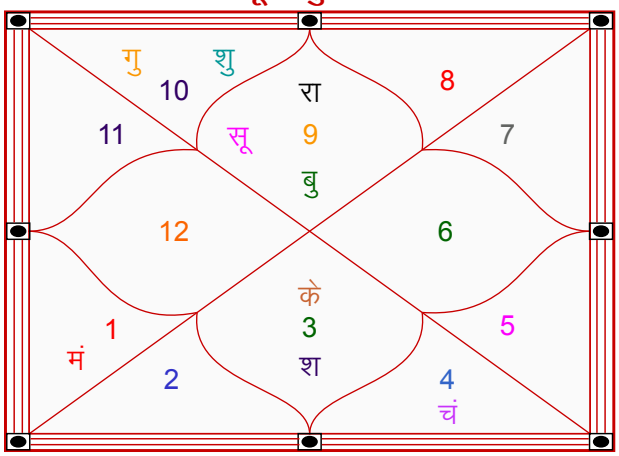

आत्मविचारः

चन्द्र कुंडली

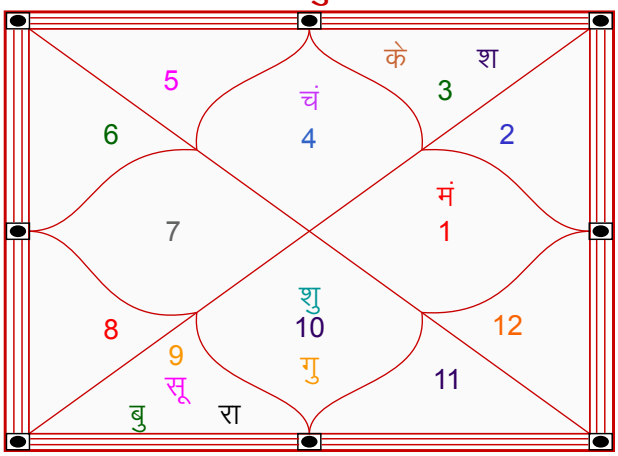

मनोबलविचारः

लग्न कुंडली

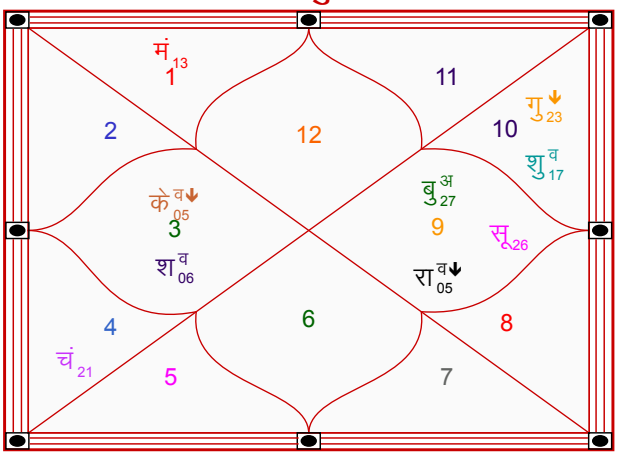

देह विचारः

होरा कुंडली

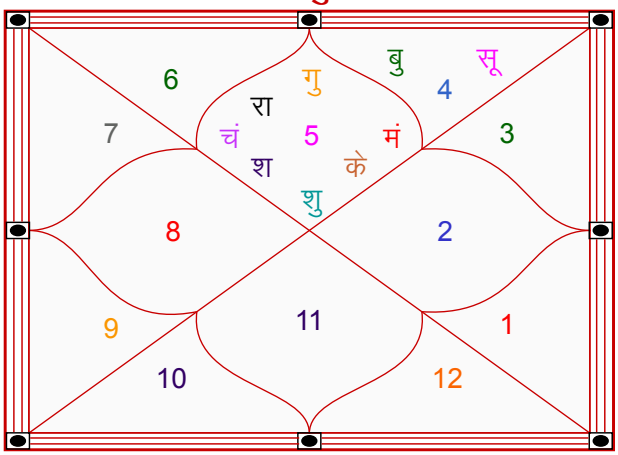

सम्पदाविचारः

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

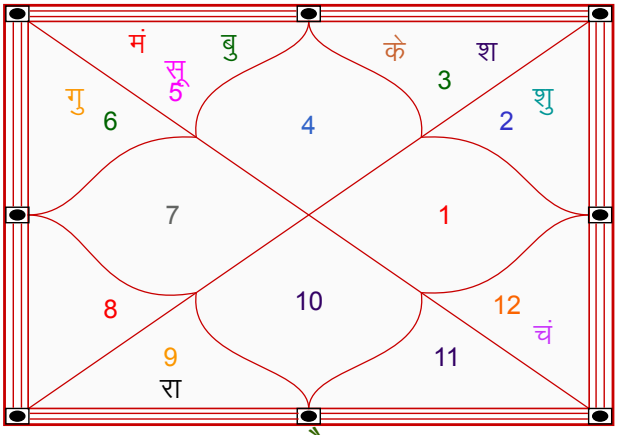

भ्रातृसौख्यम

चतुर्थांश कुंडली

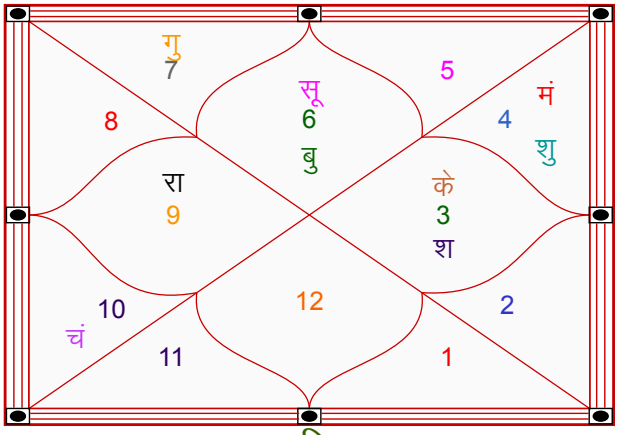

भाग्यविचारः

पंचमांश कुंडली

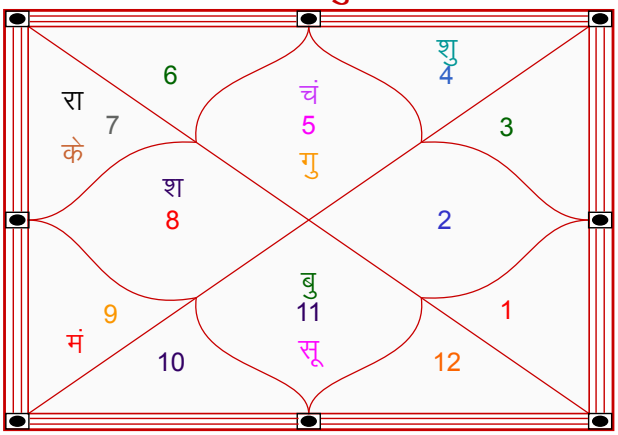

ज्ञानविचारः

षष्ठांश कुंडली

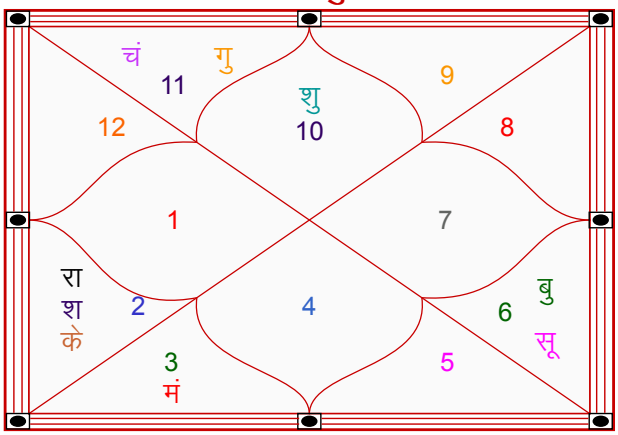

रिपुज्ञानम्

सप्तमांश कुंडली

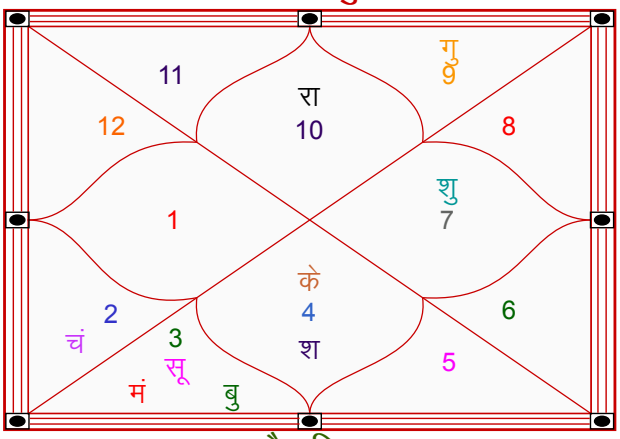

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

अष्टमांश कुंडली

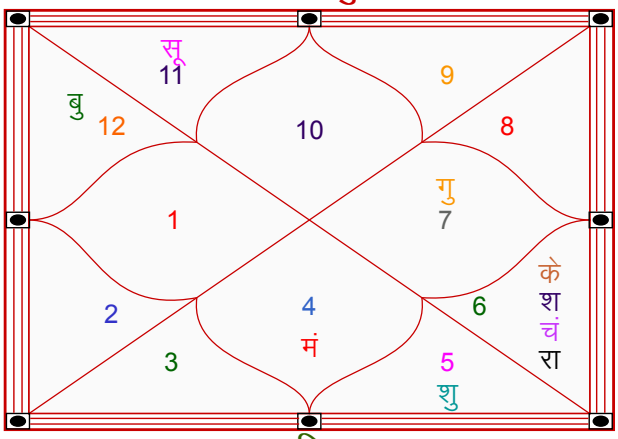

आयुविचारः

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

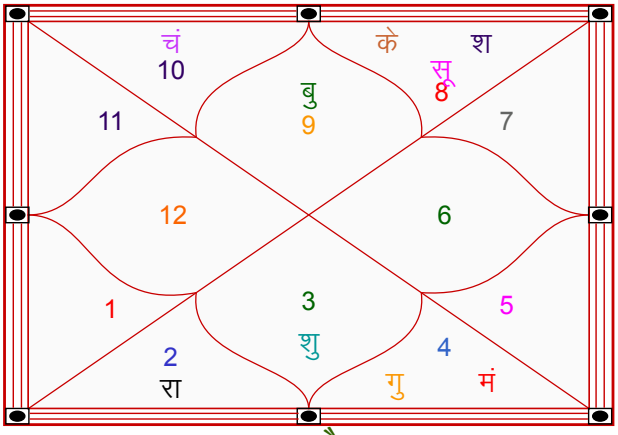

कलत्र सौख्यम

दशमांश कुंडली

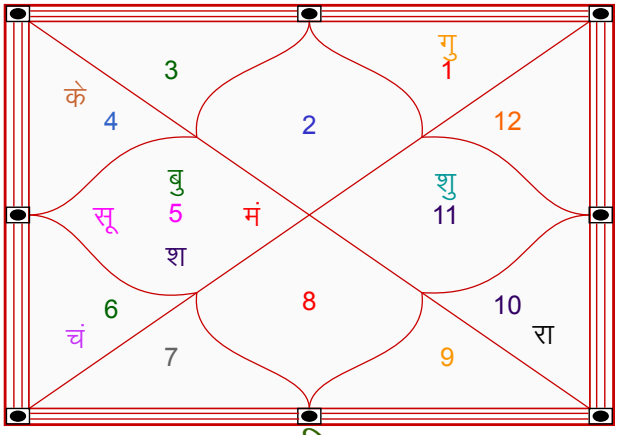

राज्यविचारः

एकादशांश कुंडली

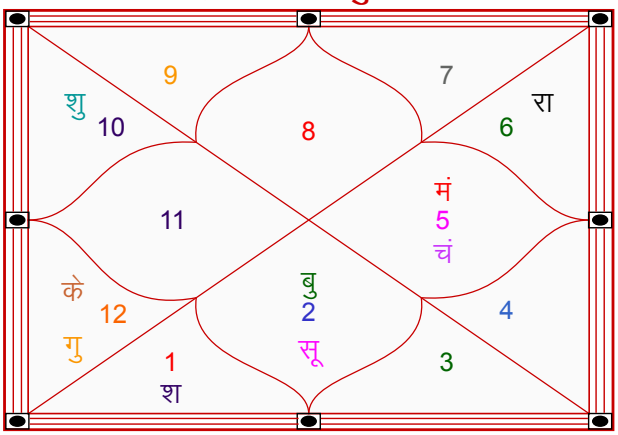

लाभविचारः

द्वादशांश कुंडली

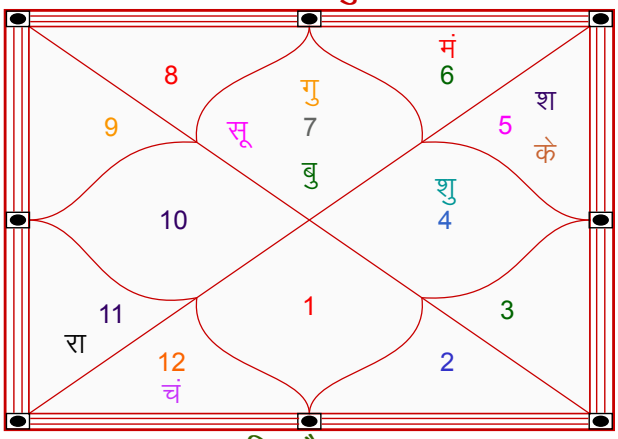

पितृसौख्यम

षोडशांश कुंडली

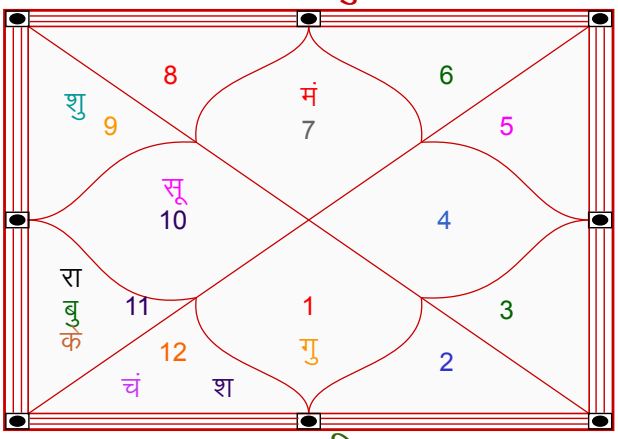

वाहनसुखविचारः

विंशांश कुंडली

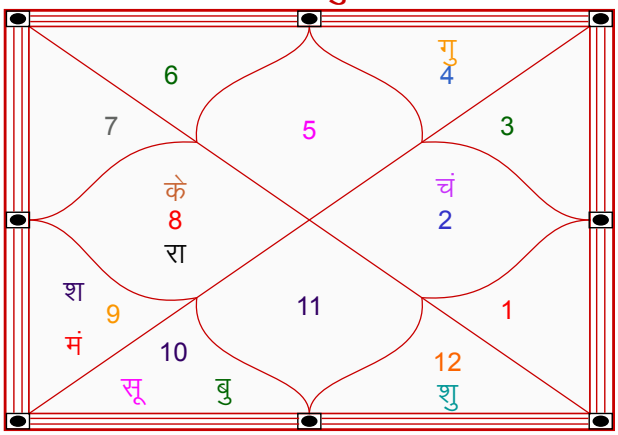

उपासनाज्ञानम्

षोडशवर्ग चक्र

चतुर्विंशांश कुंडली

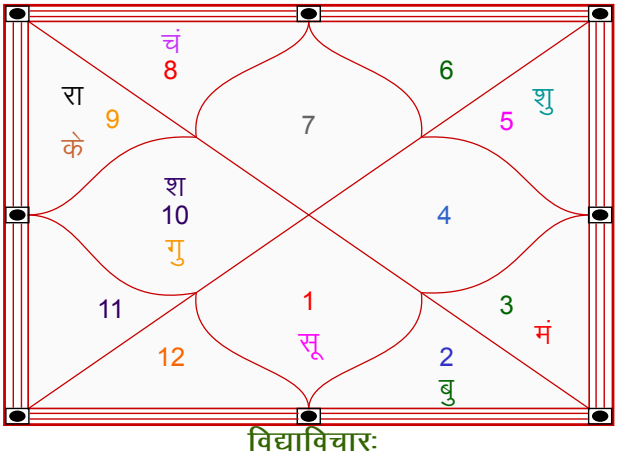

विद्याविचारः

सप्तविंशांश कुंडली

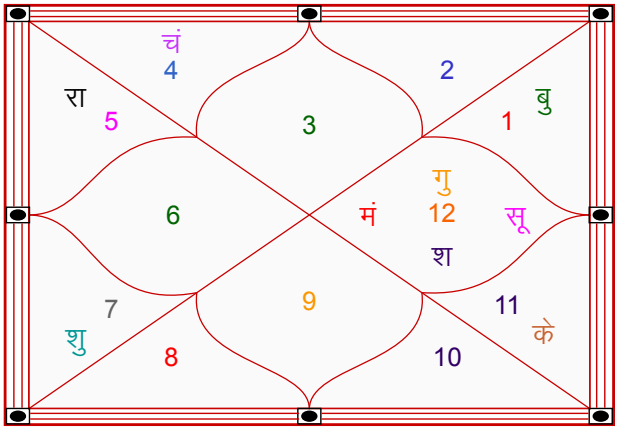

बलाबलज्ञानम्

त्रिंशांश कुंडली

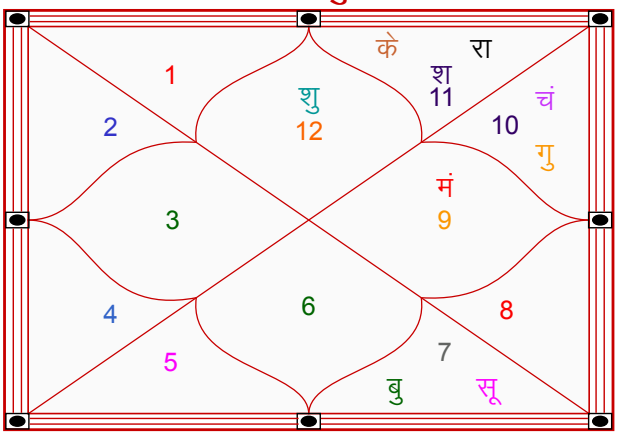

अरिष्टज्ञानम्

खवेदांश कुंडली

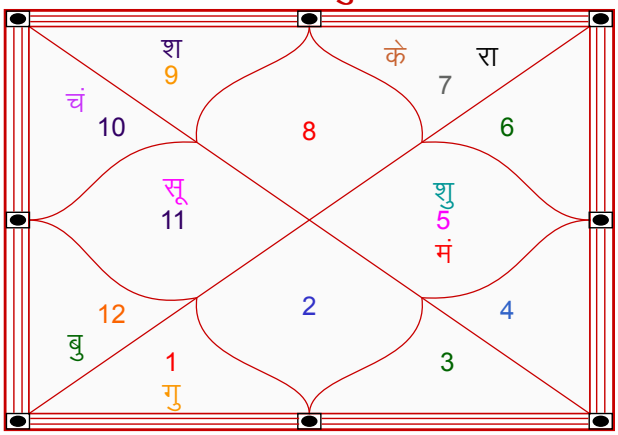

शुभाशुभज्ञानम्

अक्षवेदांश कुंडली

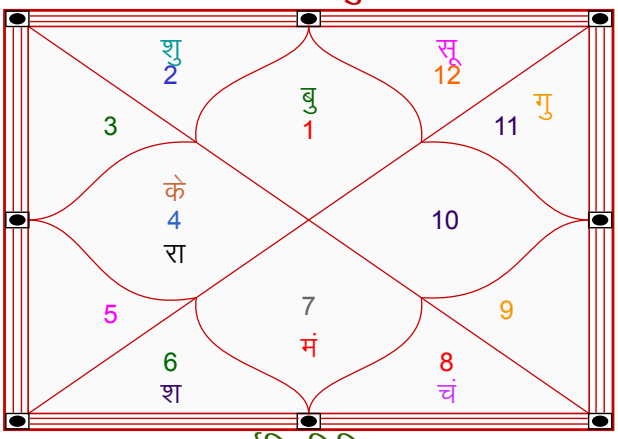

सर्वास्थितिविचारः

षष्ट्यंश कुंडली

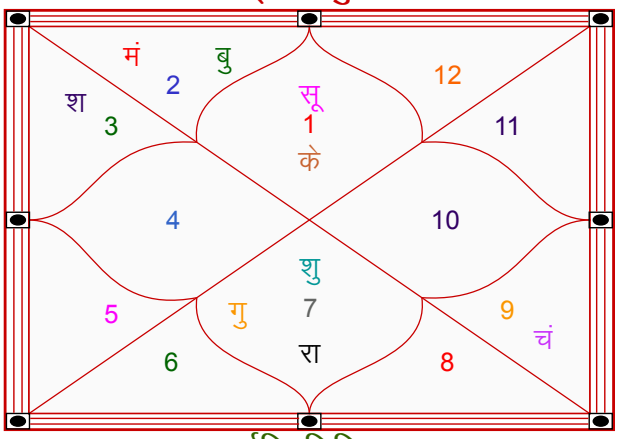

सर्वास्थितिविचारः

षोडशवर्ग सारणियाँ

षोडशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
राशि	मीन	धनु	कर्क	मेष	धनु	मक	मक	मिथु	धनु	मिथु
होरा	सिंह	कर्क	सिंह	सिंह	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह
द्रेष्काण	कर्क	सिंह	मीन	सिंह	सिंह	कन्या	वृष	मिथु	धनु	मिथु
चतुर्थांश	कन्या	कन्या	मक	कर्क	कन्या	तुला	कर्क	मिथु	धनु	मिथु
सप्तमांश	मक	मिथु	वृष	मिथु	मिथु	धनु	तुला	कर्क	मक	कर्क
नवमांश	धनु	वृश्चि	मक	कर्क	धनु	कर्क	मिथु	वृश्चि	वृष	वृश्चि
दशमांश	वृष	सिंह	कन्या	सिंह	सिंह	मेष	कुंभ	सिंह	मक	कर्क
द्वादशांश	तुला	तुला	मीन	कन्या	तुला	तुला	कर्क	सिंह	कुंभ	सिंह
षोडशांश	तुला	मक	मीन	तुला	कुंभ	मेष	धनु	मीन	कुंभ	कुंभ
विंशांश	सिंह	मक	वृष	धनु	मक	कर्क	मीन	धनु	वृश्चि	वृश्चि
चतुर्विंशांश	तुला	मेष	वृश्चि	मिथु	वृष	मक	सिंह	मक	धनु	धनु
सप्तविंशांश	मिथु	मीन	कर्क	मीन	मेष	मीन	तुला	मीन	सिंह	कुंभ
त्रिंशांश	मीन	तुला	मक	धनु	तुला	मक	मीन	कुंभ	कुंभ	कुंभ
खवेदांश	वृश्चि	कुंभ	मक	सिंह	मीन	मेष	सिंह	धनु	तुला	तुला
अक्षवेदांश	मेष	मीन	वृश्चि	तुला	मेष	कुंभ	वृष	कन्या	कर्क	कर्क
षष्ट्यंश	मेष	मेष	धनु	वृष	वृष	तुला	तुला	मिथु	तुला	मेष

वर्ग भेद

	षडवर्ग	सप्तवर्ग	दशवर्ग	षोडशवर्ग
सूर्य	1 –––	1 –––	3 उत्तम	4 नागपुष्प
चन्द्र	1 –––	2 किंसुक	2 पारिजात	4 नागपुष्प
मंगल	1 –––	1 –––	1 –––	1 –––
बुध	0 –––	1 –––	1 –––	2 भेदक
गुरु	1 –––	2 किंसुक	2 पारिजात	4 नागपुष्प
शुक्र	2 किंसुक	3 व्यंजन	4 गोपुर	7 कल्पवृक्ष
शनि	1 –––	1 –––	1 –––	2 भेदक
राहु	0 –––	0 –––	0 –––	0 –––
केतु	0 –––	0 –––	0 –––	1 –––

विंशोपक बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षडवर्ग	14.40	13.60	14.90	13.45	9.25	13.35	9.50	14.00	9.25
सप्तवर्ग	13.13	12.75	13.58	14.33	10.65	13.90	9.50	13.30	9.35
दशवर्ग	12.10	10.60	13.58	14.48	10.25	13.78	9.40	13.35	10.43
षोडशवर्ग	11.65	12.23	15.20	13.88	10.03	13.68	9.73	13.75	10.93

मैत्री सारिणी

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	–––	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	–––	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	–––	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	–––	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	–––	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	–––	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	–––	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	–––	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	–––

तात्कालिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	–––	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	शत्रु	–––	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र
मंगल	शत्रु	मित्र	–––	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
बुध	शत्रु	शत्रु	शत्रु	–––	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
गुरु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	–––	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु
शुक्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	–––	शत्रु	मित्र	शत्रु
शनि	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	–––	शत्रु	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	–––	शत्रु
केतु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	–––

पंचधा मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	–––	सम	सम	शत्रु	अतिमित्र	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अधिशत्रु
चंद्र	सम	–––	मित्र	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	अधिशत्रु	सम
मंगल	सम	अतिमित्र	–––	अधिशत्रु	अतिमित्र	मित्र	मित्र	अधिशत्रु	अतिमित्र
बुध	सम	अधिशत्रु	शत्रु	–––	मित्र	अतिमित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
गुरु	अतिमित्र	सम	अतिमित्र	सम	–––	अधिशत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु
शुक्र	सम	अधिशत्रु	मित्र	अतिमित्र	शत्रु	–––	सम	अतिमित्र	सम
शनि	अधिशत्रु	सम	सम	सम	शत्रु	सम	–––	सम	अधिशत्रु
राहु	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अधिशत्रु	शत्रु	मित्र	अतिमित्र	सम	–––	अधिशत्रु
केतु	अधिशत्रु	सम	अतिमित्र	शत्रु	शत्रु	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	–––

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	25	34	35	26	6	37	15
सप्तवर्गज बल	86	79	109	114	77	103	64
ओजयुग्मक बल	15	30	15	30	0	15	15
केन्द्र बल	60	30	30	60	30	30	60
द्रेष्काण बल	0	15	0	0	0	0	0
कुल स्थान बल	187	188	189	230	113	185	154
कुल दिग्बल	56	48	21	33	41	10	26
नतोन्नत बल	56	4	4	60	56	56	4
पक्ष बल	8	103	8	8	52	52	8
त्रिभाग बल	60	0	0	0	60	0	0
अब्द बल	0	0	0	0	0	0	15
मास बल	0	0	0	0	0	30	0
वार बल	0	0	0	0	45	0	0
होरा बल	0	0	0	60	0	0	0
अयन बल	3	9	48	58	9	7	0
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	128	116	60	186	222	145	27
कुल चेष्टाबल	0	0	40	10	11	55	53
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	-16	-11	5	-15	3	0	1
कुल षट्बल	415	392	332	470	425	438	270
रूप षट्बल	6.9	6.5	5.5	7.8	7.1	7.3	4.5
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.4	1.1	1.1	1.1	1.1	1.3	0.9
संबंधित पद	1	5	4	3	6	2	7

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	12.89	41.97	37.37	16.54	8.00	44.79	28.70
कष्ट फल	43.02	14.64	22.44	40.97	51.61	11.02	17.21

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	425	332	438	470	392	415	470	438	332	425	270	270
भावदिग्बल	30	20	10	30	50	20	0	10	40	60	10	50
भावदृष्टि बल	39	81	48	61	84	61	44	46	-8	-20	0	14
कुल भाव बल	494	433	496	562	526	496	515	494	363	465	280	334
रूप भाव बल	8.2	7.2	8.3	9.4	8.8	8.3	8.6	8.2	6.1	7.7	4.7	5.6
संबंधित पद	6	9	4	1	2	5	3	7	10	8	12	11

षट्बल ग्राफ

स्थान बल

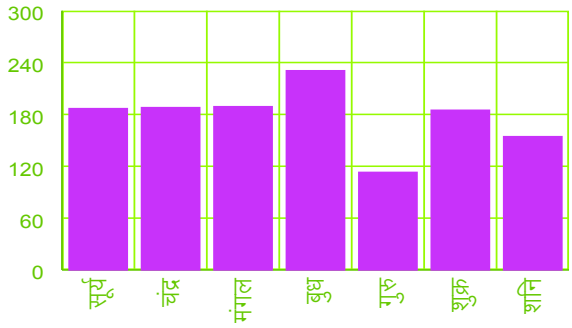

दिग्बल

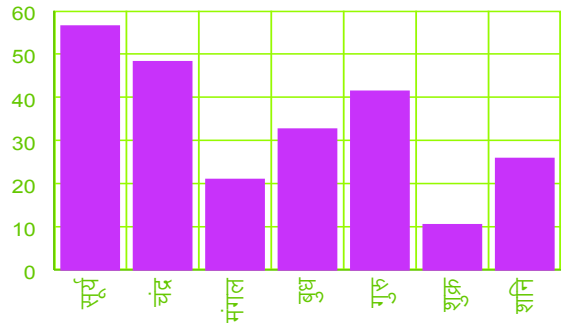

कालबल

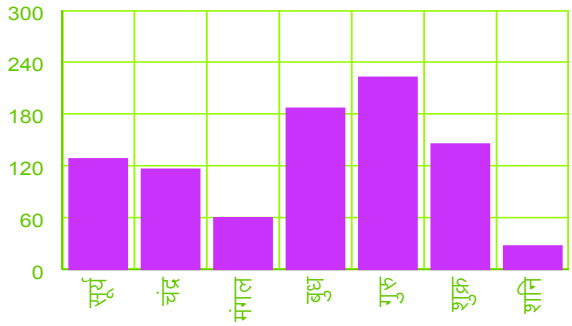

चेष्टाबल

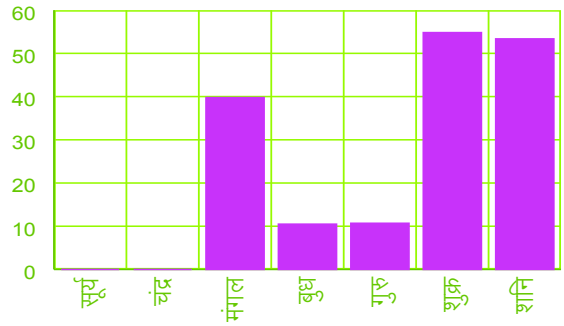

नैसर्गिक बल

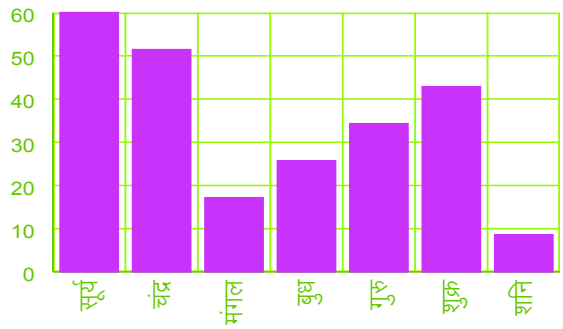

दृग्बल

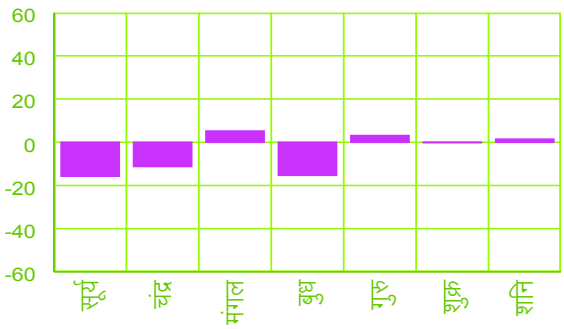

रूप षट्बल

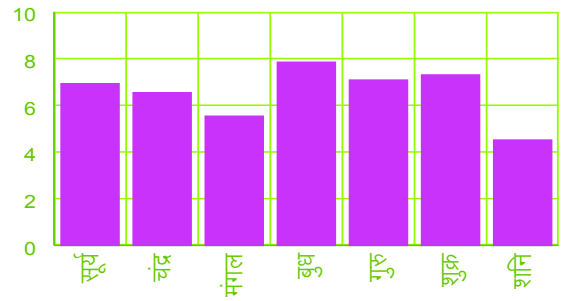

न्यूनतम षट्बल

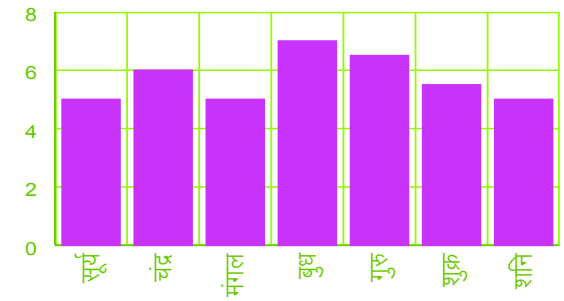

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

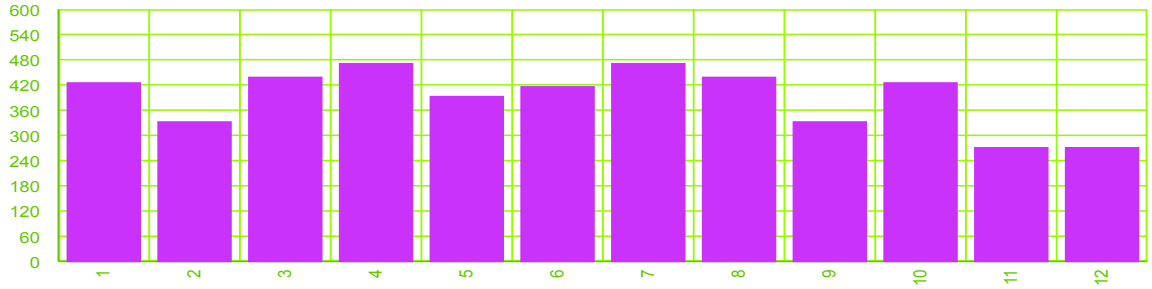

भावदिग्बल

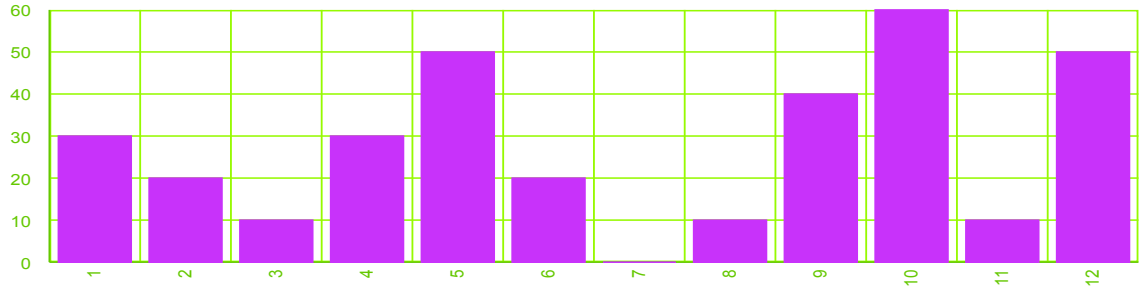

भावदृष्टि बल

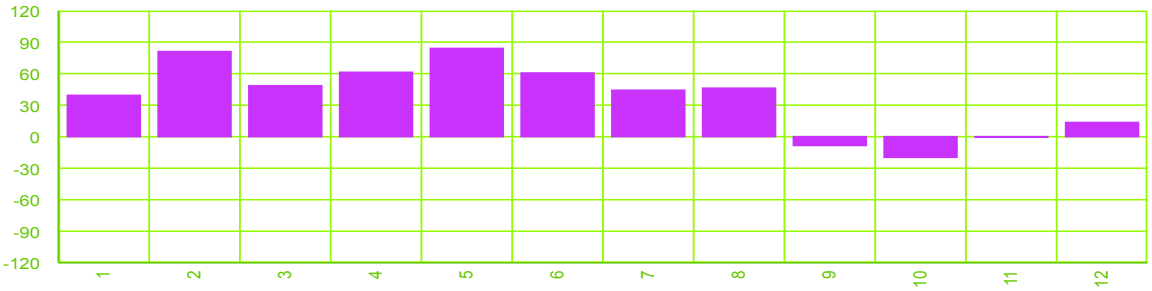

भाव बल

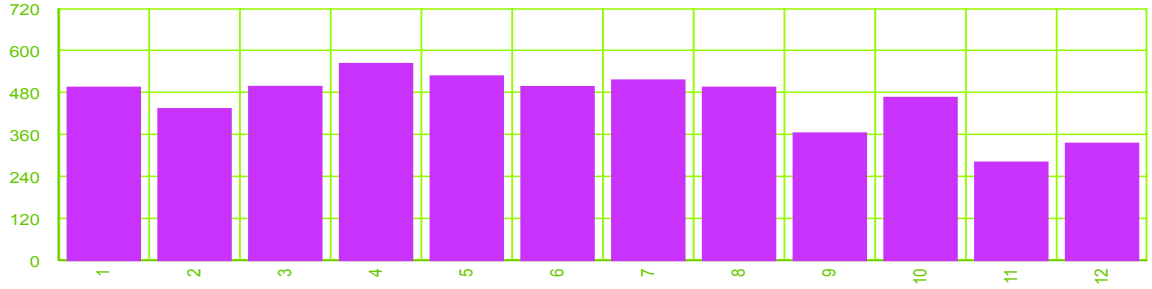

षट्बल तथा भावबल ग्राफ

रूप षट्बल

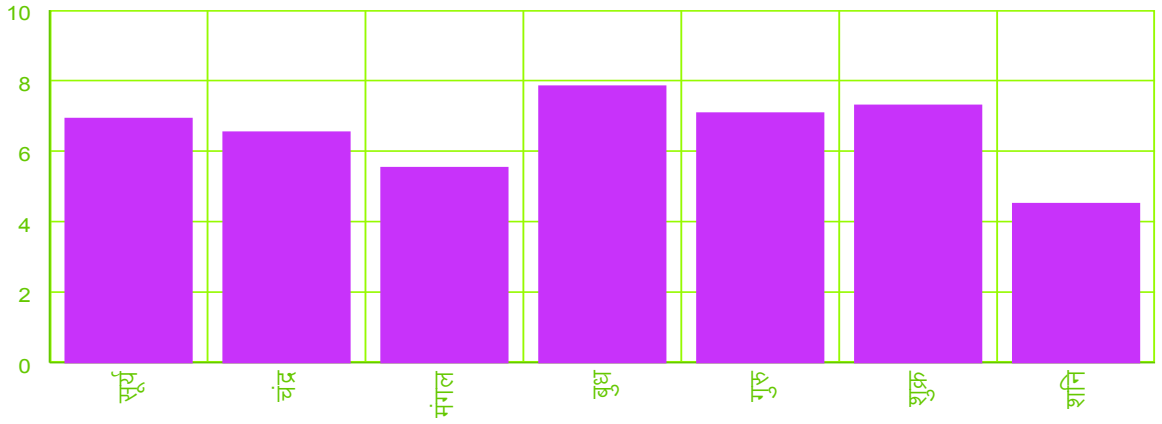

इष्ट – कष्ट फल

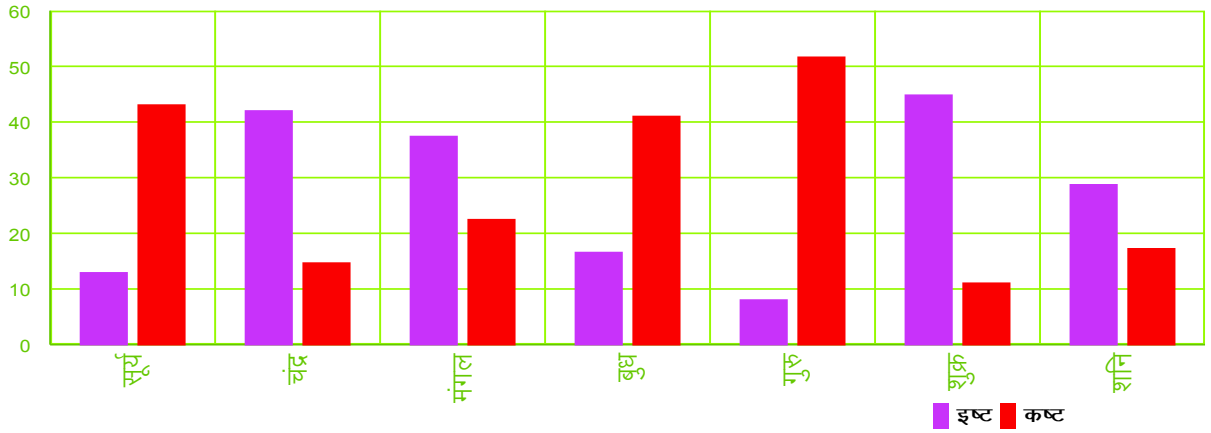

रूप भाव बल

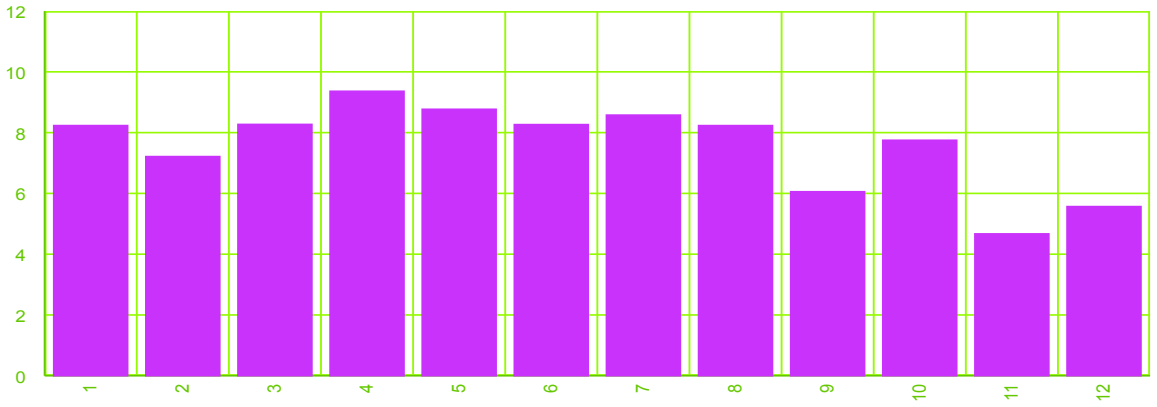

उपग्रह एवं आरूढ़

उपग्रह	संक्षि	राशि	अंश	उच्च	स्थिति	नक्षत्र	पद	नं.
लग्न	ल	मीन	18:55:35	––	––	रेवती	1	27
गुलिक	गु	मीन	07:08:40	––	––	उ०भाद्रपद	2	26
काल	का	मेष	03:19:50	––	––	अश्विनी	1	1
मृत्यु	मृ	वृष	18:57:18	––	––	रोहिणी	3	4
यमघंटक	यम	मक	16:40:16	––	––	श्रवण	3	22
अर्द्धप्रहर	अर्द्ध	मिथु	08:47:16	––	मूल	आर्द्रा	1	6
धूम	धू	वृष	09:28:06	––	––	कृतिका	4	3
व्यतिपात	व्य	कुंभ	20:31:54	––	––	पू०भाद्रपद	1	25
परिवेश	परि	सिंह	20:31:54	––	––	पू०फाल्गुनी	3	11
इन्द्रचाप	इ	वृश्चि	09:28:06	––	––	अनुराधा	2	17
उपकेतु	उप	वृश्चि	26:08:06	––	––	ज्येष्ठा	3	18

प्राणपद	:	मेष	14:31:04	कारकाँश लग्न	:	धनु	00:20:38
भाव लग्न	:	मिथु	00:20:44	होरा लग्न	:	सिंह	11:45:53
घटी लग्न	:	धनु	23:13:51	वर्णद लग्न	:	सिंह	00:41:28

उपग्रह कुंडली

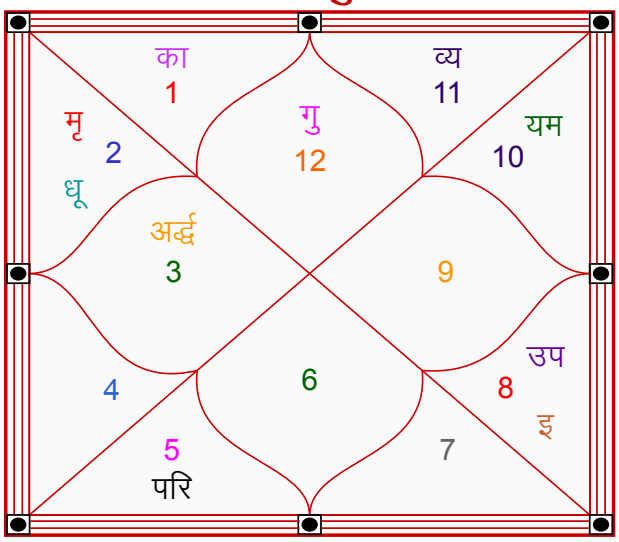

आरूढ़ कुंडली

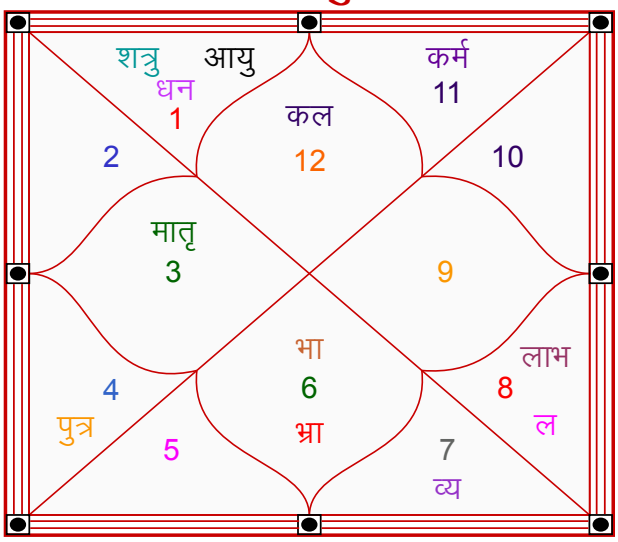

षन्नाडी चक्र

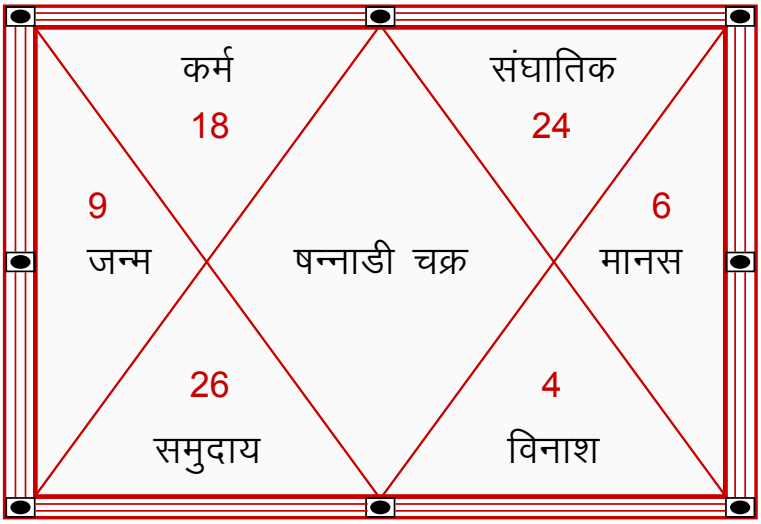

त्रिपाप चक्र

प्रथम चक्र	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
द्वितीय चक्र	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48
तृतीय चक्र	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84
केतु पताकी	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र
केतु कुंडली	केतु	गुरु	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध	मंगल
गुरु कुंडली	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र

प्रथम चक्र	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
द्वितीय चक्र	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
तृतीय चक्र	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96
केतु पताकी	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल
केतु कुंडली	केतु	गुरु	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध	मंगल
गुरु कुंडली	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र

प्रथम चक्र	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36
द्वितीय चक्र	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72
तृतीय चक्र	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108
केतु पताकी	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु
केतु कुंडली	केतु	गुरु	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध	मंगल
गुरु कुंडली	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग

	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	कुल
शनि	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	8
गुरु	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	4
मंगल	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	3
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	7
चंद्र	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	4
लग्न	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	6
कुल	**6**	**4**	**4**	**2**	**4**	**5**	**5**	**4**	**3**	**5**	**3**	**3**	**48**

चंद्र का अष्टकवर्ग

	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कुल
शनि	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	4
गुरु	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	7
मंगल	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	1	1	6
सूर्य	1	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	1	6
शुक्र	1	0	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	7
बुध	1	0	1	1	0	1	0	1	1	1	0	1	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	0	7
लग्न	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	4
कुल	**5**	**4**	**5**	**5**	**3**	**3**	**4**	**4**	**3**	**5**	**5**	**3**	**49**

मंगल का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	1	0	1	0	0	1	0	0	1	1	1	1	7
गुरु	0	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	1	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	5
शुक्र	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	4
बुध	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	4
चंद्र	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	3
लग्न	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	1	5
कुल	**4**	**5**	**3**	**1**	**2**	**3**	**4**	**3**	**5**	**3**	**4**	**2**	**39**

बुध का अष्टकवर्ग

	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	कुल
शनि	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	8
गुरु	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	4
मंगल	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
सूर्य	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	5
शुक्र	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चंद्र	1	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	6
लग्न	1	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	7
कुल	**6**	**4**	**5**	**3**	**7**	**5**	**3**	**2**	**6**	**3**	**5**	**5**	**54**

गुरु का अष्टकवर्ग

	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	कुल
शनि	0	0	0	0	1	0	0	1	0	1	1	0	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	7
सूर्य	1	1	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	9
शुक्र	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	1	0	6
बुध	1	0	1	1	1	0	0	1	1	1	0	1	8
चंद्र	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	1	0	5
लग्न	1	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	9
कुल	**6**	**4**	**5**	**4**	**5**	**3**	**4**	**6**	**4**	**6**	**6**	**3**	**56**

शुक्र का अष्टकवर्ग

	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	कुल
शनि	1	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	7
गुरु	0	0	0	0	1	0	0	1	1	1	1	0	5
मंगल	0	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	1	6
सूर्य	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	0	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	5
चंद्र	0	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	0	9
लग्न	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	8
कुल	**3**	**5**	**5**	**4**	**5**	**3**	**4**	**5**	**5**	**7**	**5**	**1**	**52**

शनि का अष्टकवर्ग

	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	4
मंगल	1	0	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	6
सूर्य	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	7
शुक्र	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	3
बुध	0	1	1	1	1	1	0	0	0	0	0	1	6
चंद्र	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	3
लग्न	1	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	6
कुल	**5**	**2**	**4**	**4**	**3**	**4**	**5**	**3**	**1**	**3**	**1**	**4**	**39**

लग्न का अष्टकवर्ग

	मी	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	कुल
शनि	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	6
गुरु	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	1	9
मंगल	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
सूर्य	1	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	6
शुक्र	1	1	1	0	0	1	1	0	0	0	1	1	7
बुध	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	0	7
चंद्र	0	1	1	1	0	0	1	0	0	1	0	0	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	**4**	**5**	**6**	**4**	**2**	**3**	**7**	**3**	**3**	**3**	**5**	**4**	**49**

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	कर्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	1	4	5	2	4	4	3	4	5	3	1	3	39
गुरु	4	5	3	4	6	4	6	6	3	6	4	5	56
मंगल	4	5	3	1	2	3	4	3	5	3	4	2	39
सूर्य	4	5	5	4	3	5	3	3	6	4	4	2	48
शुक्र	4	5	3	4	5	5	7	5	1	3	5	5	52
बुध	7	5	3	2	6	3	5	5	6	4	5	3	54
चंद्र	5	5	3	5	4	5	5	3	3	4	4	3	49
बिन्दु	29	34	25	22	30	29	33	29	29	27	27	23	337
रेखा	27	22	31	34	26	27	23	27	27	29	29	33	335

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	कर्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	0	1	4	0	3	1	2	2	4	0	0	1	18
गुरु	1	1	0	0	3	0	3	2	0	2	1	1	14
मंगल	2	2	0	0	0	0	1	2	3	0	1	1	12
सूर्य	1	1	2	2	0	1	0	1	3	0	1	0	12
शुक्र	3	2	0	0	4	2	4	1	0	0	2	1	19
बुध	1	2	0	0	0	0	2	3	0	1	2	1	12
चंद्र	2	1	0	2	1	1	2	0	0	0	1	0	10
रेखा	10	10	6	4	11	5	14	11	10	3	8	5	97

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	कर्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	0	1	4	0	3	0	1	2	4	0	0	0	15
गुरु	1	1	0	0	3	0	2	1	0	2	0	1	11
मंगल	2	1	0	0	0	0	1	0	3	0	1	0	8
सूर्य	1	1	2	2	0	0	0	0	3	0	1	0	10
शुक्र	3	2	0	0	4	2	2	0	0	0	2	1	16
बुध	1	0	0	0	0	0	0	2	0	1	1	1	6
चंद्र	2	1	0	2	1	1	1	0	0	0	1	0	9
रेखा	10	7	6	4	11	3	7	5	10	3	6	3	75

शोध्य पिंड

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	79	65	69	51	91	139	131
ग्रह पिंड	58	26	46	25	42	24	60
शोध्य पिंड	137	91	115	76	133	163	191

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग

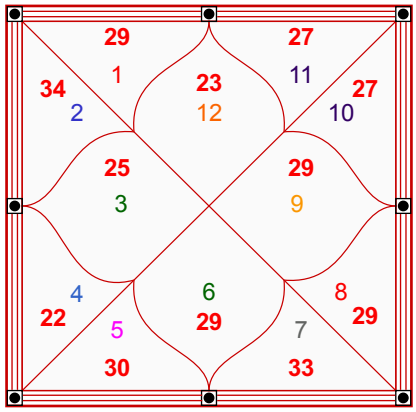

सूर्य का अष्टकवर्ग

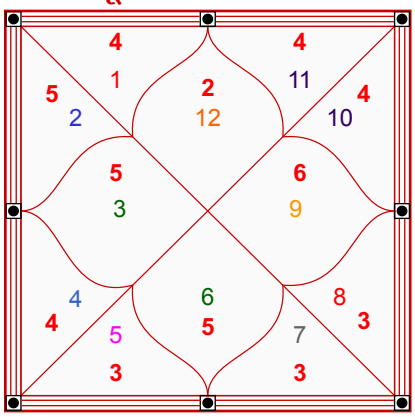

चंद्र का अष्टकवर्ग

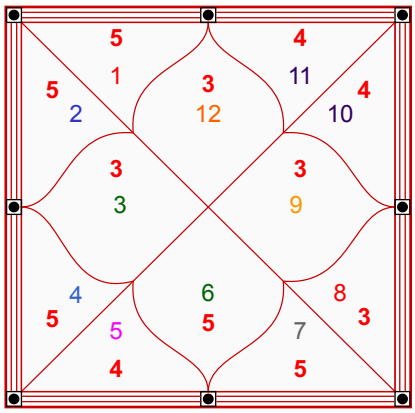

मंगल का अष्टकवर्ग

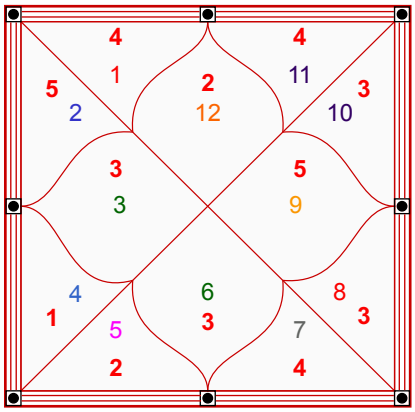

बुध का अष्टकवर्ग

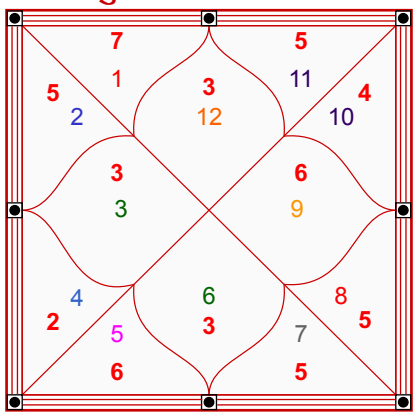

गुरू का अष्टकवर्ग

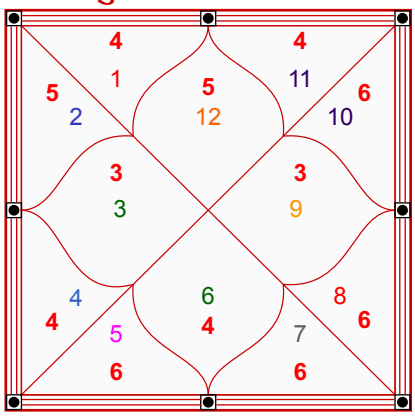

शुक्र का अष्टकवर्ग

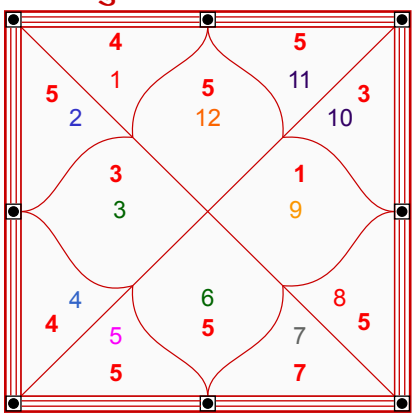

शनि का अष्टकवर्ग

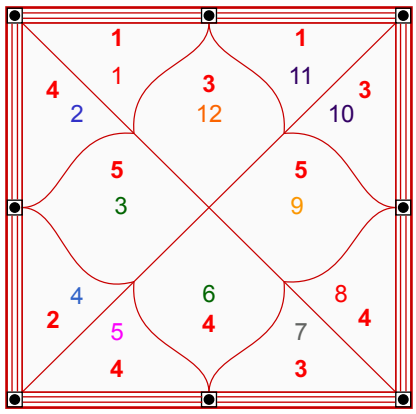

लग्न का अष्टकवर्ग

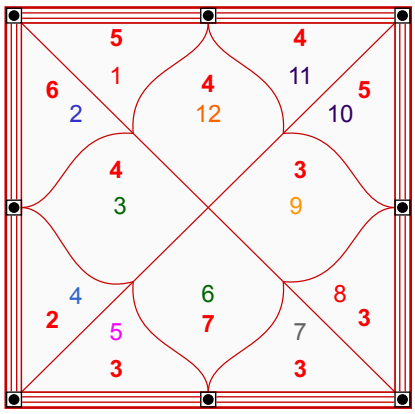

भिन्नाष्टक ग्राफ

सूर्य

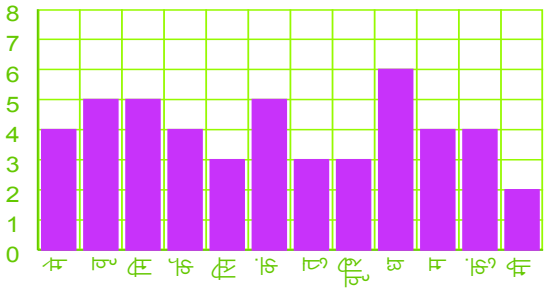

चन्द्र

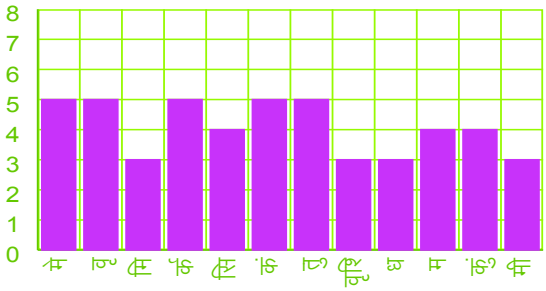

मंगल

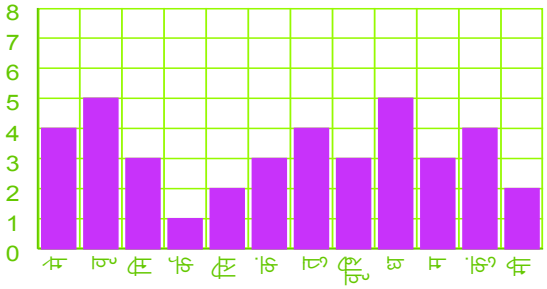

बुध

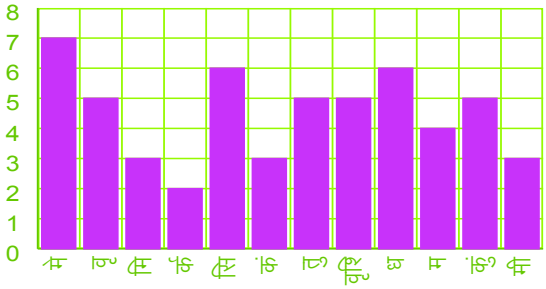

गुरु

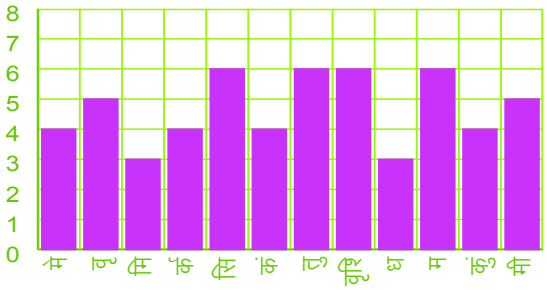

शुक्र

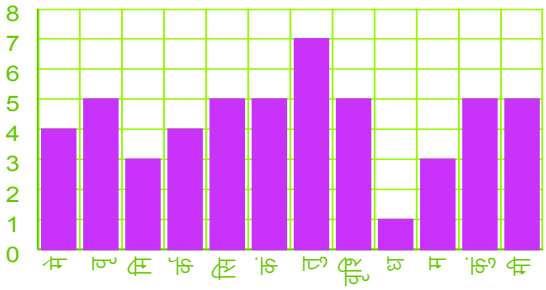

शनि

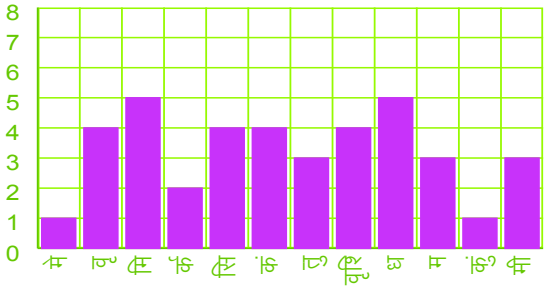

लग्न

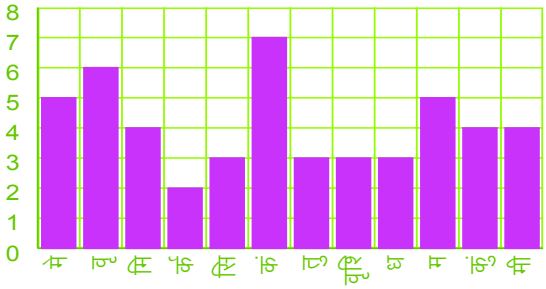

अष्टकवर्ग ग्राफ

सर्वाष्टकवर्ग

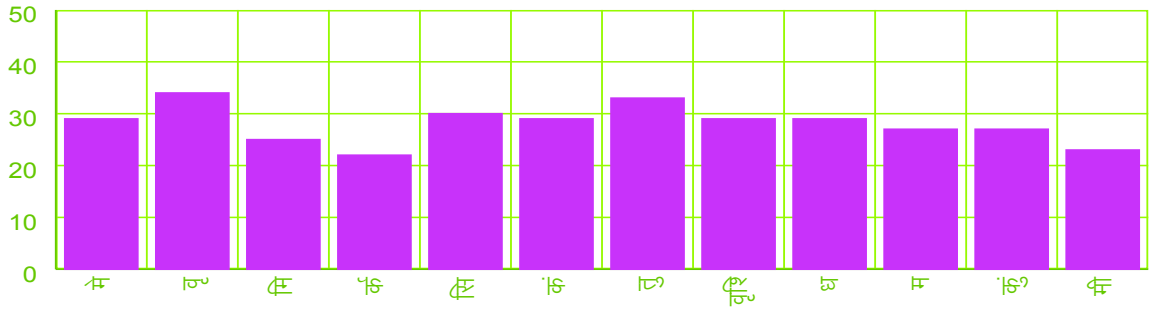

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग

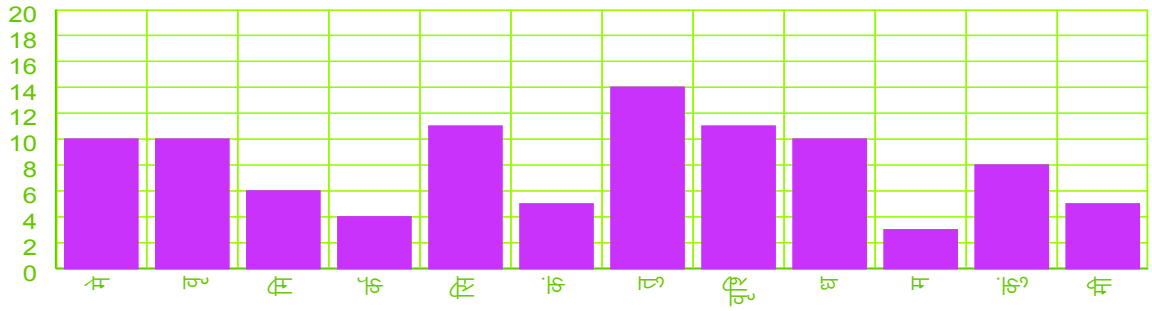

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग

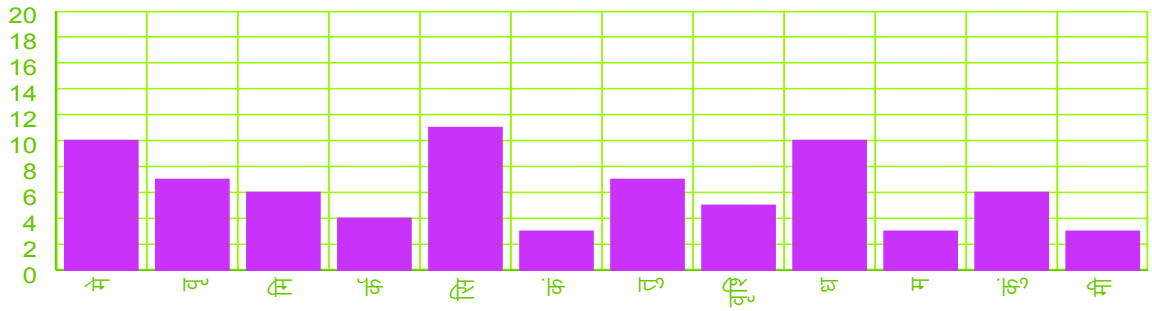

शोध्य पिंड

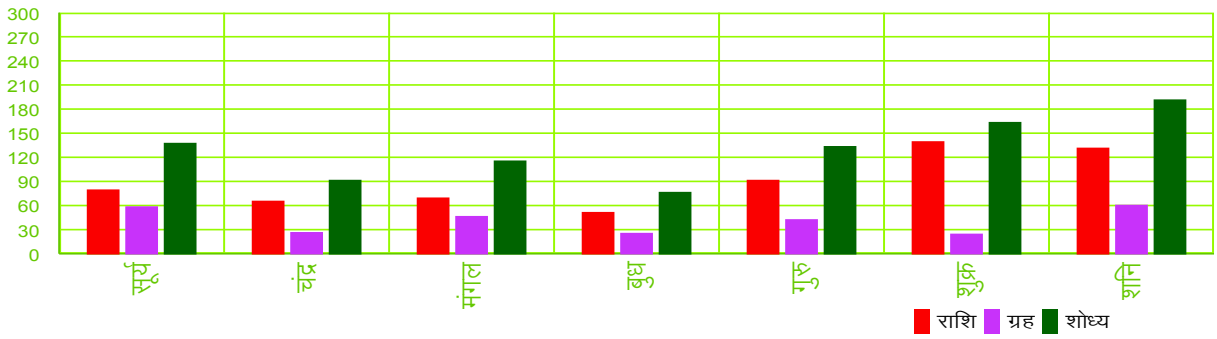

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 11 वर्ष 7 मास 10 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
10/01/1974		22/08/1985		21/08/1992		21/08/2012		22/08/2018	
22/08/1985		21/08/1992		21/08/2012		22/08/2018		21/08/2028	
	00/00/0000	केतु	18/01/1986	शुक्र	22/12/1995	सूर्य	09/12/2012	चंद्र	22/06/2019
	10/01/1974	शुक्र	20/03/1987	सूर्य	21/12/1996	चंद्र	10/06/2013	मंगल	21/01/2020
शुक्र	15/11/1974	सूर्य	26/07/1987	चंद्र	22/08/1998	मंगल	15/10/2013	राहु	22/07/2021
सूर्य	22/09/1975	चंद्र	24/02/1988	मंगल	22/10/1999	राहु	09/09/2014	गुरु	21/11/2022
चंद्र	20/02/1977	मंगल	22/07/1988	राहु	22/10/2002	गुरु	28/06/2015	शनि	21/06/2024
मंगल	17/02/1978	राहु	09/08/1989	गुरु	22/06/2005	शनि	09/06/2016	बुध	21/11/2025
राहु	06/09/1980	गुरु	16/07/1990	शनि	21/08/2008	बुध	16/04/2017	केतु	22/06/2026
गुरु	12/12/1982	शनि	25/08/1991	बुध	22/06/2011	केतु	22/08/2017	शुक्र	21/02/2028
शनि	22/08/1985	बुध	21/08/1992	केतु	21/08/2012	शुक्र	22/08/2018	सूर्य	21/08/2028

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
21/08/2028		22/08/2035		22/08/2053		22/08/2069		21/08/2088	
22/08/2035		22/08/2053		22/08/2069		21/08/2088		00/00/0000	
मंगल	17/01/2029	राहु	04/05/2038	गुरु	10/10/2055	शनि	24/08/2072	बुध	18/01/2091
राहु	05/02/2030	गुरु	27/09/2040	शनि	22/04/2058	बुध	04/05/2075	केतु	15/01/2092
गुरु	12/01/2031	शनि	04/08/2043	बुध	28/07/2060	केतु	12/06/2076	शुक्र	10/01/2094
शनि	21/02/2032	बुध	20/02/2046	केतु	04/07/2061	शुक्र	13/08/2079		00/00/0000
बुध	17/02/2033	केतु	11/03/2047	शुक्र	04/03/2064	सूर्य	25/07/2080		00/00/0000
केतु	16/07/2033	शुक्र	10/03/2050	सूर्य	21/12/2064	चंद्र	23/02/2082		00/00/0000
शुक्र	15/09/2034	सूर्य	02/02/2051	चंद्र	22/04/2066	मंगल	04/04/2083		00/00/0000
सूर्य	21/01/2035	चंद्र	03/08/2052	मंगल	29/03/2067	राहु	08/02/2086		00/00/0000
चंद्र	22/08/2035	मंगल	22/08/2053	राहु	22/08/2069	गुरु	21/08/2088		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 11 वर्ष 7 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - शुक्र		बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल		बुध - राहु	
10/01/1974		15/11/1974		22/09/1975		20/02/1977		17/02/1978	
15/11/1974		22/09/1975		20/02/1977		17/02/1978		06/09/1980	
	00/00/0000	सूर्य	01/12/1974	चंद्र	04/11/1975	मंगल	13/03/1977	राहु	07/07/1978
	00/00/0000	चंद्र	26/12/1974	मंगल	04/12/1975	राहु	06/05/1977	गुरु	08/11/1978
	00/00/0000	मंगल	14/01/1975	राहु	19/02/1976	गुरु	24/06/1977	शनि	05/04/1979
	00/00/0000	राहु	01/03/1975	गुरु	28/04/1976	शनि	20/08/1977	बुध	14/08/1979
	00/00/0000	गुरु	12/04/1975	शनि	19/07/1976	बुध	10/10/1977	केतु	08/10/1979
	10/01/1974	शनि	31/05/1975	बुध	01/10/1976	केतु	31/10/1977	शुक्र	11/03/1980
शनि	22/04/1974	बुध	14/07/1975	केतु	31/10/1976	शुक्र	31/12/1977	सूर्य	27/04/1980
बुध	16/09/1974	केतु	01/08/1975	शुक्र	25/01/1977	सूर्य	18/01/1978	चंद्र	13/07/1980
केतु	15/11/1974	शुक्र	22/09/1975	सूर्य	20/02/1977	चंद्र	17/02/1978	मंगल	06/09/1980

बुध - गुरु		बुध - शनि		केतु - केतु		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य	
06/09/1980		12/12/1982		22/08/1985		18/01/1986		20/03/1987	
12/12/1982		22/08/1985		18/01/1986		20/03/1987		26/07/1987	
गुरु	25/12/1980	शनि	17/05/1983	केतु	30/08/1985	शुक्र	30/03/1986	सूर्य	26/03/1987
शनि	05/05/1981	बुध	03/10/1983	शुक्र	24/09/1985	सूर्य	20/04/1986	चंद्र	06/04/1987
बुध	30/08/1981	केतु	30/11/1983	सूर्य	02/10/1985	चंद्र	26/05/1986	मंगल	13/04/1987
केतु	18/10/1981	शुक्र	12/05/1984	चंद्र	14/10/1985	मंगल	19/06/1986	राहु	03/05/1987
शुक्र	05/03/1982	सूर्य	30/06/1984	मंगल	23/10/1985	राहु	22/08/1986	गुरु	20/05/1987
सूर्य	15/04/1982	चंद्र	20/09/1984	राहु	14/11/1985	गुरु	18/10/1986	शनि	09/06/1987
चंद्र	23/06/1982	मंगल	16/11/1984	गुरु	04/12/1985	शनि	25/12/1986	बुध	27/06/1987
मंगल	10/08/1982	राहु	12/04/1985	शनि	28/12/1985	बुध	23/02/1987	केतु	04/07/1987
राहु	12/12/1982	गुरु	22/08/1985	बुध	18/01/1986	केतु	20/03/1987	शुक्र	26/07/1987

केतु - चंद्र		केतु - मंगल		केतु - राहु		केतु - गुरु		केतु - शनि	
26/07/1987		24/02/1988		22/07/1988		09/08/1989		16/07/1990	
24/02/1988		22/07/1988		09/08/1989		16/07/1990		25/08/1991	
चंद्र	12/08/1987	मंगल	03/03/1988	राहु	17/09/1988	गुरु	24/09/1989	शनि	18/09/1990
मंगल	25/08/1987	राहु	26/03/1988	गुरु	08/11/1988	शनि	17/11/1989	बुध	15/11/1990
राहु	26/09/1987	गुरु	15/04/1988	शनि	07/01/1989	बुध	04/01/1990	केतु	08/12/1990
गुरु	24/10/1987	शनि	08/05/1988	बुध	03/03/1989	केतु	24/01/1990	शुक्र	14/02/1991
शनि	27/11/1987	बुध	29/05/1988	केतु	25/03/1989	शुक्र	22/03/1990	सूर्य	06/03/1991
बुध	27/12/1987	केतु	07/06/1988	शुक्र	28/05/1989	सूर्य	08/04/1990	चंद्र	09/04/1991
केतु	09/01/1988	शुक्र	02/07/1988	सूर्य	16/06/1989	चंद्र	06/05/1990	मंगल	02/05/1991
शुक्र	13/02/1988	सूर्य	09/07/1988	चंद्र	18/07/1989	मंगल	26/05/1990	राहु	02/07/1991
सूर्य	24/02/1988	चंद्र	22/07/1988	मंगल	09/08/1989	राहु	16/07/1990	गुरु	25/08/1991

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

केतु - बुध		शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल	
25/08/1991		21/08/1992		22/12/1995		21/12/1996		22/08/1998	
21/08/1992		22/12/1995		21/12/1996		22/08/1998		22/10/1999	
बुध	15/10/1991	शुक्र	12/03/1993	सूर्य	09/01/1996	चंद्र	10/02/1997	मंगल	16/09/1998
केतु	06/11/1991	सूर्य	12/05/1993	चंद्र	09/02/1996	मंगल	17/03/1997	राहु	19/11/1998
शुक्र	05/01/1992	चंद्र	22/08/1993	मंगल	01/03/1996	राहु	17/06/1997	गुरु	14/01/1999
सूर्य	23/01/1992	मंगल	01/11/1993	राहु	25/04/1996	गुरु	06/09/1997	शनि	23/03/1999
चंद्र	22/02/1992	राहु	02/05/1994	गुरु	12/06/1996	शनि	11/12/1997	बुध	22/05/1999
मंगल	14/03/1992	गुरु	12/10/1994	शनि	09/08/1996	बुध	07/03/1998	केतु	16/06/1999
राहु	08/05/1992	शनि	22/04/1995	बुध	30/09/1996	केतु	12/04/1998	शुक्र	26/08/1999
गुरु	25/06/1992	बुध	12/10/1995	केतु	21/10/1996	शुक्र	22/07/1998	सूर्य	16/09/1999
शनि	21/08/1992	केतु	22/12/1995	शुक्र	21/12/1996	सूर्य	22/08/1998	चंद्र	22/10/1999

शुक्र - राहु		शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि		शुक्र - बुध		शुक्र - केतु	
22/10/1999		22/10/2002		22/06/2005		21/08/2008		22/06/2011	
22/10/2002		22/06/2005		21/08/2008		22/06/2011		21/08/2012	
राहु	03/04/2000	गुरु	01/03/2003	शनि	22/12/2005	बुध	15/01/2009	केतु	17/07/2011
गुरु	27/08/2000	शनि	02/08/2003	बुध	04/06/2006	केतु	16/03/2009	शुक्र	26/09/2011
शनि	17/02/2001	बुध	18/12/2003	केतु	10/08/2006	शुक्र	05/09/2009	सूर्य	17/10/2011
बुध	22/07/2001	केतु	13/02/2004	शुक्र	19/02/2007	सूर्य	27/10/2009	चंद्र	22/11/2011
केतु	24/09/2001	शुक्र	24/07/2004	सूर्य	18/04/2007	चंद्र	21/01/2010	मंगल	17/12/2011
शुक्र	26/03/2002	सूर्य	11/09/2004	चंद्र	23/07/2007	मंगल	22/03/2010	राहु	19/02/2012
सूर्य	19/05/2002	चंद्र	01/12/2004	मंगल	29/09/2007	राहु	24/08/2010	गुरु	15/04/2012
चंद्र	19/08/2002	मंगल	27/01/2005	राहु	20/03/2008	गुरु	09/01/2011	शनि	22/06/2012
मंगल	22/10/2002	राहु	22/06/2005	गुरु	21/08/2008	शनि	22/06/2011	बुध	21/08/2012

सूर्य - सूर्य		सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल		सूर्य - राहु		सूर्य - गुरु	
21/08/2012		09/12/2012		10/06/2013		15/10/2013		09/09/2014	
09/12/2012		10/06/2013		15/10/2013		09/09/2014		28/06/2015	
सूर्य	27/08/2012	चंद्र	24/12/2012	मंगल	17/06/2013	राहु	04/12/2013	गुरु	18/10/2014
चंद्र	05/09/2012	मंगल	04/01/2013	राहु	06/07/2013	गुरु	16/01/2014	शनि	03/12/2014
मंगल	11/09/2012	राहु	31/01/2013	गुरु	23/07/2013	शनि	10/03/2014	बुध	14/01/2015
राहु	28/09/2012	गुरु	25/02/2013	शनि	12/08/2013	बुध	25/04/2014	केतु	31/01/2015
गुरु	12/10/2012	शनि	25/03/2013	बुध	31/08/2013	केतु	14/05/2014	शुक्र	20/03/2015
शनि	30/10/2012	बुध	20/04/2013	केतु	07/09/2013	शुक्र	08/07/2014	सूर्य	04/04/2015
बुध	14/11/2012	केतु	01/05/2013	शुक्र	28/09/2013	सूर्य	25/07/2014	चंद्र	28/04/2015
केतु	21/11/2012	शुक्र	31/05/2013	सूर्य	05/10/2013	चंद्र	21/08/2014	मंगल	15/05/2015
शुक्र	09/12/2012	सूर्य	10/06/2013	चंद्र	15/10/2013	मंगल	09/09/2014	राहु	28/06/2015

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - शनि		सूर्य - बुध		सूर्य - केतु		सूर्य - शुक्र		चंद्र - चंद्र	
28/06/2015		09/06/2016		16/04/2017		22/08/2017		22/08/2018	
09/06/2016		16/04/2017		22/08/2017		22/08/2018		22/06/2019	
शनि	22/08/2015	बुध	23/07/2016	केतु	23/04/2017	शुक्र	21/10/2017	चंद्र	16/09/2018
बुध	10/10/2015	केतु	10/08/2016	शुक्र	14/05/2017	सूर्य	09/11/2017	मंगल	04/10/2018
केतु	31/10/2015	शुक्र	01/10/2016	सूर्य	21/05/2017	चंद्र	09/12/2017	राहु	19/11/2018
शुक्र	27/12/2015	सूर्य	17/10/2016	चंद्र	01/06/2017	मंगल	30/12/2017	गुरु	29/12/2018
सूर्य	14/01/2016	चंद्र	11/11/2016	मंगल	08/06/2017	राहु	23/02/2018	शनि	15/02/2019
चंद्र	12/02/2016	मंगल	30/11/2016	राहु	27/06/2017	गुरु	13/04/2018	बुध	30/03/2019
मंगल	03/03/2016	राहु	15/01/2017	गुरु	14/07/2017	शनि	10/06/2018	केतु	17/04/2019
राहु	24/04/2016	गुरु	26/02/2017	शनि	03/08/2017	बुध	01/08/2018	शुक्र	07/06/2019
गुरु	09/06/2016	शनि	16/04/2017	बुध	22/08/2017	केतु	22/08/2018	सूर्य	22/06/2019

चंद्र - मंगल		चंद्र - राहु		चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि		चंद्र - बुध	
22/06/2019		21/01/2020		22/07/2021		21/11/2022		21/06/2024	
21/01/2020		22/07/2021		21/11/2022		21/06/2024		21/11/2025	
मंगल	05/07/2019	राहु	12/04/2020	गुरु	25/09/2021	शनि	21/02/2023	बुध	03/09/2024
राहु	06/08/2019	गुरु	24/06/2020	शनि	11/12/2021	बुध	14/05/2023	केतु	03/10/2024
गुरु	03/09/2019	शनि	19/09/2020	बुध	18/02/2022	केतु	16/06/2023	शुक्र	28/12/2024
शनि	07/10/2019	बुध	06/12/2020	केतु	19/03/2022	शुक्र	21/09/2023	सूर्य	23/01/2025
बुध	06/11/2019	केतु	07/01/2021	शुक्र	08/06/2022	सूर्य	20/10/2023	चंद्र	07/03/2025
केतु	18/11/2019	शुक्र	08/04/2021	सूर्य	02/07/2022	चंद्र	07/12/2023	मंगल	06/04/2025
शुक्र	24/12/2019	सूर्य	06/05/2021	चंद्र	12/08/2022	मंगल	10/01/2024	राहु	23/06/2025
सूर्य	03/01/2020	चंद्र	20/06/2021	मंगल	09/09/2022	राहु	05/04/2024	गुरु	31/08/2025
चंद्र	21/01/2020	मंगल	22/07/2021	राहु	21/11/2022	गुरु	21/06/2024	शनि	21/11/2025

चंद्र - केतु		चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल		मंगल - राहु	
21/11/2025		22/06/2026		21/02/2028		21/08/2028		17/01/2029	
22/06/2026		21/02/2028		21/08/2028		17/01/2029		05/02/2030	
केतु	03/12/2025	शुक्र	01/10/2026	सूर्य	01/03/2028	मंगल	30/08/2028	राहु	16/03/2029
शुक्र	08/01/2026	सूर्य	01/11/2026	चंद्र	16/03/2028	राहु	21/09/2028	गुरु	06/05/2029
सूर्य	18/01/2026	चंद्र	22/12/2026	मंगल	27/03/2028	गुरु	11/10/2028	शनि	06/07/2029
चंद्र	05/02/2026	मंगल	26/01/2027	राहु	23/04/2028	शनि	04/11/2028	बुध	29/08/2029
मंगल	18/02/2026	राहु	27/04/2027	गुरु	17/05/2028	बुध	25/11/2028	केतु	21/09/2029
राहु	22/03/2026	गुरु	18/07/2027	शनि	15/06/2028	केतु	04/12/2028	शुक्र	23/11/2029
गुरु	19/04/2026	शनि	22/10/2027	बुध	11/07/2028	शुक्र	29/12/2028	सूर्य	13/12/2029
शनि	23/05/2026	बुध	16/01/2028	केतु	22/07/2028	सूर्य	05/01/2029	चंद्र	14/01/2030
बुध	22/06/2026	केतु	21/02/2028	शुक्र	21/08/2028	चंद्र	17/01/2029	मंगल	05/02/2030

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

मंगल - गुरु		मंगल - शनि		मंगल - बुध		मंगल - केतु		मंगल - शुक्र	
05/02/2030		12/01/2031		21/02/2032		17/02/2033		16/07/2033	
12/01/2031		21/02/2032		17/02/2033		16/07/2033		15/09/2034	
गुरु	22/03/2030	शनि	17/03/2031	बुध	12/04/2032	केतु	26/02/2033	शुक्र	25/09/2033
शनि	15/05/2030	बुध	13/05/2031	केतु	03/05/2032	शुक्र	22/03/2033	सूर्य	16/10/2033
बुध	03/07/2030	केतु	06/06/2031	शुक्र	02/07/2032	सूर्य	30/03/2033	चंद्र	21/11/2033
केतु	23/07/2030	शुक्र	12/08/2031	सूर्य	21/07/2032	चंद्र	11/04/2033	मंगल	16/12/2033
शुक्र	17/09/2030	सूर्य	02/09/2031	चंद्र	20/08/2032	मंगल	20/04/2033	राहु	18/02/2034
सूर्य	04/10/2030	चंद्र	05/10/2031	मंगल	10/09/2032	राहु	12/05/2033	गुरु	15/04/2034
चंद्र	02/11/2030	मंगल	29/10/2031	राहु	03/11/2032	गुरु	01/06/2033	शनि	22/06/2034
मंगल	22/11/2030	राहु	29/12/2031	गुरु	22/12/2032	शनि	25/06/2033	बुध	21/08/2034
राहु	12/01/2031	गुरु	21/02/2032	शनि	17/02/2033	बुध	16/07/2033	केतु	15/09/2034

मंगल - सूर्य		मंगल - चंद्र		राहु - राहु		राहु - गुरु		राहु - शनि	
15/09/2034		21/01/2035		22/08/2035		04/05/2038		27/09/2040	
21/01/2035		22/08/2035		04/05/2038		27/09/2040		04/08/2043	
सूर्य	22/09/2034	चंद्र	08/02/2035	राहु	17/01/2036	गुरु	29/08/2038	शनि	11/03/2041
चंद्र	02/10/2034	मंगल	20/02/2035	गुरु	27/05/2036	शनि	15/01/2039	बुध	05/08/2041
मंगल	10/10/2034	राहु	24/03/2035	शनि	31/10/2036	बुध	19/05/2039	केतु	05/10/2041
राहु	29/10/2034	गुरु	22/04/2035	बुध	19/03/2037	केतु	09/07/2039	शुक्र	27/03/2042
गुरु	15/11/2034	शनि	25/05/2035	केतु	16/05/2037	शुक्र	02/12/2039	सूर्य	18/05/2042
शनि	05/12/2034	बुध	24/06/2035	शुक्र	27/10/2037	सूर्य	15/01/2040	चंद्र	13/08/2042
बुध	23/12/2034	केतु	07/07/2035	सूर्य	16/12/2037	चंद्र	28/03/2040	मंगल	13/10/2042
केतु	31/12/2034	शुक्र	11/08/2035	चंद्र	08/03/2038	मंगल	18/05/2040	राहु	18/03/2043
शुक्र	21/01/2035	सूर्य	22/08/2035	मंगल	04/05/2038	राहु	27/09/2040	गुरु	04/08/2043

राहु - बुध		राहु - केतु		राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र	
04/08/2043		20/02/2046		11/03/2047		10/03/2050		02/02/2051	
20/02/2046		11/03/2047		10/03/2050		02/02/2051		03/08/2052	
बुध	14/12/2043	केतु	15/03/2046	शुक्र	09/09/2047	सूर्य	27/03/2050	चंद्र	20/03/2051
केतु	06/02/2044	शुक्र	17/05/2046	सूर्य	03/11/2047	चंद्र	23/04/2050	मंगल	21/04/2051
शुक्र	10/07/2044	सूर्य	06/06/2046	चंद्र	02/02/2048	मंगल	12/05/2050	राहु	12/07/2051
सूर्य	26/08/2044	चंद्र	08/07/2046	मंगल	06/04/2048	राहु	01/07/2050	गुरु	23/09/2051
चंद्र	11/11/2044	मंगल	30/07/2046	राहु	18/09/2048	गुरु	14/08/2050	शनि	19/12/2051
मंगल	05/01/2045	राहु	26/09/2046	गुरु	11/02/2049	शनि	05/10/2050	बुध	05/03/2052
राहु	25/05/2045	गुरु	16/11/2046	शनि	03/08/2049	बुध	20/11/2050	केतु	06/04/2052
गुरु	26/09/2045	शनि	15/01/2047	बुध	06/01/2050	केतु	09/12/2050	शुक्र	07/07/2052
शनि	20/02/2046	बुध	11/03/2047	केतु	10/03/2050	शुक्र	02/02/2051	सूर्य	03/08/2052

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - मंगल	
03/08/2052	
22/08/2053	
मंगल	25/08/2052
राहु	22/10/2052
गुरु	12/12/2052
शनि	11/02/2053
बुध	06/04/2053
केतु	29/04/2053
शुक्र	01/07/2053
सूर्य	21/07/2053
चंद्र	22/08/2053

गुरु - गुरु	
22/08/2053	
10/10/2055	
गुरु	03/12/2053
शनि	06/04/2054
बुध	25/07/2054
केतु	09/09/2054
शुक्र	17/01/2055
सूर्य	24/02/2055
चंद्र	30/04/2055
मंगल	15/06/2055
राहु	10/10/2055

गुरु - शनि	
10/10/2055	
22/04/2058	
शनि	04/03/2056
बुध	13/07/2056
केतु	05/09/2056
शुक्र	07/02/2057
सूर्य	25/03/2057
चंद्र	10/06/2057
मंगल	03/08/2057
राहु	20/12/2057
गुरु	22/04/2058

गुरु - बुध	
22/04/2058	
28/07/2060	
बुध	17/08/2058
केतु	05/10/2058
शुक्र	20/02/2059
सूर्य	02/04/2059
चंद्र	10/06/2059
मंगल	28/07/2059
राहु	29/11/2059
गुरु	19/03/2060
शनि	28/07/2060

गुरु - केतु	
28/07/2060	
04/07/2061	
केतु	17/08/2060
शुक्र	13/10/2060
सूर्य	30/10/2060
चंद्र	27/11/2060
मंगल	17/12/2060
राहु	06/02/2061
गुरु	24/03/2061
शनि	17/05/2061
बुध	04/07/2061

गुरु - शुक्र	
04/07/2061	
04/03/2064	
शुक्र	13/12/2061
सूर्य	31/01/2062
चंद्र	22/04/2062
मंगल	18/06/2062
राहु	11/11/2062
गुरु	21/03/2063
शनि	22/08/2063
बुध	07/01/2064
केतु	04/03/2064

गुरु - सूर्य	
04/03/2064	
21/12/2064	
सूर्य	18/03/2064
चंद्र	12/04/2064
मंगल	29/04/2064
राहु	12/06/2064
गुरु	21/07/2064
शनि	05/09/2064
बुध	16/10/2064
केतु	02/11/2064
शुक्र	21/12/2064

गुरु - चंद्र	
21/12/2064	
22/04/2066	
चंद्र	31/01/2065
मंगल	28/02/2065
राहु	12/05/2065
गुरु	16/07/2065
शनि	01/10/2065
बुध	09/12/2065
केतु	07/01/2066
शुक्र	29/03/2066
सूर्य	22/04/2066

गुरु - मंगल	
22/04/2066	
29/03/2067	
मंगल	12/05/2066
राहु	02/07/2066
गुरु	17/08/2066
शनि	10/10/2066
बुध	27/11/2066
केतु	17/12/2066
शुक्र	12/02/2067
सूर्य	01/03/2067
चंद्र	29/03/2067

गुरु - राहु	
29/03/2067	
22/08/2069	
राहु	07/08/2067
गुरु	02/12/2067
शनि	19/04/2068
बुध	21/08/2068
केतु	11/10/2068
शुक्र	07/03/2069
सूर्य	19/04/2069
चंद्र	01/07/2069
मंगल	22/08/2069

शनि - शनि	
22/08/2069	
24/08/2072	
शनि	12/02/2070
बुध	17/07/2070
केतु	19/09/2070
शुक्र	21/03/2071
सूर्य	15/05/2071
चंद्र	15/08/2071
मंगल	18/10/2071
राहु	31/03/2072
गुरु	24/08/2072

शनि - बुध	
24/08/2072	
04/05/2075	
बुध	11/01/2073
केतु	09/03/2073
शुक्र	20/08/2073
सूर्य	08/10/2073
चंद्र	29/12/2073
मंगल	24/02/2074
राहु	22/07/2074
गुरु	30/11/2074
शनि	04/05/2075

शनि - केतु	
04/05/2075	
12/06/2076	
केतु	28/05/2075
शुक्र	04/08/2075
सूर्य	24/08/2075
चंद्र	27/09/2075
मंगल	20/10/2075
राहु	20/12/2075
गुरु	12/02/2076
शनि	16/04/2076
बुध	12/06/2076

शनि - शुक्र	
12/06/2076	
13/08/2079	
शुक्र	22/12/2076
सूर्य	18/02/2077
चंद्र	25/05/2077
मंगल	01/08/2077
राहु	21/01/2078
गुरु	24/06/2078
शनि	25/12/2078
बुध	06/06/2079
केतु	13/08/2079

शनि - सूर्य	
13/08/2079	
25/07/2080	
सूर्य	30/08/2079
चंद्र	28/09/2079
मंगल	18/10/2079
राहु	09/12/2079
गुरु	25/01/2080
शनि	20/03/2080
बुध	08/05/2080
केतु	28/05/2080
शुक्र	25/07/2080

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - मंगल - केतु		चंद्र - मंगल - शुक्र		चंद्र - मंगल - सूर्य		चंद्र - मंगल - चंद्र	
06/11/2019 09:42		18/11/2019 19:59		24/12/2019 08:14		03/01/2020 23:55	
18/11/2019 19:59		24/12/2019 08:14		03/01/2020 23:55		21/01/2020 18:02	
केतु	07/11/2019 03:06	शुक्र	24/11/2019 18:02	सूर्य	24/12/2019 21:02	चंद्र	05/01/2020 11:26
शुक्र	09/11/2019 04:49	सूर्य	26/11/2019 12:39	चंद्र	25/12/2019 18:20	मंगल	06/01/2020 12:17
सूर्य	09/11/2019 19:44	चंद्र	29/11/2019 11:40	मंगल	26/12/2019 09:15	राहु	09/01/2020 04:12
चंद्र	10/11/2019 20:35	मंगल	01/12/2019 13:23	राहु	27/12/2019 23:36	गुरु	11/01/2020 13:01
मंगल	11/11/2019 13:59	राहु	06/12/2019 21:13	गुरु	29/12/2019 09:41	शनि	14/01/2020 08:29
राहु	13/11/2019 10:44	गुरु	11/12/2019 14:51	शनि	31/12/2019 02:10	बुध	16/01/2020 20:51
गुरु	15/11/2019 02:30	शनि	17/12/2019 05:47	बुध	01/01/2020 14:23	केतु	17/01/2020 21:43
शनि	17/11/2019 01:44	बुध	22/12/2019 06:32	केतु	02/01/2020 05:18	शुक्र	20/01/2020 20:44
बुध	18/11/2019 19:59	केतु	24/12/2019 08:14	शुक्र	03/01/2020 23:55	सूर्य	21/01/2020 18:02

चंद्र - राहु - राहु		चंद्र - राहु - गुरु		चंद्र - राहु - शनि		चंद्र - राहु - बुध	
21/01/2020 18:02		12/04/2020 22:23		24/06/2020 23:35		19/09/2020 17:31	
12/04/2020 22:23		24/06/2020 23:35		19/09/2020 17:31		06/12/2020 08:17	
राहु	03/02/2020 01:54	गुरु	22/04/2020 16:09	शनि	08/07/2020 17:14	बुध	30/09/2020 17:25
गुरु	14/02/2020 00:52	शनि	04/05/2020 05:44	बुध	21/07/2020 00:10	केतु	05/10/2020 06:04
शनि	27/02/2020 01:10	बुध	14/05/2020 14:07	केतु	26/07/2020 01:37	शुक्र	18/10/2020 04:32
बुध	09/03/2020 16:35	केतु	18/05/2020 20:23	शुक्र	09/08/2020 12:36	सूर्य	22/10/2020 01:40
केतु	14/03/2020 11:38	शुक्र	31/05/2020 00:35	सूर्य	13/08/2020 20:42	चंद्र	28/10/2020 12:54
शुक्र	28/03/2020 04:21	सूर्य	03/06/2020 16:14	चंद्र	21/08/2020 02:12	मंगल	02/11/2020 01:34
सूर्य	01/04/2020 06:59	चंद्र	09/06/2020 18:20	मंगल	26/08/2020 03:38	राहु	13/11/2020 16:59
चंद्र	08/04/2020 03:20	मंगल	14/06/2020 00:37	राहु	08/09/2020 03:56	गुरु	24/11/2020 01:21
मंगल	12/04/2020 22:23	राहु	24/06/2020 23:35	गुरु	19/09/2020 17:31	शनि	06/12/2020 08:17

चंद्र - राहु - केतु		चंद्र - राहु - शुक्र		चंद्र - राहु - सूर्य		चंद्र - राहु - चंद्र	
06/12/2020 08:17		07/01/2021 07:19		08/04/2021 14:49		06/05/2021 00:16	
07/01/2021 07:19		08/04/2021 14:49		06/05/2021 00:16		20/06/2021 16:01	
केतु	08/12/2020 05:02	शुक्र	22/01/2021 12:34	सूर्य	09/04/2021 23:41	चंद्र	09/05/2021 19:35
शुक्र	13/12/2020 12:52	सूर्य	27/01/2021 02:08	चंद्र	12/04/2021 06:29	मंगल	12/05/2021 11:30
सूर्य	15/12/2020 03:13	चंद्र	03/02/2021 16:46	मंगल	13/04/2021 20:50	राहु	19/05/2021 07:52
चंद्र	17/12/2020 19:09	मंगल	09/02/2021 00:36	राहु	17/04/2021 23:27	गुरु	25/05/2021 09:58
मंगल	19/12/2020 15:53	राहु	22/02/2021 17:20	गुरु	21/04/2021 15:06	शनि	01/06/2021 15:27
राहु	24/12/2020 10:56	गुरु	06/03/2021 21:32	शनि	25/04/2021 23:12	बुध	08/06/2021 02:41
गुरु	28/12/2020 17:13	शनि	21/03/2021 08:31	बुध	29/04/2021 20:20	केतु	10/06/2021 18:36
शनि	02/01/2021 18:39	बुध	03/04/2021 06:59	केतु	01/05/2021 10:41	शुक्र	18/06/2021 09:14
बुध	07/01/2021 07:19	केतु	08/04/2021 14:49	शुक्र	06/05/2021 00:16	सूर्य	20/06/2021 16:01

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - राहु - मंगल		चंद्र - गुरु - गुरु		चंद्र - गुरु - शनि		चंद्र - गुरु - बुध	
20/06/2021 16:01		22/07/2021 15:02		25/09/2021 13:26		11/12/2021 16:02	
22/07/2021 15:02		25/09/2021 13:26		11/12/2021 16:02		18/02/2022 15:50	
मंगल	22/06/2021 12:46	गुरु	31/07/2021 06:50	शनि	07/10/2021 18:27	बुध	21/12/2021 10:37
राहु	27/06/2021 07:49	शनि	10/08/2021 13:34	बुध	18/10/2021 16:37	केतु	25/12/2021 11:12
गुरु	01/07/2021 14:05	बुध	19/08/2021 18:21	केतु	23/10/2021 04:34	शुक्र	05/01/2022 23:10
शनि	06/07/2021 15:32	केतु	23/08/2021 13:15	शुक्र	05/11/2021 01:00	सूर्य	09/01/2022 09:57
बुध	11/07/2021 04:11	शुक्र	03/09/2021 08:59	सूर्य	08/11/2021 21:32	चंद्र	15/01/2022 03:56
केतु	13/07/2021 00:56	सूर्य	06/09/2021 14:54	चंद्र	15/11/2021 07:45	मंगल	19/01/2022 04:32
शुक्र	18/07/2021 08:46	चंद्र	12/09/2021 00:46	मंगल	19/11/2021 19:42	राहु	29/01/2022 12:54
सूर्य	19/07/2021 23:07	मंगल	15/09/2021 19:41	राहु	01/12/2021 09:18	गुरु	07/02/2022 17:40
चंद्र	22/07/2021 15:02	राहु	25/09/2021 13:26	गुरु	11/12/2021 16:02	शनि	18/02/2022 15:50

चंद्र - गुरु - केतु		चंद्र - गुरु - शुक्र		चंद्र - गुरु - सूर्य		चंद्र - गुरु - चंद्र	
18/02/2022 15:50		19/03/2022 01:38		08/06/2022 05:38		02/07/2022 14:02	
19/03/2022 01:38		08/06/2022 05:38		02/07/2022 14:02		12/08/2022 04:02	
केतु	20/02/2022 07:37	शुक्र	01/04/2022 14:18	सूर्य	09/06/2022 10:52	चंद्र	05/07/2022 23:12
शुक्र	25/02/2022 01:15	सूर्य	05/04/2022 15:42	चंद्र	11/06/2022 11:34	मंगल	08/07/2022 08:01
सूर्य	26/02/2022 11:20	चंद्र	12/04/2022 10:02	मंगल	12/06/2022 21:39	राहु	14/07/2022 10:07
चंद्र	28/02/2022 20:09	मंगल	17/04/2022 03:40	राहु	16/06/2022 13:19	गुरु	19/07/2022 19:59
मंगल	02/03/2022 11:55	राहु	29/04/2022 07:52	गुरु	19/06/2022 19:14	शनि	26/07/2022 06:12
राहु	06/03/2022 18:12	गुरु	10/05/2022 03:36	शनि	23/06/2022 15:46	बुध	01/08/2022 00:11
गुरु	10/03/2022 13:06	शनि	23/05/2022 00:02	बुध	27/06/2022 02:33	केतु	03/08/2022 09:00
शनि	15/03/2022 01:03	बुध	03/06/2022 12:00	केतु	28/06/2022 12:38	शुक्र	10/08/2022 03:20
बुध	19/03/2022 01:38	केतु	08/06/2022 05:38	शुक्र	02/07/2022 14:02	सूर्य	12/08/2022 04:02

चंद्र - गुरु - मंगल		चंद्र - गुरु - राहु		चंद्र - शनि - शनि		चंद्र - शनि - बुध	
12/08/2022 04:02		09/09/2022 13:50		21/11/2022 15:02		21/02/2023 04:38	
09/09/2022 13:50		21/11/2022 15:02		21/02/2023 04:38		14/05/2023 02:53	
मंगल	13/08/2022 19:49	राहु	20/09/2022 12:49	शनि	06/12/2022 03:00	बुध	04/03/2023 19:11
राहु	18/08/2022 02:05	गुरु	30/09/2022 06:35	बुध	19/12/2022 02:19	केतु	09/03/2023 13:53
गुरु	21/08/2022 20:59	शनि	11/10/2022 20:10	केतु	24/12/2022 10:31	शुक्र	23/03/2023 05:36
शनि	26/08/2022 08:56	बुध	22/10/2022 04:32	शुक्र	08/01/2023 16:46	सूर्य	27/03/2023 07:54
बुध	30/08/2022 09:32	केतु	26/10/2022 10:49	सूर्य	13/01/2023 06:39	चंद्र	03/04/2023 03:46
केतु	01/09/2022 01:18	शुक्र	07/11/2022 15:01	चंद्र	20/01/2023 21:47	मंगल	07/04/2023 22:28
शुक्र	05/09/2022 18:56	सूर्य	11/11/2022 06:40	मंगल	26/01/2023 05:59	राहु	20/04/2023 05:24
सूर्य	07/09/2022 05:01	चंद्र	17/11/2022 08:46	राहु	08/02/2023 23:37	गुरु	01/05/2023 03:34
चंद्र	09/09/2022 13:50	मंगल	21/11/2022 15:02	गुरु	21/02/2023 04:38	शनि	14/05/2023 02:53

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - शनि - केतु		चंद्र - शनि - शुक्र		चंद्र - शनि - सूर्य		चंद्र - शनि - चंद्र	
14/05/2023 02:53		16/06/2023 20:32		21/09/2023 05:47		20/10/2023 03:45	
16/06/2023 20:32		21/09/2023 05:47		20/10/2023 03:45		07/12/2023 08:23	
केतु	16/05/2023 02:07	शुक्र	02/07/2023 22:04	सूर्य	22/09/2023 16:29	चंद्र	24/10/2023 04:08
शुक्र	21/05/2023 17:04	सूर्य	07/07/2023 17:44	चंद्र	25/09/2023 02:19	मंगल	26/10/2023 23:37
सूर्य	23/05/2023 09:33	चंद्र	15/07/2023 18:30	मंगल	26/09/2023 18:47	राहु	03/11/2023 05:06
चंद्र	26/05/2023 05:01	मंगल	21/07/2023 09:27	राहु	01/10/2023 02:53	गुरु	09/11/2023 15:19
मंगल	28/05/2023 04:14	राहु	04/08/2023 20:26	गुरु	04/10/2023 23:25	शनि	17/11/2023 06:27
राहु	02/06/2023 05:41	गुरु	17/08/2023 16:52	शनि	09/10/2023 13:18	बुध	24/11/2023 02:18
गुरु	06/06/2023 17:38	शनि	01/09/2023 23:08	बुध	13/10/2023 15:37	केतु	26/11/2023 21:47
शनि	12/06/2023 01:50	बुध	15/09/2023 14:50	केतु	15/10/2023 08:05	शुक्र	04/12/2023 22:33
बुध	16/06/2023 20:32	केतु	21/09/2023 05:47	शुक्र	20/10/2023 03:45	सूर्य	07/12/2023 08:23

चंद्र - शनि - मंगल		चंद्र - शनि - राहु		चंद्र - शनि - गुरु		चंद्र - बुध - बुध	
07/12/2023 08:23		10/01/2024 02:01		05/04/2024 19:56		21/06/2024 22:32	
10/01/2024 02:01		05/04/2024 19:56		21/06/2024 22:32		03/09/2024 05:50	
मंगल	09/12/2023 07:36	राहु	23/01/2024 02:18	गुरु	16/04/2024 02:41	बुध	02/07/2024 07:46
राहु	14/12/2023 09:03	गुरु	03/02/2024 15:54	शनि	28/04/2024 07:42	केतु	06/07/2024 14:24
गुरु	18/12/2023 21:00	शनि	17/02/2024 09:32	बुध	09/05/2024 05:52	शुक्र	18/07/2024 19:37
शनि	24/12/2023 05:12	बुध	29/02/2024 16:28	केतु	13/05/2024 17:49	सूर्य	22/07/2024 11:35
बुध	28/12/2023 23:54	केतु	05/03/2024 17:55	शुक्र	26/05/2024 14:15	चंद्र	28/07/2024 14:11
केतु	30/12/2023 23:08	शुक्र	20/03/2024 04:54	सूर्य	30/05/2024 10:47	मंगल	01/08/2024 20:49
शुक्र	05/01/2024 14:04	सूर्य	24/03/2024 13:00	चंद्र	05/06/2024 21:00	राहु	12/08/2024 20:42
सूर्य	07/01/2024 06:33	चंद्र	31/03/2024 18:30	मंगल	10/06/2024 08:57	गुरु	22/08/2024 15:17
चंद्र	10/01/2024 02:01	मंगल	05/04/2024 19:56	राहु	21/06/2024 22:32	शनि	03/09/2024 05:50

चंद्र - बुध - केतु		चंद्र - बुध - शुक्र		चंद्र - बुध - सूर्य		चंद्र - बुध - चंद्र	
03/09/2024 05:50		03/10/2024 10:14		28/12/2024 15:59		23/01/2025 12:55	
03/10/2024 10:14		28/12/2024 15:59		23/01/2025 12:55		07/03/2025 15:47	
केतु	05/09/2024 00:05	शुक्र	17/10/2024 19:12	सूर्य	29/12/2024 23:02	चंद्र	27/01/2025 03:09
शुक्र	10/09/2024 00:49	सूर्य	22/10/2024 02:41	चंद्र	01/01/2025 02:47	मंगल	29/01/2025 15:31
सूर्य	11/09/2024 13:03	चंद्र	29/10/2024 07:10	मंगल	02/01/2025 15:00	राहु	05/02/2025 02:45
चंद्र	14/09/2024 01:25	मंगल	03/11/2024 07:54	राहु	06/01/2025 12:08	गुरु	10/02/2025 20:44
मंगल	15/09/2024 19:40	राहु	16/11/2024 06:22	गुरु	09/01/2025 22:56	शनि	17/02/2025 16:36
राहु	20/09/2024 08:20	गुरु	27/11/2024 18:20	शनि	14/01/2025 01:15	बुध	23/02/2025 19:12
गुरु	24/09/2024 08:55	शनि	11/12/2024 10:02	बुध	17/01/2025 17:12	केतु	26/02/2025 07:34
शनि	29/09/2024 03:37	बुध	23/12/2024 15:15	केतु	19/01/2025 05:26	शुक्र	05/03/2025 12:03
बुध	03/10/2024 10:14	केतु	28/12/2024 15:59	शुक्र	23/01/2025 12:55	सूर्य	07/03/2025 15:47

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - बुध - मंगल		चंद्र - बुध - राहु		चंद्र - बुध - गुरु		चंद्र - बुध - शनि	
07/03/2025 15:47		06/04/2025 20:12		23/06/2025 10:59		31/08/2025 10:47	
06/04/2025 20:12		23/06/2025 10:59		31/08/2025 10:47		21/11/2025 09:02	
मंगल	09/03/2025 10:03	राहु	18/04/2025 11:37	गुरु	02/07/2025 15:45	शनि	13/09/2025 10:06
राहु	13/03/2025 22:43	गुरु	28/04/2025 19:59	शनि	13/07/2025 13:55	बुध	25/09/2025 00:39
गुरु	17/03/2025 23:18	शनि	11/05/2025 02:56	बुध	23/07/2025 08:30	केतु	29/09/2025 19:21
शनि	22/03/2025 18:00	बुध	22/05/2025 02:49	केतु	27/07/2025 09:05	शुक्र	13/10/2025 11:04
बुध	27/03/2025 00:37	केतु	26/05/2025 15:29	शुक्र	07/08/2025 21:03	सूर्य	17/10/2025 13:23
केतु	28/03/2025 18:53	शुक्र	08/06/2025 13:57	सूर्य	11/08/2025 07:50	चंद्र	24/10/2025 09:14
शुक्र	02/04/2025 19:37	सूर्य	12/06/2025 11:05	चंद्र	17/08/2025 01:49	मंगल	29/10/2025 03:56
सूर्य	04/04/2025 07:50	चंद्र	18/06/2025 22:19	मंगल	21/08/2025 02:25	राहु	10/11/2025 10:52
चंद्र	06/04/2025 20:12	मंगल	23/06/2025 10:59	राहु	31/08/2025 10:47	गुरु	21/11/2025 09:02

चंद्र - केतु - केतु		चंद्र - केतु - शुक्र		चंद्र - केतु - सूर्य		चंद्र - केतु - चंद्र	
21/11/2025 09:02		03/12/2025 19:20		08/01/2026 07:35		18/01/2026 23:15	
03/12/2025 19:20		08/01/2026 07:35		18/01/2026 23:15		05/02/2026 17:23	
केतु	22/11/2025 02:26	शुक्र	09/12/2025 17:22	सूर्य	08/01/2026 20:22	चंद्र	20/01/2026 10:46
शुक्र	24/11/2025 04:09	सूर्य	11/12/2025 11:59	चंद्र	09/01/2026 17:40	मंगल	21/01/2026 11:37
सूर्य	24/11/2025 19:04	चंद्र	14/12/2025 11:00	मंगल	10/01/2026 08:35	राहु	24/01/2026 03:32
चंद्र	25/11/2025 19:56	मंगल	16/12/2025 12:43	राहु	11/01/2026 22:56	गुरु	26/01/2026 12:21
मंगल	26/11/2025 13:20	राहु	21/12/2025 20:33	गुरु	13/01/2026 09:01	शनि	29/01/2026 07:50
राहु	28/11/2025 10:04	गुरु	26/12/2025 14:11	शनि	15/01/2026 01:30	बुध	31/01/2026 20:12
गुरु	30/11/2025 01:51	शनि	01/01/2026 05:08	बुध	16/01/2026 13:44	केतु	01/02/2026 21:03
शनि	02/12/2025 01:04	बुध	06/01/2026 05:52	केतु	17/01/2026 04:38	शुक्र	04/02/2026 20:04
बुध	03/12/2025 19:20	केतु	08/01/2026 07:35	शुक्र	18/01/2026 23:15	सूर्य	05/02/2026 17:23

चंद्र - केतु - मंगल		चंद्र - केतु - राहु		चंद्र - केतु - गुरु		चंद्र - केतु - शनि	
05/02/2026 17:23		18/02/2026 03:40		22/03/2026 02:41		19/04/2026 12:29	
18/02/2026 03:40		22/03/2026 02:41		19/04/2026 12:29		23/05/2026 06:08	
मंगल	06/02/2026 10:47	राहु	22/02/2026 22:43	गुरु	25/03/2026 21:36	शनि	24/04/2026 20:41
राहु	08/02/2026 07:31	गुरु	27/02/2026 04:59	शनि	30/03/2026 09:33	बुध	29/04/2026 15:23
गुरु	09/02/2026 23:18	शनि	04/03/2026 06:26	बुध	03/04/2026 10:08	केतु	01/05/2026 14:37
शनि	11/02/2026 22:31	बुध	08/03/2026 19:06	केतु	05/04/2026 01:55	शुक्र	07/05/2026 05:33
बुध	13/02/2026 16:47	केतु	10/03/2026 15:50	शुक्र	09/04/2026 19:33	सूर्य	08/05/2026 22:02
केतु	14/02/2026 10:11	शुक्र	15/03/2026 23:41	सूर्य	11/04/2026 05:38	चंद्र	11/05/2026 17:30
शुक्र	16/02/2026 11:54	सूर्य	17/03/2026 14:02	चंद्र	13/04/2026 14:27	मंगल	13/05/2026 16:44
सूर्य	17/02/2026 02:49	चंद्र	20/03/2026 05:57	मंगल	15/04/2026 06:13	राहु	18/05/2026 18:11
चंद्र	18/02/2026 03:40	मंगल	22/03/2026 02:41	राहु	19/04/2026 12:29	गुरु	23/05/2026 06:08

विंशोत्तरी दशा - प्राण

चंद्र - मंगल - केतु - शुक्र		चंद्र - मंगल - केतु - सूर्य		चंद्र - मंगल - केतु - चंद्र		चंद्र - मंगल - केतु - मंगल	
07/11/2019 03:06		09/11/2019 04:49		09/11/2019 19:44		10/11/2019 20:35	
09/11/2019 04:49		09/11/2019 19:44		10/11/2019 20:35		11/11/2019 13:59	
शुक्र	07/11/2019 11:23	सूर्य	09/11/2019 05:34	चंद्र	09/11/2019 21:48	मंगल	10/11/2019 21:36
सूर्य	07/11/2019 13:53	चंद्र	09/11/2019 06:48	मंगल	09/11/2019 23:15	राहु	11/11/2019 00:13
चंद्र	07/11/2019 18:01	मंगल	09/11/2019 07:41	राहु	10/11/2019 02:59	गुरु	11/11/2019 02:32
मंगल	07/11/2019 20:55	राहु	09/11/2019 09:55	गुरु	10/11/2019 06:18	शनि	11/11/2019 05:17
राहु	08/11/2019 04:23	गुरु	09/11/2019 11:54	शनि	10/11/2019 10:14	बुध	11/11/2019 07:45
गुरु	08/11/2019 11:00	शनि	09/11/2019 14:16	बुध	10/11/2019 13:45	केतु	11/11/2019 08:46
शनि	08/11/2019 18:53	बुध	09/11/2019 16:23	केतु	10/11/2019 15:12	शुक्र	11/11/2019 11:40
बुध	09/11/2019 01:55	केतु	09/11/2019 17:15	शुक्र	10/11/2019 19:21	सूर्य	11/11/2019 12:32
केतु	09/11/2019 04:49	शुक्र	09/11/2019 19:44	सूर्य	10/11/2019 20:35	चंद्र	11/11/2019 13:59

चंद्र - मंगल - केतु - राहु		चंद्र - मंगल - केतु - गुरु		चंद्र - मंगल - केतु - शनि		चंद्र - मंगल - केतु - बुध	
11/11/2019 13:59		13/11/2019 10:44		15/11/2019 02:30		17/11/2019 01:44	
13/11/2019 10:44		15/11/2019 02:30		17/11/2019 01:44		18/11/2019 19:59	
राहु	11/11/2019 20:42	गुरु	13/11/2019 16:02	शनि	15/11/2019 09:59	बुध	17/11/2019 07:43
गुरु	12/11/2019 02:40	शनि	13/11/2019 22:20	बुध	15/11/2019 16:40	केतु	17/11/2019 10:11
शनि	12/11/2019 09:45	बुध	14/11/2019 03:58	केतु	15/11/2019 19:26	शुक्र	17/11/2019 17:14
बुध	12/11/2019 16:05	केतु	14/11/2019 06:17	शुक्र	16/11/2019 03:18	सूर्य	17/11/2019 19:20
केतु	12/11/2019 18:42	शुक्र	14/11/2019 12:55	सूर्य	16/11/2019 05:40	चंद्र	17/11/2019 22:52
शुक्र	13/11/2019 02:09	सूर्य	14/11/2019 14:54	चंद्र	16/11/2019 09:36	मंगल	18/11/2019 01:20
सूर्य	13/11/2019 04:24	चंद्र	14/11/2019 18:13	मंगल	16/11/2019 12:21	राहु	18/11/2019 07:40
चंद्र	13/11/2019 08:07	मंगल	14/11/2019 20:32	राहु	16/11/2019 19:26	गुरु	18/11/2019 13:18
मंगल	13/11/2019 10:44	राहु	15/11/2019 02:30	गुरु	17/11/2019 01:44	शनि	18/11/2019 19:59

चंद्र - मंगल - शुक्र - शुक्र		चंद्र - मंगल - शुक्र - सूर्य		चंद्र - मंगल - शुक्र - चंद्र		चंद्र - मंगल - शुक्र - मंगल	
18/11/2019 19:59		24/11/2019 18:02		26/11/2019 12:39		29/11/2019 11:40	
24/11/2019 18:02		26/11/2019 12:39		29/11/2019 11:40		01/12/2019 13:23	
शुक्र	19/11/2019 19:40	सूर्य	24/11/2019 20:10	चंद्र	26/11/2019 18:34	मंगल	29/11/2019 14:34
सूर्य	20/11/2019 02:46	चंद्र	24/11/2019 23:43	मंगल	26/11/2019 22:42	राहु	29/11/2019 22:01
चंद्र	20/11/2019 14:36	मंगल	25/11/2019 02:12	राहु	27/11/2019 09:22	गुरु	30/11/2019 04:39
मंगल	20/11/2019 22:53	राहु	25/11/2019 08:36	गुरु	27/11/2019 18:50	शनि	30/11/2019 12:31
राहु	21/11/2019 20:12	गुरु	25/11/2019 14:16	शनि	28/11/2019 06:04	बुध	30/11/2019 19:34
गुरु	22/11/2019 15:08	शनि	25/11/2019 21:01	बुध	28/11/2019 16:08	केतु	30/11/2019 22:28
शनि	23/11/2019 13:37	बुध	26/11/2019 03:03	केतु	28/11/2019 20:17	शुक्र	01/12/2019 06:45
बुध	24/11/2019 09:45	केतु	26/11/2019 05:33	शुक्र	29/11/2019 08:07	सूर्य	01/12/2019 09:14
केतु	24/11/2019 18:02	शुक्र	26/11/2019 12:39	सूर्य	29/11/2019 11:40	चंद्र	01/12/2019 13:23

विंशोत्तरी दशा - प्राण

चंद्र - मंगल - शुक्र - राहु		चंद्र - मंगल - शुक्र - गुरु		चंद्र - मंगल - शुक्र - शनि		चंद्र - मंगल - शुक्र - बुध	
01/12/2019 13:23		06/12/2019 21:13		11/12/2019 14:51		17/12/2019 05:47	
06/12/2019 21:13		11/12/2019 14:51		17/12/2019 05:47		22/12/2019 06:32	
राहु	02/12/2019 08:33	गुरु	07/12/2019 12:22	शनि	12/12/2019 12:13	बुध	17/12/2019 22:54
गुरु	03/12/2019 01:36	शनि	08/12/2019 06:22	बुध	13/12/2019 07:20	केतु	18/12/2019 05:56
शनि	03/12/2019 21:51	बुध	08/12/2019 22:28	केतु	13/12/2019 15:12	शुक्र	19/12/2019 02:04
बुध	04/12/2019 15:57	केतु	09/12/2019 05:05	शुक्र	14/12/2019 13:42	सूर्य	19/12/2019 08:06
केतु	04/12/2019 23:25	शुक्र	10/12/2019 00:02	सूर्य	14/12/2019 20:27	चंद्र	19/12/2019 18:10
शुक्र	05/12/2019 20:43	सूर्य	10/12/2019 05:43	चंद्र	15/12/2019 07:41	मंगल	20/12/2019 01:12
सूर्य	06/12/2019 03:06	चंद्र	10/12/2019 15:11	मंगल	15/12/2019 15:34	राहु	20/12/2019 19:19
चंद्र	06/12/2019 13:46	मंगल	10/12/2019 21:48	राहु	16/12/2019 11:48	गुरु	21/12/2019 11:25
मंगल	06/12/2019 21:13	राहु	11/12/2019 14:51	गुरु	17/12/2019 05:47	शनि	22/12/2019 06:32

चंद्र - मंगल - शुक्र - केतु		चंद्र - मंगल - सूर्य - सूर्य		चंद्र - मंगल - सूर्य - चंद्र		चंद्र - मंगल - सूर्य - मंगल	
22/12/2019 06:32		24/12/2019 08:14		24/12/2019 21:02		25/12/2019 18:20	
24/12/2019 08:14		24/12/2019 21:02		25/12/2019 18:20		26/12/2019 09:15	
केतु	22/12/2019 09:26	सूर्य	24/12/2019 08:53	चंद्र	24/12/2019 22:48	मंगल	25/12/2019 19:12
शुक्र	22/12/2019 17:43	चंद्र	24/12/2019 09:57	मंगल	25/12/2019 00:03	राहु	25/12/2019 21:26
सूर्य	22/12/2019 20:12	मंगल	24/12/2019 10:41	राहु	25/12/2019 03:14	गुरु	25/12/2019 23:26
चंद्र	23/12/2019 00:20	राहु	24/12/2019 12:37	गुरु	25/12/2019 06:05	शनि	26/12/2019 01:47
मंगल	23/12/2019 03:14	गुरु	24/12/2019 14:19	शनि	25/12/2019 09:27	बुध	26/12/2019 03:54
राहु	23/12/2019 10:42	शनि	24/12/2019 16:20	बुध	25/12/2019 12:28	केतु	26/12/2019 04:46
गुरु	23/12/2019 17:20	बुध	24/12/2019 18:09	केतु	25/12/2019 13:43	शुक्र	26/12/2019 07:15
शनि	24/12/2019 01:12	केतु	24/12/2019 18:54	शुक्र	25/12/2019 17:16	सूर्य	26/12/2019 08:00
बुध	24/12/2019 08:14	शुक्र	24/12/2019 21:02	सूर्य	25/12/2019 18:20	चंद्र	26/12/2019 09:15

चंद्र - मंगल - सूर्य - राहु		चंद्र - मंगल - सूर्य - गुरु		चंद्र - मंगल - सूर्य - शनि		चंद्र - मंगल - सूर्य - बुध	
26/12/2019 09:15		27/12/2019 23:36		29/12/2019 09:41		31/12/2019 02:10	
27/12/2019 23:36		29/12/2019 09:41		31/12/2019 02:10		01/01/2020 14:23	
राहु	26/12/2019 15:00	गुरु	28/12/2019 04:09	शनि	29/12/2019 16:06	बुध	31/12/2019 07:18
गुरु	26/12/2019 20:07	शनि	28/12/2019 09:32	बुध	29/12/2019 21:50	केतु	31/12/2019 09:25
शनि	27/12/2019 02:11	बुध	28/12/2019 14:22	केतु	30/12/2019 00:12	शुक्र	31/12/2019 15:27
बुध	27/12/2019 07:37	केतु	28/12/2019 16:21	शुक्र	30/12/2019 06:56	सूर्य	31/12/2019 17:16
केतु	27/12/2019 09:51	शुक्र	28/12/2019 22:02	सूर्य	30/12/2019 08:58	चंद्र	31/12/2019 20:17
शुक्र	27/12/2019 16:15	सूर्य	28/12/2019 23:45	चंद्र	30/12/2019 12:20	मंगल	31/12/2019 22:24
सूर्य	27/12/2019 18:10	चंद्र	29/12/2019 02:35	मंगल	30/12/2019 14:42	राहु	01/01/2020 03:50
चंद्र	27/12/2019 21:22	मंगल	29/12/2019 04:34	राहु	30/12/2019 20:46	गुरु	01/01/2020 08:39
मंगल	27/12/2019 23:36	राहु	29/12/2019 09:41	गुरु	31/12/2019 02:10	शनि	01/01/2020 14:23

षोडशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 8 वर्ष 2 मास 11 दिन

मंगल 12 वर्ष		गुरु 13 वर्ष		शनि 14 वर्ष		केतु 15 वर्ष		चंद्र 16 वर्ष	
10/01/1974		23/03/1982		23/03/1995		23/03/2009		23/03/2024	
23/03/1982		23/03/1995		23/03/2009		23/03/2024		23/03/2040	
	00/00/0000	गुरु	06/09/1983	शनि	29/11/1996	केतु	01/03/2011	चंद्र	07/06/2026
	10/01/1974	शनि	01/04/1985	केतु	22/09/1998	चंद्र	26/03/2013	बुध	10/10/2028
शनि	05/04/1974	केतु	06/12/1986	चंद्र	27/08/2000	बुध	07/06/2015	शुक्र	05/04/2031
केतु	23/10/1975	चंद्र	21/09/1988	बुध	15/09/2002	शुक्र	04/10/2017	सूर्य	10/10/2032
चंद्र	19/06/1977	बुध	18/08/1990	शुक्र	17/11/2004	सूर्य	08/03/2019	मंगल	07/06/2034
बुध	23/03/1979	शुक्र	24/08/1992	सूर्य	17/03/2006	मंगल	24/09/2020	गुरु	23/03/2036
शुक्र	31/01/1981	सूर्य	17/11/1993	मंगल	28/08/2007	गुरु	31/05/2022	शनि	26/02/2038
सूर्य	23/03/1982	मंगल	23/03/1995	गुरु	23/03/2009	शनि	23/03/2024	केतु	23/03/2040

बुध 17 वर्ष		शुक्र 18 वर्ष		सूर्य 11 वर्ष		मंगल 12 वर्ष	
23/03/2040		23/03/2057		23/03/2075		23/03/2086	
23/03/2057		23/03/2075		23/03/2086		00/00/0000	
बुध	19/09/2042	शुक्र	07/01/2060	सूर्य	07/04/2076	मंगल	19/06/2087
शुक्र	09/05/2045	सूर्य	21/09/2061	मंगल	28/05/2077	गुरु	23/10/2088
सूर्य	19/12/2046	मंगल	03/08/2063	गुरु	21/08/2078	शनि	10/01/2090
मंगल	21/09/2048	गुरु	08/08/2065	शनि	19/12/2079		00/00/0000
गुरु	18/08/2050	शनि	11/10/2067	केतु	22/05/2081		00/00/0000
शनि	05/09/2052	केतु	07/02/2070	चंद्र	27/11/2082		00/00/0000
केतु	17/11/2054	चंद्र	02/08/2072	बुध	08/07/2084		00/00/0000
चंद्र	23/03/2057	बुध	23/03/2075	शुक्र	23/03/2086		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
षोडशोत्तरी दशा पूरे 116 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

मंगल - शनि		मंगल - केतु		मंगल - चंद्र		मंगल - बुध		मंगल - शुक्र	
10/01/1974		05/04/1974		23/10/1975		19/06/1977		23/03/1979	
05/04/1974		23/10/1975		19/06/1977		23/03/1979		31/01/1981	
	00/00/0000	केतु	17/06/1974	चंद्र	15/01/1976	बुध	21/09/1977	शुक्र	07/07/1979
	00/00/0000	चंद्र	03/09/1974	बुध	12/04/1976	शुक्र	30/12/1977	सूर्य	09/09/1979
	00/00/0000	बुध	25/11/1974	शुक्र	15/07/1976	सूर्य	01/03/1978	मंगल	19/11/1979
	00/00/0000	शुक्र	21/02/1975	सूर्य	11/09/1976	मंगल	06/05/1978	गुरु	03/02/1980
	00/00/0000	सूर्य	16/04/1975	मंगल	12/11/1976	गुरु	17/07/1978	शनि	25/04/1980
	10/01/1974	मंगल	13/06/1975	गुरु	19/01/1977	शनि	03/10/1978	केतु	22/07/1980
मंगल	04/02/1974	गुरु	16/08/1975	शनि	02/04/1977	केतु	25/12/1978	चंद्र	24/10/1980
गुरु	05/04/1974	शनि	23/10/1975	केतु	19/06/1977	चंद्र	23/03/1979	बुध	31/01/1981

मंगल - सूर्य		गुरु - गुरु		गुरु - शनि		गुरु - केतु		गुरु - चंद्र	
31/01/1981		23/03/1982		06/09/1983		01/04/1985		06/12/1986	
23/03/1982		06/09/1983		01/04/1985		06/12/1986		21/09/1988	
सूर्य	12/03/1981	गुरु	22/05/1982	शनि	14/11/1983	केतु	20/06/1985	चंद्र	07/03/1987
मंगल	24/04/1981	शनि	25/07/1982	केतु	27/01/1984	चंद्र	12/09/1985	बुध	11/06/1987
गुरु	09/06/1981	केतु	02/10/1982	चंद्र	15/04/1984	बुध	11/12/1985	शुक्र	20/09/1987
शनि	30/07/1981	चंद्र	14/12/1982	बुध	08/07/1984	शुक्र	17/03/1986	सूर्य	21/11/1987
केतु	21/09/1981	बुध	02/03/1983	शुक्र	05/10/1984	सूर्य	14/05/1986	मंगल	28/01/1988
चंद्र	18/11/1981	शुक्र	24/05/1983	सूर्य	29/11/1984	मंगल	16/07/1986	गुरु	10/04/1988
बुध	18/01/1982	सूर्य	13/07/1983	मंगल	27/01/1985	गुरु	23/09/1986	शनि	28/06/1988
शुक्र	23/03/1982	मंगल	06/09/1983	गुरु	01/04/1985	शनि	06/12/1986	केतु	21/09/1988

गुरु - बुध		गुरु - शुक्र		गुरु - सूर्य		गुरु - मंगल		शनि - शनि	
21/09/1988		18/08/1990		24/08/1992		17/11/1993		23/03/1995	
18/08/1990		24/08/1992		17/11/1993		23/03/1995		29/11/1996	
बुध	01/01/1989	शुक्र	10/12/1990	सूर्य	06/10/1992	मंगल	07/01/1994	शनि	06/06/1995
शुक्र	19/04/1989	सूर्य	18/02/1991	मंगल	21/11/1992	गुरु	03/03/1994	केतु	25/08/1995
सूर्य	24/06/1989	मंगल	05/05/1991	गुरु	11/01/1993	शनि	01/05/1994	चंद्र	18/11/1995
मंगल	04/09/1989	गुरु	27/07/1991	शनि	06/03/1993	केतु	04/07/1994	बुध	16/02/1996
गुरु	21/11/1989	शनि	24/10/1991	केतु	03/05/1993	चंद्र	10/09/1994	शुक्र	22/05/1996
शनि	13/02/1990	केतु	27/01/1992	चंद्र	04/07/1993	बुध	20/11/1994	सूर्य	19/07/1996
केतु	14/05/1990	चंद्र	08/05/1992	बुध	08/09/1993	शुक्र	05/02/1995	मंगल	21/09/1996
चंद्र	18/08/1990	बुध	24/08/1992	शुक्र	17/11/1993	सूर्य	23/03/1995	गुरु	29/11/1996

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - केतु		शनि - चंद्र		शनि - बुध		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य	
29/11/1996		22/09/1998		27/08/2000		15/09/2002		17/11/2004	
22/09/1998		27/08/2000		15/09/2002		17/11/2004		17/03/2006	
केतु	23/02/1997	चंद्र	28/12/1998	बुध	15/12/2000	शुक्र	16/01/2003	सूर्य	02/01/2005
चंद्र	25/05/1997	बुध	10/04/1999	शुक्र	10/04/2001	सूर्य	02/04/2003	मंगल	21/02/2005
बुध	30/08/1997	शुक्र	29/07/1999	सूर्य	20/06/2001	मंगल	23/06/2003	गुरु	16/04/2005
शुक्र	11/12/1997	सूर्य	04/10/1999	मंगल	06/09/2001	गुरु	20/09/2003	शनि	14/06/2005
सूर्य	11/02/1998	मंगल	16/12/1999	गुरु	29/11/2001	शनि	25/12/2003	केतु	16/08/2005
मंगल	21/04/1998	गुरु	04/03/2000	शनि	27/02/2002	केतु	05/04/2004	चंद्र	21/10/2005
गुरु	04/07/1998	शनि	28/05/2000	केतु	04/06/2002	चंद्र	24/07/2004	बुध	01/01/2006
शनि	22/09/1998	केतु	27/08/2000	चंद्र	15/09/2002	बुध	17/11/2004	शुक्र	17/03/2006

शनि - मंगल		शनि - गुरु		केतु - केतु		केतु - चंद्र		केतु - बुध	
17/03/2006		28/08/2007		23/03/2009		01/03/2011		26/03/2013	
28/08/2007		23/03/2009		01/03/2011		26/03/2013		07/06/2015	
मंगल	10/05/2006	गुरु	31/10/2007	केतु	22/06/2009	चंद्र	13/06/2011	बुध	22/07/2013
गुरु	09/07/2006	शनि	08/01/2008	चंद्र	28/09/2009	बुध	02/10/2011	शुक्र	23/11/2013
शनि	11/09/2006	केतु	22/03/2008	बुध	10/01/2010	शुक्र	27/01/2012	सूर्य	07/02/2014
केतु	18/11/2006	चंद्र	09/06/2008	शुक्र	30/04/2010	सूर्य	08/04/2012	मंगल	01/05/2014
चंद्र	30/01/2007	बुध	01/09/2008	सूर्य	06/07/2010	मंगल	25/06/2012	गुरु	30/07/2014
बुध	17/04/2007	शुक्र	29/11/2008	मंगल	17/09/2010	गुरु	18/09/2012	शनि	04/11/2014
शुक्र	09/07/2007	सूर्य	23/01/2009	गुरु	06/12/2010	शनि	18/12/2012	केतु	16/02/2015
सूर्य	28/08/2007	मंगल	23/03/2009	शनि	01/03/2011	केतु	26/03/2013	चंद्र	07/06/2015

केतु - शुक्र		केतु - सूर्य		केतु - मंगल		केतु - गुरु		केतु - शनि	
07/06/2015		04/10/2017		08/03/2019		24/09/2020		31/05/2022	
04/10/2017		08/03/2019		24/09/2020		31/05/2022		23/03/2024	
शुक्र	17/10/2015	सूर्य	22/11/2017	मंगल	05/05/2019	गुरु	02/12/2020	शनि	19/08/2022
सूर्य	05/01/2016	मंगल	15/01/2018	गुरु	08/07/2019	शनि	14/02/2021	केतु	13/11/2022
मंगल	02/04/2016	गुरु	14/03/2018	शनि	14/09/2019	केतु	05/05/2021	चंद्र	12/02/2023
गुरु	07/07/2016	शनि	16/05/2018	केतु	26/11/2019	चंद्र	28/07/2021	बुध	20/05/2023
शनि	17/10/2016	केतु	22/07/2018	चंद्र	13/02/2020	बुध	26/10/2021	शुक्र	30/08/2023
केतु	04/02/2017	चंद्र	02/10/2018	बुध	06/05/2020	शुक्र	30/01/2022	सूर्य	01/11/2023
चंद्र	01/06/2017	बुध	17/12/2018	शुक्र	02/08/2020	सूर्य	29/03/2022	मंगल	08/01/2024
बुध	04/10/2017	शुक्र	08/03/2019	सूर्य	24/09/2020	मंगल	31/05/2022	गुरु	23/03/2024

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - चंद्र		चंद्र - बुध		चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		चंद्र - मंगल	
23/03/2024		07/06/2026		10/10/2028		05/04/2031		10/10/2032	
07/06/2026		10/10/2028		05/04/2031		10/10/2032		07/06/2034	
चंद्र	12/07/2024	बुध	10/10/2026	शुक्र	28/02/2029	सूर्य	27/05/2031	मंगल	12/12/2032
बुध	07/11/2024	शुक्र	20/02/2027	सूर्य	25/05/2029	मंगल	24/07/2031	गुरु	17/02/2033
शुक्र	12/03/2025	सूर्य	12/05/2027	मंगल	27/08/2029	गुरु	24/09/2031	शनि	01/05/2033
सूर्य	27/05/2025	मंगल	09/08/2027	गुरु	06/12/2029	शनि	30/11/2031	केतु	18/07/2033
मंगल	19/08/2025	गुरु	13/11/2027	शनि	26/03/2030	केतु	09/02/2032	चंद्र	10/10/2033
गुरु	17/11/2025	शनि	24/02/2028	केतु	21/07/2030	चंद्र	26/04/2032	बुध	06/01/2034
शनि	22/02/2026	केतु	14/06/2028	चंद्र	23/11/2030	बुध	16/07/2032	शुक्र	10/04/2034
केतु	07/06/2026	चंद्र	10/10/2028	बुध	05/04/2031	शुक्र	10/10/2032	सूर्य	07/06/2034

चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि		चंद्र - केतु		बुध - बुध		बुध - शुक्र	
07/06/2034		23/03/2036		26/02/2038		23/03/2040		19/09/2042	
23/03/2036		26/02/2038		23/03/2040		19/09/2042		09/05/2045	
गुरु	19/08/2034	शनि	16/06/2036	केतु	04/06/2038	बुध	03/08/2040	शुक्र	15/02/2043
शनि	06/11/2034	केतु	15/09/2036	चंद्र	16/09/2038	शुक्र	22/12/2040	सूर्य	17/05/2043
केतु	30/01/2035	चंद्र	21/12/2036	बुध	05/01/2039	सूर्य	18/03/2041	मंगल	25/08/2043
चंद्र	30/04/2035	बुध	04/04/2037	शुक्र	02/05/2039	मंगल	21/06/2041	गुरु	11/12/2043
बुध	04/08/2035	शुक्र	22/07/2037	सूर्य	12/07/2039	गुरु	01/10/2041	शनि	05/04/2044
शुक्र	14/11/2035	सूर्य	27/09/2037	मंगल	29/09/2039	शनि	18/01/2042	केतु	08/08/2044
सूर्य	15/01/2036	मंगल	09/12/2037	गुरु	22/12/2039	केतु	16/05/2042	चंद्र	19/12/2044
मंगल	23/03/2036	गुरु	26/02/2038	शनि	23/03/2040	चंद्र	19/09/2042	बुध	09/05/2045

बुध - सूर्य		बुध - मंगल		बुध - गुरु		बुध - शनि		बुध - केतु	
09/05/2045		19/12/2046		21/09/2048		18/08/2050		05/09/2052	
19/12/2046		21/09/2048		18/08/2050		05/09/2052		17/11/2054	
सूर्य	04/07/2045	मंगल	23/02/2047	गुरु	08/12/2048	शनि	16/11/2050	केतु	18/12/2052
मंगल	03/09/2045	गुरु	06/05/2047	शनि	02/03/2049	केतु	21/02/2051	चंद्र	08/04/2053
गुरु	08/11/2045	शनि	23/07/2047	केतु	31/05/2049	चंद्र	05/06/2051	बुध	04/08/2053
शनि	18/01/2046	केतु	14/10/2047	चंद्र	04/09/2049	बुध	23/09/2051	शुक्र	06/12/2053
केतु	04/04/2046	चंद्र	10/01/2048	बुध	15/12/2049	शुक्र	17/01/2052	सूर्य	20/02/2054
चंद्र	24/06/2046	बुध	14/04/2048	शुक्र	02/04/2050	सूर्य	28/03/2052	मंगल	14/05/2054
बुध	18/09/2046	शुक्र	22/07/2048	सूर्य	07/06/2050	मंगल	13/06/2052	गुरु	12/08/2054
शुक्र	19/12/2046	सूर्य	21/09/2048	मंगल	18/08/2050	गुरु	05/09/2052	शनि	17/11/2054

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - चंद्र		शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - मंगल		शुक्र - गुरु	
17/11/2054		23/03/2057		07/01/2060		21/09/2061		03/08/2063	
23/03/2057		07/01/2060		21/09/2061		03/08/2063		08/08/2065	
चंद्र	15/03/2055	शुक्र	28/08/2057	सूर्य	06/03/2060	मंगल	01/12/2061	गुरु	24/10/2063
बुध	19/07/2055	सूर्य	03/12/2057	मंगल	10/05/2060	गुरु	15/02/2062	शनि	21/01/2064
शुक्र	29/11/2055	मंगल	18/03/2058	गुरु	18/07/2060	शनि	08/05/2062	केतु	25/04/2064
सूर्य	18/02/2056	गुरु	11/07/2058	शनि	02/10/2060	केतु	04/08/2062	चंद्र	05/08/2064
मंगल	17/05/2056	शनि	11/11/2058	केतु	21/12/2060	चंद्र	06/11/2062	बुध	21/11/2064
गुरु	21/08/2056	केतु	23/03/2059	चंद्र	17/03/2061	बुध	14/02/2063	शुक्र	15/03/2065
शनि	02/12/2056	चंद्र	10/08/2059	बुध	17/06/2061	शुक्र	30/05/2063	सूर्य	24/05/2065
केतु	23/03/2057	बुध	07/01/2060	शुक्र	21/09/2061	सूर्य	03/08/2063	मंगल	08/08/2065

शुक्र - शनि		शुक्र - केतु		शुक्र - चंद्र		शुक्र - बुध		सूर्य - सूर्य	
08/08/2065		11/10/2067		07/02/2070		02/08/2072		23/03/2075	
11/10/2067		07/02/2070		02/08/2072		23/03/2075		07/04/2076	
शनि	12/11/2065	केतु	29/01/2068	चंद्र	12/06/2070	बुध	21/12/2072	सूर्य	28/04/2075
केतु	23/02/2066	चंद्र	25/05/2068	बुध	23/10/2070	शुक्र	20/05/2073	मंगल	07/06/2075
चंद्र	12/06/2066	बुध	27/09/2068	शुक्र	13/03/2071	सूर्य	19/08/2073	गुरु	20/07/2075
बुध	06/10/2066	शुक्र	06/02/2069	सूर्य	07/06/2071	मंगल	27/11/2073	शनि	04/09/2075
शुक्र	07/02/2067	सूर्य	27/04/2069	मंगल	08/09/2071	गुरु	15/03/2074	केतु	23/10/2075
सूर्य	23/04/2067	मंगल	24/07/2069	गुरु	19/12/2071	शनि	09/07/2074	चंद्र	14/12/2075
मंगल	14/07/2067	गुरु	27/10/2069	शनि	07/04/2072	केतु	10/11/2074	बुध	08/02/2076
गुरु	11/10/2067	शनि	07/02/2070	केतु	02/08/2072	चंद्र	23/03/2075	शुक्र	07/04/2076

सूर्य - मंगल		सूर्य - गुरु		सूर्य - शनि		सूर्य - केतु		सूर्य - चंद्र	
07/04/2076		28/05/2077		21/08/2078		19/12/2079		22/05/2081	
28/05/2077		21/08/2078		19/12/2079		22/05/2081		27/11/2082	
मंगल	20/05/2076	गुरु	17/07/2077	शनि	19/10/2078	केतु	24/02/2080	चंद्र	06/08/2081
गुरु	06/07/2076	शनि	10/09/2077	केतु	20/12/2078	चंद्र	06/05/2080	बुध	26/10/2081
शनि	25/08/2076	केतु	07/11/2077	चंद्र	25/02/2079	बुध	21/07/2080	शुक्र	20/01/2082
केतु	18/10/2076	चंद्र	08/01/2078	बुध	07/05/2079	शुक्र	10/10/2080	सूर्य	14/03/2082
चंद्र	14/12/2076	बुध	15/03/2078	शुक्र	22/07/2079	सूर्य	28/11/2080	मंगल	10/05/2082
बुध	13/02/2077	शुक्र	24/05/2078	सूर्य	06/09/2079	मंगल	21/01/2081	गुरु	11/07/2082
शुक्र	19/04/2077	सूर्य	06/07/2078	मंगल	26/10/2079	गुरु	20/03/2081	शनि	16/09/2082
सूर्य	28/05/2077	मंगल	21/08/2078	गुरु	19/12/2079	शनि	22/05/2081	केतु	27/11/2082

त्रिभगी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 7 वर्ष 8 मास 27 दिन

बुध 11 वर्ष		केतु 5 वर्ष		शुक्र 13 वर्ष		सूर्य 4 वर्ष		चंद्र 7 वर्ष	
10/01/1974		08/10/1981		08/06/1986		08/10/1999		08/10/2003	
08/10/1981		08/06/1986		08/10/1999		08/10/2003		08/06/2010	
	00/00/0000	केतु	15/01/1982	शुक्र	28/08/1988	सूर्य	20/12/1999	चंद्र	28/04/2004
	10/01/1974	शुक्र	26/10/1982	सूर्य	28/04/1989	चंद्र	20/04/2000	मंगल	17/09/2004
शुक्र	04/08/1974	सूर्य	19/01/1983	चंद्र	08/06/1990	मंगल	14/07/2000	राहु	17/09/2005
सूर्य	27/02/1975	चंद्र	10/06/1983	मंगल	19/03/1991	राहु	18/02/2001	गुरु	08/08/2006
चंद्र	07/02/1976	मंगल	18/09/1983	राहु	19/03/1993	गुरु	01/09/2001	शनि	29/08/2007
मंगल	05/10/1976	राहु	31/05/1984	गुरु	28/12/1994	शनि	21/04/2002	बुध	08/08/2008
राहु	18/06/1978	गुरु	13/01/1985	शनि	06/02/1997	बुध	13/11/2002	केतु	28/12/2008
गुरु	22/12/1979	शनि	10/10/1985	बुध	28/12/1998	केतु	07/02/2003	शुक्र	06/02/2010
शनि	08/10/1981	बुध	08/06/1986	केतु	08/10/1999	शुक्र	08/10/2003	सूर्य	08/06/2010

मंगल 5 वर्ष		राहु 12 वर्ष		गुरु 11 वर्ष		शनि 13 वर्ष		बुध 11 वर्ष	
08/06/2010		07/02/2015		07/02/2027		08/10/2037		08/06/2050	
07/02/2015		07/02/2027		08/10/2037		08/06/2050		00/00/0000	
मंगल	16/09/2010	राहु	25/11/2016	गुरु	10/07/2028	शनि	10/10/2039	बुध	16/01/2052
राहु	29/05/2011	गुरु	03/07/2018	शनि	19/03/2030	बुध	27/07/2041	केतु	13/09/2052
गुरु	12/01/2012	शनि	27/05/2020	बुध	22/09/2031	केतु	23/04/2042	शुक्र	10/01/2054
शनि	07/10/2012	बुध	06/02/2022	केतु	06/05/2032	शुक्र	02/06/2044		00/00/0000
बुध	06/06/2013	केतु	20/10/2022	शुक्र	15/02/2034	सूर्य	19/01/2045		00/00/0000
केतु	13/09/2013	शुक्र	20/10/2024	सूर्य	28/08/2034	चंद्र	08/02/2046		00/00/0000
शुक्र	24/06/2014	सूर्य	27/05/2025	चंद्र	19/07/2035	मंगल	05/11/2046		00/00/0000
सूर्य	18/09/2014	चंद्र	27/05/2026	मंगल	02/03/2036	राहु	29/09/2048		00/00/0000
चंद्र	07/02/2015	मंगल	07/02/2027	राहु	08/10/2037	गुरु	08/06/2050		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
त्रिभगी दशा पूरे 80 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - शुक्र		बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल		बुध - राहु	
10/01/1974		04/08/1974		27/02/1975		07/02/1976		05/10/1976	
04/08/1974		27/02/1975		07/02/1976		05/10/1976		18/06/1978	
	00/00/0000	सूर्य	14/08/1974	चंद्र	28/03/1975	मंगल	21/02/1976	राहु	07/01/1977
	00/00/0000	चंद्र	01/09/1974	मंगल	17/04/1975	राहु	28/03/1976	गुरु	30/03/1977
	00/00/0000	मंगल	13/09/1974	राहु	08/06/1975	गुरु	29/04/1976	शनि	07/07/1977
	00/00/0000	राहु	14/10/1974	गुरु	24/07/1975	शनि	07/06/1976	बुध	03/10/1977
	00/00/0000	गुरु	10/11/1974	शनि	16/09/1975	बुध	11/07/1976	केतु	08/11/1977
	10/01/1974	शनि	13/12/1974	बुध	04/11/1975	केतु	25/07/1976	शुक्र	19/02/1978
शनि	19/03/1974	बुध	11/01/1975	केतु	24/11/1975	शुक्र	03/09/1976	सूर्य	22/03/1978
बुध	25/06/1974	केतु	24/01/1975	शुक्र	21/01/1976	सूर्य	15/09/1976	चंद्र	13/05/1978
केतु	04/08/1974	शुक्र	27/02/1975	सूर्य	07/02/1976	चंद्र	05/10/1976	मंगल	18/06/1978

बुध - गुरु		बुध - शनि		केतु - केतु		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य	
18/06/1978		22/12/1979		08/10/1981		15/01/1982		26/10/1982	
22/12/1979		08/10/1981		15/01/1982		26/10/1982		19/01/1983	
गुरु	31/08/1978	शनि	04/04/1980	केतु	14/10/1981	शुक्र	03/03/1982	सूर्य	30/10/1982
शनि	26/11/1978	बुध	06/07/1980	शुक्र	30/10/1981	सूर्य	18/03/1982	चंद्र	07/11/1982
बुध	13/02/1979	केतु	13/08/1980	सूर्य	04/11/1981	चंद्र	10/04/1982	मंगल	12/11/1982
केतु	17/03/1979	शुक्र	30/11/1980	चंद्र	12/11/1981	मंगल	27/04/1982	राहु	24/11/1982
शुक्र	17/06/1979	सूर्य	02/01/1981	मंगल	18/11/1981	राहु	09/06/1982	गुरु	06/12/1982
सूर्य	14/07/1979	चंद्र	26/02/1981	राहु	03/12/1981	गुरु	16/07/1982	शनि	19/12/1982
चंद्र	29/08/1979	मंगल	05/04/1981	गुरु	16/12/1981	शनि	30/08/1982	बुध	31/12/1982
मंगल	30/09/1979	राहु	12/07/1981	शनि	01/01/1982	बुध	10/10/1982	केतु	05/01/1983
राहु	22/12/1979	गुरु	08/10/1981	बुध	15/01/1982	केतु	26/10/1982	शुक्र	19/01/1983

केतु - चंद्र		केतु - मंगल		केतु - राहु		केतु - गुरु		केतु - शनि	
19/01/1983		10/06/1983		18/09/1983		31/05/1984		13/01/1985	
10/06/1983		18/09/1983		31/05/1984		13/01/1985		10/10/1985	
चंद्र	31/01/1983	मंगल	16/06/1983	राहु	26/10/1983	गुरु	30/06/1984	शनि	25/02/1985
मंगल	09/02/1983	राहु	01/07/1983	गुरु	29/11/1983	शनि	05/08/1984	बुध	04/04/1985
राहु	02/03/1983	गुरु	14/07/1983	शनि	09/01/1984	बुध	06/09/1984	केतु	20/04/1985
गुरु	21/03/1983	शनि	30/07/1983	बुध	14/02/1984	केतु	19/09/1984	शुक्र	04/06/1985
शनि	12/04/1983	बुध	13/08/1983	केतु	29/02/1984	शुक्र	27/10/1984	सूर्य	17/06/1985
बुध	02/05/1983	केतु	19/08/1983	शुक्र	12/04/1984	सूर्य	08/11/1984	चंद्र	10/07/1985
केतु	11/05/1983	शुक्र	05/09/1983	सूर्य	24/04/1984	चंद्र	27/11/1984	मंगल	25/07/1985
शुक्र	03/06/1983	सूर्य	10/09/1983	चंद्र	16/05/1984	मंगल	10/12/1984	राहु	04/09/1985
सूर्य	10/06/1983	चंद्र	18/09/1983	मंगल	31/05/1984	राहु	13/01/1985	गुरु	10/10/1985

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

केतु - बुध		शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल	
10/10/1985		08/06/1986		28/08/1988		28/04/1989		08/06/1990	
08/06/1986		28/08/1988		28/04/1989		08/06/1990		19/03/1991	
बुध	13/11/1985	शुक्र	21/10/1986	सूर्य	09/09/1988	चंद्र	01/06/1989	मंगल	25/06/1990
केतु	27/11/1985	सूर्य	01/12/1986	चंद्र	29/09/1988	मंगल	25/06/1989	राहु	06/08/1990
शुक्र	06/01/1986	चंद्र	07/02/1987	मंगल	14/10/1988	राहु	25/08/1989	गुरु	13/09/1990
सूर्य	18/01/1986	मंगल	26/03/1987	राहु	19/11/1988	गुरु	18/10/1989	शनि	28/10/1990
चंद्र	07/02/1986	राहु	26/07/1987	गुरु	22/12/1988	शनि	21/12/1989	बुध	07/12/1990
मंगल	22/02/1986	गुरु	11/11/1987	शनि	29/01/1989	बुध	17/02/1990	केतु	24/12/1990
राहु	30/03/1986	शनि	19/03/1988	बुध	05/03/1989	केतु	12/03/1990	शुक्र	09/02/1991
गुरु	01/05/1986	बुध	12/07/1988	केतु	19/03/1989	शुक्र	19/05/1990	सूर्य	24/02/1991
शनि	08/06/1986	केतु	28/08/1988	शुक्र	28/04/1989	सूर्य	08/06/1990	चंद्र	19/03/1991

शुक्र - राहु		शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि		शुक्र - बुध		शुक्र - केतु	
19/03/1991		19/03/1993		28/12/1994		06/02/1997		28/12/1998	
19/03/1993		28/12/1994		06/02/1997		28/12/1998		08/10/1999	
राहु	07/07/1991	गुरु	13/06/1993	शनि	29/04/1995	बुध	15/05/1997	केतु	14/01/1999
गुरु	12/10/1991	शनि	24/09/1993	बुध	16/08/1995	केतु	24/06/1997	शुक्र	02/03/1999
शनि	05/02/1992	बुध	25/12/1993	केतु	30/09/1995	शुक्र	17/10/1997	सूर्य	16/03/1999
बुध	18/05/1992	केतु	01/02/1994	शुक्र	06/02/1996	सूर्य	21/11/1997	चंद्र	09/04/1999
केतु	30/06/1992	शुक्र	20/05/1994	सूर्य	15/03/1996	चंद्र	17/01/1998	मंगल	25/04/1999
शुक्र	30/10/1992	सूर्य	22/06/1994	चंद्र	19/05/1996	मंगल	26/02/1998	राहु	07/06/1999
सूर्य	05/12/1992	चंद्र	15/08/1994	मंगल	03/07/1996	राहु	10/06/1998	गुरु	15/07/1999
चंद्र	04/02/1993	मंगल	22/09/1994	राहु	26/10/1996	गुरु	10/09/1998	शनि	29/08/1999
मंगल	19/03/1993	राहु	28/12/1994	गुरु	06/02/1997	शनि	28/12/1998	बुध	08/10/1999

सूर्य - सूर्य		सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल		सूर्य - राहु		सूर्य - गुरु	
08/10/1999		20/12/1999		20/04/2000		14/07/2000		18/02/2001	
20/12/1999		20/04/2000		14/07/2000		18/02/2001		01/09/2001	
सूर्य	12/10/1999	चंद्र	30/12/1999	मंगल	25/04/2000	राहु	16/08/2000	गुरु	16/03/2001
चंद्र	18/10/1999	मंगल	07/01/2000	राहु	08/05/2000	गुरु	14/09/2000	शनि	16/04/2001
मंगल	22/10/1999	राहु	25/01/2000	गुरु	19/05/2000	शनि	19/10/2000	बुध	14/05/2001
राहु	02/11/1999	गुरु	10/02/2000	शनि	02/06/2000	बुध	19/11/2000	केतु	25/05/2001
गुरु	12/11/1999	शनि	29/02/2000	बुध	14/06/2000	केतु	02/12/2000	शुक्र	27/06/2001
शनि	23/11/1999	बुध	18/03/2000	केतु	19/06/2000	शुक्र	07/01/2001	सूर्य	06/07/2001
बुध	04/12/1999	केतु	25/03/2000	शुक्र	03/07/2000	सूर्य	18/01/2001	चंद्र	23/07/2001
केतु	08/12/1999	शुक्र	14/04/2000	सूर्य	07/07/2000	चंद्र	06/02/2001	मंगल	03/08/2001
शुक्र	20/12/1999	सूर्य	20/04/2000	चंद्र	14/07/2000	मंगल	18/02/2001	राहु	01/09/2001

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - शनि		सूर्य - बुध		सूर्य - केतु		सूर्य - शुक्र		चंद्र - चंद्र	
01/09/2001		21/04/2002		13/11/2002		07/02/2003		08/10/2003	
21/04/2002		13/11/2002		07/02/2003		08/10/2003		28/04/2004	
शनि	08/10/2001	बुध	20/05/2002	केतु	18/11/2002	शुक्र	19/03/2003	चंद्र	25/10/2003
बुध	10/11/2001	केतु	01/06/2002	शुक्र	03/12/2002	सूर्य	31/03/2003	मंगल	06/11/2003
केतु	23/11/2001	शुक्र	05/07/2002	सूर्य	07/12/2002	चंद्र	21/04/2003	राहु	06/12/2003
शुक्र	01/01/2002	सूर्य	16/07/2002	चंद्र	14/12/2002	मंगल	05/05/2003	गुरु	02/01/2004
सूर्य	12/01/2002	चंद्र	02/08/2002	मंगल	19/12/2002	राहु	10/06/2003	शनि	04/02/2004
चंद्र	31/01/2002	मंगल	14/08/2002	राहु	01/01/2003	गुरु	13/07/2003	बुध	03/03/2004
मंगल	14/02/2002	राहु	14/09/2002	गुरु	12/01/2003	शनि	21/08/2003	केतु	15/03/2004
राहु	21/03/2002	गुरु	12/10/2002	शनि	26/01/2003	बुध	24/09/2003	शुक्र	18/04/2004
गुरु	21/04/2002	शनि	13/11/2002	बुध	07/02/2003	केतु	08/10/2003	सूर्य	28/04/2004

चंद्र - मंगल		चंद्र - राहु		चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि		चंद्र - बुध	
28/04/2004		17/09/2004		17/09/2005		08/08/2006		29/08/2007	
17/09/2004		17/09/2005		08/08/2006		29/08/2007		08/08/2008	
मंगल	06/05/2004	राहु	11/11/2004	गुरु	31/10/2005	शनि	08/10/2006	बुध	16/10/2007
राहु	28/05/2004	गुरु	30/12/2004	शनि	21/12/2005	बुध	02/12/2006	केतु	06/11/2007
गुरु	16/06/2004	शनि	25/02/2005	बुध	05/02/2006	केतु	24/12/2006	शुक्र	02/01/2008
शनि	08/07/2004	बुध	18/04/2005	केतु	24/02/2006	शुक्र	26/02/2007	सूर्य	19/01/2008
बुध	28/07/2004	केतु	10/05/2005	शुक्र	19/04/2006	सूर्य	18/03/2007	चंद्र	17/02/2008
केतु	06/08/2004	शुक्र	09/07/2005	सूर्य	05/05/2006	चंद्र	19/04/2007	मंगल	08/03/2008
शुक्र	29/08/2004	सूर्य	28/07/2005	चंद्र	01/06/2006	मंगल	11/05/2007	राहु	29/04/2008
सूर्य	05/09/2004	चंद्र	27/08/2005	मंगल	20/06/2006	राहु	08/07/2007	गुरु	14/06/2008
चंद्र	17/09/2004	मंगल	17/09/2005	राहु	08/08/2006	गुरु	29/08/2007	शनि	08/08/2008

चंद्र - केतु		चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल		मंगल - राहु	
08/08/2008		28/12/2008		06/02/2010		08/06/2010		16/09/2010	
28/12/2008		06/02/2010		08/06/2010		16/09/2010		29/05/2011	
केतु	16/08/2008	शुक्र	05/03/2009	सूर्य	13/02/2010	मंगल	14/06/2010	राहु	24/10/2010
शुक्र	09/09/2008	सूर्य	26/03/2009	चंद्र	23/02/2010	राहु	29/06/2010	गुरु	27/11/2010
सूर्य	16/09/2008	चंद्र	28/04/2009	मंगल	02/03/2010	गुरु	12/07/2010	शनि	07/01/2011
चंद्र	27/09/2008	मंगल	22/05/2009	राहु	20/03/2010	शनि	28/07/2010	बुध	12/02/2011
मंगल	06/10/2008	राहु	22/07/2009	गुरु	05/04/2010	बुध	11/08/2010	केतु	27/02/2011
राहु	27/10/2008	गुरु	14/09/2009	शनि	25/04/2010	केतु	17/08/2010	शुक्र	10/04/2011
गुरु	15/11/2008	शनि	17/11/2009	बुध	12/05/2010	शुक्र	02/09/2010	सूर्य	23/04/2011
शनि	08/12/2008	बुध	14/01/2010	केतु	19/05/2010	सूर्य	07/09/2010	चंद्र	14/05/2011
बुध	28/12/2008	केतु	06/02/2010	शुक्र	08/06/2010	चंद्र	16/09/2010	मंगल	29/05/2011

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

मंगल - गुरु		मंगल - शनि		मंगल - बुध		मंगल - केतु		मंगल - शुक्र	
29/05/2011		12/01/2012		07/10/2012		06/06/2013		13/09/2013	
12/01/2012		07/10/2012		06/06/2013		13/09/2013		24/06/2014	
गुरु	29/06/2011	शनि	23/02/2012	बुध	11/11/2012	केतु	12/06/2013	शुक्र	31/10/2013
शनि	04/08/2011	बुध	02/04/2012	केतु	25/11/2012	शुक्र	28/06/2013	सूर्य	14/11/2013
बुध	05/09/2011	केतु	17/04/2012	शुक्र	04/01/2013	सूर्य	03/07/2013	चंद्र	08/12/2013
केतु	18/09/2011	शुक्र	01/06/2012	सूर्य	16/01/2013	चंद्र	12/07/2013	मंगल	24/12/2013
शुक्र	26/10/2011	सूर्य	15/06/2012	चंद्र	05/02/2013	मंगल	17/07/2013	राहु	05/02/2014
सूर्य	06/11/2011	चंद्र	07/07/2012	मंगल	19/02/2013	राहु	01/08/2013	गुरु	15/03/2014
चंद्र	25/11/2011	मंगल	23/07/2012	राहु	28/03/2013	गुरु	15/08/2013	शनि	29/04/2014
मंगल	08/12/2011	राहु	01/09/2012	गुरु	29/04/2013	शनि	30/08/2013	बुध	08/06/2014
राहु	12/01/2012	गुरु	07/10/2012	शनि	06/06/2013	बुध	13/09/2013	केतु	24/06/2014

मंगल - सूर्य		मंगल - चंद्र		राहु - राहु		राहु - गुरु		राहु - शनि	
24/06/2014		18/09/2014		07/02/2015		25/11/2016		03/07/2018	
18/09/2014		07/02/2015		25/11/2016		03/07/2018		27/05/2020	
सूर्य	29/06/2014	चंद्र	30/09/2014	राहु	16/05/2015	गुरु	11/02/2017	शनि	20/10/2018
चंद्र	06/07/2014	मंगल	08/10/2014	गुरु	12/08/2015	शनि	15/05/2017	बुध	27/01/2019
मंगल	11/07/2014	राहु	29/10/2014	शनि	24/11/2015	बुध	05/08/2017	केतु	08/03/2019
राहु	24/07/2014	गुरु	17/11/2014	बुध	25/02/2016	केतु	08/09/2017	शुक्र	02/07/2019
गुरु	04/08/2014	शनि	10/12/2014	केतु	04/04/2016	शुक्र	15/12/2017	सूर्य	06/08/2019
शनि	17/08/2014	बुध	30/12/2014	शुक्र	22/07/2016	सूर्य	13/01/2018	चंद्र	02/10/2019
बुध	29/08/2014	केतु	07/01/2015	सूर्य	24/08/2016	चंद्र	03/03/2018	मंगल	12/11/2019
केतु	03/09/2014	शुक्र	31/01/2015	चंद्र	18/10/2016	मंगल	06/04/2018	राहु	24/02/2020
शुक्र	18/09/2014	सूर्य	07/02/2015	मंगल	25/11/2016	राहु	03/07/2018	गुरु	27/05/2020

राहु - बुध		राहु - केतु		राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र	
27/05/2020		06/02/2022		20/10/2022		20/10/2024		27/05/2025	
06/02/2022		20/10/2022		20/10/2024		27/05/2025		27/05/2026	
बुध	22/08/2020	केतु	21/02/2022	शुक्र	19/02/2023	सूर्य	31/10/2024	चंद्र	26/06/2025
केतु	28/09/2020	शुक्र	05/04/2022	सूर्य	27/03/2023	चंद्र	18/11/2024	मंगल	18/07/2025
शुक्र	09/01/2021	सूर्य	18/04/2022	चंद्र	27/05/2023	मंगल	01/12/2024	राहु	10/09/2025
सूर्य	09/02/2021	चंद्र	09/05/2022	मंगल	09/07/2023	राहु	03/01/2025	गुरु	29/10/2025
चंद्र	02/04/2021	मंगल	24/05/2022	राहु	26/10/2023	गुरु	01/02/2025	शनि	26/12/2025
मंगल	08/05/2021	राहु	01/07/2022	गुरु	01/02/2024	शनि	07/03/2025	बुध	16/02/2026
राहु	09/08/2021	गुरु	04/08/2022	शनि	27/05/2024	बुध	07/04/2025	केतु	09/03/2026
गुरु	31/10/2021	शनि	14/09/2022	बुध	07/09/2024	केतु	20/04/2025	शुक्र	09/05/2026
शनि	06/02/2022	बुध	20/10/2022	केतु	20/10/2024	शुक्र	27/05/2025	सूर्य	27/05/2026

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - मंगल	
27/05/2026	
07/02/2027	
मंगल	11/06/2026
राहु	19/07/2026
गुरु	22/08/2026
शनि	02/10/2026
बुध	07/11/2026
केतु	22/11/2026
शुक्र	04/01/2027
सूर्य	16/01/2027
चंद्र	07/02/2027

गुरु - गुरु	
07/02/2027	
10/07/2028	
गुरु	17/04/2027
शनि	08/07/2027
बुध	20/09/2027
केतु	20/10/2027
शुक्र	15/01/2028
सूर्य	10/02/2028
चंद्र	24/03/2028
मंगल	23/04/2028
राहु	10/07/2028

गुरु - शनि	
10/07/2028	
19/03/2030	
शनि	16/10/2028
बुध	11/01/2029
केतु	16/02/2029
शुक्र	30/05/2029
सूर्य	30/06/2029
चंद्र	20/08/2029
मंगल	25/09/2029
राहु	27/12/2029
गुरु	19/03/2030

गुरु - बुध	
19/03/2030	
22/09/2031	
बुध	05/06/2030
केतु	07/07/2030
शुक्र	07/10/2030
सूर्य	04/11/2030
चंद्र	20/12/2030
मंगल	21/01/2031
राहु	14/04/2031
गुरु	27/06/2031
शनि	22/09/2031

गुरु - केतु	
22/09/2031	
06/05/2032	
केतु	05/10/2031
शुक्र	12/11/2031
सूर्य	23/11/2031
चंद्र	12/12/2031
मंगल	26/12/2031
राहु	29/01/2032
गुरु	28/02/2032
शनि	04/04/2032
बुध	06/05/2032

गुरु - शुक्र	
06/05/2032	
15/02/2034	
शुक्र	22/08/2032
सूर्य	24/09/2032
चंद्र	17/11/2032
मंगल	25/12/2032
राहु	01/04/2033
गुरु	27/06/2033
शनि	08/10/2033
बुध	08/01/2034
केतु	15/02/2034

गुरु - सूर्य	
15/02/2034	
28/08/2034	
सूर्य	24/02/2034
चंद्र	13/03/2034
मंगल	24/03/2034
राहु	22/04/2034
गुरु	18/05/2034
शनि	18/06/2034
बुध	16/07/2034
केतु	27/07/2034
शुक्र	28/08/2034

गुरु - चंद्र	
28/08/2034	
19/07/2035	
चंद्र	24/09/2034
मंगल	13/10/2034
राहु	01/12/2034
गुरु	13/01/2035
शनि	06/03/2035
बुध	21/04/2035
केतु	10/05/2035
शुक्र	03/07/2035
सूर्य	19/07/2035

गुरु - मंगल	
19/07/2035	
02/03/2036	
मंगल	01/08/2035
राहु	04/09/2035
गुरु	05/10/2035
शनि	10/11/2035
बुध	12/12/2035
केतु	25/12/2035
शुक्र	01/02/2036
सूर्य	12/02/2036
चंद्र	02/03/2036

गुरु - राहु	
02/03/2036	
08/10/2037	
राहु	29/05/2036
गुरु	15/08/2036
शनि	15/11/2036
बुध	06/02/2037
केतु	12/03/2037
शुक्र	18/06/2037
सूर्य	17/07/2037
चंद्र	04/09/2037
मंगल	08/10/2037

शनि - शनि	
08/10/2037	
10/10/2039	
शनि	01/02/2038
बुध	15/05/2038
केतु	27/06/2038
शुक्र	27/10/2038
सूर्य	03/12/2038
चंद्र	02/02/2039
मंगल	17/03/2039
राहु	05/07/2039
गुरु	10/10/2039

शनि - बुध	
10/10/2039	
27/07/2041	
बुध	11/01/2040
केतु	18/02/2040
शुक्र	07/06/2040
सूर्य	09/07/2040
चंद्र	02/09/2040
मंगल	10/10/2040
राहु	16/01/2041
गुरु	14/04/2041
शनि	27/07/2041

शनि - केतु	
27/07/2041	
23/04/2042	
केतु	11/08/2041
शुक्र	25/09/2041
सूर्य	09/10/2041
चंद्र	31/10/2041
मंगल	16/11/2041
राहु	27/12/2041
गुरु	01/02/2042
शनि	15/03/2042
बुध	23/04/2042

शनि - शुक्र	
23/04/2042	
02/06/2044	
शुक्र	29/08/2042
सूर्य	07/10/2042
चंद्र	10/12/2042
मंगल	24/01/2043
राहु	20/05/2043
गुरु	30/08/2043
शनि	30/12/2043
बुध	18/04/2044
केतु	02/06/2044

शनि - सूर्य	
02/06/2044	
19/01/2045	
सूर्य	13/06/2044
चंद्र	02/07/2044
मंगल	16/07/2044
राहु	20/08/2044
गुरु	20/09/2044
शनि	26/10/2044
बुध	28/11/2044
केतु	11/12/2044
शुक्र	19/01/2045

अष्टोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 6 मास 22 दिन

चंद्र 15 वर्ष		मंगल 8 वर्ष		बुध 17 वर्ष		शनि 10 वर्ष		गुरु 19 वर्ष	
10/01/1974		03/08/1976		03/08/1984		03/08/2001		03/08/2011	
03/08/1976		03/08/1984		03/08/2001		03/08/2011		03/08/2030	
	00/00/0000	मंगल	07/03/1977	बुध	07/04/1987	शनि	07/07/2002	गुरु	06/12/2014
	00/00/0000	बुध	10/06/1978	शनि	02/11/1988	गुरु	10/04/2004	राहु	15/01/2017
	00/00/0000	शनि	08/03/1979	गुरु	30/10/1991	राहु	20/05/2005	शुक्र	26/09/2020
	00/00/0000	गुरु	03/08/1980	राहु	19/09/1993	शुक्र	01/05/2007	सूर्य	16/10/2021
	00/00/0000	राहु	23/06/1981	शुक्र	09/01/1997	सूर्य	20/11/2007	चंद्र	06/06/2024
	10/01/1974	शुक्र	12/01/1983	सूर्य	20/12/1997	चंद्र	10/04/2009	मंगल	02/11/2025
शुक्र	03/10/1975	सूर्य	24/06/1983	चंद्र	30/04/2000	मंगल	05/01/2010	बुध	30/10/2028
सूर्य	03/08/1976	चंद्र	03/08/1984	मंगल	03/08/2001	बुध	03/08/2011	शनि	03/08/2030

राहु 12 वर्ष		शुक्र 21 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 15 वर्ष	
03/08/2030		03/08/2042		03/08/2063		03/08/2069	
03/08/2042		03/08/2063		03/08/2069		00/00/0000	
राहु	03/12/2031	शुक्र	03/09/2046	सूर्य	03/12/2063	चंद्र	03/09/2071
शुक्र	03/04/2034	सूर्य	03/11/2047	चंद्र	03/10/2064	मंगल	13/10/2072
सूर्य	03/12/2034	चंद्र	03/10/2050	मंगल	14/03/2065	बुध	22/02/2075
चंद्र	03/08/2036	मंगल	23/04/2052	बुध	22/02/2066	शनि	13/07/2076
मंगल	23/06/2037	बुध	14/08/2055	शनि	13/09/2066	गुरु	04/03/2079
बुध	14/05/2039	शनि	24/07/2057	गुरु	03/10/2067	राहु	02/11/2080
शनि	23/06/2040	गुरु	03/04/2061	राहु	03/06/2068	शुक्र	10/01/2082
गुरु	03/08/2042	राहु	03/08/2063	शुक्र	03/08/2069		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
अष्टोत्तरी दशा पूरे 108 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल		मंगल - बुध		मंगल - शनि	
10/01/1974		03/10/1975		03/08/1976		07/03/1977		10/06/1978	
03/10/1975		03/08/1976		07/03/1977		10/06/1978		08/03/1979	
	00/00/0000	सूर्य	20/10/1975	मंगल	19/08/1976	बुध	18/05/1977	शनि	05/07/1978
	00/00/0000	चंद्र	01/12/1975	बुध	22/09/1976	शनि	30/06/1977	गुरु	22/08/1978
	10/01/1974	मंगल	24/12/1975	शनि	12/10/1976	गुरु	19/09/1977	राहु	21/09/1978
मंगल	10/03/1974	बुध	10/02/1976	गुरु	19/11/1976	राहु	09/11/1977	शुक्र	12/11/1978
बुध	25/08/1974	शनि	09/03/1976	राहु	13/12/1976	शुक्र	07/02/1978	सूर्य	27/11/1978
शनि	01/12/1974	गुरु	02/05/1976	शुक्र	24/01/1977	सूर्य	04/03/1978	चंद्र	04/01/1979
गुरु	07/06/1975	राहु	04/06/1976	सूर्य	05/02/1977	चंद्र	07/05/1978	मंगल	24/01/1979
राहु	03/10/1975	शुक्र	03/08/1976	चंद्र	07/03/1977	मंगल	10/06/1978	बुध	08/03/1979

मंगल - गुरु		मंगल - राहु		मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य		मंगल - चंद्र	
08/03/1979		03/08/1980		23/06/1981		12/01/1983		24/06/1983	
03/08/1980		23/06/1981		12/01/1983		24/06/1983		03/08/1984	
गुरु	06/06/1979	राहु	08/09/1980	शुक्र	12/10/1981	सूर्य	21/01/1983	चंद्र	19/08/1983
राहु	02/08/1979	शुक्र	10/11/1980	सूर्य	12/11/1981	चंद्र	13/02/1983	मंगल	18/09/1983
शुक्र	10/11/1979	सूर्य	28/11/1980	चंद्र	30/01/1982	मंगल	25/02/1983	बुध	21/11/1983
सूर्य	09/12/1979	चंद्र	12/01/1981	मंगल	13/03/1982	बुध	23/03/1983	शनि	29/12/1983
चंद्र	18/02/1980	मंगल	05/02/1981	बुध	11/06/1982	शनि	07/04/1983	गुरु	09/03/1984
मंगल	27/03/1980	बुध	28/03/1981	शनि	02/08/1982	गुरु	05/05/1983	राहु	23/04/1984
बुध	16/06/1980	शनि	27/04/1981	गुरु	10/11/1982	राहु	23/05/1983	शुक्र	11/07/1984
शनि	03/08/1980	गुरु	23/06/1981	राहु	12/01/1983	शुक्र	24/06/1983	सूर्य	03/08/1984

बुध - बुध		बुध - शनि		बुध - गुरु		बुध - राहु		बुध - शुक्र	
03/08/1984		07/04/1987		02/11/1988		30/10/1991		19/09/1993	
07/04/1987		02/11/1988		30/10/1991		19/09/1993		09/01/1997	
बुध	03/01/1985	शनि	30/05/1987	गुरु	13/05/1989	राहु	15/01/1992	शुक्र	12/05/1994
शनि	04/04/1985	गुरु	08/09/1987	राहु	12/09/1989	शुक्र	28/05/1992	सूर्य	18/07/1994
गुरु	23/09/1985	राहु	11/11/1987	शुक्र	12/04/1990	सूर्य	05/07/1992	चंद्र	02/01/1995
राहु	10/01/1986	शुक्र	02/03/1988	सूर्य	12/06/1990	चंद्र	09/10/1992	मंगल	01/04/1995
शुक्र	19/07/1986	सूर्य	03/04/1988	चंद्र	10/11/1990	मंगल	29/11/1992	बुध	08/10/1995
सूर्य	11/09/1986	चंद्र	22/06/1988	मंगल	30/01/1991	बुध	18/03/1993	शनि	28/01/1996
चंद्र	25/01/1987	मंगल	03/08/1988	बुध	21/07/1991	शनि	21/05/1993	गुरु	27/08/1996
मंगल	07/04/1987	बुध	02/11/1988	शनि	30/10/1991	गुरु	19/09/1993	राहु	09/01/1997

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल		शनि - शनि		शनि - गुरु	
09/01/1997		20/12/1997		30/04/2000		03/08/2001		07/07/2002	
20/12/1997		30/04/2000		03/08/2001		07/07/2002		10/04/2004	
सूर्य	28/01/1997	चंद्र	18/04/1998	मंगल	03/06/2000	शनि	03/09/2001	गुरु	28/10/2002
चंद्र	17/03/1997	मंगल	21/06/1998	बुध	14/08/2000	गुरु	02/11/2001	राहु	08/01/2003
मंगल	11/04/1997	बुध	04/11/1998	शनि	26/09/2000	राहु	09/12/2001	शुक्र	12/05/2003
बुध	05/06/1997	शनि	23/01/1999	गुरु	16/12/2000	शुक्र	13/02/2002	सूर्य	17/06/2003
शनि	06/07/1997	गुरु	24/06/1999	राहु	05/02/2001	सूर्य	04/03/2002	चंद्र	14/09/2003
गुरु	05/09/1997	राहु	27/09/1999	शुक्र	05/05/2001	चंद्र	20/04/2002	मंगल	01/11/2003
राहु	13/10/1997	शुक्र	13/03/2000	सूर्य	31/05/2001	मंगल	15/05/2002	बुध	10/02/2004
शुक्र	20/12/1997	सूर्य	30/04/2000	चंद्र	03/08/2001	बुध	07/07/2002	शनि	10/04/2004

शनि - राहु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - चंद्र		शनि - मंगल	
10/04/2004		20/05/2005		01/05/2007		20/11/2007		10/04/2009	
20/05/2005		01/05/2007		20/11/2007		10/04/2009		05/01/2010	
राहु	25/05/2004	शुक्र	06/10/2005	सूर्य	12/05/2007	चंद्र	29/01/2008	मंगल	30/04/2009
शुक्र	12/08/2004	सूर्य	14/11/2005	चंद्र	09/06/2007	मंगल	07/03/2008	बुध	12/06/2009
सूर्य	03/09/2004	चंद्र	21/02/2006	मंगल	24/06/2007	बुध	25/05/2008	शनि	07/07/2009
चंद्र	30/10/2004	मंगल	14/04/2006	बुध	26/07/2007	शनि	11/07/2008	गुरु	23/08/2009
मंगल	29/11/2004	बुध	04/08/2006	शनि	14/08/2007	गुरु	09/10/2008	राहु	22/09/2009
बुध	01/02/2005	शनि	09/10/2006	गुरु	19/09/2007	राहु	04/12/2008	शुक्र	14/11/2009
शनि	10/03/2005	गुरु	11/02/2007	राहु	11/10/2007	शुक्र	13/03/2009	सूर्य	29/11/2009
गुरु	20/05/2005	राहु	01/05/2007	शुक्र	20/11/2007	सूर्य	10/04/2009	चंद्र	05/01/2010

शनि - बुध		गुरु - गुरु		गुरु - राहु		गुरु - शुक्र		गुरु - सूर्य	
05/01/2010		03/08/2011		06/12/2014		15/01/2017		26/09/2020	
03/08/2011		06/12/2014		15/01/2017		26/09/2020		16/10/2021	
बुध	06/04/2010	गुरु	05/03/2012	राहु	02/03/2015	शुक्र	05/10/2017	सूर्य	17/10/2020
शनि	29/05/2010	राहु	19/07/2012	शुक्र	30/07/2015	सूर्य	19/12/2017	चंद्र	10/12/2020
गुरु	07/09/2010	शुक्र	13/03/2013	सूर्य	11/09/2015	चंद्र	24/06/2018	मंगल	07/01/2021
राहु	10/11/2010	सूर्य	20/05/2013	चंद्र	27/12/2015	मंगल	02/10/2018	बुध	09/03/2021
शुक्र	02/03/2011	चंद्र	06/11/2013	मंगल	22/02/2016	बुध	02/05/2019	शनि	14/04/2021
सूर्य	03/04/2011	मंगल	04/02/2014	बुध	22/06/2016	शनि	04/09/2019	गुरु	20/06/2021
चंद्र	22/06/2011	बुध	15/08/2014	शनि	02/09/2016	गुरु	29/04/2020	राहु	02/08/2021
मंगल	03/08/2011	शनि	06/12/2014	गुरु	15/01/2017	राहु	26/09/2020	शुक्र	16/10/2021

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - बुध		गुरु - शनि		राहु - राहु	
16/10/2021		06/06/2024		02/11/2025		30/10/2028		03/08/2030	
06/06/2024		02/11/2025		30/10/2028		03/08/2030		03/12/2031	
चंद्र	27/02/2022	मंगल	14/07/2024	बुध	23/04/2026	शनि	28/12/2028	राहु	26/09/2030
मंगल	10/05/2022	बुध	03/10/2024	शनि	02/08/2026	गुरु	20/04/2029	शुक्र	30/12/2030
बुध	08/10/2022	शनि	20/11/2024	गुरु	10/02/2027	राहु	01/07/2029	सूर्य	26/01/2031
शनि	06/01/2023	गुरु	18/02/2025	राहु	12/06/2027	शुक्र	02/11/2029	चंद्र	04/04/2031
गुरु	24/06/2023	राहु	16/04/2025	शुक्र	10/01/2028	सूर्य	08/12/2029	मंगल	10/05/2031
राहु	09/10/2023	शुक्र	25/07/2025	सूर्य	11/03/2028	चंद्र	07/03/2030	बुध	25/07/2031
शुक्र	14/04/2024	सूर्य	23/08/2025	चंद्र	10/08/2028	मंगल	24/04/2030	शनि	08/09/2031
सूर्य	06/06/2024	चंद्र	02/11/2025	मंगल	30/10/2028	बुध	03/08/2030	गुरु	03/12/2031

राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र		राहु - मंगल		राहु - बुध	
03/12/2031		03/04/2034		03/12/2034		03/08/2036		23/06/2037	
03/04/2034		03/12/2034		03/08/2036		23/06/2037		14/05/2039	
शुक्र	17/05/2032	सूर्य	17/04/2034	चंद्र	25/02/2035	मंगल	27/08/2036	बुध	10/10/2037
सूर्य	03/07/2032	चंद्र	21/05/2034	मंगल	12/04/2035	बुध	17/10/2036	शनि	13/12/2037
चंद्र	30/10/2032	मंगल	08/06/2034	बुध	16/07/2035	शनि	16/11/2036	गुरु	13/04/2038
मंगल	01/01/2033	बुध	16/07/2034	शनि	11/09/2035	गुरु	12/01/2037	राहु	29/06/2038
बुध	15/05/2033	शनि	08/08/2034	गुरु	27/12/2035	राहु	17/02/2037	शुक्र	10/11/2038
शनि	02/08/2033	गुरु	19/09/2034	राहु	03/03/2036	शुक्र	21/04/2037	सूर्य	18/12/2038
गुरु	30/12/2033	राहु	17/10/2034	शुक्र	30/06/2036	सूर्य	09/05/2037	चंद्र	24/03/2039
राहु	03/04/2034	शुक्र	03/12/2034	सूर्य	03/08/2036	चंद्र	23/06/2037	मंगल	14/05/2039

राहु - शनि		राहु - गुरु		शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र	
14/05/2039		23/06/2040		03/08/2042		03/09/2046		03/11/2047	
23/06/2040		03/08/2042		03/09/2046		03/11/2047		03/10/2050	
शनि	21/06/2039	गुरु	06/11/2040	शुक्र	20/05/2043	सूर्य	26/09/2046	चंद्र	30/03/2048
गुरु	31/08/2039	राहु	30/01/2041	सूर्य	11/08/2043	चंद्र	24/11/2046	मंगल	17/06/2048
राहु	15/10/2039	शुक्र	29/06/2041	चंद्र	05/03/2044	मंगल	26/12/2046	बुध	01/12/2048
शुक्र	02/01/2040	सूर्य	11/08/2041	मंगल	24/06/2044	बुध	03/03/2047	शनि	10/03/2049
सूर्य	25/01/2040	चंद्र	26/11/2041	बुध	13/02/2045	शनि	12/04/2047	गुरु	13/09/2049
चंद्र	21/03/2040	मंगल	22/01/2042	शनि	01/07/2045	गुरु	25/06/2047	राहु	10/01/2050
मंगल	20/04/2040	बुध	24/05/2042	गुरु	21/03/2046	राहु	12/08/2047	शुक्र	05/08/2050
बुध	23/06/2040	शनि	03/08/2042	राहु	03/09/2046	शुक्र	03/11/2047	सूर्य	03/10/2050

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - मंगल		शुक्र - बुध		शुक्र - शनि		शुक्र - गुरु		शुक्र - राहु	
03/10/2050		23/04/2052		14/08/2055		24/07/2057		03/04/2061	
23/04/2052		14/08/2055		24/07/2057		03/04/2061		03/08/2063	
मंगल	14/11/2050	बुध	30/10/2052	शनि	18/10/2055	गुरु	18/03/2058	राहु	07/07/2061
बुध	12/02/2051	शनि	19/02/2053	गुरु	20/02/2056	राहु	15/08/2058	शुक्र	20/12/2061
शनि	05/04/2051	गुरु	19/09/2053	राहु	09/05/2056	शुक्र	04/05/2059	सूर्य	05/02/2062
गुरु	14/07/2051	राहु	01/02/2054	शुक्र	24/09/2056	सूर्य	18/07/2059	चंद्र	03/06/2062
राहु	15/09/2051	शुक्र	23/09/2054	सूर्य	03/11/2056	चंद्र	22/01/2060	मंगल	05/08/2062
शुक्र	04/01/2052	सूर्य	29/11/2054	चंद्र	09/02/2057	मंगल	01/05/2060	बुध	18/12/2062
सूर्य	04/02/2052	चंद्र	16/05/2055	मंगल	03/04/2057	बुध	29/11/2060	शनि	06/03/2063
चंद्र	23/04/2052	मंगल	14/08/2055	बुध	24/07/2057	शनि	03/04/2061	गुरु	03/08/2063

सूर्य - सूर्य		सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल		सूर्य - बुध		सूर्य - शनि	
03/08/2063		03/12/2063		03/10/2064		14/03/2065		22/02/2066	
03/12/2063		03/10/2064		14/03/2065		22/02/2066		13/09/2066	
सूर्य	10/08/2063	चंद्र	14/01/2064	मंगल	15/10/2064	बुध	07/05/2065	शनि	13/03/2066
चंद्र	27/08/2063	मंगल	06/02/2064	बुध	09/11/2064	शनि	08/06/2065	गुरु	17/04/2066
मंगल	05/09/2063	बुध	25/03/2064	शनि	24/11/2064	गुरु	08/08/2065	राहु	10/05/2066
बुध	24/09/2063	शनि	22/04/2064	गुरु	23/12/2064	राहु	15/09/2065	शुक्र	18/06/2066
शनि	06/10/2063	गुरु	15/06/2064	राहु	10/01/2065	शुक्र	21/11/2065	सूर्य	30/06/2066
गुरु	27/10/2063	राहु	18/07/2064	शुक्र	10/02/2065	सूर्य	10/12/2065	चंद्र	28/07/2066
राहु	09/11/2063	शुक्र	16/09/2064	सूर्य	19/02/2065	चंद्र	27/01/2066	मंगल	12/08/2066
शुक्र	03/12/2063	सूर्य	03/10/2064	चंद्र	14/03/2065	मंगल	22/02/2066	बुध	13/09/2066

सूर्य - गुरु		सूर्य - राहु		सूर्य - शुक्र		चंद्र - चंद्र		चंद्र - मंगल	
13/09/2066		03/10/2067		03/06/2068		03/08/2069		03/09/2071	
03/10/2067		03/06/2068		03/08/2069		03/09/2071		13/10/2072	
गुरु	20/11/2066	राहु	30/10/2067	शुक्र	25/08/2068	चंद्र	17/11/2069	मंगल	03/10/2071
राहु	01/01/2067	शुक्र	17/12/2067	सूर्य	17/09/2068	मंगल	12/01/2070	बुध	06/12/2071
शुक्र	17/03/2067	सूर्य	30/12/2067	चंद्र	15/11/2068	बुध	12/05/2070	शनि	12/01/2072
सूर्य	08/04/2067	चंद्र	02/02/2068	मंगल	17/12/2068	शनि	21/07/2070	गुरु	24/03/2072
चंद्र	31/05/2067	मंगल	20/02/2068	बुध	22/02/2069	गुरु	02/12/2070	राहु	08/05/2072
मंगल	29/06/2067	बुध	29/03/2068	शनि	03/04/2069	राहु	25/02/2071	शुक्र	26/07/2072
बुध	29/08/2067	शनि	21/04/2068	गुरु	17/06/2069	शुक्र	23/07/2071	सूर्य	17/08/2072
शनि	03/10/2067	गुरु	03/06/2068	राहु	03/08/2069	सूर्य	03/09/2071	चंद्र	13/10/2072

योगिनी दशा

भोग्य दशा काल : भ्रामरी 2 वर्ष 8 मास 24 दिन

भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष	
10/01/1974		04/10/1976		04/10/1981		05/10/1987		05/10/1994	
04/10/1976		04/10/1981		05/10/1987		05/10/1994		05/10/2002	
	00/00/0000	भद्रि	15/06/1977	उल्क	05/10/1982	सिद्ध	13/02/1989	संक	15/07/1996
	10/01/1974	उल्क	15/04/1978	सिद्ध	05/12/1983	संक	04/09/1990	मंग	04/10/1996
उल्क	05/06/1974	सिद्ध	05/04/1979	संक	05/04/1985	मंग	14/11/1990	पिंग	15/03/1997
सिद्ध	16/03/1975	संक	15/05/1980	मंग	05/06/1985	पिंग	05/04/1991	धांय	14/11/1997
संक	04/02/1976	मंग	05/07/1980	पिंग	04/10/1985	धांय	04/11/1991	भ्राम	05/10/1998
मंग	15/03/1976	पिंग	14/10/1980	धांय	05/04/1986	भ्राम	14/08/1992	भद्रि	14/11/1999
पिंग	04/06/1976	धांय	15/03/1981	भ्राम	04/12/1986	भद्रि	04/08/1993	उल्क	15/03/2001
धांय	04/10/1976	भ्राम	04/10/1981	भद्रि	05/10/1987	उल्क	05/10/1994	सिद्ध	05/10/2002

मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष	
05/10/2002		05/10/2003		04/10/2005		04/10/2008		04/10/2012	
05/10/2003		04/10/2005		04/10/2008		04/10/2012		04/10/2017	
मंग	15/10/2002	पिंग	14/11/2003	धांय	04/01/2006	भ्राम	15/03/2009	भद्रि	15/06/2013
पिंग	04/11/2002	धांय	14/01/2004	भ्राम	05/05/2006	भद्रि	04/10/2009	उल्क	15/04/2014
धांय	04/12/2002	भ्राम	04/04/2004	भद्रि	05/10/2006	उल्क	05/06/2010	सिद्ध	05/04/2015
भ्राम	14/01/2003	भद्रि	15/07/2004	उल्क	05/04/2007	सिद्ध	16/03/2011	संक	15/05/2016
भद्रि	06/03/2003	उल्क	14/11/2004	सिद्ध	04/11/2007	संक	04/02/2012	मंग	05/07/2016
उल्क	06/05/2003	सिद्ध	05/04/2005	संक	05/07/2008	मंग	15/03/2012	पिंग	14/10/2016
सिद्ध	16/07/2003	संक	14/09/2005	मंग	04/08/2008	पिंग	04/06/2012	धांय	15/03/2017
संक	05/10/2003	मंग	04/10/2005	पिंग	04/10/2008	धांय	04/10/2012	भ्राम	04/10/2017

नोट :– योगनियों के स्वामी नीचे दिए गए हैं :–

मंगला	:	चन्द्र	पिंगला	:	सूर्य	धान्या	:	गुरु	भ्रामरी	:	मंगल
भद्रिका	:	बुध	उल्का	:	शनि	सिद्धा	:	शुक्र	संकटा	:	राहु/केतु

उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
योगिनी दशा 36 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

योगिनी दशा

उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष	
04/10/2017		05/10/2023		05/10/2030		05/10/2038		05/10/2039	
05/10/2023		05/10/2030		05/10/2038		05/10/2039		04/10/2041	
उल्क	05/10/2018	सिद्ध	13/02/2025	संक	15/07/2032	मंग	15/10/2038	पिंग	14/11/2039
सिद्ध	05/12/2019	संक	04/09/2026	मंग	04/10/2032	पिंग	04/11/2038	धांय	14/01/2040
संक	05/04/2021	मंग	14/11/2026	पिंग	15/03/2033	धांय	04/12/2038	भ्राम	04/04/2040
मंग	05/06/2021	पिंग	05/04/2027	धांय	14/11/2033	भ्राम	14/01/2039	भद्रि	15/07/2040
पिंग	04/10/2021	धांय	04/11/2027	भ्राम	05/10/2034	भद्रि	06/03/2039	उल्क	14/11/2040
धांय	05/04/2022	भ्राम	14/08/2028	भद्रि	14/11/2035	उल्क	06/05/2039	सिद्ध	05/04/2041
भ्राम	04/12/2022	भद्रि	04/08/2029	उल्क	15/03/2037	सिद्ध	16/07/2039	संक	14/09/2041
भद्रि	05/10/2023	उल्क	05/10/2030	सिद्ध	05/10/2038	संक	05/10/2039	मंग	04/10/2041

धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष	
04/10/2041		04/10/2044		04/10/2048		04/10/2053		05/10/2059	
04/10/2044		04/10/2048		04/10/2053		05/10/2059		05/10/2066	
धांय	04/01/2042	भ्राम	15/03/2045	भद्रि	15/06/2049	उल्क	05/10/2054	सिद्ध	13/02/2061
भ्राम	05/05/2042	भद्रि	04/10/2045	उल्क	15/04/2050	सिद्ध	05/12/2055	संक	04/09/2062
भद्रि	05/10/2042	उल्क	05/06/2046	सिद्ध	05/04/2051	संक	05/04/2057	मंग	14/11/2062
उल्क	05/04/2043	सिद्ध	16/03/2047	संक	15/05/2052	मंग	05/06/2057	पिंग	05/04/2063
सिद्ध	04/11/2043	संक	04/02/2048	मंग	05/07/2052	पिंग	04/10/2057	धांय	04/11/2063
संक	05/07/2044	मंग	15/03/2048	पिंग	14/10/2052	धांय	05/04/2058	भ्राम	14/08/2064
मंग	04/08/2044	पिंग	04/06/2048	धांय	15/03/2053	भ्राम	04/12/2058	भद्रि	04/08/2065
पिंग	04/10/2044	धांय	04/10/2048	भ्राम	04/10/2053	भद्रि	05/10/2059	उल्क	05/10/2066

संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष	
05/10/2066		05/10/2074		05/10/2075		04/10/2077		04/10/2080	
05/10/2074		05/10/2075		04/10/2077		04/10/2080		00/00/0000	
संक	15/07/2068	मंग	15/10/2074	पिंग	14/11/2075	धांय	04/01/2078	भ्राम	15/03/2081
मंग	04/10/2068	पिंग	04/11/2074	धांय	14/01/2076	भ्राम	05/05/2078	भद्रि	04/10/2081
पिंग	15/03/2069	धांय	04/12/2074	भ्राम	04/04/2076	भद्रि	05/10/2078	उल्क	10/01/2082
धांय	14/11/2069	भ्राम	14/01/2075	भद्रि	15/07/2076	उल्क	05/04/2079		00/00/0000
भ्राम	05/10/2070	भद्रि	06/03/2075	उल्क	14/11/2076	सिद्ध	04/11/2079		00/00/0000
भद्रि	14/11/2071	उल्क	06/05/2075	सिद्ध	05/04/2077	संक	05/07/2080		00/00/0000
उल्क	15/03/2073	सिद्ध	16/07/2075	संक	14/09/2077	मंग	04/08/2080		00/00/0000
सिद्ध	05/10/2074	संक	05/10/2075	मंग	04/10/2077	पिंग	04/10/2080		00/00/0000

योगिनी दशा - प्रत्यन्तर

उल्क - सिद्ध		उल्क - संक		उल्क - मंग		उल्क - पिंग		उल्क - धांय	
05/10/2018		05/12/2019		05/04/2021		05/06/2021		04/10/2021	
05/12/2019		05/04/2021		05/06/2021		04/10/2021		05/04/2022	
सिद्ध	26/12/2018	संक	22/03/2020	मंग	06/04/2021	पिंग	11/06/2021	धांय	19/10/2021
संक	31/03/2019	मंग	04/04/2020	पिंग	10/04/2021	धांय	21/06/2021	भ्राम	09/11/2021
मंग	12/04/2019	पिंग	01/05/2020	धांय	15/04/2021	भ्राम	05/07/2021	भद्रि	04/12/2021
पिंग	06/05/2019	धांय	11/06/2020	भ्राम	22/04/2021	भद्रि	22/07/2021	उल्क	04/01/2022
धांय	10/06/2019	भ्राम	04/08/2020	भद्रि	30/04/2021	उल्क	11/08/2021	सिद्ध	08/02/2022
भ्राम	27/07/2019	भद्रि	11/10/2020	उल्क	10/05/2021	सिद्ध	04/09/2021	संक	21/03/2022
भद्रि	25/09/2019	उल्क	31/12/2020	सिद्ध	22/05/2021	संक	01/10/2021	मंग	26/03/2022
उल्क	05/12/2019	सिद्ध	05/04/2021	संक	05/06/2021	मंग	04/10/2021	पिंग	05/04/2022

उल्क - भ्राम		उल्क - भद्रि		सिद्ध - सिद्ध		सिद्ध - संक		सिद्ध - मंग	
05/04/2022		04/12/2022		05/10/2023		13/02/2025		04/09/2026	
04/12/2022		05/10/2023		13/02/2025		04/09/2026		14/11/2026	
भ्राम	02/05/2022	भद्रि	16/01/2023	सिद्ध	09/01/2024	संक	19/06/2025	मंग	06/09/2026
भद्रि	05/06/2022	उल्क	07/03/2023	संक	29/04/2024	मंग	05/07/2025	पिंग	10/09/2026
उल्क	15/07/2022	सिद्ध	06/05/2023	मंग	13/05/2024	पिंग	06/08/2025	धांय	16/09/2026
सिद्ध	01/09/2022	संक	12/07/2023	पिंग	09/06/2024	धांय	22/09/2025	भ्राम	24/09/2026
संक	25/10/2022	मंग	21/07/2023	धांय	21/07/2024	भ्राम	24/11/2025	भद्रि	04/10/2026
मंग	01/11/2022	पिंग	07/08/2023	भ्राम	14/09/2024	भद्रि	11/02/2026	उल्क	16/10/2026
पिंग	14/11/2022	धांय	01/09/2023	भद्रि	22/11/2024	उल्क	17/05/2026	सिद्ध	29/10/2026
धांय	04/12/2022	भ्राम	05/10/2023	उल्क	13/02/2025	सिद्ध	04/09/2026	संक	14/11/2026

सिद्ध - पिंग		सिद्ध - धांय		सिद्ध - भ्राम		सिद्ध - भद्रि		सिद्ध - उल्क	
14/11/2026		05/04/2027		04/11/2027		14/08/2028		04/08/2029	
05/04/2027		04/11/2027		14/08/2028		04/08/2029		05/10/2030	
पिंग	22/11/2026	धांय	23/04/2027	भ्राम	06/12/2027	भद्रि	03/10/2028	उल्क	14/10/2029
धांय	04/12/2026	भ्राम	17/05/2027	भद्रि	14/01/2028	उल्क	01/12/2028	सिद्ध	05/01/2030
भ्राम	20/12/2026	भद्रि	15/06/2027	उल्क	02/03/2028	सिद्ध	08/02/2029	संक	10/04/2030
भद्रि	08/01/2027	उल्क	21/07/2027	सिद्ध	26/04/2028	संक	28/04/2029	मंग	22/04/2030
उल्क	01/02/2027	सिद्ध	31/08/2027	संक	28/06/2028	मंग	08/05/2029	पिंग	15/05/2030
सिद्ध	01/03/2027	संक	17/10/2027	मंग	06/07/2028	पिंग	27/05/2029	धांय	20/06/2030
संक	01/04/2027	मंग	23/10/2027	पिंग	22/07/2028	धांय	26/06/2029	भ्राम	06/08/2030
मंग	05/04/2027	पिंग	04/11/2027	धांय	14/08/2028	भ्राम	04/08/2029	भद्रि	05/10/2030

योगिनी दशा - प्रत्यन्तर

संक - संक		संक - मंग		संक - पिंग		संक - धांय		संक - भ्राम	
05/10/2030		15/07/2032		04/10/2032		15/03/2033		14/11/2033	
15/07/2032		04/10/2032		15/03/2033		14/11/2033		05/10/2034	
संक	26/02/2031	मंग	17/07/2032	पिंग	13/10/2032	धांय	05/04/2033	भ्राम	20/12/2033
मंग	16/03/2031	पिंग	22/07/2032	धांय	27/10/2032	भ्राम	02/05/2033	भद्रि	03/02/2034
पिंग	21/04/2031	धांय	28/07/2032	भ्राम	14/11/2032	भद्रि	05/06/2033	उल्क	29/03/2034
धांय	14/06/2031	भ्राम	06/08/2032	भद्रि	06/12/2032	उल्क	15/07/2033	सिद्ध	31/05/2034
भ्राम	25/08/2031	भद्रि	18/08/2032	उल्क	02/01/2033	सिद्ध	31/08/2033	संक	11/08/2034
भद्रि	23/11/2031	उल्क	31/08/2032	सिद्ध	03/02/2033	संक	25/10/2033	मंग	20/08/2034
उल्क	11/03/2032	सिद्ध	16/09/2032	संक	11/03/2033	मंग	31/10/2033	पिंग	07/09/2034
सिद्ध	15/07/2032	संक	04/10/2032	मंग	15/03/2033	पिंग	14/11/2033	धांय	05/10/2034

संक - भद्रि		संक - उल्क		संक - सिद्ध		मंग - मंग		मंग - पिंग	
05/10/2034		14/11/2035		15/03/2037		05/10/2038		15/10/2038	
14/11/2035		15/03/2037		05/10/2038		15/10/2038		04/11/2038	
भद्रि	30/11/2034	उल्क	04/02/2036	सिद्ध	04/07/2037	मंग	05/10/2038	पिंग	16/10/2038
उल्क	06/02/2035	सिद्ध	08/05/2036	संक	07/11/2037	पिंग	05/10/2038	धांय	17/10/2038
सिद्ध	25/04/2035	संक	24/08/2036	मंग	23/11/2037	धांय	06/10/2038	भ्राम	20/10/2038
संक	25/07/2035	मंग	07/09/2036	पिंग	24/12/2037	भ्राम	07/10/2038	भद्रि	23/10/2038
मंग	05/08/2035	पिंग	04/10/2036	धांय	10/02/2038	भद्रि	09/10/2038	उल्क	26/10/2038
पिंग	27/08/2035	धांय	14/11/2036	भ्राम	14/04/2038	उल्क	10/10/2038	सिद्ध	30/10/2038
धांय	30/09/2035	भ्राम	07/01/2037	भद्रि	02/07/2038	सिद्ध	12/10/2038	संक	03/11/2038
भ्राम	14/11/2035	भद्रि	15/03/2037	उल्क	05/10/2038	संक	15/10/2038	मंग	04/11/2038

मंग - धांय		मंग - भ्राम		मंग - भद्रि		मंग - उल्क		मंग - सिद्ध	
04/11/2038		04/12/2038		14/01/2039		06/03/2039		06/05/2039	
04/12/2038		14/01/2039		06/03/2039		06/05/2039		16/07/2039	
धांय	06/11/2038	भ्राम	09/12/2038	भद्रि	21/01/2039	उल्क	16/03/2039	सिद्ध	19/05/2039
भ्राम	10/11/2038	भद्रि	15/12/2038	उल्क	29/01/2039	सिद्ध	28/03/2039	संक	04/06/2039
भद्रि	14/11/2038	उल्क	21/12/2038	सिद्ध	08/02/2039	संक	10/04/2039	मंग	06/06/2039
उल्क	19/11/2038	सिद्ध	29/12/2038	संक	20/02/2039	मंग	12/04/2039	पिंग	10/06/2039
सिद्ध	25/11/2038	संक	07/01/2039	मंग	21/02/2039	पिंग	15/04/2039	धांय	16/06/2039
संक	02/12/2038	मंग	08/01/2039	पिंग	24/02/2039	धांय	20/04/2039	भ्राम	24/06/2039
मंग	03/12/2038	पिंग	11/01/2039	धांय	28/02/2039	भ्राम	27/04/2039	भद्रि	04/07/2039
पिंग	04/12/2038	धांय	14/01/2039	भ्राम	06/03/2039	भद्रि	06/05/2039	उल्क	16/07/2039

कालचक्र दशा

भोग्य दशा काल : वृश्चिक 2 वर्ष 3 मास 1 दिन
कुल दशाकाल : 85 वर्ष
तिथि : आश्लेषा - 2 सव्य
देह : मकर जीव : मिथुन

वृश्चिक 7 वर्ष		तुला 16 वर्ष		कन्या 9 वर्ष		कर्क 21 वर्ष		सिंह 5 वर्ष	
10/01/1974		13/04/1976		13/04/1992		13/04/2001		13/04/2022	
13/04/1976		13/04/1992		13/04/2001		13/04/2022		14/04/2027	
	00/00/0000	तुला	18/04/1979	कन्या	27/03/1993	कर्क	21/06/2006	सिंह	30/07/2022
	00/00/0000	कन्या	27/12/1980	कर्क	17/06/1995	सिंह	15/09/2007	मिथु	08/02/2023
	00/00/0000	कर्क	09/12/1984	सिंह	27/12/1995	मिथु	05/12/2009	मक	05/05/2023
	10/01/1974	सिंह	18/11/1985	मिथु	09/12/1996	मक	01/12/2010	कुंभ	30/07/2023
सिंह	22/01/1974	मिथु	30/07/1987	मक	13/05/1997	कुंभ	27/11/2011	मीन	01/03/2024
मिथु	19/10/1974	मक	30/04/1988	कुंभ	15/10/1997	मीन	18/05/2014	वृश्चि	29/07/2024
मक	17/02/1975	कुंभ	30/01/1989	मीन	06/11/1998	वृश्चि	08/02/2016	तुला	08/07/2025
कुंभ	17/06/1975	मीन	19/12/1990	वृश्चि	03/08/1999	तुला	22/01/2020	कन्या	17/01/2026
मीन	13/04/1976	वृश्चि	13/04/1992	तुला	13/04/2001	कन्या	13/04/2022	कर्क	14/04/2027

मिथुन 9 वर्ष		मकर 4 वर्ष		कुम्भ 4 वर्ष		मीन 10 वर्ष		वृश्चिक 7 वर्ष	
14/04/2027		13/04/2036		13/04/2040		13/04/2044		13/04/2054	
13/04/2036		13/04/2040		13/04/2044		13/04/2054		00/00/0000	
मिथु	27/03/2028	मक	21/06/2036	कुंभ	21/06/2040	मीन	16/06/2045	वृश्चि	10/11/2054
मक	28/08/2028	कुंभ	28/08/2036	मीन	09/12/2040	वृश्चि	13/04/2046	तुला	05/03/2056
कुंभ	30/01/2029	मीन	16/02/2037	वृश्चि	09/04/2041	तुला	01/03/2048	कन्या	01/12/2056
मीन	21/02/2030	वृश्चि	16/06/2037	तुला	09/01/2042	कन्या	23/03/2049	कर्क	24/08/2058
वृश्चि	18/11/2030	तुला	19/03/2038	कन्या	12/06/2042	कर्क	11/09/2051	सिंह	10/01/2059
तुला	29/07/2032	कन्या	20/08/2038	कर्क	08/06/2043	सिंह	13/04/2052		00/00/0000
कन्या	12/07/2033	कर्क	16/08/2039	सिंह	02/09/2043	मिथु	05/05/2053		00/00/0000
कर्क	02/10/2035	सिंह	10/11/2039	मिथु	04/02/2044	मक	23/10/2053		00/00/0000
सिंह	13/04/2036	मिथु	13/04/2040	मक	13/04/2044	कुंभ	13/04/2054		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

कालचक्र दशा - प्रत्यन्तर

कर्क - तुला		कर्क - कन्या		सिंह - सिंह		सिंह - मिथु		सिंह - मक	
08/02/2016		22/01/2020		13/04/2022		30/07/2022		08/02/2023	
22/01/2020		13/04/2022		30/07/2022		08/02/2023		05/05/2023	
तुला	06/11/2016	कन्या	17/04/2020	सिंह	20/04/2022	मिथु	19/08/2022	मक	12/02/2023
कन्या	08/04/2017	कर्क	04/11/2020	मिथु	01/05/2022	मक	28/08/2022	कुंभ	16/02/2023
कर्क	31/03/2018	सिंह	22/12/2020	मक	06/05/2022	कुंभ	06/09/2022	मीन	26/02/2023
सिंह	24/06/2018	मिथु	18/03/2021	कुंभ	11/05/2022	मीन	29/09/2022	वृश्चि	05/03/2023
मिथु	23/11/2018	मक	25/04/2021	मीन	24/05/2022	वृश्चि	15/10/2022	तुला	22/03/2023
मक	30/01/2019	कुंभ	02/06/2021	वृश्चि	02/06/2022	तुला	20/11/2022	कन्या	31/03/2023
कुंभ	08/04/2019	मीन	06/09/2021	तुला	22/06/2022	कन्या	11/12/2022	कर्क	21/04/2023
मीन	25/09/2019	वृश्चि	11/11/2021	कन्या	03/07/2022	कर्क	28/01/2023	सिंह	26/04/2023
वृश्चि	22/01/2020	तुला	13/04/2022	कर्क	30/07/2022	सिंह	08/02/2023	मिथु	05/05/2023

सिंह - कुंभ		सिंह - मीन		सिंह - वृश्चि		सिंह - तुला		सिंह - कन्या	
05/05/2023		30/07/2023		01/03/2024		29/07/2024		08/07/2025	
30/07/2023		01/03/2024		29/07/2024		08/07/2025		17/01/2026	
कुंभ	09/05/2023	मीन	24/08/2023	वृश्चि	13/03/2024	तुला	02/10/2024	कन्या	28/07/2025
मीन	19/05/2023	वृश्चि	11/09/2023	तुला	11/04/2024	कन्या	07/11/2024	कर्क	14/09/2025
वृश्चि	26/05/2023	तुला	21/10/2023	कन्या	26/04/2024	कर्क	31/01/2025	सिंह	26/09/2025
तुला	11/06/2023	कन्या	13/11/2023	कर्क	03/06/2024	सिंह	20/02/2025	मिथु	16/10/2025
कन्या	21/06/2023	कर्क	05/01/2024	सिंह	11/06/2024	मिथु	29/03/2025	मक	25/10/2025
कर्क	12/07/2023	सिंह	18/01/2024	मिथु	27/06/2024	मक	14/04/2025	कुंभ	03/11/2025
सिंह	17/07/2023	मिथु	10/02/2024	मक	04/07/2024	कुंभ	30/04/2025	मीन	26/11/2025
मिथु	26/07/2023	मक	20/02/2024	कुंभ	12/07/2024	मीन	10/06/2025	वृश्चि	12/12/2025
मक	30/07/2023	कुंभ	01/03/2024	मीन	29/07/2024	वृश्चि	08/07/2025	तुला	17/01/2026

सिंह - कर्क		मिथु - मिथु		मिथु - मक		मिथु - कुंभ		मिथु - मीन	
17/01/2026		14/04/2027		27/03/2028		28/08/2028		30/01/2029	
14/04/2027		27/03/2028		28/08/2028		30/01/2029		21/02/2030	
कर्क	09/05/2026	मिथु	20/05/2027	मक	03/04/2028	कुंभ	05/09/2028	मीन	16/03/2029
सिंह	04/06/2026	मक	06/06/2027	कुंभ	10/04/2028	मीन	23/09/2028	वृश्चि	17/04/2029
मिथु	22/07/2026	कुंभ	22/06/2027	मीन	28/04/2028	वृश्चि	06/10/2028	तुला	29/06/2029
मक	12/08/2026	मीन	02/08/2027	वृश्चि	11/05/2028	तुला	04/11/2028	कन्या	09/08/2029
कुंभ	03/09/2026	वृश्चि	31/08/2027	तुला	09/06/2028	कन्या	20/11/2028	कर्क	13/11/2029
मीन	26/10/2026	तुला	04/11/2027	कन्या	26/06/2028	कर्क	28/12/2028	सिंह	05/12/2029
वृश्चि	02/12/2026	कन्या	11/12/2027	कर्क	03/08/2028	सिंह	06/01/2029	मिथु	15/01/2030
तुला	25/02/2027	कर्क	06/03/2028	सिंह	12/08/2028	मिथु	23/01/2029	मक	03/02/2030
कन्या	14/04/2027	सिंह	27/03/2028	मिथु	28/08/2028	मक	30/01/2029	कुंभ	21/02/2030

कालचक्र दशा - प्रत्यन्तर

मिथु - वृश्चि		मिथु - तुला		मिथु - कन्या		मिथु - कर्क		मिथु - सिंह	
21/02/2030		18/11/2030		29/07/2032		12/07/2033		02/10/2035	
18/11/2030		29/07/2032		12/07/2033		02/10/2035		13/04/2036	
वृश्चि	15/03/2030	तुला	15/03/2031	कन्या	04/09/2032	कर्क	29/01/2034	सिंह	14/10/2035
तुला	05/05/2030	कन्या	19/05/2031	कर्क	29/11/2032	सिंह	18/03/2034	मिथु	03/11/2035
कन्या	03/06/2030	कर्क	19/10/2031	सिंह	20/12/2032	मिथु	12/06/2034	मक	12/11/2035
कर्क	09/08/2030	सिंह	25/11/2031	मिथु	25/01/2033	मक	20/07/2034	कुंभ	21/11/2035
सिंह	24/08/2030	मिथु	29/01/2032	मक	11/02/2033	कुंभ	27/08/2034	मीन	14/12/2035
मिथु	22/09/2030	मक	27/02/2032	कुंभ	27/02/2033	मीन	01/12/2034	वृश्चि	30/12/2035
मक	05/10/2030	कुंभ	27/03/2032	मीन	09/04/2033	वृश्चि	06/02/2035	तुला	05/02/2036
कुंभ	18/10/2030	मीन	08/06/2032	वृश्चि	08/05/2033	तुला	08/07/2035	कन्या	25/02/2036
मीन	18/11/2030	वृश्चि	29/07/2032	तुला	12/07/2033	कन्या	02/10/2035	कर्क	13/04/2036

मक - मक		मक - कुंभ		मक - मीन		मक - वृश्चि		मक - तुला	
13/04/2036		21/06/2036		28/08/2036		16/02/2037		16/06/2037	
21/06/2036		28/08/2036		16/02/2037		16/06/2037		19/03/2038	
मक	16/04/2036	कुंभ	24/06/2036	मीन	18/09/2036	वृश्चि	26/02/2037	तुला	07/08/2037
कुंभ	19/04/2036	मीन	02/07/2036	वृश्चि	02/10/2036	तुला	21/03/2037	कन्या	05/09/2037
मीन	27/04/2036	वृश्चि	08/07/2036	तुला	03/11/2036	कन्या	02/04/2037	कर्क	12/11/2037
वृश्चि	03/05/2036	तुला	20/07/2036	कन्या	21/11/2036	कर्क	02/05/2037	सिंह	28/11/2037
तुला	16/05/2036	कन्या	28/07/2036	कर्क	03/01/2037	सिंह	09/05/2037	मिथु	28/12/2037
कन्या	23/05/2036	कर्क	14/08/2036	सिंह	13/01/2037	मिथु	22/05/2037	मक	10/01/2038
कर्क	09/06/2036	सिंह	18/08/2036	मिथु	31/01/2037	मक	28/05/2037	कुंभ	23/01/2038
सिंह	13/06/2036	मिथु	25/08/2036	मक	08/02/2037	कुंभ	02/06/2037	मीन	24/02/2038
मिथु	21/06/2036	मक	28/08/2036	कुंभ	16/02/2037	मीन	16/06/2037	वृश्चि	19/03/2038

मक - कन्या		मक - कर्क		मक - सिंह		मक - मिथु		कुंभ - कुंभ	
19/03/2038		20/08/2038		16/08/2039		10/11/2039		13/04/2040	
20/08/2038		16/08/2039		10/11/2039		13/04/2040		21/06/2040	
कन्या	04/04/2038	कर्क	17/11/2038	सिंह	21/08/2039	मिथु	26/11/2039	कुंभ	16/04/2040
कर्क	12/05/2038	सिंह	09/12/2038	मिथु	30/08/2039	मक	04/12/2039	मीन	24/04/2040
सिंह	21/05/2038	मिथु	16/01/2039	मक	03/09/2039	कुंभ	11/12/2039	वृश्चि	30/04/2040
मिथु	07/06/2038	मक	02/02/2039	कुंभ	07/09/2039	मीन	29/12/2039	तुला	13/05/2040
मक	14/06/2038	कुंभ	19/02/2039	मीन	18/09/2039	वृश्चि	11/01/2040	कन्या	20/05/2040
कुंभ	21/06/2038	मीन	02/04/2039	वृश्चि	25/09/2039	तुला	09/02/2040	कर्क	06/06/2040
मीन	09/07/2038	वृश्चि	02/05/2039	तुला	11/10/2039	कन्या	25/02/2040	सिंह	10/06/2040
वृश्चि	22/07/2038	तुला	09/07/2039	कन्या	20/10/2039	कर्क	04/04/2040	मिथु	17/06/2040
तुला	20/08/2038	कन्या	16/08/2039	कर्क	10/11/2039	सिंह	13/04/2040	मक	21/06/2040

चर दशा

भोग्य दशा काल : मीन 2 वर्ष 0 मास 0 दिन

मीन 2 वर्ष	
10/01/1974	
11/01/1976	
मेष	12/03/1974
वृष	12/05/1974
मिथु	12/07/1974
कर्क	11/09/1974
सिंह	10/11/1974
कन्या	10/01/1975
तुला	12/03/1975
वृश्चि	12/05/1975
धनु	12/07/1975
मक	11/09/1975
कुंभ	11/11/1975
मीन	11/01/1976

मेष 12 वर्ष	
11/01/1976	
11/01/1988	
वृष	10/01/1977
मिथु	10/01/1978
कर्क	10/01/1979
सिंह	11/01/1980
कन्या	10/01/1981
तुला	10/01/1982
वृश्चि	10/01/1983
धनु	11/01/1984
मक	10/01/1985
कुंभ	10/01/1986
मीन	10/01/1987
मेष	11/01/1988

वृष 8 वर्ष	
11/01/1988	
11/01/1996	
मेष	10/09/1988
मीन	12/05/1989
कुंभ	10/01/1990
मक	11/09/1990
धनु	12/05/1991
वृश्चि	11/01/1992
तुला	10/09/1992
कन्या	12/05/1993
सिंह	10/01/1994
कर्क	11/09/1994
मिथु	12/05/1995
वृष	11/01/1996

मिथुन 6 वर्ष	
11/01/1996	
10/01/2002	
वृष	11/07/1996
मेष	10/01/1997
मीन	11/07/1997
कुंभ	10/01/1998
मक	12/07/1998
धनु	10/01/1999
वृश्चि	12/07/1999
तुला	11/01/2000
कन्या	11/07/2000
सिंह	10/01/2001
कर्क	11/07/2001
मिथु	10/01/2002

कर्क 12 वर्ष	
10/01/2002	
10/01/2014	
मिथु	10/01/2003
वृष	11/01/2004
मेष	10/01/2005
मीन	10/01/2006
कुंभ	10/01/2007
मक	11/01/2008
धनु	10/01/2009
वृश्चि	10/01/2010
तुला	10/01/2011
कन्या	11/01/2012
सिंह	10/01/2013
कर्क	10/01/2014

सिंह 8 वर्ष	
10/01/2014	
10/01/2022	
कन्या	11/09/2014
तुला	12/05/2015
वृश्चि	11/01/2016
धनु	10/09/2016
मक	12/05/2017
कुंभ	10/01/2018
मीन	11/09/2018
मेष	12/05/2019
वृष	11/01/2020
मिथु	10/09/2020
कर्क	12/05/2021
सिंह	10/01/2022

कन्या 9 वर्ष	
10/01/2022	
10/01/2031	
तुला	11/10/2022
वृश्चि	12/07/2023
धनु	11/04/2024
मक	10/01/2025
कुंभ	11/10/2025
मीन	12/07/2026
मेष	12/04/2027
वृष	11/01/2028
मिथु	10/10/2028
कर्क	11/07/2029
सिंह	11/04/2030
कन्या	10/01/2031

तुला 3 वर्ष	
10/01/2031	
10/01/2034	
वृश्चि	12/04/2031
धनु	12/07/2031
मक	11/10/2031
कुंभ	11/01/2032
मीन	11/04/2032
मेष	11/07/2032
वृष	10/10/2032
मिथु	10/01/2033
कर्क	11/04/2033
सिंह	11/07/2033
कन्या	11/10/2033
तुला	10/01/2034

वृश्चिक 7 वर्ष	
10/01/2034	
10/01/2041	
तुला	11/08/2034
कन्या	12/03/2035
सिंह	11/10/2035
कर्क	11/05/2036
मिथु	10/12/2036
वृष	11/07/2037
मेष	09/02/2038
मीन	11/09/2038
कुंभ	12/04/2039
मक	11/11/2039
धनु	11/06/2040
वृश्चि	10/01/2041

धनु 1 वर्ष	
10/01/2041	
10/01/2042	
वृश्चि	09/02/2041
तुला	12/03/2041
कन्या	11/04/2041
सिंह	12/05/2041
कर्क	11/06/2041
मिथु	11/07/2041
वृष	11/08/2041
मेष	10/09/2041
मीन	11/10/2041
कुंभ	10/11/2041
मक	11/12/2041
धनु	10/01/2042

मकर 7 वर्ष	
10/01/2042	
10/01/2049	
धनु	11/08/2042
वृश्चि	12/03/2043
तुला	11/10/2043
कन्या	11/05/2044
सिंह	10/12/2044
कर्क	11/07/2045
मिथु	09/02/2046
वृष	11/09/2046
मेष	12/04/2047
मीन	11/11/2047
कुंभ	11/06/2048
मक	10/01/2049

कुम्भ 2 वर्ष	
10/01/2049	
10/01/2051	
मीन	12/03/2049
मेष	12/05/2049
वृष	11/07/2049
मिथु	10/09/2049
कर्क	10/11/2049
सिंह	10/01/2050
कन्या	12/03/2050
तुला	12/05/2050
वृश्चि	12/07/2050
धनु	11/09/2050
मक	10/11/2050
कुंभ	10/01/2051

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

चर दशा - प्रत्यन्तर

सिंह - वृष		सिंह - मिथु		सिंह - कर्क		सिंह - सिंह		कन्या - तुला	
12/05/2019		11/01/2020		10/09/2020		12/05/2021		10/01/2022	
11/01/2020		10/09/2020		12/05/2021		10/01/2022		11/10/2022	
मेष	01/06/2019	वृष	31/01/2020	मिथु	30/09/2020	कन्या	01/06/2021	वृश्चि	02/02/2022
मीन	22/06/2019	मेष	20/02/2020	वृष	21/10/2020	तुला	21/06/2021	धनु	25/02/2022
कुंभ	12/07/2019	मीन	11/03/2020	मेष	10/11/2020	वृश्चि	11/07/2021	मक	19/03/2022
मक	01/08/2019	कुंभ	01/04/2020	मीन	30/11/2020	धनु	01/08/2021	कुंभ	11/04/2022
धनु	21/08/2019	मक	21/04/2020	कुंभ	20/12/2020	मक	21/08/2021	मीन	04/05/2022
वृश्चि	11/09/2019	धनु	11/05/2020	मक	10/01/2021	कुंभ	10/09/2021	मेष	27/05/2022
तुला	01/10/2019	वृश्चि	01/06/2020	धनु	30/01/2021	मीन	01/10/2021	वृष	19/06/2022
कन्या	21/10/2019	तुला	21/06/2020	वृश्चि	19/02/2021	मेष	21/10/2021	मिथु	12/07/2022
सिंह	11/11/2019	कन्या	11/07/2020	तुला	12/03/2021	वृष	10/11/2021	कर्क	03/08/2022
कर्क	01/12/2019	सिंह	31/07/2020	कन्या	01/04/2021	मिथु	30/11/2021	सिंह	26/08/2022
मिथु	21/12/2019	कर्क	21/08/2020	सिंह	21/04/2021	कर्क	21/12/2021	कन्या	18/09/2022
वृष	11/01/2020	मिथु	10/09/2020	कर्क	12/05/2021	सिंह	10/01/2022	तुला	11/10/2022

कन्या - वृश्चि		कन्या - धनु		कन्या - मक		कन्या - कुंभ		कन्या - मीन	
11/10/2022		12/07/2023		11/04/2024		10/01/2025		11/10/2025	
12/07/2023		11/04/2024		10/01/2025		11/10/2025		12/07/2026	
तुला	03/11/2022	वृश्चि	04/08/2023	धनु	04/05/2024	मीन	02/02/2025	मेष	03/11/2025
कन्या	26/11/2022	तुला	27/08/2023	वृश्चि	26/05/2024	मेष	24/02/2025	वृष	25/11/2025
सिंह	18/12/2022	कन्या	18/09/2023	तुला	18/06/2024	वृष	19/03/2025	मिथु	18/12/2025
कर्क	10/01/2023	सिंह	11/10/2023	कन्या	11/07/2024	मिथु	11/04/2025	कर्क	10/01/2026
मिथु	02/02/2023	कर्क	03/11/2023	सिंह	03/08/2024	कर्क	04/05/2025	सिंह	02/02/2026
वृष	25/02/2023	मिथु	26/11/2023	कर्क	26/08/2024	सिंह	27/05/2025	कन्या	25/02/2026
मेष	20/03/2023	वृष	19/12/2023	मिथु	18/09/2024	कन्या	19/06/2025	तुला	19/03/2026
मीन	12/04/2023	मेष	11/01/2024	वृष	10/10/2024	तुला	11/07/2025	वृश्चि	11/04/2026
कुंभ	04/05/2023	मीन	02/02/2024	मेष	02/11/2024	वृश्चि	03/08/2025	धनु	04/05/2026
मक	27/05/2023	कुंभ	25/02/2024	मीन	25/11/2024	धनु	26/08/2025	मक	27/05/2026
धनु	19/06/2023	मक	19/03/2024	कुंभ	18/12/2024	मक	18/09/2025	कुंभ	19/06/2026
वृश्चि	12/07/2023	धनु	11/04/2024	मक	10/01/2025	कुंभ	11/10/2025	मीन	12/07/2026

कन्या - मेष		कन्या - वृष		कन्या - मिथु		कन्या - कर्क		कन्या - सिंह	
12/07/2026		12/04/2027		11/01/2028		10/10/2028		11/07/2029	
12/04/2027		11/01/2028		10/10/2028		11/07/2029		11/04/2030	
वृष	03/08/2026	मेष	04/05/2027	वृष	02/02/2028	मिथु	02/11/2028	कन्या	03/08/2029
मिथु	26/08/2026	मीन	27/05/2027	मेष	25/02/2028	वृष	25/11/2028	तुला	26/08/2029
कर्क	18/09/2026	कुंभ	19/06/2027	मीन	19/03/2028	मेष	18/12/2028	वृश्चि	18/09/2029
सिंह	11/10/2026	मक	12/07/2027	कुंभ	11/04/2028	मीन	10/01/2029	धनु	11/10/2029
कन्या	03/11/2026	धनु	04/08/2027	मक	04/05/2028	कुंभ	02/02/2029	मक	03/11/2029
तुला	26/11/2026	वृश्चि	27/08/2027	धनु	26/05/2028	मक	24/02/2029	कुंभ	25/11/2029
वृश्चि	18/12/2026	तुला	18/09/2027	वृश्चि	18/06/2028	धनु	19/03/2029	मीन	18/12/2029
धनु	10/01/2027	कन्या	11/10/2027	तुला	11/07/2028	वृश्चि	11/04/2029	मेष	10/01/2030
मक	02/02/2027	सिंह	03/11/2027	कन्या	03/08/2028	तुला	04/05/2029	वृष	02/02/2030
कुंभ	25/02/2027	कर्क	26/11/2027	सिंह	26/08/2028	कन्या	27/05/2029	मिथु	25/02/2030
मीन	20/03/2027	मिथु	19/12/2027	कर्क	18/09/2028	सिंह	19/06/2029	कर्क	19/03/2030
मेष	12/04/2027	वृष	11/01/2028	मिथु	10/10/2028	कर्क	11/07/2029	सिंह	11/04/2030

चर दशा - प्रत्यन्तर

कन्या - कन्या	
11/04/2030	
10/01/2031	
तुला	04/05/2030
वृश्चि	27/05/2030
धनु	19/06/2030
मक	12/07/2030
कुंभ	03/08/2030
मीन	26/08/2030
मेष	18/09/2030
वृष	11/10/2030
मिथु	03/11/2030
कर्क	26/11/2030
सिंह	18/12/2030
कन्या	10/01/2031

तुला - वृश्चि	
10/01/2031	
12/04/2031	
तुला	18/01/2031
कन्या	25/01/2031
सिंह	02/02/2031
कर्क	10/02/2031
मिथु	17/02/2031
वृष	25/02/2031
मेष	05/03/2031
मीन	12/03/2031
कुंभ	20/03/2031
मक	27/03/2031
धनु	04/04/2031
वृश्चि	12/04/2031

तुला - धनु	
12/04/2031	
12/07/2031	
वृश्चि	19/04/2031
तुला	27/04/2031
कन्या	04/05/2031
सिंह	12/05/2031
कर्क	20/05/2031
मिथु	27/05/2031
वृष	04/06/2031
मेष	11/06/2031
मीन	19/06/2031
कुंभ	27/06/2031
मक	04/07/2031
धनु	12/07/2031

तुला - मक	
12/07/2031	
11/10/2031	
धनु	19/07/2031
वृश्चि	27/07/2031
तुला	04/08/2031
कन्या	11/08/2031
सिंह	19/08/2031
कर्क	27/08/2031
मिथु	03/09/2031
वृष	11/09/2031
मेष	18/09/2031
मीन	26/09/2031
कुंभ	04/10/2031
मक	11/10/2031

तुला - कुंभ	
11/10/2031	
11/01/2032	
मीन	19/10/2031
मेष	26/10/2031
वृष	03/11/2031
मिथु	11/11/2031
कर्क	18/11/2031
सिंह	26/11/2031
कन्या	03/12/2031
तुला	11/12/2031
वृश्चि	19/12/2031
धनु	26/12/2031
मक	03/01/2032
कुंभ	11/01/2032

तुला - मीन	
11/01/2032	
11/04/2032	
मेष	18/01/2032
वृष	26/01/2032
मिथु	02/02/2032
कर्क	10/02/2032
सिंह	18/02/2032
कन्या	25/02/2032
तुला	04/03/2032
वृश्चि	11/03/2032
धनु	19/03/2032
मक	27/03/2032
कुंभ	03/04/2032
मीन	11/04/2032

तुला - मेष	
11/04/2032	
11/07/2032	
वृष	18/04/2032
मिथु	26/04/2032
कर्क	04/05/2032
सिंह	11/05/2032
कन्या	19/05/2032
तुला	26/05/2032
वृश्चि	03/06/2032
धनु	11/06/2032
मक	18/06/2032
कुंभ	26/06/2032
मीन	04/07/2032
मेष	11/07/2032

तुला - वृष	
11/07/2032	
10/10/2032	
मेष	19/07/2032
मीन	26/07/2032
कुंभ	03/08/2032
मक	11/08/2032
धनु	18/08/2032
वृश्चि	26/08/2032
तुला	02/09/2032
कन्या	10/09/2032
सिंह	18/09/2032
कर्क	25/09/2032
मिथु	03/10/2032
वृष	10/10/2032

तुला - मिथु	
10/10/2032	
10/01/2033	
वृष	18/10/2032
मेष	26/10/2032
मीन	02/11/2032
कुंभ	10/11/2032
मक	17/11/2032
धनु	25/11/2032
वृश्चि	03/12/2032
तुला	10/12/2032
कन्या	18/12/2032
सिंह	26/12/2032
कर्क	02/01/2033
मिथु	10/01/2033

तुला - कर्क	
10/01/2033	
11/04/2033	
मिथु	17/01/2033
वृष	25/01/2033
मेष	02/02/2033
मीन	09/02/2033
कुंभ	17/02/2033
मक	24/02/2033
धनु	04/03/2033
वृश्चि	12/03/2033
तुला	19/03/2033
कन्या	27/03/2033
सिंह	03/04/2033
कर्क	11/04/2033

तुला - सिंह	
11/04/2033	
11/07/2033	
कन्या	19/04/2033
तुला	26/04/2033
वृश्चि	04/05/2033
धनु	12/05/2033
मक	19/05/2033
कुंभ	27/05/2033
मीन	03/06/2033
मेष	11/06/2033
वृष	19/06/2033
मिथु	26/06/2033
कर्क	04/07/2033
सिंह	11/07/2033

तुला - कन्या	
11/07/2033	
11/10/2033	
तुला	19/07/2033
वृश्चि	27/07/2033
धनु	03/08/2033
मक	11/08/2033
कुंभ	18/08/2033
मीन	26/08/2033
मेष	03/09/2033
वृष	10/09/2033
मिथु	18/09/2033
कर्क	25/09/2033
सिंह	03/10/2033
कन्या	11/10/2033

तुला - तुला	
11/10/2033	
10/01/2034	
वृश्चि	18/10/2033
धनु	26/10/2033
मक	03/11/2033
कुंभ	10/11/2033
मीन	18/11/2033
मेष	25/11/2033
वृष	03/12/2033
मिथु	11/12/2033
कर्क	18/12/2033
सिंह	26/12/2033
कन्या	02/01/2034
तुला	10/01/2034

वृश्चि - तुला	
10/01/2034	
11/08/2034	
वृश्चि	28/01/2034
धनु	15/02/2034
मक	04/03/2034
कुंभ	22/03/2034
मीन	09/04/2034
मेष	27/04/2034
वृष	14/05/2034
मिथु	01/06/2034
कर्क	19/06/2034
सिंह	07/07/2034
कन्या	24/07/2034
तुला	11/08/2034

वृश्चि - कन्या	
11/08/2034	
12/03/2035	
तुला	29/08/2034
वृश्चि	16/09/2034
धनु	03/10/2034
मक	21/10/2034
कुंभ	08/11/2034
मीन	26/11/2034
मेष	13/12/2034
वृष	31/12/2034
मिथु	18/01/2035
कर्क	05/02/2035
सिंह	22/02/2035
कन्या	12/03/2035

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

मूलांक	1
भाग्यांक	5
मित्र अंक	1, 4, 8, 9, 5
शत्रु अंक	3, 6
शुभ वर्ष	19,28,37,46,55
शुभ दिन	सोम, मंगल, गुरु
शुभ ग्रह	चन्द्र, मंगल, गुरु
मित्र राशि	मीन, मेष
मित्र लग्न	मिथुन, वृश्चिक, मकर
अनुकूल देवता	शिव
शुभ रत्न	पुखराज
शुभ उपरत्न	सुनहला, पीला हकीक
भाग्य रत्न	मूंगा
शुभ धातु	कांसा
शुभ रंग	पीत
शुभ दिशा	पूर्वोत्तर
शुभ समय	संध्या
दान पदार्थ	हल्दी, पुस्तक, पीत पुष्प
दान अन्न	दाल चना
दान द्रव्य	घी

रत्न चयन

किसी भी कुंडली में दशानुसार ग्रह का उपाय एवं रत्न धारण करने से शुभत्व में वृद्धि होती है। वैज्ञानिक रूप से विशिष्ट ग्रह का मंत्रोच्चारण करने से उस ग्रह की रश्मियों की मानव शरीर के चारों ओर सुरक्षा श्रृंखला बन जाती है एवं रत्न रश्मियों को सोखकर मानव शरीर में प्रवाहित कर शुभत्व में वृद्धि करता है। अतः रत्न का बेदाग होना एवं शरीर से स्पर्श करना अत्यंत आवश्यक माना गया है।

सामान्यतया उपाय ग्रह दशा के फल की वृद्धि के लिए महादशा स्वामी का किया जाता है। उपाय में मंत्रोच्चारण, दान एवं व्रत ही प्रमुख हैं। रत्न निर्बल परंतु लग्नेश, भाग्येश या योगकारक ग्रहों का पहना जाता है। आपको कब कौन सा उपाय या रत्न धारण करना चाहिए नीचे तालिका में उसके कार्यसिद्धि क्षेत्र सहित दिया गया है। महादशाओं में रत्नों के तीन–तीन विकल्प दिए गए हैं। आपको कोई भी विकल्प उसकी कार्यसिद्धि क्षेत्र एवं क्षमता देखकर अपनी आवश्यकतानुसार पहन सकते हैं तथा अतिरिक्त उपाय भी अपनी क्षमतानुसार कर सकते हैं।

जीवन रत्नः	पुखराज	धनार्जन, व्यावसायिक उन्नति, स्वास्थ्य
भाग्य रत्नः	मूंगा	धन, भाग्योदय
कारक रत्नः	मोती	सन्तति सुख

दशा	रत्न	क्षमता	मंत्र–जप / व्रत / दान / लाभ
बुध	पुखराज	100%	ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः (9000)
10/01/1974	मूंगा	98%	बुधवार,मूँग, हाथी दाँत, कपूर, फल, घी
22/08/1985	मोती	82%	व्यावसायिक उन्नति, सुख, दम्पति
केतु	मूंगा	100%	ऊँ स्रां स्रीं स्रौं सः केतवे नमः (17000)
22/08/1985	पुखराज	100%	मंगलवार,तिल, सप्तधान्य, नारियल, शस्त्र, तेल
21/08/1992	मोती	82%	सुख, सुख, दम्पति
शुक्र	पुखराज	100%	ऊँ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः (16000)
21/08/1992	मूंगा	98%	शुक्रवार,चावल, मिसरी, दधि, श्वेतचन्दन, दूध
21/08/2012	मोती	82%	धनार्जन, पराक्रम, दुर्घटना से बचाव
सूर्य	मोती	100%	ऊँ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः (7000)
21/08/2012	मूंगा	100%	रविवार,गेहुँ, मूंगा, केसर, रक्तचन्दन, घी
22/08/2018	पुखराज	100%	व्यावसायिक उन्नति, शत्रु व रोग मुक्ति, दुर्घटना से बचाव
चन्द्र	मोती	100%	ऊँ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्रमसे नमः (11000)
22/08/2018	पुखराज	100%	सोमवार,चावल, शंख, कपूर, श्वेतचन्दन, दही
21/08/2028	मूंगा	98%	सन्तति सुख, शत्रु व रोग मुक्ति, दुर्घटना से बचाव
मंगल	मोती	100%	ऊँ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः (10000)
21/08/2028	मूंगा	100%	मंगलवार,मल्का, केसर, कस्तूरी, रक्तचन्दन, घी
22/08/2035	पुखराज	100%	धन, भाग्योदय, दुर्घटना से बचाव
राहु	पुखराज	100%	ऊँ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः (18000)
22/08/2035	मूंगा	86%	शनिवार,तिल, सरसों, खड़ग, कम्बल, घी
22/08/2053	मोती	82%	व्यावसायिक उन्नति, भाग्योदय, दुर्घटना से बचाव

शुभ रत्न

आपका शुभ रत्न – लहसुनिया

आपका जन्म मीन राशि के लग्न में हुआ है। जिसका स्वामी ग्रह गुरु होता है। लहसुनिया रत्न केतु ग्रह के लिये धारण किया जाता है केतु का फल मंगल के समान माना जाता है। मंगल मीन राशि के लग्न के जातकों के लिये भाग्य रत्न होता है। क्योंकि मंगल की वृश्चिक राशि मीन लग्न से नवम भाव में स्थित होती है। किसी भी जातक के लिये भाग्य का प्रबल होना सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि किसी भी जातक द्वारा किये गये प्रयास या कार्य के परिणाम में भाग्य उत्प्रेरक का कार्य करता है, यह ठीक उसी प्रकार कार्य करता है जैसे किसी रासायनिक क्रिया में उत्प्रेरक का कार्य होता है।

अतः मीन राशि के लग्न वाले जातकों को लहसुनिया रत्न धारण करके केतु या मंगल को बलवान बनाना, पूजा, अनुष्ठान, मंत्र पूजा आदि करना श्रेष्ठ माना जाता है। केतु ग्रह के लिये लहसुनिया रत्न धारण किया जाता है। इस रत्न को यदि अंगूठी में धारण किया जाये तो जातक को सभी लाभ मिलेंगे अर्थात जातक सुखी, प्रसन्नचित, स्वस्थ जीवन व्यतीत करते हुए आनंदपूर्ण जीवन व्यतीत करता है तथा जातक के भाग्य को चमकाता है। वैसे भी केतु आध्यात्म का प्रतिनिधि ग्रह है जिससे जातक को टोना, टोटका जैसे अशुभ फलों से मुक्ति व राज सम्मान की प्राप्ति तथा अपने वरिष्ठ व उच्च पदाधिकारी का सहयोग व उनसे सम्मान प्राप्त होता है।

इस रत्न को धारण करने से जातक को नाना–नानी का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। केतु ग्रह मोक्ष का प्रतिनिधि ग्रह है। जिसको कोई गंभीर संक्रामक रोग हो तो उनको भी इस रत्न को धारण करने से लाभ प्राप्त होता है।

लहसुनिया को अंगूठी बनाकर सीधे हाथ की अनामिका अंगुली में धारण किया जाता है। क्योंकि अनामिका अंगुली हस्तरेखा शास्त्र में सूर्य की अंगुली मानी जाती है तथा सूर्य सभी ग्रहों का राजा होता है। लहसुनिया केतु का रत्न है, अतः इसके वार स्वामी अर्थात मंगलवार को ही धारण किया जाता है। इसको धारण करने का उपयुक्त समय प्रातःकाल मंगल की होरा में श्रेष्ठ होता है। मंगलवार के दिन सूर्योदय काल से एक घंटे तक का समय मंगल की होरा का होता है। लहसुनिया को यदि मंगलवार के साथ–साथ केतु के नक्षत्र अर्थात् अश्विनी, मघा और मूल में धारण किया जाये तो वह और भी उत्तम होता है।

लहसुनिया को धारण करने से पूर्व इसको गंगाजल एवं पंचामृत से शुद्ध करके, लकड़ी के एक पटरे पर लाल रंग के कपड़े पर रखकर इसके सम्मुख, धूप, दीप, अगरबत्ती जलाकर, केतु के 108 मंत्रों का जाप करके इसे ऊर्जावान बनाकर माथे से लगाकर सीधे हाथ की अनामिका अंगुली में धारण करना चाहिए।

केतु का मंत्र – ऊँ कें केतवे नमः

इसको धारण करने के पश्चात यदि केतु से संबंधित पदार्थ जैसे नारियल, सतनाजा सवा मीटर लाल कपड़े का दान करें तो लहसुनिया की अंगूठी धारण करना और भी अधिक फलदायी होता है। इसके अतिरिक्त अंगूठी धारण करने के पश्चात भी प्रतिदिन केतु का 108 बार स्नानादि के पश्चात मंत्र पाठ करें। यह लहसुनिया की अंगूठी आपको लगातार शुभ फल देती रहेगी। प्रत्येक मंगलवार को काले कुत्ते को मीठी रोटी खिलाना भी इसमें अधिक शुभकारी साबित होता है।

मीन लग्न वाले जातक यदि लहसुनिया की अंगूठी विधि विधान के साथ धारण करते हैं एवं मंत्र जाप द्वारा सिद्ध करते रहते हैं तो वे आजीवन भाग्यशाली व्यक्ति के रूप में सुखी, समृद्धिशाली एवं शांतिपूर्ण जीवन प्राप्त करते हैं।

नवग्रह रत्न धारण विधि

रत्न का पूर्ण शुभ फल पाने के लिए इसे शुक्ल पक्ष में निर्दिष्ट वार एवं समय में ही धारण करना चाहिए। निर्दिष्ट नक्षत्र में धारण करने से रत्न और भी प्रभावशाली हो जाता है। इसे निम्नलिखित तालिका में दिये गये भार या उससे अधिक भार का लेकर जो किवाया हो एवं पौना न हो जैसे 4–1/4 रत्ती आदि, उसे निर्दिष्ट धातु में इस प्रकार जड़वाएं कि रत्न नीचे से अंगुली को स्पर्श करे।

धारण करते समय अपने इष्ट देव का श्रद्धापूर्वक ध्यान करना चाहिए। तत्पश्चात अंगूठी को कच्चे दूध एवं गंगाजल में धोकर शुद्ध करना चाहिए एवं धूप दीप जलाकर संबंधित ग्रह के मंत्र का कम से कम एक माला जप करना चाहिए। फिर अंगूठी को धूप देकर निर्दिष्ट अंगुली में दाएं हाथ में धारण करना चाहिए। स्त्रियों को बाएं एवं पुरुषों को दाएं हाथ में अंगुली धारण करना चाहिए। अंगूठी धारण के पश्चात यथाशक्ति संबंधित ग्रह के पदार्थों का दान करना चाहिए।

यदि आप अन्य कोई रत्न पहले से पहने हुए हैं तो यह ध्यान रखें कि परस्पर विरोधी रत्न एकसाथ न पहनें। उपरोक्त विधि से रत्न को पहनने से रत्न के शुभ फल प्रचुर मात्रा में शीघ्र मिलते हैं।

रत्न	ग्रह	रत्ती	धातु	अंगुली	दिन	समय	नक्षत्र
माणिक्य	सूर्य	4	सोना	अना	रविवार	सुबह	कृतिका, उ०फाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा
मोती	चन्द्र	4	चांदी	कनि	सोमवार	सुबह	रोहिणी, हस्त, श्रवण
मूंगा	मंगल	6	चांदी	अना	मंगलवार	सुबह	मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा
पन्ना	बुध	4	सोना	कनि	बुधवार	सुबह	आश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती
पुखराज	गुरु	4	सोना	तर्जन	गुरुवार	सुबह	पुनर्वसु, विशाखा, पू०भाद्रपद
हीरा	शुक्र	1	प्लेटि	कनि	शुक्रवार	सुबह	भरणी, पू०फाल्गुनी, पूर्वाषाढ़ा
नीलम	शनि	4	पंचधातु	मध्य	शनिवार	शाम	पुष्य, अनुराधा, उ०भाद्रपद
गोमेद	राहु	5	अष्टधातु	मध्य	शनिवार	रात्रि	आर्द्रा, स्वाति, शतभिषा
लहसुनिया	केतु	6	चांदी	अना	गुरुवार	रात्रि	अश्विनी, मघा, मूल

रत्न	मंत्र	निषेध रत्न	दान पदार्थ
माणिक्य	ऊँ घृणि सूर्याय नमः	हीरा, नीलम, गोमेद	गेहूँ,चंदन,घी,लाल वस्त्र
मोती	ऊँ सों सोमाय नमः	गोमेद	चावल,चीनी,घी,श्वेत वस्त्र
मूंगा	ऊँ अं अंगारकाय नमः	हीरा, गोमेद, नीलम	गेहूँ,ताम्र,गुड़,लाल वस्त्र
पन्ना	ऊँ बुं बुधाय नमः	–––	मूंग,कांसा,हरित वस्त्र
पुखराज	ऊँ वृं वृहस्पतये नमः	हीरा, गोमेद	चने की दाल,गुड़,पीला वस्त्र
हीरा	ऊँ शुं शुक्राय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	चावल,चांदी,श्वेत वस्त्र
नीलम	ऊँ शं शनैश्चराय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	काला तिल,तेल,काला वस्त्र
गोमेद	ऊँ रां राहवे नमः	माणिक्य, मोती, मूंगा	तिल,तेल,कंबल,नीला वस्त्र
लहसुनिया	ऊँ कें केतवे नमः	–––	सप्तधान्य,नारियल,धूम्र वस्त्र

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता–पिता पर पड़ता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पड़ता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्रः

साढेसाती प्रथम ढैया	10/01/1974-23/07/1975	----------	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	23/07/1975-07/09/1977	----------	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	07/09/1977-04/11/1979	15/03/1980-27/07/1980	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	06/10/1982-21/12/1984	01/06/1985-17/09/1985	----------
अष्टम स्थानस्थ ढैया	05/03/1993-15/10/1993	10/11/1993-02/06/1995	10/08/1995-16/02/1996

द्वितीय चक्रः

साढेसाती प्रथम ढैया	23/07/2002-08/01/2003	07/04/2003-06/09/2004	13/01/2005-26/05/2005
साढेसाती द्वितीय ढैया	06/09/2004-13/01/2005	26/05/2005-01/11/2006	10/01/2007-16/07/2007
साढेसाती तृतीय ढैया	01/11/2006-10/01/2007	16/07/2007-10/09/2009	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	15/11/2011-16/05/2012	04/08/2012-02/11/2014	----------
अष्टम स्थानस्थ ढैया	29/04/2022-12/07/2022	17/01/2023-29/03/2025	----------

तृतीय चक्रः

साढेसाती प्रथम ढैया	31/05/2032-13/07/2034	----------	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	13/07/2034-27/08/2036	----------	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	27/08/2036-22/10/2038	05/04/2039-13/07/2039	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	28/01/2041-06/02/2041	26/09/2041-11/12/2043	23/06/2044-30/08/2044
अष्टम स्थानस्थ ढैया	25/02/2052-14/05/2054	02/09/2054-05/02/2055	----------

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
साढेसाती प्रथम ढैया	सम	सुख
साढेसाती द्वितीय ढैया	सम	सन्तति कष्ट
साढेसाती तृतीय ढैया	सम	शत्रु से कष्ट
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	सम	दुर्घटना से बचाव
अष्टम स्थानस्थ ढैया	सम	कम खर्च

साढ़ेसाती के उपाय

शनि की साढ़ेसाती के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिये दान, पूजन, व्रत, मंत्र आदि उपाय किये जा सकते हैं। इसके लिये शनिवार को काला कंबल, उड़द की दाल, काले तिल, चर्म–पादुका, काला कपड़ा, मोटा अनाज, तिल तथा लोहे का दान करना चाहिये। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार का व्रत रखना चाहिये। उपवास के दिन उड़द की दाल से बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिये। साथ ही स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 19000 जप संपन्न करवाने चाहिये।

ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।।

शनि की साढ़ेसाती में शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक शांति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिये निम्नलिखित महामृत्युंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिये।

ऊँ त्र्यंबकम यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।।

वैकल्पिक रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते हैं।

ऊँ हों जूं सः ऊँ भूर्भुव स्वः ऊँ।।

शनि की साढ़ेसाती के शुभत्व को बढ़ाने के लिये शनिवार के दिन आप 5 1/4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में (सोना, चांदी, तांबा, लोखंड, जस्ता) या घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोहे की अंगूठी धारण करें । लोहे की अंगूठी आप दाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करें।

अंगूठी शुक्ल पक्ष की शनिवार की सायं सूर्यास्त के समय धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ हैं। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगूठी धारण करने से पूर्व इसे शुद्ध दूध एवं गंगाजल में स्नान कराना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए। नीलम मध्यमा उंगली में या गले में पेन्डन्ट बनाकर धारण करें ।

ऊँ शं शनैश्चराय नमः।

अंगूठी धारण करने के पश्चात शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि के अशुभ प्रभाव में कमी आयेगी तथा आपकी सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

श्री हनुमान चालीसा एवं श्री हनुमान अष्टक का पाठ करना श्रेष्ठ है ।

मांगलिक विचार

जब वर या कन्या की कुंडली में मंगल लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भाव में हो तो मांगलिक दोष कहलाता है। यथोक्तम्

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्री भर्तुर्विनाशंच भर्ता च स्त्री विनाशनम्।।

मांगलिक दोष लग्न से अधिक प्रबल माना जाता है लेकिन चन्द्रमा से इसका दोष लग्न की अपेक्षा अल्प होता है। यदि शास्त्रानुसार वर एवं कन्या का मांगलिक दोष भंग हो जाता है तो उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होता है। इसके विपरीत बिना दोष भंग हुए मांगलिक वर–कन्याओं को जीवन में कई प्रकार की अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ता है। अतः विवाह से पूर्व शुद्ध कुण्डली मिलान से इस दोष का उचित निवारण करके ही दाम्पत्य जीवन प्रारम्भ करना चाहिए जिससे जीवन में शान्ति तथा सम्पन्नता बनी रहे।

****

आपकी जन्म कुंडली में मंगल की स्थिति द्वितीय भाव में है। कुंडली में यह भाव मुख्य रूप से वाणी तथा कुटुम्ब का प्रतिनिधित्व करता है। अतः मंगल के प्रभाव से आपकी पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि मध्यम रहेगी तथा यदा कदा पारिवारिक जनों में मतभेद का वातावरण बन सकता है। इसी कारण दक्षिण भारत में इसे कुज दोष भी माना जाता है। आपकी वाणी में भी ओजस्विता का भाव रहेगा तथा लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। धनार्जन के लिए यह स्थिति उत्तम रहेगी तथा स्वपरिश्रम एवं पराक्रम से आप इच्छित धन एवं सुख संसाधनों को अर्जित करके पारिवारिक जनों को सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

कुंडली में द्वितीय भावस्थ मंगल की पंचम भाव पर दृष्टि से पुत्र संतति से आप युक्त रहेंगे तथा जीवन में उनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा लेकिन संतति प्राप्ति में किंचित विलम्ब हो सकता है साथ ही उच्च शिक्षा अर्जित करने में भी आप सफल रहेंगे। अष्टम भाव पर मंगल की दृष्टि के प्रभाव से शारीरिक स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा रहेगा। यदा कदा पित या गर्मी से कोई परेशानी हो सकती है लेकिन इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। नवम भाव पर मंगल की दृष्टि के प्रभाव से आप अपने कार्यों एवं पराक्रम से भाग्य का निर्माण करेंगे। जीवन में उन्नति के पथ पर अग्रसर रहेंगे साथ ही आप भाग्य वादी न होकर कर्म करने में विश्वास रखेंगे।

इस प्रकार आप द्वितीय भावस्थ मंगल के प्रभाव से पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि को बनाएं रखेंगे तथा पारिवारिक जनों का उचित रूप से पालन करेंगे साथ ही वे भी आपको यथोचित सुख एवं सहयोग प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने दाम्पत्य जीवन को सुखी बनाने के लिए आपको किसी गैर मांगलिक कन्या से विवाह करना चाहिए। जिससे आप प्रसन्नता

पूर्वक जीवन में सुखों का उपभोग करेंगे तथा एक दूसरे को सहयोग प्रदान करके मानसिक सन्तुष्टि प्राप्त करेंगे।

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। अतः इस योग से ग्रसित जातकों के लिए आवश्यक है कि वे इस काल सर्प योग का निदान करा लें। जिससे कि कुंडली के शुभ योगों के फल पूर्णयता मिलते रहें।

द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं–

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

यदि लग्न कुंडली में सभी सातों ग्रह राहु से केतु के मध्य में हो लेकिन अंशानुसार कुछ ग्रह राहु केतु की धुरी से बाहर हों तो आंशिक काल सर्प योग कहलाता है। यदि कोई एक ग्रह राहु–केतु की धुरी से बाहर हो तो भी आंशिक काल सर्प योग बनता है।

यदि राहु से केतु तक सभी भावों में कोई न कोई ग्रह स्थित हो तो यह योग पूर्ण रूप से फलित होता है। यदि राहु–केतु के साथ सूर्य या चंद्र हो तो यह योग अधिक प्रभावशाली होता है। यदि राहु, सूर्य व चंद्र तीनों एक साथ हो तो ग्रहणकाल सर्प योग बनता है। इसका फल हजार गुना अधिक हो जाता है। ऐसे जातक को काल सर्प योग की शांति करवाना अति आवश्यक होता है।

काल सर्प योग का प्रभाव

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं।

काल सर्प योग के औपचारिक उपाय के द्वारा इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है। जन्मपत्रिका के अनुसार जब–जब राहु एवं केतु की महादशा, अंतर्दशा आदि आती है तब तब यह योग असर दिखाता है। गोचर में राहु व केतु का जन्मकालिक राहु–केतु व चंद्र पर भ्रमण भी इस योग को सक्रिय कर देता है। उस समय विशेष ध्यान देकर पूजा अर्चनादि श्रद्धा विश्वास के साथ करें, अवश्य लाभ होगा। कालसर्प योग यंत्र के सम्मुख 43 दिन तक सरसों के तेल का दीया जलाने से भी इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

आपकी जन्मकुण्डली में घातक नामक कालसर्प योग केवल अनुदित रूप में विद्यमान है। अनुदित योग पूर्णरूप से कालसर्प योग की परिभाषा में नहीं आता, लेकिन फिर भी इसका कुछ फल अवश्य मिलता है। परिणामस्वरूप जातक जन्म से ही परिवार से अलग रहता है। माता–पिता का स्नेह अधिक नहीं मिलता है। जातक के अनेक शत्रु होते हैं। वे समय–समय पर नुकसान पहुँचाते रहते हैं। नाना–नानी या दादा–दादी का प्रायः वियोग होता है। इस योग के प्रभाव से सन्तान कभी अस्वस्थ हो जाते हैं और जातक चिन्ता व परेशानी के घेरे में आ जाता है।

इस योग के प्रभाव से जातक को व्यापार व्यवसाय में थोड़ा बहुत नुकसान उठाना पड़ता है। नौकरी व्यवसाय में भी कभी कुछ व्यवधान उपस्थित हो जाता है पर कालान्तर में वह स्वतः नष्ट हो जाता है। जातक को भागीदारी में मनमुटाव की स्थिति पैदा हो जाती है और सरकारी अधिकारियों से कभी अनबन भी हो जाती है।

इस योग के कारण जातक का वैवाहिक जीवन सामान्य होते हुए भी कभी–कभी अशान्त या कष्टमय हो जाता है। घर में सुख–शान्ति का थोड़ा बहुत अभाव रहता है। सुख–प्राप्ति के लिए विशेष रूप से संघर्ष करना पड़ता है और मित्र गण समय पर धोखा दे जाते हैं। परिणामस्वरूप जातक को आंशिक रूप में नुकसान उठाना पड़ता है। आय में कमी रहती है। फलस्वरूप आर्थिक संकट समय–समय पर घेर लेता है। लेकिन इतना सब कुछ होने के बाद भी जातक के जीवन में एक अच्छा समय आता है जिसमें जातक को विशेष रूप से प्रसिद्धि मिलती है।

यदि आप कभी उपरोक्त परेशानी महसूस करते हैं तो निम्नलिखित उपाय करें, अवश्य लाभ मिलेगा।

1. काल सर्प दोष निवारण यंत्र घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।
2. बहते पानी में नारियल के फल को तीन बार शुभ मुहूर्त्त में प्रवाहित करें।
3. बहते पानी में कोयला को शुभ मुहूर्त्त में तीन बार प्रवाहित करें।
4. हरिजन को मसूर की दाल तथा द्रव्य शुभ मुहूर्त्त में तीन बार दान करें।
5. हनुमान चलीसा का 108 बार पाठ करें।
6. शयन कक्ष में लाल रंग के पर्दे, चादर तथा तकियों का उपयोग करें।
7. कुल देवता की पूजा करें।

8. धूम्रवस्त्र, तिल, कम्बल एवं सप्तधान्य शुभ मुहूर्त्त में रात्रि को दान करें।
9. केतु की उपासना उसकी महादशा में अवश्य करें।
10. देवदारु, सरसों तथा लोहवान को उबाल कर एक बार स्नान करें।
11. सवा महीने जौ के दाने पक्षियों को खिलाएँ।
12. नीला रूमाल, नीला घड़ी का पट्टा, नीला पैन, लोहे की अंगूठी धारण करें।

विशेष

ध्यान रखें कालसर्पयोग का पूजन केवल श्रीखण्ड चन्दन से करें। कुंकुम, सिन्दूर, रोली आदि का प्रयोग न करें। तिरुपति बालाजी के पास कालाहस्ती शिव मंदिर में जाकर कालसर्प योग की शांति का उपाय विधि–विधान से एक बार करें अथवा 12 ज्योतिर्लिंग में से किसी भी ज्योतिर्लिंग में जाकर पूजा करें जैसे – कि सौराष्ट्र गुजरात में सोमनाथ मंदिर, महाराष्ट्र के नासिक में त्रयंबकेश्वर मंदिर, उज्जैन, भीमाशंकर, नागेश्वर, रामेश्वर, वगेरे।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति के अनुरूप आपका जन्म रेवती नक्षत्र के प्रथम चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म की शुभ अनुकूलता मात्र प्रत्याशा पूर्वक विश्वास ही नहीं दिलाता है। बल्कि साथ–साथ आपके सांसारिक सुखों को स्वाभाविक रूप से धन लाभ से युक्त करा कर धार्मिक मानचित्र को उन्नतिशील कर रहा है।

मीन राशि आपको ज्ञात कराता है कि इस राशि के प्राणी मोक्ष प्राप्त कर उद्धार हो जाते हैं। आप अत्यंत मर्यादित एवं विश्वसनीय प्राणी है। क्योंकि आपका झुकाव धार्मिक है। आपको संतों की सेवा हेतु उत्सुक कर दिया है। आप सांसारिक सुखों में जिससे आप संबंधित हैं और उस अभिप्रायः में उन्नति कर सकते हैं। यह विषय चिंतनीय एवं निश्चित है कि आप अपने कार्य विषय में सुगमता पूर्वक लक्ष्य तक नहीं जा सकते। क्योंकि मीन राशि द्विस्वाभावात्मक स्वभाव के होते हैं जो आपके चरित्र को दो विपरीत दिशा में विभक्त करता है। आपका एक पक्ष तो यह है कि आपकी अभिरूचि धार्मिक दर्शन के पक्ष में है। अन्य दूसरा पक्ष आपको वासनात्मक प्रवृति की ओर अभिलाषित करता है। अतएव आप स्वच्छंदता पूर्वक यह धारण कर लें कि आपको कौन सा पथ चयन करना है। मिश्रित विचार के कारण दोनों दिशाओं में से कोई भी दिशा न यहां का रहने देगा और नहीं वहां का।

आप इन विचारों से उपर उठकर उत्सुकता पूर्वक सुनिश्चित करें कि क्या आपके घरेलू जीवन में वसना सर्वथा सहायक होगा। भविष्य में आप एक अच्छी पत्नी के पति होंगे तथा आपका एक प्रसन्नतम घर भी होगा। इसकी संपन्नता के संबंध में आपको विचार करना चाहिए कि पारिवारिक सुखद वातावरण के लिए अपनी भागीदारी प्रदान करना है।

आपके संबंध में कुछ और भी लाभ जनक बिंदु यह है कि आप शीघ्रतापूर्वक रूचि कर औपचारिकता यह निभाएं कि अकर्मणयता (नपुंसकता) त्याग कर स्नेहमय वातावरण का निर्णायक आप अन्य लोगों की मदद करें। परंतु आप एकाएक किसी भी विषय को प्रस्तुत नहीं करें। परिस्थिति वश किसी को भी दुःख नहीं पहुंचाएं। आप सामान्य लोगों का अपना प्रिय पात्र बनाएं। अतएव आप ऐसा अनुभव नहीं करे कि अधिक आयु के हो जाने पर आपको अपनी संतान पर निर्भर रहना पड़ेगा। आप अपनी अभिलाषा यह रखें कि अपने संभव कार्य कलाप द्वारा बाद की उसमें खर्च हेतु आय का कुछ अंश को सुरक्षित कर लें। आप इसी प्रकार के कार्य उद्देश्य रखें तथा कुशाग्र बुद्धिमत्ता पूर्वक अच्छी व्यवसाय करें। इसके पश्चात् प्रायः भाग्य आपका पक्षपाती नहीं होगा।

दूसरी दृष्टि से आपकी जन्मपत्रिका में तीन निराशात्मक महत्वपूर्ण बिंदु दृश्य हो रहे हैं जो कि आपकी आयु के 17 वें, 21 वें और 24 वें वर्ष आपके लिए बहुत अधिक अनुकूल प्रमाणित नहीं होंगे अर्थात् जीवन की उपरोक्त संबंधित आयु आपके लिए प्रतिकूल फलदायी होगा। आपके लिए यह अनुग्रहणीय है कि आप इस उम्र में सतर्कता पूर्वक अग्रसर होंवे।

आपके लिए अन्य आवश्यक सुझाव यह है कि आप अपने मित्रों से भी सावधान रहें। क्योंकि इनका हाव–भाव एक घनिष्ट मित्र के जैसा होगा। जो अविश्वसनीय प्रमाणित होगा। इसलिए आप इनका गहन अध्ययन कर अथवा गंभीरता पूर्वक विचार कर, इनको अपना बनावें।

आपके लिए रंगीन समय तब होगा जबकि आप अपने व्यवहारिक जीवन में रंग गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग के वस्त्रादि का व्यवहार करें। परंतु नीले रंग का परित्याग करें। मात्र नीला रंग आपके हित प्रतिकूल है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली है। एवं अंक 8 आपके लिए निश्चित रूप से खराब है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन भाग्यशाली एवं महत्वपूर्ण कार्य हेतु अनुकूल है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के शेष दिन सर्वथा त्याज्यनीय है।

ग्रह फल

सूर्य

दशमभाव में सूर्य हो तो जातक–प्रतापी, व्यवसाय कुशल, राजमान्य लब्ध–प्रतिष्ठ, राजमन्त्री, उदार, ऐश्वर्य सम्पन्न एवं लोकमान्य होता है।

धनु राशि में रवि हो तो जातक विवेकी, योगमार्गरत, बुद्धिमान्, धनी, आस्तिक, व्यवहार कुशल, दयालु, शान्त, लोकप्रिय एवं शीघ्र क्रोधित होने वाला होता है।

आपके जन्म काल में सूर्य दशम भाव में स्थित है अतः पिता के आप प्रिय रहेंगे। उनका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं आयु भी दीर्घ होगी। धनैश्वर्य से वे सर्वदा सुसम्पन्न रहेंगे एवं जीवन के अधिकांश महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आपकी उन्नति के लिए अपना पूर्ण आर्थिक तथा अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही व्यापार तथा आजीविका संबंधी कार्यों में भी उन्हीं की प्रेरणा एवं सहयोग से आप सफलता अर्जित कर सकेंगे।

आपकी भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी एवं उनकी आज्ञा का पालन करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे एवं यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद भी उत्पन्न होंगे परन्तु वे शीघ्र ही समाप्त हो जाएंगे। इसके साथ ही आप जीवन में उनको आर्थिक तथा अन्य रूप से पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे तथा सुख दुःख में उनको पूर्ण सहायता तथा सहयोग प्रदान करेंगे।

चन्द्र

पंचमभाव में चन्द्रमा हो तो जातक सदाचारी, कन्यासन्ततिवान्, चंचल सट्टे से धन कमानेवाला एवं क्षमाशील होता है।

कर्क राशि में चन्द्रमा हो तो जातक सम्पत्तिवान, श्रेष्ठबुद्धि, जलविहारी, सन्ततिवान्, कामी, कृतज्ञ, ज्योतिषी, उन्माद रोगी, स्त्रियों के प्रभाव में आ जाने वाला, चंचलमन, अच्छा स्वभाव वाला, सुन्दर, दयालु, आवेशात्मक एवं विदेश यात्रा की ओर रुचि वाला होता है।

आपके जन्म काल में चन्द्रमा की स्थिति पंचम भाव में हैं। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं आयु भी दीर्घ होगी। आपके शुभ प्रभाव से वे धन सम्पत्ति आदि को भी प्राप्त करेंगी तथा इससे प्रायः युक्त ही रहेंगी। साथ ही जीवन में आपको हमेशा कला, नीति, विद्या आदि के लिए प्रोत्साहित करेंगी एवं यत्नपूर्वक इसमें अपना सहयोग भी प्रदान करेंगी। आप की संतति से भी उनका प्रेम रहेगा एवं जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आपको सहयोग प्रदान करेंगी।

आप भी उनके प्रिय रहेंगे तथा उनकी आज्ञापालन करने के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही आपके आपसी संबंध भी मधुरता से युक्त रहेंगे एवं आपसी भेदभाव भी अल्प मात्रा में होंगे। जीवन में आप यत्नपूर्वक उनकी सेवा तथा अन्य वांछित सहयोग एवं सहायता प्रदान करने के लिए भी

सर्वदा उद्यत रहेंगे इस प्रकार आप आपस में प्रसन्नतापूर्वक रहेंगे।

मंगल

द्वितीय भाव में मंगल हो तो जातक कटुभाषी, नेत्रकर्ण रोगी, कटुतिक्त रसप्रिय, धर्मप्रेमी, चोर से भक्ति, कुटुम्ब क्लेश वाला, पशुपालक, निर्बुद्धि एवं निर्धन होता है।

मेष राशि में मंगल हो तो जातक सत्यवक्ता, तेजस्वी, शूरवीर, नेता, साहसी, धनवान्, लोकमान्य, दानी एवं राजमान्य होता है।

आप के जन्म काल में मंगल द्वितीय भाव में स्थित है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं यदा कदा वे शारीरिक रूप से व्याकुलता की अनुभूति भी करते रहेंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह भाव विद्यमान रहेगा। धनार्जन एवं विद्यार्जन संबंधी कार्यों में वे आपको पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही जीवन में अन्य महत्वपूर्ण एवं शुभ कार्यों में भी आपको उनका पूर्ण सहयोग एवं सद्भाव प्राप्त होगा।

आपके मन में भी उनके प्रति पूर्ण स्नेह की भावना रहेगी। आपके आपसी संबंध मधुर होंगे परन्तु यदा कदा उनमें आपसी मतभेदों के कारण अनिश्चित काल के लिए कटुता या तनाव का वातावरण होगा। जीवन में आप हमेशा भाई बहिनों का सुख दुःख में ध्यान रखेंगे तथा अपनी ओर से हमेशा उन्हें पूर्ण आर्थिक एवं अन्य रूप में सहयोग प्रदान करते रहेंगे।

बुध

दशमभाव में बुध हो तो जातक सत्यवादी, मनस्वी, व्यवहार कुशल, लोकमान्य, विद्वान, लेखक, कवि जमींदार, मातृ–पितृ भक्त, राजमान्य, न्यायी एवं भाग्यवान् होता है।

धनु राशि में बुध हो तो जातक विद्वान्, समाज में सम्मानित, गुणी, सुगठित शरीर, अविवेकी, अच्छा संगठनकर्त्ता, चतुर, ईमानदार, उदार, प्रसिद्ध, राजमान्य, लेखक, सम्पादक एवं वक्ता होता है।

गुरु

ग्यारहवें भाव में गुरु हो तो जातक व्यवसायी, धनिक, सन्तोषी, सुन्दरनिरोगी, लाभवान्, पराक्रमी, सद्व्ययी, बहुस्त्रीयुक्त, विद्वान् राजपूज्य एवं अल्पसन्ततिवान् होता है।

मकर राशि में गुरु हो तो जातक प्रवासी, द्रव्यहीन, व्यर्थपरिश्रमी, चंचलचित्त, धूर्त्त, असभ्य आचरण, दुःखी एवं ईर्ष्यालु होता है।

शुक्र

ग्यारहवें भाव में शुक्र हो तो जातक परोपकारी, लोकप्रिय, जौहरी, विलासी, वाहनसुखी, स्थिरलक्ष्मीवान्, धनवान् गुणज्ञ, कामी एवं पुत्रवान् होता है।

मकर राशि में शुक्र हो तो जातक बलहीन, कृपण, घ्दयरोगी, दुखी, मानी, नीच जाति की स्त्रियों में रुचि, सिद्धान्तहीन एवं अनैतिक चरित्र होता है।

शनि

चतुर्थभाव में शनि हो तो जातक अपयशी, बलहीन, धूर्त, कपटी, शीघ्रकोपी, कृशदेही, उदासीन,वातपित्तयुक्त एवं भाग्यवान् होता है।

मिथुन राशि में शनि हो तो जातक दुराचारी, कपटी, कामी, पाखण्डी, निर्धन, दुःखी एवं संकीर्ण मन वाला होता है।

राहु

दशम भाव में राहु हो तो जातक मितव्ययी, वाचाल, सन्ततिक्लेशी चन्द्रमा से युक्त राहु के होने पर राजयोग कारक अनियमित कार्यकर्त्ता एवं आलसी होता है।

धनु राशि में राहु हो तो जातक प्रारम्भिक जीवन में सुखी, दत्तक जाने वाल एवं मित्र द्रोही होता है।

केतु

चतुर्थ भाव में केतु हो तो जातक, कार्यहीन, चंचल, वाचाल एवं निरुत्साही होता है।

मिथुन राशि में केतु हो तो जातक वायुरोग से पीड़ित, अभिमानी सरलता से सन्तुष्ट होने वाला, अल्पायु एवं छोटी सी बात पर क्रोधित हो जाने वाला होता है।

स्वास्थ्य, व्यक्तित्व एवं प्रकृति

आपके जन्म समय में लग्न में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। सामान्यतया मीन लग्न में उत्पन्न जातक स्वस्थ एवं दर्शनीय होते हैं तथा सरलता एवं समानता का इनको प्रतीक माना जाता है। इनके मुख मंडल पर सौम्यता की छाप हमेशा विद्यमान रहती है। ये विद्वान एवं बुद्धिमान होते हैं तथा नवीन विचारों का सृजन करने में समर्थ रहते हैं। इनके विचारों से सामाजिक लोग प्रभावित तथा आकर्षित रहते हैं। भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने की इनकी प्रबल इच्छा रहती है तथा इससे इन्हें प्रसन्नता की प्राप्ति होती है। इसके अतिरिक्त धनैश्वर्य से ये युक्त रहते हैं एवं विभिन्न स्रोतों से धनार्जन करने आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहते हैं। साथ ही चिन्तन एवं मननशीलता का भाव भी इनमें रहता है।

प्राकृतिक द्रश्यों का अवलोकन करके इनको शांति एवं सन्तुष्टि की प्राप्ति होती है। प्रेम के क्षेत्र में ये सरल एवं भावुक रहते हैं परन्तु व्यवहार कुशल होते हैं। अतः सांसारिक कार्यों में उचित सफलता अर्जित करके अपने उन्नति मार्ग प्रशस्त करने में सफल रहते हैं। इसके अतिरिक्त नवीन वस्तुओं के उत्पादन आदि में इनकी रूचि रहती है तथा इस क्षेत्र में इनका प्रमुख योगदान रहता है।

अतः इसके प्रभाव से आप स्वस्थ एवं बलवान रहेंगे तथा व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा जिससे अन्य जन आपसे प्रभावित होंगे। आपकी बुद्धि अत्यंत ही तीक्ष्ण रहेगी अतः विभिन्न शास्त्रीय विषयों का ज्ञानार्जन करके आप एक विद्वान के रूप में समाज में अपनी प्रतिष्ठा एवं आदर बढ़ाने में समर्थ होंगे। एक विचारक के रूप में भी आप सम्मानीय होंगे। यद्यपि ब्रह्मादि के विषय में चिन्तनशील रहेंगे परन्तु भौतिकता के प्रति भी आकर्षण रहेगा।

लग्न में लग्नेश बृहस्पति की राशि के प्रभाव से आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी शांति तथा सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे। आपका स्वरूप दर्शनीय एवं व्यक्तित्व आकर्षक होगा फलतः अन्य लोग आपसे प्रभावित होंगे। लेखन के प्रति आपकी रूचि होगी तथा इस क्षेत्र में आप आदर एवं प्रतिष्ठा भी अर्जित कर सकते हैं। अभिमान के भाव की आप में अल्पता होगी तथा सबके साथ विनम्रता का व्यवहार करेंगे। आप सरकार या समाज में सम्मान प्राप्त करने में सफल होंगे। आप में दयालुता का भाव भी विद्यमान होगा तथा अवसरानुकूल अन्य जनों की सेवा तथा सहायता करने के लिए तत्पर होंगे। इसके अतिरिक्त साहित्य एवं कला के प्रति भी आपकी अभिरूचि रहेगी।

पिता के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव होगा तथा उनकी सेवा करने में तत्पर होंगे। बाल्यावस्था में आपको संघर्ष करना पड़ेगा परन्तु युवावस्था के बाद आप सुखैश्वर्य एवं धन वैभव तथा भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करके सुख एवं शांति पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे। पुत्र संतति से आप युक्त रहेंगे तथा इनसे आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।

धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा होगी तथा समय समय पर धार्मिक कार्य कलापों तथा

अनुष्ठानों को सम्पन्न करेंगे। इससे आपको आत्मिक शांति की प्राप्ति होगी। साथ ही बन्धु एवं मित्र वर्ग में भी आप प्रिय एवं आदरणीय होंगे तथा इनसे आपको इच्छित लाभ एवं सहयोग मिलता रहेगा। इस प्रकार आप धनैश्वर्य से युक्त होकर प्रसन्नता पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करने में सफल होंगे।

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप भावनात्मक रूप से परिवार से जुड़े रहेंगे तथा उनके प्रति पूर्ण चिन्तित रहेंगे। साथ ही उनकी खुशहाली एवं प्रसन्नता के लिए यत्नपूर्वक संसाधनों को अर्जित करेंगे परन्तु यदाकदा अपनी कोई व्यक्तिगत इच्छा को आप पारिवारिक सुख से श्रेष्ठ समझेंगे तथा पहले अपनी ही इच्छा को पूर्ण करेंगे। घर की सुन्दरता एवं आकर्षण के प्रति आप हमेशा सजग रहेंगे तथा यत्न पूर्वक घर का आकर्षक रूप बनाए रखने के लिए तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप आकर्षक व्यक्तित्व के स्वामी होंगे तथा आपके मित्र भी गुणवान तथा शिक्षित होंगे।

विभिन्न प्रकार के स्वादों का आस्वादन करने के आप इच्छुक रहेंगे। साथ ही मिष्ठान एवं नमकीन के प्रति विशेष रूचि रहेगी। सामान्यतया आप सुन्दर एवं सुस्वादु एवं पौष्टिक भोजन ही करेंगे। धन के प्रति आपके मन में लालसा रहेगी तथा परिश्रम एवं यत्नपूर्वक धनार्जन करते रहेंगे। साथ ही कीमती आभूषणों या धातुओं को भी प्राप्त कर सकते हैं। आपकी वाणी भी ओजास्विता के भाव से युक्त रहेगी लेकिन यदा कदा मधुरता की न्यूनता होगी। आप घर में समय समय पर धार्मिक कार्य कलाप या अन्य प्रकार के उत्सवों का आयोजन करते रहेंगे। साथ ही आप किसी उत्सव के आयोजन को हाथ से नहीं जाने देंगे तथा अवश्य उसमें भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त नीति के आप ज्ञाता होंगे तथा घर वाहन तथा पुत्रों से युक्त होकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

पराक्रम, सहोदर, प्रकाशन एवं लघुयात्राएं

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। इसके प्रभाव से आप सतर्क, सक्रिय तथा बौद्धिक प्रवृति के व्यक्ति होंगे तथा आपकी स्मरण शक्ति भी उत्तम रहेगी एवं आसानी से किसी वस्तु को भूल नहीं पाएंगे। भाई बहिनों के सुख एवं सहयोग को प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही वे भी साहसी एवं परोपकारी होंगे एवं आपको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। वे महत्वाकांक्षी भी होंगे तथा आपके पूर्ण विश्वास पात्र तथा आज्ञाकारी रहेंगे। पारिवारिक शान्ति एवं परस्पर सौहार्द के भाव को रखने के लिए समय समय पर आप एक दूसरे की गलतियों की उपेक्षा करेंगे जिससे तनाव एवं मतभेदों में न्यूनता रहेगी।

आप नेतृत्व के गुणों से सम्पन्न रहेंगे तथा समाज में सभी लोग आपकी संगठन शक्ति से प्रभावित होंगे तथा आपको पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। आप स्वच्छन्द प्रवृति के व्यक्ति होंगे तथा दार्शनिक स्वभाव ईमानदार तथा स्पष्टवादिता आपके प्रमुख गुण रहेंगे। अतः इनके प्रभाव से आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा समाज में प्रभावशाली पद को अर्जित करेंगे। आधुनिक संचार सुविधाओं का भी आप प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। जैसे टेलीफोन टेलीविजन वाहन या अन्य साधन आपको सर्वदा उपलब्ध रहेंगे। संगीत एवं कला के प्रति आपका विशेष लगाव रहेगा तथा समय समय पर आप इनसे मनोंरजन करके मानसिक सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे। जीवन में दूर समीप की यात्राओं से आप लाभ एवं ख्याति अर्जित करेंगे तथा यात्रा के मध्य आपके कई मित्र भी बनेंगे। ज्ञानवर्द्धक पुस्तकों के अध्ययन में भी आपकी रूचि रहेगी इसके अतिरिक्त आप उच्चाधिकारी वर्ग के मित्र, प्रतापी, आतिथ्य सत्कार करने वाले, दानी यशस्वी विद्वान तथा अच्छे विचारों से सर्वदा युक्त रहेंगे ।

शिक्षा, माता, वाहन एवं जायदाद

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है तथा शनि भी चतुर्थ भाव में ही स्थित है। अतः इसके प्रभाव से जीवन में आप सांसारिक सुखों को अर्जित करने में समर्थ होंगे तथा आधुनिक सुख संसाधनों एवं भौतिक उपकरणों से भी युक्त होगे परंतु इनको अर्जित करने में आपको काफी परिश्रम करना पड़ेगा। अतः आपको बुद्धिमता का परिचय देना चाहिए तथा स्थितियों का सामना करना चाहिए।

जीवन में आपको चल एवं अचल सम्पत्ति की भी न्यूनाधिक मात्रा में प्राप्ति होगी तथा किसी वृद्ध व्यक्ति से भी चल या अचल सम्पत्ति मिल सकती है। इससे आपकी समृद्धि में वृद्धि होगी तथा स्वपरिश्रम एवं पराक्रम से भी आप न्यूनाधिक मात्रा में धन सम्पत्ति अर्जित करेंगे। लेकिन विवाद युक्त सम्पत्ति की आपको हमेशा उपेक्षा करनी चाहिए तथा इससे किसी भी प्रकार का संबंध नहीं रखना चाहिए अन्यथा आपको अनावश्यक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

आपका आवास मध्यम ही होगा परंतु आधुनिक सुख सुविधाओं एवं आवश्यक भौतिक उपकरणों से युक्त होगा। साथ ही इसकी स्वच्छता बनाए रखने में आप व्यक्ति रूप से रूचिशील होंगे। आपका घर किसी मध्यम कालोनी में होगा तथा पड़ोसी भी सामान्य ही होगे तथा उनसे संबंधों में मधुरता कम ही होगी। इसके अतिरिक्त वाहन सुख भी मध्यावस्था के बाद ही संतोषजनक होगा।

आपकी माताजी तेजस्वी, बुद्धिमान, शिक्षित एवं व्यावहारिक महिला होंगी तथा परिवार पर उनका पूर्ण नियंत्रण होगा तथा सभी सदस्यों का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी जिससे उन्हें यथोचित सम्मान एवं आदर प्राप्त होगा। आपके प्रति भी उनके में स्नेह का भाव विद्यमान होगा तथा अवसरानुकूल उनसे आपको नैतिक एवं आर्थिक सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। आप भी उन्हें यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे तथा उन्हें अपनी ओर से किसी भी प्रकार से कष्ट नहीं होने देंगे लेकिन परस्पर मतभेदों की बहुलता होगी जिससे यदा कदा संबंधों में तनाव उत्पन्न हो सकता है।

विद्याध्ययन में प्रारंभ से ही आपको काफी परिश्रम करना पड़ेगा तभी आप वांछित सफलताए अर्जित कर सकते है। स्नातक परीक्षा को पास करने में आपको काफी परिश्रम एवं पराक्रम का प्रदर्शन करना पड़ेगा तभी वांछित सफलता मिल सकती है। यदि आप किसी तकनीकी पाठ्यक्रम में डिप्लोमा या अन्य शिक्षा ग्रहण करें तो इसमें आपको अल्प परिश्रम से ही अच्छी सफलता मिल सकती है।

चतुर्थभाव में शनि के प्रभाव से मध्यावस्था के बाद आप रक्त चाप या हृदय संबंधी परेशानी की अनुभूति कर सकते है। अतः खान–पान का प्रारंभ से ही विशेष ध्यान रखना चाहिए एवं तनाव से भी मुक्त रहना चाहिए। यदि आप ऐसा करेंगे आपको उपरोक्त समस्याओं में कमी आएगी तथा समय सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

प्रणय सम्बन्ध, सन्तान एवं बुद्धि

आपके जन्म समय में पंचमभाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चन्द्रमा है तथा चन्द्रमा भी स्वगृही होकर पंचमभाव में ही स्थित है। अतः इसके शुभ प्रभाव से आप तीव्र एवं निर्मल बुद्धि के स्वामी होंगे तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को बुद्धिमता से ही सम्पन्न करेंगे। आप में शीघ्र एवं सही निर्णय लेने की क्षमता भी विद्यमान होगी तथा इससे अवसरानुकूल आप वांछित लाभ एवं सफलता अर्जित करने में समर्थ होंगे। आप कठिन से कठिन समस्याओं का समाधान आसानी से शीघ्र ही करने में समर्थ होंगे जिससे अन्य सामाजिक लोग भी आपसे प्रभावित होंगे। वैदिक साहित्य दर्शन एवं धर्म शास्त्र के प्रति आपकी रूचि होगी तथा परिश्रम पूर्वक इसके ज्ञानार्जन में तत्पर होंगे एवं कुछ विशिष्ट कार्य भी सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त आधुनिक साहित्य, कविता, कला एवं संगीत में भी रुचि शील होंगे तथा लेखन कार्य करके समाजिक प्रभाव एवं अपनी विद्वता में वृद्धि होगी।

पंचमभाव में चन्द्रमा की स्थिति के प्रभाव से प्रेम–प्रसंगों में आपकी रूचि होगी तथा इससे आपको आत्म सन्तुष्टि एवं मन में उत्साह की प्राप्ति होगी। भावुकता का भी आप यदा–कदा इसमें प्रदर्शन करेंगे। आप यद्यपि भावुक प्रवृति के होंगे परन्तु प्रेम के क्षेत्र में मर्यादा एवं नैतिकता का पालन करेंगे एवं यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाएंगे। जिससे आपके प्रेम–प्रसंग की परिणिति विवाह के रूप में हो सकती है। इससे आपका जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

स्वगृही चन्द्रमा की संतति भाव में स्थिति के प्रभाव से आपको यथोचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा पुत्रों की अपेक्षा कन्या संतति अधिक हो सकती है। आपकी संतति विद्वान, बुद्धिमान एवं चतुर होगी तथा अपने इन्हीं गुणों से जीवन में उन्नति तथा सफलता अर्जित करेंगे। माता–पिता के प्रति उनके मन में पूर्ण आदर तथा श्रद्धा का भाव होगा तथा उनकी आज्ञापालन में वे सर्वदा तत्पर होंगे। वे समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को माता–पिता की सलाह एवं सहयोग से सम्पन्न करेंगे। पिता की अपेक्षा माता के प्रति बच्चों के मन में विशेष लगाव होगा तथा अपनी व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान वे माता के सहयोग से करना पसन्द करेंगे। इसके अतिरिक्त वृद्धावस्था में वे माता–पिता की तन–मन–धन से सेवा करेंगे तथा अपनी ओर से किसी भी प्रकार की कमी नहीं होने देंगे। अतः बच्चों के संदर्भ में आप एक भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

विद्याध्ययन के क्षेत्र में आपकी संतति बुद्धिमान एवं प्रतिभाशाली होगी तथा स्वपरिश्रम एवं योग्यता से वांछित सफलताएं अर्जित करेंगे। आप भी अपनी ओर से उनकी शिक्षा का यथोचित प्रबन्ध करेंगे एवं आधुनिक परिवेश में उन्हें शिक्षा प्रदान करेंगे। जिससे वे अपने उज्ज्वल भविष्य के मार्ग पर अग्रसर होंगे साथ ही वे विनम्र स्वभाव, आकर्षक व्यक्तित्व, निपुण एवं व्यवहार कुशल होंगे तथा अपने उत्तम कार्य–कलापों से अन्य सामाजिक जनों को प्रभावित करने में समर्थ होंगे तथा उनसे उन्हें वांछित सम्मान, स्नेह एवं प्रोत्साहन की प्राप्ति होगी। इससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इस प्रकार बच्चों का आपको उत्तम सुख मिलेगा।

रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से आप रक्त सम्बन्धियों से समय समय पर विरोध का सामना करेंगे साथ ही उनसे आपको अनुकूल सहयोग भी नहीं मिलेगा। आपके उत्कृष्ट कार्य कलापों से उनके मन में ईर्ष्या की भावना उत्पन्न होगी। साथ ही यदा कदा वरिष्ठ अधिकारियों के विरोध के कारण भी आपको कार्य क्षेत्र में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपके शत्रु उच्चाधिकार प्राप्त व्यक्ति होंगे जो समाज या सरकार के विभिन्न क्षेत्रों से रहेंगे तथा वे हमेशा आपके मान सम्मान में न्यूनता करने के लिए तत्पर रहेंगे। लेकिन आप अपनी बुद्धिमता, चतुराई शक्ति तथा अन्य गुप्त सूत्रों से उनका सामना तथा पराजित करने में सफल सिद्ध होंगे।

सेवक वर्ग की सेवा प्राप्त करने के लिए आप प्रायः उत्सुक रहेंगे तथा इनके बिना आपके कई कार्य पूर्ण भी नहीं होंगे। आपके नौकर अच्छे होंगे तथा आपकी इच्छा के अनुसार कार्य करने में वे सर्वदा तत्पर रहेंगे लेकिन वे आपके व्यक्तिगत गुप्त रहस्यों को अन्य जनों के समक्ष उजागर करेंगे। साथ ही वे यदा कदा चोरी आदि करने के लिए भी तत्पर हो सकते हैं। अतः कीमती वस्तुओं को उनकी पहुँच से बाहर रखना चाहिए। आप अपने उच्च स्तर को बनाने के लिए अनावश्यक व्यय करेंगे यह व्यय आपकी आय से अधिक होगा। यद्यपि आप सोच समझकर व्यय करेंगे परन्तु यदा कदा व्ययाधिक्य के कारण आपको ऋण भी लेना पड़ सकता है लेकिन समय पर वापस न करने में आपके मान सम्मान में न्यूनता आएगी। अतः ऋण आदि लेने की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

मामा मामियों से आपको समय समय पर इच्छित सहयोग प्राप्त होगा साथ ही आपकी वे पूर्ण रूप से सहायता करते रहेंगे परन्तु कभी कभी वे सवर्थवश आपकी मदद करेंगे जिससे आपके स्वाभिमान को ठेस पहुंचेगी। दीवानी या फौजदारी मुकद्दमों में आप सामान्यतया धन तथा समय की ही बर्बादी करेंगे। लेकिन यदि आप नियमानुसार इन कार्यो को करेंगे तो इनमें आपको इच्छित लाभ तथा विजय प्राप्त हो सकती है । साथ ही उत्तम स्वास्थ्य के खान पान का उचित ध्यान रखना चाहिए तथा गर्म पदार्थो की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए ।

परिवार, विवाह एवं साझेदार

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है सामान्यतया सप्तम भाव में कन्या राशि के प्रभाव से जातक का सहयोगी प्रियवक्ता स्वच्छता प्रिय सौभाग्यशाली एवं विविध कार्यो में दक्ष होता है तथा वह शिक्षित विद्वान प्रसिद्ध सांसारिक कार्यो में दक्ष एवं कर्तव्य परायण होता है।

अतः इसके प्रभाव से आपकी पत्नी सुशील स्वभाव की विनम्र एवं बुद्धिमान महिला होंगी तथा अपने संभाषण हमेशा मधुर शब्दों का प्रयोग करेंगी साथ ही वह स्वच्छता प्रिय होंगी एवं सफाई के प्रति विशेष सजग होंगी सांसारिक कार्य कलापों को करने में वह चतुर होंगी। साथ ही उनमें कर्तव्य परायणता का भाव भी होगा एवं समाज तथा परिवार के प्रति ईमानदारी से अपने कर्तव्य का पालन करेंगी।

आपकी पत्नी सुंदर आकर्षक एवं गौर वर्ण की महिला होंगी तथा उनका कद भी सामान्य रहेगा। शारीरिक संरचना उनकी दर्शनीय होगी तथा शरीर के सभी अंग प्रत्यंग पुष्ट एवं सडोलता से युक्त होंगे जिससे उनके सौन्दर्य में वृद्धि होगी तथा शरीर भी आकर्षक रहेगा। साहित्य संगीत एवं कला के प्रति भी उनकी रूचि होगी तथा सुंदर एवं कलात्मक वस्तुओं के संग्रह में तत्पर रहेंगी।

सप्तम भाव में कन्या राशि के प्रभाव से आपका विवाह बंधु एवं संबंधी के सहयोग से सम्पन्न होगा विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा आपस में एक दूसरे के प्रति सम्मान आकर्षण एवं प्रेम की भावना होगी। सांसारिक महत्व के कार्यो को आप परस्पर सलाह एवं सहमति से पूर्ण करेंगे जिससे आपस में विश्वास एवं समानता का भाव उत्पन्न होगा। इससे दाम्पत्यों संबंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

आपका विवाह किसी शिक्षित एवं प्रतिष्ठित परिवार में होगा तथा समाज में वे आदरणीय होंगे। विवाह के बाद सास ससुर से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह मिलेगा। साथ ही आप भी उन्हें पूर्ण सम्मान देंगे एवं महत्वपूर्ण कार्यो में उनकी भी सलाह लेंगे जिससे आपस में विश्वसनीयता बनी रहेगी।

सास ससुर के प्रति आपकी पत्नी का हार्दिक सेवा भाव रहेगा तथा सुख दुख में उनकी माता पिता के समान सेवा करेंगी। देवर एवं ननदों को भी वह अपने सद्व्यवहार से प्रसन्न रखेंगी जिससे परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा।

व्यापार या अन्य महत्वपूर्ण कार्यो में साझेदारी के लिए स्थिति अनुकूल रहेगी तथा इससे आपको वांछित लाभ होगा। यदि अपनी आयु से अधिक आयु के समीपस्थ संबंधी से साझेदारी की जाए तो इससे शुभ फल प्राप्त होंगे एवं परस्पर विश्वसनीयता भी बनी रहेगी ।

आयु, दुर्घटना एवं बीमा

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आप आध्यात्म तथा ज्यौतिष एवं तंत्र मंत्र आदि में विश्वास करेंगे। साथ ही आपकी पूर्वाभास तथा अन्तर्प्रज्ञा शक्ति भी प्रबल रहेगी जिससे आप सही रूप से भविष्यवाणियां करने में समर्थ हो सकेंगे। इस क्षेत्र में आपकी काफी रूचि रहेगी तथा प्रयत्नपूर्वक इसका ज्ञान अर्जित करेंगे एवं इसमें शोधकार्य भी सम्पन्न कर सकते हैं। इससे आपको धनार्जन भी होगा एवं समाज में आपको प्रसिद्धि भी प्राप्त होगी। साथ ही इससे आपके मित्रों की संख्या में भी वृद्धि होगी तथा कई आध्यात्मिक एवं पराविद्या वेता आपके मित्र होंगे ।

आपको पैतृक सम्पत्ति की भी प्राप्ति होगी तथा इससे आपको काफी लाभ होगा। साथ ही जमीन जायदाद के कार्य से आपको समय समय पर लाभ भी होता रहेगा। आपके कार्य से लोग सामान्यतया प्रसन्न रहेंगे तथा आपको मुंह मांगा दाम देंगे। शादी से भी आपको उचित लाभ होगा तथा किसी प्रकार से जायदाद की प्राप्ति भी हो सकती है। इसमें आपको दहेज के रूप में प्रचुर मात्रा में धन आभूषण एवं अन्य आधुनिक उपकरण उपहार स्वरूप प्राप्त होंगे। इससे आप तथा आपकी पत्नी ससुराल वालों के प्रति कृतज्ञ रहेंगे। बीमे आदि से भी आपको समय समय पर लाभ होता रहेगा अतः न्यूनाधिक रूप से आपको बीमा अवश्य करवाना चाहिए। आपकी कुंडली में चोरी या दुर्घटना के कोई विशेष अवसर नहीं आएंगे। यदि कोई ऐसी घटना घट भी गई भी तो उसका मामूली प्रभाव होगा। आपकी आयु अच्छी रहेगी तथा उत्तम स्वास्थ से युक्त होकर आप अपना सामान्य जीवन व्यतीत करने में समर्थ रहेंगे।

प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षा एवं लम्बी यात्राएं

आपके जन्म समय में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है अतः इसके प्रभाव से प्रारंभ में धर्म के प्रति आपके मन में कोई विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी लेकिन आयु के साथ साथ आप मन्दिर या तीर्थ स्थानों पर जाकर धार्मिक कार्य कलाप सम्पन्न करेंगे तथा दैनिक पूजा को भी आरम्भ करेंगे। भाग्य आपके लिए प्रायः सहायक रहेगा। लम्बी यात्राओं के लिए आप हमेशा रूचिशील रहेंगे तथा अध्यात्म, ज्यौतिष या तंत्र मंत्र संबंधी शास्त्रों में भी आपकी रूचि रहेगी एवं परिश्रम पूर्वक संबधित ग्रंथों का अध्ययन करके इसका ज्ञान प्राप्त करेंगे। आप अपने निवास स्थान में पूजा स्थल का भी निर्माण करवायें। परोपकार संबंधी कार्यो तथा भगवान के प्रति पूर्ण श्रद्धा रहेगी। इसके साथ ही आप कई शुभ कार्य क्रमों को सम्पन्न करेंगे तथा हमेशा प्रसन्नचित रहेंगे।

युवावस्था में आप ध्यान, योगादिक्रियाओं में भी रूचि लेंगे तथा परिश्रम पूर्वक इनको सम्पन्न करते रहेंगे तथा इनसे संबंधित ग्रंथों को पढ़ेंगे। आपकी अन्तर्प्रज्ञा शक्ति प्रबल रहेगी जिससे आपको पूर्वाभास या भविष्य संबंधी जानकारियां हो सकती है। आप अपने जीवन में निश्चय ही कोई धार्मिक एवं पुण्य संबधी कार्य को सम्पन्न करेंगे जैसे मंदिर अस्पताल या तालाब आदि का निर्माण। साथ ही अन्यत्र भी दानादि कार्य करते रहेंगे। प्रारंभिक अवस्था में लम्बी यात्राओं को सम्पन्न कर सकते है । ये यात्राएं शिक्षा संबंधी भी हो सकते है या व्यापारिक एवं धार्मिक कार्य संबंधी भी लेकिन इनसे आपको सम्मान लाभ एवं ख्याति अवश्य प्राप्त होगी तथा समाज में अपने सत्कर्मों के लिए जाने जाएंगे। वृद्धावस्था में पौत्रों से आपको सौभाग्य, सुख एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी तथा अपने पूर्व जन्मों के पुण्य के प्रभाव से आपका यह जीवन सुख एवं ऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

व्यवसाय, पिता एवं सामाजिक स्तर

आपके जन्म समय में दशमभाव में धनुराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। साथ ही राहु भी दशमभाव में स्थित है। धनुराशि अग्नितत्व एवं राहु वायुतत्व है। अतः इसके प्रभाव से आपका कार्य क्षेत्र बौद्धिक एवं मानसिक क्रिया प्रधान होगी तथा श्रमसाध्य के भाव की इसमें न्यूनता होगी। साथ ही स्वपरिश्रम एवं पराक्रम से आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे। इसके अतिरिक्त आप स्वतंत्र कार्य या व्यवसाय के भी इच्छुक होंगे। जिसमें आपको सफलता की प्राप्ति होगी।

दशमभाव में धनुराशिस्थ राहू के प्रभाव से आपके लिए आजीविका संबंधी क्षेत्र वायुसेना, एयर लाइंस, खनिज एवं खान विभाग, पैट्रोलियम विभाग, ऊनी उद्योग या फैक्टरी कर्मचारी, संदेश वाहक, दूत कार्य, बैंक कर्मचारी या वित्तीय क्षेत्र राजनीतिक एवं प्रशासनिक क्षेत्र आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेंगे। इन क्षेत्रों में कार्य करने से आपको वांछित उन्नति एवं सफलता की प्राप्ति होगी तथा अनावश्यक समस्याओं एवं व्यवधानों का सामना नहीं करना पड़ेगा। अतः यत्नपूर्वक उपरोक्त क्षेत्रों में ही अपनी आजीविका का चयन करना चाहिए ।

व्यापारिक दृष्टि से आपके लिए लोहें का व्यापार फैक्टरी या लोहें के उपकरणों का उत्पादन, पेट्रोल पम्प, एयर ट्रैवल एजेंसी राजनीति एवं शराब का व्यापार शुभ एवं अनुकूल होगा तथा इससे प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति करके उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे तथा नवीन आयाम स्थापित करेंगे। अतः यदि आप उपरोक्त क्षेत्रों में ही अपने व्यापार का आरम्भ करेंगे तो आपको इच्छित उन्नति की प्राप्ति होगी एवं अनावश्यक समस्याओं का सामना भी नहीं करना पड़ेगा।

दशमभाव में राहु के प्रभाव से जीवन में आपको मान प्रतिष्ठा एवं आदर मिलेगा तथा स्वपरिश्रम एवं पराक्रम से उच्चाधिकार प्राप्त पद भी अर्जित करेंगे। समाज में आप एक प्रभावशाली व्यक्ति होंगे तथा सभी लोग वांछित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही आपकी प्रसिद्धि भी दूर दूर तक व्याप्त होगी। आप किसी सामाजिक, राजनीतिक संस्था या क्लब आदि के पदाधिकारी या सदस्य भी हो सकते है। लेकिन इसमें आपको विलम्ब एवं व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। अतः लेकिन इससे आपको निराश नहीं होना चाहिए तथा परिश्रम पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

आपके पिता पराक्रमी, तेजस्वी एवं परिश्रमी व्यक्ति होंगे। समाज में भी उनका प्रभाव रहेगा एवं उनसे वे वांछित मान एवं सम्मान अर्जित करेंगे। आपके प्रति उनका पूर्ण वात्सल्य का भाव होगा एवं उच्च शिक्षा का यथोचित प्रबंध करके आपको एक योग्य व्यक्ति बनाएंगे। साथ ही कार्य क्षेत्र की प्रारंभिक उन्नति एवं सफलता में उनका विशेष योगदान होगा तथा आप भी स्वापरिश्रम एवं पराक्रम से उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे तथा पिता के सम्मान में वृद्धि करेंगे। परंतु आप लोगो के परस्पर संबंध मधुर ही होंगे तथा वैचारिक एवं सैद्धांतिक मतभेद बने रहेंगे।

इसके अतिरिक्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आपसी सलाह एवं सहयोग से कम ही सम्पन्न करेंगे। अतः ऐसी परिस्थितियों की आप को उपेक्षा करनी चाहिए।

लाभ, मित्र, समाज एवं ज्येष्ठ भ्राता

आपके जन्म समय में एकादश भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से आप किसी भी कार्य को सोच समझकर तथा व्यापारिक दृष्टि से सम्पन्न करेंगे। साथ ही मानसिक शक्ति की भी आप में प्रबलता रहेगी। प्रबन्ध एवं संगठन शक्ति भी आप में विद्यमान रहेगी तथा एक पराक्रमी परिश्रमी तथा योग्य व्यक्ति होंगे अतः जीवन में अपनी अधिकांश इच्छाओं तथा आकांक्षाओं को पूर्ण करने में समर्थ रहेंगे। आप एक दूरदर्शी एवं महत्वाकांक्षी पुरूष भी होंगे तथा प्रसिद्ध धन–ऐश्वर्य एवं मान सम्मान अर्जित करने के लिए सर्वदा यत्नशील रहेंगे । जीवन में उन्नति या लाभार्जन का आप कोई भी अवसर नहीं छोड़ेगे फलतः आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेंगी तथा आय स्रोतों में नित्य वृद्धि होगी जिससे प्रचुर मात्रा में धनार्जन होता रहेगा। आर्थिक क्षेत्र में आप किसी भी प्रकार का खतरा नहीं उठाएंगे। लकड़ी या लोहे से संबंधित व्यापार या कार्य से आप विशिष्ट लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे।

आपको बड़े भाइयों की अपेक्षा बहिनों से जीवन में विशिष्ट लाभ सहयोग एवं स्नेह प्राप्त होगा तथा वे आपका पुत्रवत पालन करेंगी तथा समय समय पर मार्ग दर्शन भी करती रहेंगी। आपकी मित्रता स्थाई रहेगी तथा मित्रता का क्षेत्र अधिक विस्तृत नहीं होगा परन्तु मित्रवर्ग के मध्य आदरणीय विश्वसनीय तथा प्रतिष्ठा से युक्त रहेंगे। समाज में आपका स्तर उच्च रहेगा तथा सभी सामाजिक जनों से आपके अच्छे संबंध रहेंगे एवं उनकी सेवा तथा भलाई करने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। अतः अपने क्षेत्र या समाज में आपको अच्छी ख्याति प्राप्त होगी लेकिन यदा कदा बाएं कान संबंधी परेशानी से आप कष्ट की अनुभूति कर सकते है परन्तु आपका सामान्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

विदेश यात्रा, हानि, बन्धन एवं कर्ज

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में कुम्भ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से आपकी अच्छी व्यापारिक क्षमता रहेगी तथा धन एवं शक्ति से हमेशा युक्त रहेंगे। वृद्धावस्था में आप अपने बच्चो या किसी अन्य संबंधी पर आश्रित नहीं रहेंगे क्योंकि पहले से ही इस समय के लिए पूर्ण धन सुरक्षित रखेंगे। अन्य जनों के प्रति आपके मन में सहानुभूति रहेगी तथा यत्नपूर्वक उनकी आर्थिक तथा अन्य रूप से सहायता करते रहेंगे।

आपको मध्यमवस्था में पूर्ण धन मान एवं सम्मान की प्राप्ति होगी तथा धन का आप बुद्धिमता एवं सावधानी पूर्वक उपयोग करेंगे। इस प्रकार आपकी आर्थिक स्थिति प्रायः अच्छी रहेगी। परिवार के प्रति आप पूर्ण रूप से समर्पित रहेंगे तथा उनकी सुख सुविधा रहन सहन एवं पठन पाठन का स्तर बढ़ाने के लिए नित्य यत्नशील रहेंगे तथा ऐसे कार्यो पर आपका प्रचुर मात्रा में व्यय होगा। सांसारिक सुख संसाधनों तथा भौतिक उपकरणों के प्रति भी आपके मन में तीव्र लालसा रहेगी तथा इन पर भी आप प्रचुर मात्रा में श्रवयय करेंगे। साथ ही आवास संबंधी साज सज्जा पर भी उपयुक्त व्यय होगा। जिससे आर्थिक स्थिति पर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा। इसके अतिरिक्त दान या धार्मिक कार्य कलापों पर भी समय समय पर आपका व्यय होता रहेगा।

यात्राओं के प्रति भी आपकी रूचि बनी रहेगी तथा समय समय पर व्यवसाय या कार्य संबंधी याात्राएं होगी जिससे आपको लाभ एवं सम्मान प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त व्यापारिक तथा भ्रमण संबधी आपकी जीवन में विदेश यात्रा की भी संभावना रहेगी।

नक्षत्रफल

आप आश्लेषा नक्षत्र के द्वितीय चरण में उत्पन्न हुए हैं। अतः आपकी राशि कर्क तथा राशि स्वामी चन्द्रमा होगा। नक्षत्र के अनुसार आपका वर्ण विप्र, वर्ग श्वान, नाडी अन्त्य तथा योनि मार्जार होगी। नक्षत्र के चरणानुसार आपके जन्म नाम "डु" या "डू" से प्रारम्भ होगा।

आश्लेषा नक्षत्र की गणना गण्डमूल नक्षत्रों में की जाती हैं। इसके द्वितीय चरण में उत्पन्न जातक पिता के धन का नाश करता हैं। अतः इस दोष के निवारणार्थ जन्म समय में इस नक्षत्र की शास्त्रोक्त विधि विधान से अवश्य ही शान्ति करा लेनी चाहिए। इसके लिए इस नक्षत्र के कम से कम 28000 जप करवाने चाहिए तथा जब 27 दिन बाद पुनः यह नक्षत्र आवे तो उस दिन जपे मंत्रों के दशांश का हवन करना चाहिए। इससे अशुभ फलों में न्यूनता होगी तथा शुभ फलों में वृद्धि होगी। यह कार्य किसी योग्य विद्वान द्वारा सम्पन्न करवाना चाहिए।

मंत्र – ऊँ नमोस्तु सर्पेभ्यो ये के च पृथिवीमनु।
ये अन्तरिक्षे ये दिवि तेभ्यः सर्पेभ्यो नमः।।

अर्थात आश्लेषा नक्षत्र में पैदा हुआ मनुष्य स्वस्थ शरीर वाला, माता पिता का भक्त, अपने धर्म में आस्था रखने वाला, नम्र, लोक में मान्य तथा धनवाहन आदि के सुख से परिपूर्ण होता है।

आप भ्रमण तथा यात्राओं में अपने अधिकांश समय को व्यतीत करने वाले होंगे। आपका स्वभाव उग्रता से परिपूर्ण रहेगा तथा आपकी उग्र चेष्टाओं से अन्य सामाजिक जन आपसे यदा कदा परेशान रहेंगे। आप धनार्जन अवश्य करेंगे परन्तु अर्जित धन को शीघ्र ही व्यय कर देंगे। आप विलासी प्रकृति के पुरूष होंगे विलासमय पदार्थो पर भी अधिक व्यय करेंगे। समाज के अन्य लोगों की वस्तुओं के प्रति आपके मन में आकर्षण रहेगा।

वृथाटनः स्यादितिदुष्टचेष्टः कष्टप्रदाश्चापि वृथा जनानाम्।
सर्पि सदर्थोहि वृथार्पितार्थः कन्दर्पसंतप्तमना मनुष्यः।।
जातकाभरणम्

अर्थात् आश्लेषा नक्षत्र में उत्पन्न जातक व्यर्थ घूमने वाला, दुष्ट प्रकृति से लोगों को कष्ट देने वाला, अपने उत्तम धन को वुरे कर्मो में खर्च करने वाला, विलासी तथा कामातुर रहता है।

शरीर से आप स्वस्थ रहेंगे तथा कृतज्ञता की अल्प भावना से युक्त रहेंगे तथा अन्य के द्वारा अपने ऊपर किए गये उपकार को अल्प ही मानेंगे। साथ ही आप पूर्व में ही किए गए कार्यों को पुनः करने वाले होंगे।

लुब्धः खञ्जः कृशाङ्गश्च पुनः पुनः।
आश्लेषायां समुद्भूतः कृतकर्मा भविष्यति।।
जातक दीपिका

अर्थात आश्लेषा में जन्मा मनुष्य लोभी, लंगड़ा, कमजोर शरीर वाला, कृतघ्न तथा किये गये कार्यों को करने वाला होता है।

खान पान में आप कोई भेद नही रखेंगे। आप शाकाहारी तथा मांसाहारी आदि का उपभोग करने वाले होंगे। आपके अधिकांश कार्य कठोर होंगे। जिससे अन्य लोग हमेशा आपसे प्रसन्न नहीं रहेंगे। यदा कदा आप मिथ्या भाषण का भी आश्रय लेंगे तथा यत्न पूर्वक अच्छे कार्यों को करने में भी तत्पर रहेंगे।

सर्वभक्षी कृतान्तश्च कृतघ्नो वञ्चकः खलः।
आश्लेषायां नरो जातः कृतकर्मा हि जायते।।
मानसागरी

अर्थात आश्लेषा में पैदा हुआ बालक सर्वभक्षी, कार्यकर्ता, कृतघ्न, ठग, दुर्जन तथा किये हुए कार्यों को करने वाला होता है।

आप में बुद्धि तथा ज्ञान मध्यम रूप से रहेगा तथा कृतज्ञतायुक्त शब्दों के प्रयोग करने में आप कुशल होंगे। साथ ही आप क्रोधी प्रकृति के भी होंगे तथा आपका आचरण भी सामान्य रहेगा।

सार्पे मूढ़मतिः कृतघ्नवचनः पापी दुराचार वान।
जातक परिजातः

अर्थात् आश्लेषा में उत्पन्न जातक मूढ़मति कृतघ्नतापूर्ण वाणी बोलने वाला, क्रोधी तथा दुराचारी होता है।

रजत पाद में उत्पन्न होने के कारण आपका शारीरिक सौन्दर्य दर्शनीय रहेगा तथा इसमें लावण्यता भी विद्यमान रहेगी। साथ ही मुखाकृति भी अत्यन्त आकर्षक रहेगी। इन्द्रियों को वश में करने में आप पूर्ण रूपेण सफल रहेंगे तथा प्रायः सत्य ही बोलेंगे। आप अत्यन्त ही मधुर गति से गमन करने वाले होंगे। जीवन में धन तथा पुत्र से आप युक्त रहेंगे एवं इनका पूर्ण सुख आपको प्राप्त होगा। लेकिन स्त्री के आप हमेशा वश में रहेंगे तथा उसी के कथनानुसार अपने अधिकांश प्रमुख कार्यों को सम्पन्न करेंगे। स्वभाव से आप विनम्र एवं सुशील रहेंगे तथा धनैश्वर्य को भी आप नित्य अर्जित करेंगे एवं प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग भी करेंगे। साथ ही विविध प्रकार के ऐश्वर्य एवं वैभव से भी आप युक्त रहेंगे। आप एक बुद्धिमान व्यक्ति भी होंगे तथा सद्गुणों से सम्पन्न अधिक मित्रों से हमेशा युक्त रहेंगे। धनसंचय में भी आपकी प्रवृति रहेगी।

कर्क राशि में उत्पन्न होने के कारण आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। आप अपने सभी कार्यों को चतुराई तथा कुशलता से पूर्ण करने में सफलता प्राप्त करेंगे तथा अपने जीवन में अधिक मात्रा में धनार्जन करेंगे। जिससे समाज में धनाढ्य कहलाएंगे। पराक्रम का आप में अभाव नहीं रहेगा। तथा धार्मिक भावना का समावेश भी आपके अर्न्तमन में रहेगा फलतः समस्त धार्मिक कार्य कलापों को विधि पूर्वक सम्पन्न करेंगे। अपने श्रेष्ठ तथा गुरूजनों के आप हमेशा प्रियवत्सल रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सहयोग तथा स्नेह की प्राप्ति करेंगे। आप तीव्र बुद्धि के स्वामी भी होंगे। यदा कदा आप में क्रोध की भी अधिकता दृष्टिगोचर होगी तथा आप अत्यन्त दुःख का भी कभी अहसास करेंगे। आपके समस्त मित्रगण अच्छे तथा गुणवान होंगे। आप अन्य कार्य तथा कलाओं के भी विशेषज्ञ होंगे। शारीरिक बल आप में मध्यम ही रहेगा। तथा घर से दूर अन्यत्र भी आप निवास कर सकते हैं।

कार्यकारी धनीशूरो धर्मिष्ठो गुरूवत्सलः।
शिरो रोगी महाबुद्धिः कृशाङ्गः कृत्यवित्तमः।।
प्रवासशीलः कोपाढ्योडबलो दुःखी सुमित्रकः।
अनासक्तो गृहे वक्रः कर्कराशौ भवेन्नरः।।
मानसागरी

आपकी प्रकृति वात तथा कफ से मिश्रित रहेगी। आप अत्यन्त सुन्दर एवं अलौकिक तेज से युक्त पुरूष होंगे तथा अपने परिश्रम से कमाए गए धन से आजीवन धन के स्वामी बनेंगे। देवताओं तथा ब्राहमणों के प्रति आप विशेष रूप से श्रद्धालु रहेंगे तथा अवसरानुकूल इनका पूजन तथा सत्कार करते रहेंगे। उत्तम कुल में उत्पन्न लोगों के प्रति आपके मन में सेवा भाव रहेगा तथा इनको नित्य अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे।

पवनकफशरीरो देव संकाश रूपः।
स्वयमुपचित्तवित्तो देवताविप्रभक्तः।।
कुलजन परिसेवी मण्डलाकार मध्ये।
भवति विपुलवित्तः कर्कटौ यस्यराशिः।।
जातक दीपिका

आप वेदादिशात्रें के ज्ञान की प्राप्ति के लिए नित्य रूचिशील तथा यत्नशील रहेंगे एवं इस उद्धेश्य में सफलता भी प्राप्त करेंगे साथ ही कलाओं के विषय में भी आपको विस्तृत ज्ञान रहेगा। आचरण से आप उत्तम तथा प्रशंसनीय रहेंगे। आप फूलों की सुगन्ध तथा जलक्रीड़ा करने में अत्यन्त आनन्द एवं हर्ष की अनुभूति करेंगे। इसके अतिरिक्त अपनी बुद्धिमता से आप समाज में यशस्वी बनेंगे।

श्रुतकलाबलनिर्मलवृतयः कुसुमगंध जलाशयकेलयः।
किल नरास्तु कुलीरगते विधौ वसुमतीसुमती स्मितलब्धयः।
जातकाभरणम्

आपका गला स्थूल होगा तथा स्त्रीजाति से आप पूर्ण रूप से पराजित रहेंगे। आपके मित्र सुमित्र होंगे तथा जलविहार से आप आनन्दानुभूति प्राप्त करेंगे। आपके द्वारा बहुत से भवनों का निर्माण भी किया जाएगा अथवा आप बहुत से भवनों के स्वामी हो सकते हैं। कद में आप सामान्य होंगे तथा टेढ़ी चाल से शीघ्र चलना आपकी प्रवृति रहेगी इसके अतिरिक्त पुत्र भी आपके अल्प मात्रा में ही उत्पन्न होंगे।

स्त्रीनिर्जितः पीनगलः सन्मित्रो वहवालयास्तुकट्र्धिनाद्यः।
ह्रस्वश्च वक्रो द्रुतगः कुलीरे मेधान्वितस्तोयरतोळल्प पुत्रः।।
फल दीपिका

आप अपने जीवन में नाना प्रकार की सम्पत्तियों तथा सुखों की प्राप्ति करेंगे। साथ ही आप ज्योतिषशास्त्र के भी जानने वाले होंगे। आपका सम्पूर्ण जीवन चन्द्रमा की कलाओं के समान क्षय वृद्धि अर्थात् उतार चढ़ाव से युक्त रहेगा तथा आपको जीवन में बहुत संघर्ष करने पड़ेंगे। आप प्यार से वशीभूत हो सकते हैं। दवाब या बलपूर्वक आपसे कुछ भी करवाना कठिन कार्य होगा। मित्रों को आप पूर्ण सम्मान प्रदान करेंगे अतः मित्र मंडली में सबके प्रिय रहेंगे। आप सदैव जीवपालन, उद्यान बगीचे तथा जलाशयादि के निर्माण में तत्पर तथा रूचिशील रहेंगे।

आवक्रद्रुतगः समुन्नतकटिः स्त्रीनिर्जितः सत्सुहृद्।
देवज्ञा प्रचुरालयः क्षयधनैः सयुंज्यतेः चन्द्रवत्।।
ह्स्वः पीनगलः समेति च वशं साम्ना सुहृदवत्सलः।
तोयोद्यानरतः स्ववेश्मसहितै जातः शशाळङकैः नरः।।
बृहज्जातकम्

सौभाग्य आजीवन आपकी उन्नति में महत्वपूर्ण सहायक सिद्ध होगा। आपके समस्त कार्य धैर्यपूर्वक सम्पन्न होंगे शीघ्रता तथा उतावली का आप में सर्वथा अभाव रहेगा। गृह से आप युक्त रहेंगे तथा आप अपना अधिकांश समय भ्रमण करने या यात्राओं आदि में व्यतीत करेंगे। सामाजिक जनों से आप अत्यन्त विनम्रता का व्यवहार रखेंगे। सैक्स की प्रबलता भी आप में विद्य मान रहेगी। साथ ही अन्य जनों द्वारा उपकृत होने पर आप उनको हार्दिक धन्यवाद प्रदान करेंगे। आप राज्य या सरकार में किसी ऊंचे पद को प्राप्त करने में भी सफलता प्राप्त कर सकेंगे। सत्य का अनुपालन आपके जीवन का मुख्य लक्ष्य रहेगा तथा सत्य एवं प्रिय भाषण के लिए हमेशा यत्नशील रहेंगे।

युक्तः सौभाग्ययोग्यैगृह सुहृदरटन ज्यौतिषज्ञान शीलैः।
कामासक्तकृतज्ञः क्षितीपतिसचिवः सत्प्रमाण प्रवासी।।
सोन्मादः केशकल्पो जलकुसुमरूचि र्हानिवृद्धयानुयातः।
प्रासादोद्यानवाणीप्रियकरणरतः पीनकण्ठः कुलीरे।।
सारावली

राक्षस गण में उत्पन्न होने के कारण आप नैसर्गिक रूप से अधिक बोलने वाली प्रकृति के व्यक्ति होंगे तथा आपके ह्दय में भी दया एवं करूणा के भाव भी अल्प ही रहेगा। आपके कार्य साहस के साथ सम्पन्न होंगे। अधिकतर आप साहसिक कार्यों को ही सम्पन्न करेंगे। आप शीघ्र ही उत्तेजित हो जाएंगे तथा छोटी छोटी बातों पर क्रोधित होते रहेंगे। अपने कार्यसिद्धि के लिए आप किसी भी सीमा तक जा सकेंगे। आपमें शारीरिक बल की भी प्रधानता रहेगी तथा अन्य जनों से आप बात बात पर वाद विवाद करने के लिए तैयार हो जाएंगे। इस प्रकार के कार्यों से समाज में यदा कदा लोगों से आपका वैमनस्य का भाव भी चलता रहेगा।

आप उन्माद तथा प्रमेह रोग से भी पीड़ित रह सकते हैं। आपका चेहरा देखने में दीर्घ होगा तथा वाणी भी कभी कभी कठोरता से युक्त होगी जिसे श्रोता सुनना पसन्द नहीं करेंगे। अतः अपने सम्भाषण में प्रायः मधुर एवं सरल शब्दों का ही उपयोग करें।

अनल्पजल्पश्च कठोरचित्तः स्यात्साहसी क्रोधपरोद्धतश्च।
दुःशीलवृतः कलीकृत्वलीमान रक्षोगणोत्पन्नरो विरोधी।।
जातकभरणम्

अर्थात् राक्षस गण में उत्पन्न जातक व्यर्थ बोलने वाला, कठोर, साहसी, अकारण ही क्रोधित होने वाला, नीच प्रकृति से युक्त, झगड़ू, बलवान तथा अन्य लोगों का विरोधी होता है।

मार्जार योनि में पैदा होने के कारण आप स्वभाव से ही वीरता तथा साहस से सम्पन्न रहेंगे। आप अपने समस्त कार्यों को करने में निपुण रहेंगे। मीठा भोजन तथा मीठा पेय आपके प्रिय रहेंगे तथा इनके सेवन से आप अत्यन्त सन्तोष तथा आनन्द का अनुभव करेंगे। भय का आप में अभाव रहेगा तथा निर्भय होकर आप अपने जीवन पथ पर क्रमशः अग्रसर होते जाएंगे। परन्तु कभी कभी आपके स्वभाव में दुष्टता का आवागमन होगा फलतः आपकी बुद्धि कठोरकार्यों की ओर भी प्रवृत होगी।

शूरः स्वकार्येदक्षश्च मिष्ठानपान भक्षकः।
निर्भयो दुस्वभावश्च नरो मार्जार योनिजः।।
मानसागरी

अर्थात मार्जार योनि में उत्पन्न बालक वीर, अपने कार्यों को निपुणता से करने वाला, मिष्ठानपान भक्षण प्रेमी तथा दुष्ट स्वभाव वाला होता है।

आपके जन्म काल में चन्द्रमा की स्थिति पंचम भाव में हैं। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं आयु भी दीर्घ होगी। आपके शुभ प्रभाव से वे धन सम्पत्ति आदि को भी प्राप्त करेंगी तथा इससे प्रायः युक्त ही रहेंगी। साथ ही जीवन में आपको हमेशा कला, नीति, विद्या आदि के लिए प्रोत्साहित करेंगी एवं यत्नपूर्वक इसमें अपना सहयोग भी प्रदान करेंगी। आप की संतति से भी उनका प्रेम रहेगा एवं जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आपको सहयोग प्रदान करेंगी।

आप भी उनके प्रिय रहेंगे तथा उनकी आज्ञापालन करने के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही आपके आपसी संबंध भी मधुरता से युक्त रहेंगे एवं आपसी भेदभाव भी अल्प मात्रा में होंगे। जीवन में आप यत्नपूर्वक उनकी सेवा तथा अन्य वांछित सहयोग एवं सहायता प्रदान करने के लिए भी सर्वदा उद्यत रहेंगे इस प्रकार आप आपस में प्रसन्नतापूर्वक रहेंगे।

आपके जन्म काल में सूर्य दशम भाव में स्थित है अतः पिता के आप प्रिय रहेंगे। उनका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं आयु भी दीर्घ होगी। धनैश्वर्य से वे सर्वदा सुसम्पन्न रहेंगे एवं जीवन के अधिकांश महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आपकी उन्नति के लिए अपना पूर्ण आर्थिक तथा अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही व्यापार तथा आजीविका संबंधी कार्यों में भी उन्हीं की प्रेरणा एवं सहयोग से आप सफलता अर्जित कर सकेंगे।

आपकी भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी एवं उनकी आज्ञा का पालन करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे एवं यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद भी उत्पन्न होंगे परन्तु वे शीघ्र ही समाप्त हो जाएंगे। इसके साथ ही आप जीवन में उनको आर्थिक तथा अन्य रूप से पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे तथा सुख दुःख में उनको पूर्ण सहायता तथा सहयोग प्रदान करेंगे।

आप के जन्म काल में मंगल द्वितीय भाव में स्थित है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं यदा कदा वे शारीरिक रूप से व्याकुलता की अनुभूति भी करते रहेंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह भाव विद्यमान रहेगा। धनार्जन एवं विद्यार्जन संबंधी कार्यों में वे आपको पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही जीवन में अन्य महत्वपूर्ण एवं शुभ कार्यों में भी आपको उनका पूर्ण सहयोग एवं सद्भाव प्राप्त होगा।

आपके मन में भी उनके प्रति पूर्ण स्नेह की भावना रहेगी। आपके आपसी संबंध मधुर होंगे परन्तु यदा कदा उनमें आपसी मतभेदों के कारण अनिश्चित काल के लिए कटुता या तनाव का वातावरण होगा। जीवन में आप हमेशा भाई बहिनों का सुख दुःख में ध्यान रखेंगे तथा अपनी ओर से हमेशा उन्हें पूर्ण आर्थिक एवं अन्य रूप में सहयोग प्रदान करते रहेंगे।

आपके लिए पौष मास, द्वितीया, सप्तमी तथा द्वादशी तिथियां, अनुराधा नक्षत्र, व्याघात योग, नागकरण, बुधवार तृतीय प्रहर तथा सिंह राशिस्थ चन्द्रमा अशुभ फलदायक है। अतः आप 15 दिसम्बर से 14 जनवरी के मध्य 2,7,12 तिथियों तथा उपरोक्त योगों में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, क्रयविक्रयादि अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा तथा स्वास्थ्य का भी पूर्ण रूप से ध्यान रखना चाहिए।

यदि आपके लिए समय अशुभ चल रहा हो मानसिक या शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या पदोन्नति में व्यवधान उत्पन्न हो रहे हों तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट देव शंकर भगवान को नित्य शिवालय जाकर विल्वपत्र अर्पण करने चाहिए तथा नियमित रूप से

सोमवार के उपवास करने चाहिए। साथ ही आपको श्रद्धापूर्वक श्वेतमोती, श्वेत वस्त्र, श्वेत चन्दन, श्वेत पुष्प, चावल इत्यादि पदार्थो का भी श्रद्धापूर्वक दान देना चाहिए। इसके अतिरिक्त चन्द्रमा के तांत्रीय मंत्र के 10000 जप सम्पन्न करवाने चाहिए। इससे आपको मानसिक शान्ति प्राप्त होगी तथा शुभ फल भी प्राप्त होंगे।

ऊँ श्रां श्रीं श्रों सः चन्द्रमसे नमः।
मंत्र– ऊँ ऐं क्लीं सोमाय नमः।

फलादेश - 2019

इस वर्ष में गोचरवश बृहस्पति पंचम भाव में भ्रमण करेगा। अतः यह समय आपके लिए शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय ज्ञानार्जन करने में आपकी रुचि रहेगी तथा विभिन्न विषयों का आप रुचि पूर्वक अध्ययन करेंगे। आर्थिक दृष्टि से भी वर्ष उत्तम रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में आय होगी एवं आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति हो सकती है। यदि आप अविवाहित हैं तो प्रेमप्रसंग चलने की संभावना रहेगी। व्यापारिक क्षेत्र में तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिए भी समय अनुकूल रहेगा। इस समय मंत्रीगण या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके सम्बन्ध स्थापित होंगे तथा उनसे आप वांछित मात्रा में लाभ एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। सन्तति पक्ष से इस समय आप निश्चिंत रहेंगे एवं उनसे आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इसके साथ ही इस वर्ष में आय गोचरफल तथा दशा भी शुभ फल प्रदान करेगी अतः समय शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों की सिद्धि के लिए उत्तम रहेगा।

इस वर्ष में शनि षष्ठ भाव में भ्रमण करेगा। इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं महत्वपूर्ण होगा। इस समय आपकी महत्वपूर्ण यात्राएँ सम्पन्न होंगी तथा व्यापारिक या कार्यक्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से भी आप सुदृढ़ रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में भी आप सफल होंगे। व्यापार में आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। शत्रु पक्ष आपसे भयभीत रहेगा तथा किसी प्रतियोगी परीक्षा या मुकदमे आदि में आपको सफलता मिलेगी। साथ ही अन्य गोचर एवं दशा फल भी शुभ रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही सौभाग्यशाली रहेगा तथा सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक आप अपना समय व्यतीत करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सर्वत्र आदर प्राप्त होगा।

इस वर्ष में गोचरवश राहु की स्थिति द्वादश भाव में तथा केतु की स्थिति षष्ठ भाव में रहेगी अतः यह वर्ष सामान्यतया शुभ ही रहेगा इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं मानसिक रूप से भी आपकी लम्बी दूरी की यात्रा होगी या कोई विदेश यात्रा भी हो सकती है। इस समय आप यात्राओं में अधिक व्यय करेंगे साथ ही मनोरंजन आदि में आप अपना अधिकांश समय व्यतीत करेंगे। आर्थिक स्थति भी इस वर्ष आपकी अच्छी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। केतु के प्रभाव से आप शत्रु पर भी विजय प्राप्त कर सकते हैं। समाज में सभी लोग आपके प्रभुत्व को स्वीकार करेंगे। जिससे आपकी में प्रतिष्ठा बढेगी कार्यक्षेत्र में भी इस समय उन्नतिशील रहेंगे। इसके अतिरिक्त गोचर तथा दशा इस समय शुभ रहेगी। अतः समय अच्छा ही रहेगा।

चन्द्र की महादशा में चन्द्र का अंतर 22/06/2019 को समाप्त होगा। उसके बाद मंगल का अंतर प्रारंभ होगा। चन्द्र पंचम् भाव में कर्क राशि में स्थित हैं जबकि मंगल द्वितीय भाव में मेष राशि में स्थित हैं।

यह समय आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा इस समय आपको कई सुअवसरों की

प्राप्ति होगी तथा इच्छित सफलता अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे साथ ही बौद्धिक एवं आध्यात्मिक कार्यों में आप पूर्ण रुचि लेंगे तथा इस क्षेत्र में कोई विशिष्ठ उपलब्धि प्राप्त करेंगे। इस समय प्रभावशाली व्यक्तियों से आपके सम्पर्क बनेंगे तथा उनसे इच्छित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। मान सम्मान एवं प्रसिद्धि में भी वृद्धि होगी। आर्थिक दृष्टि से स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी प्रगति होगी पारिवारिक सुख शांति तथा समृद्धि के लिए समय उत्तम रहेगा एवं पारिवारिक जन परस्पर मिल जुलकर रहेंगे तथा एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। परिवार में इस समय कोई वैवाहिक या बच्चे का जन्म संबधी मंगल कार्य भी सम्पन्न हो सकता है यात्राओं से आपको लाभ एवं भविष्य में नये आयाम स्थापित होंगे मित्र एवं बन्धुवर्ग से पूर्ण सहयोग मिलेगा तथा शत्रु एवं प्रतिद्वन्दियों को पराजित तथा पभावित करने में समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त किसी प्रतियोगी परीक्षा में भी सफलता मिलने की पूर्ण संभावना रहेगी।

यह समय आपके लिए उन्नति एवं लाभदायक रहेगा इस समय आपके उन्नति के मार्ग प्रशस्त रहेंगे तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यदा समय पूर्ण होंगे साथ ही प्रभावशाली व्यक्तियों से भी सम्पर्क स्थापित होंगे जिनसे भविष्य में लाभ होने की प्रबल संभावनाएं बनेंगी। आर्थिक दृष्टि से स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे ऐसे समय में आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। लेकिन सांसारिक व्यय में भी वृद्धि होगी पारिवारिक सुख शांति तथा समृद्धि उत्तम रहेगी परन्तु किसी पारिवारिक सदस्य का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। मित्रवर्ग से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा यात्राओं से लाभ होगा व्यापार में इस समय विस्तार की संभावना रहेगी तथा नौकरी आदि के क्षेत्र में पदोन्नति के अवसर बनेंगे। इसके अतिरिक्त शत्रुवर्ग को भी पराजित तथा प्रभावित करने में समर्थ रहेंगे अतः ऐसे समय का आपको सदुपयोग करना चाहिए।

फलादेश - 2020

इस वर्ष में गोचरवश बृहस्पति की स्थिति सप्तम भाव में रहेगी। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे तथा कोई अचानक सफलता भी प्राप्त होगी। साथ ही बेरोजगारों को रोजगार मिलने की भी प्रबल संभावनाएँ बनेंगी। इस वर्ष अविवाहितों का विवाह भी हो सकता है। दाम्पत्य सुख इस वर्ष आपका उत्तम रहेगा तथा स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा परस्पर संबन्धों में भी मधुरता रहेगी। समाज में इस समय आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आर्थिक दृष्टि से भी समय शुभ रहेगा एवं प्रचुर मात्रा में धनार्जन होगा एवं अतिरिक्त आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। लेकिन व्यय भी यदा कदा अधिक ही होगा। इसके साथ ही अन्य गोचरफल तथा दशाफल भी उत्तम रहेंगे अतः यह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण तथा भाग्यशाली रहेगा।

इस वर्ष गोचर वश शनि सप्तम भाव में भ्रमण करेगा। अतः इसके प्रभाव से वर्ष सामान्यतया अच्छा रहेगा। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में भी आप सफलता प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। लेकिन माता तथा पत्नी का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। साथ ही यदा कदा आप मानसिक रूप से चिन्तित भी रहेंगे परन्तु इसका सामान्य कार्य कलापों पर कोई प्रभाव नहीं होगा तथा उत्साह एवं पराक्रम से आप अपने कार्यों को करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपकी आर्थिक स्थिति भी अच्छी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा साथ ही किसी लाभदायक यात्रा का भी योग बनेगा।

इस वर्ष में अन्य गोचर तथा दशाफल आपके लिए अनुकूल रहेंगे अतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी एवं आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आवास या जायदाद संबंधी कोई कार्य भी आप सम्पन्न कर सकते हैं। अतः वर्ष सामान्यतया शुभ फल ही प्रदान करेगा।

इस वर्ष में गोचरवश राहु की स्थिति द्वादश भाव में तथा केतु की स्थिति षष्ठ भाव में रहेगी अतः यह वर्ष सामान्यतया शुभ ही रहेगा इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं मानसिक रूप से भी आपकी लम्बी दूरी की यात्रा होगी या कोई विदेश यात्रा भी हो सकती है। इस समय आप यात्राओं में अधिक व्यय करेंगे साथ ही मनोरंजन आदि में आप अपना अधिकांश समय व्यतीत करेंगे। आर्थिक स्थति भी इस वर्ष आपकी अच्छी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। केतु के प्रभाव से आप शत्रु पर भी विजय प्राप्त कर सकते हैं। समाज में सभी लोग आपके प्रभुत्व को स्वीकार करेंगे। जिससे आपकी में प्रतिष्ठा बढेगी कार्यक्षेत्र में भी इस समय उन्नतिशील रहेंगे। इसके अतिरिक्त गोचर तथा दशा इस समय शुभ रहेगी। अतः समय अच्छा ही रहेगा।

चन्द्र की महादशा में मंगल का अंतर 21/01/2020 को समाप्त होगा। उसके बाद

राहु का अंतर प्रारंभ होगा। मंगल द्वितीय भाव में मेष राशि में स्थित हैं जबकि राहु दशम् भाव में धनु राशि में स्थित हैं।

यह समय आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा तथा अपनी बुद्धिमत्ता से आप वांछित उन्नति एवं सफलता अर्जित करने में समर्थ रहेंगे आर्थिक स्थिति इस समय सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी पारिवारिक सुख शांति तथा समृद्धि भी उत्तम रहेगी तथा सभी लोग आपस में मिलजुलकर रहेंगे लेकिन किसी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। इस समय विद्वान तथा प्रभावशाली व्यक्तियों से आपका सम्पर्क होगा तथा उनसे मित्रता पूर्ण संबध बनेंगे लम्बी दूरी की यात्राओं से आपको लाभ तथा सम्मान प्राप्त होगा कार्य क्षेत्र में उन्नति संतोषप्रद रहेगी सामाजिक मान प्रतिष्ठा तथा प्रसिद्धि में भी वृद्धि होगी। शत्रु एवं प्रतिद्वन्दी आपसे पराजित होंगे तथा भाई बहिन अपने क्षेत्र में उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। अतः ऐसे समय का सदुपयोग करने के लिए तत्पर रहें।

यह समय आपके लिए शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा इस समय आपके मन में आदर्श विचारों की उत्पति होगी तथा कुछ करने के लिए प्रवृत रहेंगे साथ ही कल्पनाशीलता से भी आपके विचारों में दृढता आएगी। अतः नौकरी या व्यापार में उचित क्षेत्र का चुनाव करें क्योकि ईश्वर की कृपा से सफलता का मार्ग आपके लिए खुला है पारिवारिक सुख शान्ति भी इस समय उत्तम रहेगी तथा सभी लोग आपस में मिलजुल कर रहेंगे तथा एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही घरेलू उपयोग की वस्तुओं पर प्रचुर मात्रा में व्यय होगा सामाजिक मान प्रतिष्ठा में भी इस समय वृद्धि होगी तथा दूर समीप की कुछ शुभ यात्राएं भी सम्पन्न होंगी जिससे आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा एवं भविष्य के लिए नवीन आयाम स्थापित होंगे इसके अतिरिक्त मित्रवर्ग से भी आपको वांछित लाभ एवं सहयोग मिलता रहेगा।

फलादेश - 2021

इस वर्ष में बृहस्पति का गोचरीय भ्रमण अष्टम भाव में रहेगा। अतः यह समय आपके लिए मध्यम रहेगा। शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे परन्तु यदा कदा मानसिक तनाव से आपको किंचित मात्रा में परेशानी हो सकती है। इस समय सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आप परिश्रम एवं पराक्रम से ही इच्छित सफलता अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही नौकरी राजनीति या व्यापारिक क्षेत्र में शत्रु तथा विरोधी पक्ष के द्वारा समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं जिससे उन्नति मार्ग में बाधाएं आएंगी लेकिन आप परिश्रम पूर्वक इनका समाधान करेंगे। इस वर्ष में आपका कोई मुकद्दमा भी प्रारंभ हो सकता है। आर्थिक स्थिति इस समय मध्यम रहेगी तथा आय के साथ साथ व्यय की भी अधिकता होगी परन्तु लाभमार्ग प्रशस्त करने के लिए आप यत्नशील रहेंगे। इस समय आपको किसी विशिष्ट लाभ की प्राप्ति की संभावना रहेगी साथ ही ज्योतिष या तंत्र मंत्र आदि में आपकी श्रद्धा उत्पन्न होगी एवं न्यूनाधिक ज्ञान भी अर्जित कर सकते है।

इसके साथ ही अन्य गोचर फल शुभ परन्तु दशा मध्यम रहेगी अतः सर्वत्र आप अतिरिक्त परिश्रम एवं पराक्रम से ही सफलता अर्जित कर सकेंगे। साथ ही अधिक शुभ फलों की प्राप्ति के लिए आपको नियमित रूप से बृहस्पति के व्रत, पूजा तथा दानादि कार्य करना चाहिए।

गोचर वश शनि की स्थिति इस वर्ष सप्तम भाव में रहेगी। अतः इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा। इस समय व्यापार या कार्य क्षेत्र में आप पराक्रम एवं परिश्रम से उन्नति करेंगे तथा नौकरी या राजनीति में भी कोई सफलता मिल सकती है। इस समय माता तथा पत्नी का स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा साथ ही यदा कदा दाम्पत्य संबंधों में भी तनाव की भी संभावना रहेगी। मानसिक रूप से आप परेशान से रहेंगे लेकिन अपने सांसारिक महत्व के कार्य कलापों को परिश्रम पूर्वक सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे तथा इनमें आपको न्यूनाधिक सफलता मिलती रहेगी। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी परन्तु भविष्य में लाभदायक स्रोतों में वृद्धि होगी साथ ही दूर समीप की कोई यात्रा भी होगी लेकिन इसमें व्यय अधिक तथा लाभ कम होगा।

इसके साथ ही अन्य गोचर फल शुभ परन्तु दशाफल विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे फलतः यदा कदा आपको शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यों में व्यवधानों का सामना करना पड़ सकता है परन्तु आप इनका समाधान करने में समर्थ रहेंगे तथा परिश्रम पूर्वक सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही आप आवास या जायदाद संबंधी कार्य के विषय में भी कोई योजना बना सकते है।

गोचरवश इस वर्ष में राहु की स्थिति एकादश भाव तथा केतु की स्थिति पंचम भाव में रहेगी। इनके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए शुभ फल प्रदान करेगा। यदा कदा अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में इस समय आप परिश्रम से सफलता प्राप्त करेंगे। लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको किसी पद की प्राप्ति होगी जिससे समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा बढेगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक

दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए शुभ ही रहेगा एवं आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी जिससे आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। लेकिन इस समय आप यदा कदा क्रोधाधिक्य का प्रदर्शन करेंगे। तथा सन्तति पक्ष से अप्रसन्न तथा असंतुष्ट रहेंगे। इस समय उनका स्वास्थ्य भी प्रभावित हो सकता है। साथ ही गोचरफल प्रतिकूल रहेंगे तथा दशा फल शुभ फल प्रदान करेगी। अतः आप इस वर्ष शुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे।

चन्द्र की महादशा में राहु का अंतर 22/07/2021 को समाप्त होगा। उसके बाद गुरु का अंतर प्रारंभ होगा। राहु दशम् भाव में धनु राशि में स्थित हैं जबकि गुरु एकादश भाव में मकर राशि में स्थित हैं।

यह समय आपके लिए शुभ रहेगा इस समय आपमें साहस तथा आत्मविश्वास के भाव की अधिकता रहेगी तथा आपको शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता प्राप्त होगी व्यापार में लाभ होगा एवं उन्नति के मार्ग प्रशस्त रहेंगे साथ ही ऐसे समय में कुछ महत्वपूर्ण सुअवसरों की भी प्राप्ति होगी यदि नौकरी में है तो पदोन्नति की सम्भावना में वृद्धि होगी तथा अधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे आर्थिक स्थिति में भी सुदृढ़ता रहेगी एवं प्रचुर मात्रा में धनार्जन होता रहेगा एवं आयस्रतों में भी वृद्धि होगी परिवार के सदस्यों का आपके प्रति सहयोग का भाव रहेगा तथा आपस में सभी लोग मिलजुल कर रहेंगे तथा एक दूसरें को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। इस समय परिवार में भी कोई शुभ या मांगलिक उत्सव भी सम्पन्न होगा इसके अतिरिक्त सामजिक मान प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा दूर समीप की लाभ एवं सम्मानददायक यात्राएं भी सम्पन्न होंगी।

यह समय आपके लिए शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा इस समय आपकी इच्छाएँ तथा आकांक्षाएं पूर्ण होगी तथा व्यापार में सर्वत्र उन्नति एवं लाभमार्ग प्रशस्त रहेंगे। यदि नौकरी में है तो पदोन्नति के प्रबल योग बनेंगे तथा अधिकारी वर्ग से मधुर सम्बंध रहेंगे तथा वे आपसे सन्तुष्ट एवं प्रभावित रहेंगे साथ ही प्रभावशाली एवं महत्वपूर्ण लोगों से सम्पर्क स्थापित होंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग समय समय पर मिलता रहेगा। आर्थिक स्थिति में इस समय सुदृढ़ता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होगा साथ ही आय स्रोतों में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त शुभ एवं लाभदायक दूर समीप की यात्राएं समय समय पर होती रहेंगी। जिनसे आपको भविष्य में लाभ तथा आत्मसम्मान प्राप्त होगा मित्रवर्ग से भी सहयोग मिलता रहेगा तथा सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी साथ ही घरेलू महत्व की वस्तुओं पर भी व्यय करेंगे अतः समय का सदुपयोग करें।

फलादेश - 2022

गोचरवश इस वर्ष में बृहस्पति की स्थिति नवम भाव में रहेगी। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा अन्य जनों के परोपकार सम्बन्धी कार्य भी सम्पन्न करेंगे। शारीरिक एवं मानसिक रूप से भी आप स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। इस वर्ष में आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण रुके हुए कार्य बन जाएँगे तथा व्यापार या कार्यक्षेत्र में भी नवीन लाभदायक योजनाओं का प्रारम्भ होगा। साथ ही नौकरी या राजनैतिक क्षेत्र में भी आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी। समाज में इस समय आप एक प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में उभर सकेंगे तथा मान प्रतिष्ठा एवं प्रसिद्धि में भी वृद्धि होगी। आर्थिक दृष्टि से भी वर्ष शुभ रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में लाभ एवं धनार्जन होता रहेगा। गोचरफल इस वर्ष अशुभ फल प्रदान करेंगे परन्तु दशा फल शुभ रहेगी अतः उपर्युक्त शुभ फलों में यदा कदा अल्पता का आभास होगा परन्तु सामान्यतया परिणाम सुखद ही रहेंगे।

गोचर वश शनि की स्थिति इस समय अष्टम भाव में रहेगी। अतः इसके प्रभाव से आपका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा आपके सांसारिक महत्व के शुभ कार्य भी उत्साह एवं परिश्रम से ही सम्पन्न होंगे। पत्नी का स्वास्थ्य इस वर्ष प्रभावित रहेगा। फलतः दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी तथा संबंधों में भी यदा कदा तनाव रहेगा। आर्थिक दृष्टि से भी समय सामान्य रहेगा तथा धन एवं लाभार्जन आवश्यकता के अनुसार ही रहेगा तथा सन्तुष्टि अल्प ही रहेगी। आय स्रोतों की वृद्धि में भी समस्याएं उत्पन्न होंगी। इस समय कार्य क्षेत्र में भी आप परिश्रम एवं पराक्रम से ही न्यूनाधिक सफलता अर्जित कर सकते हैं।

इस वर्ष में अन्य गोचर फल शुभ परन्तु दशाफल अनुकूल नहीं रहेगी। अतः शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। साथ ही शनि की दशा का भी प्रभाव न्यूनाधिक रहेगा। अतः इसके लिए आपको शनि का नियमित पूजन तथा दान करना चाहिए एवं शरीर की बाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में नीलम या लोहे की अंगूठी धारण करनी चाहिए। इससे अशुभ प्रभाव कम होंगे एवं शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

गोचरीय परिभ्रमण के फलस्वरूप इस वर्ष राहु दशम तथा केतु चतुर्थ भाव मे रहेगा इनके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए सामान्य रहेगा। तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सफल करने में आप समर्थ रहेंगे। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में इस समय आप उन्नति एवं सफलता प्राप्त करेंगे तथा अन्यत्र भी लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपकी पदोन्नति की संभावना रहेगी समाज में आपका प्रभाव रहेगा। इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों से भी आपके सम्पर्क बनेंगे तथा भविष्य में उनसे लाभ तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस वर्ष अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धनार्जन होता रहेगा। माता पिता के स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। यदा कदा वे शारीरिक तथा मानसिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। वाहन सुख में भी इस वर्ष अल्पता रहेगी। इस समय आयगोचरफल आपके लिए अशुभ रहेंगे परन्तु दशा अनुकूल फल प्रदान करेगी। अतः आप अधिकांशतया शुभ फल ही प्राप्त करेंगे।

चन्द्र की महादशा में गुरु का अंतर 21/11/2022 को समाप्त होगा। उसके बाद शनि का अंतर प्रारंभ होगा। गुरु एकादश भाव में मकर राशि में स्थित हैं जबकि शनि चतुर्थ भाव में मिथुन राशि में स्थित हैं।

यह समय आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा इस समय सुअवसरों में न्यूनता आएगी जिससे लाभ एवं उन्नति मार्ग अवरुद्ध रहेंगे। मित्रवर्ग से ऐसे समय में कोई लाभ एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा आपस में विश्वसनीयता के भाव में कमी आएगी व्यापार में लाभमार्ग प्रभावित होंगे तथा हानि की सम्भावना बनेगी यदि नौकरी में हैं तो पदोन्नति सम्बंधी व्यवधान आएंगे एवं अधिकारी वर्ग से सम्बंधों में तनाव होगा। साथ ही ऐसं समय में किसी नवीन कार्य का आरम्भ नहीं करना चाहिए। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि में न्यूनता आएगी एवं सदस्यों का आपस में मतभेद तथा तनाव रहेगा। आर्थिक स्थिति में भी विषमता रहेगी एवं आय स्रोतों में कमी आएगी लेकिन दूर समीप की यात्राओं से लाभ की प्रबल सम्भावना रहेगी। अतः सयमपूर्वक समय व्यतीत करें।

यह समय आपके लिए शुभ एवं अनुकूल नहीं रहेगा इस समय आपको सन्तोषजनक परिणामों की प्राप्ति नहीं होगी तथा समस्याओं एवं व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा अतः अनुकूल फल प्राप्ति के लिए आपको अतिरिक्त परिश्रम का प्रदर्शन करना पड़ेगा। साथ ही नवीन पूंजी निवेश या नवीन कार्य प्रारम्भ करने से हानि हो सकती है। पारिवारि सुख शान्ति में भी इस समय न्यूनता रहेगी। तथा सदस्यों का आपस में वैमनस्य एवं मतभेद का भाव रहेगा साथ ही किसी सदस्य का स्वास्थ्य भी प्रभावित हो सकता है। लेकिन प्रभावशाली लोगों से सम्पर्क स्थापित करने में समर्थ रहेंगे तथा उनसे अवसरानुकूल लाभ भी मिलेगा। इसके अतिरिक्त पूराने ऋणों से मुक्ति मिलेगी तथा दूर समीप की यात्राओं से आपको लाभ होगा।

फलादेश - 2023

गोचरवश इस वर्ष में बृहस्पति दशम भाव में भ्रमण करेगा। अतः यह वर्ष आपके लिए काफी महत्वपूर्ण रहेगा। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में इस समय आप उन्नति एवं सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों से भी आपके मधुर सम्बन्ध बनेंगे। फलतः इनसे आपको इच्छित लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। इस वर्ष में आपको राज्यस्तर पर किसी सम्मान से सम्मानित भी किया जा सकता हैं। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए यह वर्ष अच्छा रहेगा तथा सभी लोग प्रेमपूर्वक रहेंगे। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए अच्छा रहेगा एवं आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। लेकिन इस समय विश्राम का अभाव रहेगा तथा सांसारिक कार्यों को संपन्न करने में आप तत्पर रहेंगे। इस समय अन्य लोगो से आपको शालीनता का व्यवहार भी करना चाहिए। इसके अतिरिक्त गोचरफल अशुभ परन्तु दशा शुभ फल प्रदान करेगी अतः यह वर्ष सामान्यतया शुभ रहेगा।

गोचर वश शनि की स्थिति इस समय अष्टम भाव में रहेगी। अतः इसके प्रभाव से आपका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा आपके सांसारिक महत्व के शुभ कार्य भी उत्साह एवं परिश्रम से ही सम्पन्न होंगे। पत्नी का स्वास्थ्य इस वर्ष प्रभावित रहेगा। फलतः दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी तथा संबंधों में भी यदा कदा तनाव रहेगा। आर्थिक दृष्टि से भी समय सामान्य रहेगा तथा धन एवं लाभार्जन आवश्यकता के अनुसार ही रहेगा तथा सन्तुष्टि अल्प ही रहेगी। आय स्रोतों की वृद्धि में भी समस्याएं उत्पन्न होंगी। इस समय कार्य क्षेत्र में भी आप परिश्रम एवं पराक्रम से ही न्यूनाधिक सफलता अर्जित कर सकते हैं।

इस वर्ष में अन्य गोचर फल शुभ परन्तु दशाफल अनुकूल नहीं रहेगी। अतः शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। साथ ही शनि की दशा का भी प्रभाव न्यूनाधिक रहेगा। अतः इसके लिए आपको शनि का नियमित पूजन तथा दान करना चाहिए एवं शरीर की बाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में नीलम या लोहे की अंगूठी धारण करनी चाहिए। इससे अशुभ प्रभाव कम होंगे एवं शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

गोचरीय परिभ्रमण के फलस्वरूप इस वर्ष राहु दशम तथा केतु चतुर्थ भाव मे रहेगा इनके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए सामान्य रहेगा। तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सफल करने में आप समर्थ रहेंगे। व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में इस समय आप उन्नति एवं सफलता प्राप्त करेंगे तथा अन्यत्र भी लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपकी पदोन्नति की संभावना रहेगी समाज में आपका प्रभाव रहेगा। इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों से भी आपके सम्पर्क बनेंगे तथा भविष्य में उनसे लाभ तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस वर्ष अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धनार्जन होता रहेगा। माता पिता के स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। यदा कदा वे शारीरिक तथा मानसिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। वाहन सुख में भी इस वर्ष अल्पता रहेगी। इस समय आयगोचरफल आपके लिए अशुभ रहेंगे परन्तु दशा अनुकूल फल प्रदान करेगी। अतः आप अधिकांशतया शुभ फल ही प्राप्त करेंगे।

इस वर्ष चन्द्र की महादशा में शनि का अंतर रहेगा। शनि चतुर्थ भाव में मिथुन राशि में स्थित हैं जबकि चन्द्र पंचम् भाव में कर्क राशि में स्थित हैं।

यह समय आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा इस समय आपको इच्छित परिणामों की प्राप्ति नहीं होगी तथा विगत सोची समझी योजनाओं में परिश्रम करने पर भी सफलता नहीं मिलेगी। व्यापार में भी आपको अनावश्यक समस्याओं तथा बाधाओं का सामना करना पड़ेगा आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा आय स्रोतों में कमी के कारण आपको समय समय पर आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि में भी न्यूनता रहेगी तथा सदस्यों का आपस में मतभेद तथा वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे एक दूसरे को सहयोग नहीं देंगे मित्रवर्ग से भी सहयोग में न्यूनता रहेगी। शत्रु वर्ग से भी परेशानी हो सकती है अतः सयंमपूर्वक कार्य करें।

फलादेश - 2024

इस वर्ष में गोचरवश बृहस्पति एकादश भाव में संक्रमण करेगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय आपके नवीन आय साधनों में वृद्धि होगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी। अतः आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। व्यापार या कार्यक्षेत्र में भी आपको वांछित उन्नति तथा सफलता मिलेगी। नौकरी या राजनीति आदि में पदोन्नति की भी संभावना रहेगी। ज्योतिष शास्त्र में आप इस समय पूर्ण श्रद्धा व्यक्त करेंगे तथा व्यस्तता के उपरान्त भी मानसिक प्रसन्नता एवं संतुष्टि से युक्त रहेंगे। सामाजिक क्षेत्र में भी इस वर्ष आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपकी प्रसिद्धि फैलेगी। जिससे सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। साथ ही आय गोचर तथा दशाफल भी इस समय शुभ फल प्रदान करेंगे। अतः यह वर्ष आप का अत्यन्त ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

इस वर्ष में गोचर वश शनि की स्थिति अष्टम भाव में रहेगी। अतः सामान्य रूप से यह समय आपके लिए अच्छा रहेगा। इस समय शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य सामान्य रहेगा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह एवं पराक्रम से सम्पन्न करेंगे। पत्नी का स्वास्थ्य भी इस समय ठीक ही रहेगा तथा दाम्पत्य सुख भी अनुकूल रहेगा। आर्थिक दृष्टि से भी वर्ष अच्छा रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इस समय पारिवारिक जनों बन्धु एवं मित्र वर्ग से भी आपके संबंध सामान्य ही रहेंगे। साथ ही परिश्रम पूर्वक कार्य क्षेत्र की उन्नति भी होती रहेगी ।

इस वर्ष में अन्य गोचर तथा दशाफल भी शुभफलदायक रहेंगे अतः आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होते रहेंगे तथा मानसिक सन्तुष्टि आपको प्राप्त होगी। लेकिन शनि की दशा का भी न्यूनाधिक प्रभाव दृष्टि गोचर होगा यद्यपि इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा तथापि इसको अनुकूल करने के लिए आपको शनि का पूजन तथा दान नियमित रूप से करना चाहिए एवं शनिवार को बाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में नीलम या लोहे की अंगूठी धारण करनी चाहिए इससे इसकी शुभता बनी रहेगी।

इस वर्ष में गोचरवश राहु की स्थिति नवम तथा केतु की स्थिति तृतीय भाव में रहेगी। अतः इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए सामान्य रहेगा। इस समय धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी। तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे तथा भाग्यबल में भी प्रबलता रहेगी। शारीरिक स्वास्थ्य इस समय आपका अच्छा रहेगा परन्तु स्वभाव में क्रोधकी प्रबलता रहेगी जिससे यदा कदा मानसिक परेशानी उत्पन्न होगी। केतु के प्रभाव से इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इस समय आपकी आर्थिक स्थिति भी अच्छी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन ऐश्वर्य अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। व्यापारिक एवं कार्यक्षेत्र में भी आपकी उन्नति होगी। इसके साथ ही आय गोचरफल एवं दशा भी इस समय अनुकूल रहेगी। अतः इस वर्ष में आपको शुभ फल ही

अधिक मात्रा में प्राप्त होंगे।

चन्द्र की महादशा में शनि का अंतर 21/06/2024 को समाप्त होगा। उसके बाद बुध का अंतर प्रारंभ होगा। शनि चतुर्थ भाव में मिथुन राशि में स्थित हैं जबकि बुध दशम् भाव में धनु राशि में स्थित हैं।

यह समय आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा इस समय पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि में न्यूनता रहेगी तथा सहयोग का अभाव रहेगा। व्यापार में आपको समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा अतः कोई भी पूंजी निवेश सोच समझकर सम्पन्न करें। नौकरी में भी पदोन्नति सम्बंधी विलम्ब होंगे एवं अधिकारी वर्ग से म्बंधों में तनाव रहेगा तथा आपको अतिरिक्त कार्य भार भी वहन करना पड़ सकता है। मित्रवर्ग से भी कोई सहयोग नहीं मिलेगा तथा आपस में विश्वसनीयता के भाव में कमी आएगी इसके अतिरिक्त शत्रुवर्ग से भी परेशानी होगी अतः इनसे आपको पूर्ण सावधान रहना चाहिए। साथ ही अपने स्यवास्थ्य के प्रति ध्यान देना चाहिए।

यह समय आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा इस समय आत्मविश्वास तथा साहस के भाव में न्यूनता रहेगी जिससे उन्नति तथा लाभ मार्ग में समस्याएं उत्पन्न होगी साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में भी स्थिति प्रतिकूल रहेगी यदि नौकरी में है तो पदोन्नति में अनावश्यक विलम्ब होगा एवं अधिकारी वर्ग से संबधों में तनाव रहेगा पारिवारिक सुख शांति एवं समृद्धि में भी न्यूनता रहेगी तथा सदस्यों का परस्पर असहयोग एवं मतभेद रहेगा। सामजिक मान प्रतिष्ठा में भी न्यूनता रहेगी तथा विशिष्ट उपलब्धि अर्जित करने में असमर्थ रहेंगे इसके अतिरिक्त अनिच्छित तथा व्यर्थ की दूर समीप की यात्राएं सम्पन्न होगी लेकिन शत्रु एवं प्रतिद्वन्दियों को पराजित तथा प्रभावित करने में समर्थ रहेंगे अतः ऐसे समय को संयम एवं बुद्धिमत्ता पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।

फलादेश - 2025

इस वर्ष में गोचरीय परिभ्रमण से बृहस्पति की स्थिति द्वादश भाव में रहेगी। अतः आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा परन्तु मानसिक रूप से यदा कदा आप अशान्ति की अनुभूति करेंगे। आर्थिक स्थिति भी आपकी सामान्य रहेगी तथा व्यय अधिक होगा जिससे आप अल्प मात्रा में परेशानी की अनुभूति करेंगे। इस वर्ष में आप किसी शुभ एवं मांगलिक कार्य पर व्यय भी कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए आपको अधिक पराक्रम एवं परिश्रम करना पड़ेगा तभी न्यूनाधिक सफलता प्राप्त हो सकती है। इस वर्ष में आपकी दूर समीप की कोई यात्रा सम्पन्न होगी साथ ही इसमें व्यय की भी अधिकता रहेगी जिससे आर्थिक विषमता उत्पन्न होगी परन्तु भविष्य में आपकी लाभ की संभावनाएं बन सकती हैं।

इसके साथ ही इस समय अन्य गोचर शुभ परन्तु दशा मध्यम रहेगी अतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको पराक्रम एवं परिश्रम से ही लाभ एवं सुख की प्राप्ति होगी। साथ ही यत्न पूर्वक आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः अधिक शुभ फलों की प्राप्ति के लिए आपको नियमित रूप से बृहस्पति का पूजन व्रत तथा दानादि करना चाहिए।

गोचरवश इस वर्ष में शनि नवम भाव में संक्रमण करेगा अतः यह वर्ष आपके लिए अच्छा रहेगा। इस समय समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा मैं वृद्धि होगी तथा एक प्रभावी व्यक्ति के रूप में आपका सम्मान करेंगे। शत्रु एवं प्रतिद्वन्दियों पर विजय प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही धर्म एवं धार्मिक कृत्यों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा तथा यत्नपूर्वक आप इनको करने में तत्पर रहेंगे। आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा रहेगा एवं इच्छित मात्रा में धन तथा लाभ की प्राप्ति वर्ष भर होती रहेगी। परन्तु पिता का स्वास्थ्य इस समय अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरकि रूप से वे परेशानी की अनुभूति कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आय गोचर फल इस समय अशुभ रहेंगे। परन्तु दशाफल शुभ फल प्रदान करेगी। अतः यदा कदा आपको मानसिक या अन्य परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। परन्तु सामान्य समय अच्छा ही व्यतीत होगा।

गोचर वश इस वर्ष राहु की स्थिति अष्टम तथा केतु की द्वितीय भाव में रहेगी। अतः इसके प्रभाव से आपका स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी यदा कदा आप परेशानी की अनुभूति करेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय मध्यम ही रहेगी तथा यदा कदा पारिवारिक जनों के मध्य परस्पर मतभेद एवं तनाव रहेगा लेकिन यह अल्पकालीन होगा। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सामान्य रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करेंगे। साथ ही व्यय भी अधिक होगा। इस वर्ष आप कोई विशिष्ट या अचानक लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। लाटरी जुए या सट्टे आदि से भी किंचित लाभ की संभावना रहेगी। व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए वर्ष अनुकूल रहेगा तथा सामान्यतया परिश्रम एवं पराक्रम से सफलताएं मिलती रहेंगी।

इसके साथ ही इस वर्ष में अन्य गोचर फल शुभ परन्तु दशा मध्यम रहेगी। अतः

सांसारिक महत्व के कार्यों को सम्पन्न करने में आपको समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा तथा आय स्रोतों की वृद्धि में भी विलम्ब होगा। अतः अधिक शुभ फलों की प्राप्ति के लिए आपको राहु केतु की नियमित पूजा जप तथा दानादि कार्य सम्पन्न करने चाहिए।

चन्द्र की महादशा में बुध का अंतर 21/11/2025 को समाप्त होगा। उसके बाद केतु का अंतर प्रारंभ होगा। बुध दशम् भाव में धनु राशि में स्थित हैं जबकि केतु चतुर्थ भाव में मिथुन राशि में स्थित हैं।

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा इस समय बुध की केन्द्र में स्थिति होने के कारण अपनी सक्रियता तथा व्यावहारिकता से आप शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता अर्जित करने में समर्थ रहेंगे व्यापार में स्थिति संतोष प्रद रहेगी तथा उन्नति एवं लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे यदि नौकरी में है तो पदोन्नति के अवसर मिलेंगे एवं अधिकारी तथा सहयोगियों से मधुर संबध रहेंगे साथ ही उन्नति कारक स्थानान्तरण की भी संभावना बनेगी पारिवारिक सुख शांति तथा समृद्धि अनुकूल रहेगी तथा सभी लोग आपस में मिल जुलकर रहेंगे एवं एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे साथ ही कोई शुभ या मांगलिक उत्सव भी परिवार में सम्पन्न हो सकता है इसके अतिरिक्त प्रभावशाली लोगों से भी सम्पर्क स्थापित होंगे तथा उनसे वांछित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होगा। अतः समय का सदुपयोग करें।

यह समय आपके लिए अनुकूल रहेगा तथा इच्छित परिणामों को अर्जित करने में समर्थ रहेंगे व्यापार में भी आपकी प्रगति सन्तोषजनक रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में लाभार्जन भी होगा इस समय आप नवीन पूंजी निवेश भी कर सकते है जिससे भविष्य में पूर्ण लाभ की ससम्भावना रहेगी आर्थिक दृष्टि से भी इस समय सुदृढ़ता रहेगी एवं प्रचुर मात्रा में धनार्जन होता रहेगा एवं आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। नौकरी में पदोन्नति के अवसर बनेंगे एवं अधिकारी वर्ग से सम्बंधों में सम्बंधों में मधुरता रहेगी तथा कार्यस्तर में भी सुधार होगा। पारिवारिक सुख शान्ति में भी अनुकूलता रहेगी तथा सभी सदस्य आपस में प्रेमपूर्वक रहेंगे एवं एक दूसरें को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे इसके अतिरिक्त मित्रवर्ग से भी आपको पूर्ण लाभ एवं सहयोग मिलता रहेगा तथा उतरार्ध के अन्तिम भाग में आपको विशेष सफलता मिलेगी।

फलादेश - 2026

इस वर्ष गोचरवश बृहस्पति प्रथम भाव में भ्रमण करेगा। इसके प्रभाव से इस समय आपके मानसिक शारीरिक एवं सामाजिक धरातल में महत्वपूर्ण परिवर्तन होंगे तथा कार्यक्षेत्र में आपको विशिष्ट उन्नति प्राप्त होगी। इस वर्ष में अविवाहितों के लिए विवाह का योग बनेगा। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा धार्मिक कार्य कलपों को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। आर्थिक दृष्टि भी सुदृढ होगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होकर प्रचुर मात्रा में धन लाभ होगा। आपके विगत रुके हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होंगे। इस समय आप अपने को अनुभवी व्यक्ति समझेंगे परन्तु विश्राम का अभाव रहेगा तथा कार्य करने में आप तत्पर रहेंगे। साथ ही आय गोचरफल तथा दशा फल भी शुभ रहेंगे अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

इस वर्ष में गोचरवश शनि नवम भाव में भ्रमण करेगा। अतः इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए अच्छा रहेगा। इस समय शत्रु एवं प्रतिद्वन्दियों को परास्त करने में आप सफल होंगे तथा समाज में एक प्रभावी एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में आपकी छवि बनेगी। धर्म एवं धार्मिक कर्मो के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी एवं यत्नपूर्वक आप इनमें अपनी श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे। परन्तु मानसिक स्थिति इस समय विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा अधिकांशतया आप किंकर्तव्यविमूढ़ से बने रहेंगे। अतः महत्वपूर्ण निर्णय लेने में आपको काफी परिश्रम करना पड़ेगा। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष उत्तम रहेगा एवं प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। लेकिन इस वर्ष में पिता का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता हैं अतः उनका पूर्ण ध्यान रखें। साथ ही इस वर्ष में आय गोचरफल तथा दशा फल भी शुभ फल प्रदान करेंगे अतः यह वर्ष आपके लिए सौभाग्यपूर्ण रहेगा।

इस वर्ष गोचर वश राहु की स्थिति अष्टम भाव तथा केतु की द्वितीय भाव में रहेगी। इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा। इस समय शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में शान्ति तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी समयानुकूल शुभ रहेगी तथा सभी पारिवारिक जन परस्पर स्नेह एवं सहयोग का भाव रखेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय अच्छी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा। इस वर्ष आपको विशिष्ट या आकस्मिक धन लाभ भी हो सकता है। लाटरी सट्टे या जुए आदि से भी आप लाभान्वित हो सकते हैं। व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए समय उन्नतिशील रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक आपके लाभ तथा सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे।

इसके साथ ही इस वर्ष में अन्य गोचर फल तथा दशा भी शुभ रहेगी। अतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को समय पर सम्पन्न करेंगे तथा आय स्रोतों की वृद्धि करने में भी समर्थ रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ फलदायक ही अधिक रहेगा।

चन्द्र की महादशा में केतु का अंतर 22/06/2026 को समाप्त होगा। उसके बाद शुक्र का अंतर प्रारंभ होगा। केतु चतुर्थ भाव में मिथुन राशि में स्थित हैं जबकि शुक्र एकादश भाव

में मकर राशि में स्थित हैं।

यह समय आपके लिए सामान्यतया अच्छा रहेगा तथा इच्छित परिणामों को अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। परिवार में इस समय सुख शान्ति बनी रहेगी तथा सभी सदस्य आपस में प्रेमपूर्वक रहेंगे एवं एक दूसरें को सहयोग प्रदान करेंगे। व्यापार में भी आपको सफलता मिलेगी एवं आप उन्नति मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। साथ ही कुछ नवीन योजनाएं भी बनेंगी नौकरी में पदोन्नति के अवसरों में वृद्धि होगी तथा अधिकारी वर्ग आपसे संतुष्ट तथा प्रभावित रहेंगे। आर्थिक स्थिति में भी इस समय अनुकूलता रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धनार्जन होता रहेगा एवं आयसाधनों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त मित्रवर्ग से भी वांछित लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा आपसी विश्वसनीयता के भाव में वृद्धि होगी। साथ ही अन्तमन से भी सहायता प्राप्त होगी। परन्तु यात्राओं से कोई लाभ नहीं होगा।

यह समय आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा इस समय आपकी महत्वकांशी योजनाएं सफल होंगी तथा व्यापार में भी कई सुअवसरो की की प्राप्ति होगी जिससे आपको वांछित लाभ मिलेगा। यदि नौकरी में है तो पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से सम्बंधों में मधुरता रहेगी एवं वे आपसे प्रभावित रहेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी उत्तम रहेगी तथा सभी लोग आपस में मिलजुल कर रहेंगे तथा एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही प्रभावशाली लोगों से आपके सम्बंध स्थापित होंगे तथा उनसे आपको भविष्य में लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा इसके अतिरिक्त शुभ एवं लाभदायक यात्राएं भी होंगी जिनसे भविष्य के लिए नवीन आयाम स्थापित होंगे। अतः ऐसे समय का सदुपयोग करने के लिए तत्पर रहें।

फलादेश - 2027

इस वर्ष में बृहस्पति आपकी कुँडली में द्वितीय भाव में गोचरवश परिभ्रमण करेगा। अतः इसके शुभ प्रभाव से आपकी स्थिति सुदृढ होगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन होता रहेगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इस समय आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती हैं। परन्तु यदा कदा व्ययाधिक्य के कारण मानसिक असंतुष्टि रहेगी। इस वर्ष में सामाजिक क्षेत्र में आप की प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा आपको इच्छित आदर प्रदान करेंगे। धर्म के प्रति भी इस समय आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा तथा धार्मिक कर्मों को सम्पन्न करने में आप रुचिशील रहेंगे। इस वर्ष में जमीन जायदाद संबन्धी या व्यापारिक क्षेत्र में भी आपको वांछित उन्नति एवं सफलता प्राप्त होगी तथा तभी भी ओजस्चिता युक्त रहेगी। फलतः सभी लोग आपकी वातों को ध्यान पूर्वक सुनेंगे। परन्तु अन्य गोचरफल तथा दशा फल अशुभ रहेंगे। अतः उपर्युक्त शुभ फलों में न्यूनता रहेगी जिससे यदा कदा आप मानसिक रूप से परेशान रहेंगे तथा अत्यन्त परिश्रम तथा संघर्ष करेंगे।

इस वर्ष में शनि की स्थिति गोचरवश दशम भाव में रहेगी। अतः यह समय आपके लिए उन्नतिकारक रहेगा। इस समय व्यापारिक क्षेत्र में आपको सफलता प्राप्त होगी तथा किसी महत्वपूर्ण परिवर्तन के विषय में भी आप सोच सकते हैं। राजनैतिक क्षेत्र में आपको किसी पद की प्राप्ति होगी या राजनैतिक लोगों से आपके सम्बन्ध बनेंगे। नौकरी या अन्य कार्य क्षेत्र में भी आपकी पदोन्नति के आसार बनेंगे। आर्थिक दृष्टि से आपकी स्थिति अनुकूल रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। फलतः धनाभाव नहीं रहेगा परन्तु स्वास्थ्य के प्रति आपको सतर्क रहना चाहिए क्योंकि ऐसे समय में आप रक्तचाप संबन्धी कष्ट से परेशानी की अनुभूति कर सकते हैं। इसके साथ ही गोचर फल एवं दशा फल आपके लिए विशेष शुभ नहीं रहेंगे। अतः उपर्युक्त शुभ फलों में यदा कदा आपको न्यूनता की अनुभूति हो सकती है। तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य की सिद्धि के लिए अत्यन्त ही संघर्ष एवं परिश्रम करना पड़सकता है।

इस वर्ष में गोचरीय भ्रमण के अनुसार राहु की स्थिति सप्तम तथा केतु की प्रथम में रहेगी। इसके प्रभाव से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा। इस समय शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही पत्नी का स्वास्थ्य भी मध्यम ही रहेगा एवं यथा कदा आपसी मतभेदों के कारण संबंधों में तनाव भी हो सकता है। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यधिक परिश्रम एवं संघर्ष से सम्पन्न होंगे। तभी किंचित लाभ एवं सुख की प्राप्ति हो सकती है। आर्थिक स्थिति भी इस समय सामान्य ही रहेगी एवं व्ययाधिक्य के कारण यदा कदा कोई परेशानी भी हो सकती है। व्यापार या कार्य क्षेत्र में इस समय साझेदार या सहयोगियों से आपके लिए न्यूनाधिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती है अतः इनसे इस समय पूर्ण सतर्क रहना चाहिए। इस समय आपको अपने समस्त सांसारिक कार्यों को बुद्धिमता से ही सम्पन्न करना चाहिए।

इसके साथ ही अन्य गोचर एवं दशा का प्रभाव भी शुभ नहीं रहेगा। जिससे कार्य या

व्यापार आदि में परेशानियां रहेंगी तथा आय स्रोतों में भी व्यवधान आएंगे। अतः शुभ फलों में वृद्धि तथा अशुभ फलों में न्यूनता करने के लिए आपको राहु केतु की नियमित पूजा जप तथा दानादि कार्य सम्पन्न करने चाहिए।

इस वर्ष चन्द्र की महादशा में शुक्र का अंतर रहेगा। शुक्र एकादश भाव में मकर राशि में स्थित हैं जबकि चन्द्र पंचम् भाव में कर्क राशि में स्थित हैं।

यह समय आपके लिए शुभ एवं उत्तम फलदायक रहेगा। इस समय व्यापार में आपको वांछित उन्नति एवं सफलता मिलेगी तथा कुछ महत्वकांक्षी योजनाए भी कार्यान्वित होंगी। यदि नौकरी में है तो पदोन्नति के अवसर मिलेंगे तथा अधिकारी वर्ग एवं वरिष्ट सहयोगियों से सम्बंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही बेरोजगारों को ऐसे समय में रोजगार की प्राप्ति हो सकती है। पारिवारिक सुख शान्ति भी इस समय उत्तम रहेगी तथा सभी लोग आपस में प्रेमपूर्वक रहेंगे तथा एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। इस समय परिवार में कोई शुभ या मांगलिक उत्सव सम्पन्न हो सकता है। इसके अतिरिक्त प्रभावशाली एवं महत्वपूर्ण लोगो से सम्पर्क स्थापित होंगे। तथा अवसरानुकूल उनसे वांछित लाभ एवं सहयोग मिलेगा। अतः ऐसे समय का सदुपयोग करने के लिए तत्पर रहें।

फलादेश - 2028

बृहस्पति इस वर्ष आपकी कुँडली में द्वितीय भाव में प्रवेश करेगा। इसके शुभ प्रभाव से आपकी आर्थिक स्थिति उत्तम रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन का लाभ प्राप्त करने आप समर्थ रहेंगे। पारिवारिक सुख, शान्ति एवं समृद्धि के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। तथा लोग परस्पर प्रेमपूर्वक रहेंगे। इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की भी प्राप्ति हो सकती है। लेकिन कभी कभी व्यय की भी अधिकता होगी जिससे आप का मन खिन्न रहेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा के लिए यह वर्ष शुभ रहेगा तब समाज में एक प्रतिष्ठित एवं प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में आदरणीय समझे जाएंगे। धार्मिक कर्मो में भी आपको रुचि उत्पन्न होगी व वाणी में मधुरता तथा ओजस्विता का भाव आएगा एवं अन्य लोग आपकी वातो से प्रभावित होंगे। इस वर्ष में जायदाद या व्यापारिक क्षेत्र में भी आप इच्छित लाभ अर्जित करेंगे। परन्तु इस वर्ष में आय गोचरफल अधिक शुभ नहीं रहेगा तथा अशुभ फलों की समय समय पर प्राप्ति होगी परन्तु दशाफल अनुकूल फल प्रदान करेगी तथापि यदा कदा उपर्युक्त शुभ फलों में आपको न्यूनता का आभास अवश्य होगा। परन्तु शुभ फलों की प्राप्ति ही अधिक होगी यद्यपि इसके लिए आपको अतिरिक्त परिश्रम तथा संघर्ष करना पड़ेगा।

इस वर्ष में गोचरवश स्थिति दशम भाव में रहेगी। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं उन्नतिकारक रहेगा। इस समय व्यापारिक क्षेत्र में आप उन्नति या कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन कर सकते हैं। साथ ही राजनीति में संलग्न हों तो उसमें आप किसी महत्वपूर्ण पद को प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे या राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों से आपका संबन्ध बढ़ेगा। नौकरी या अन्य कार्य क्षेत्र में भी पदोन्नति की संभावनाएं प्रबल होंगी। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। लेकिन शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहें। इस समय रक्तचाप सम्बन्धी परेशानी उत्पन्न हो सकती हैं। इसके साथ ही आय गोचर फल अशुभ रहेगा परन्तु दशा शुभ फल प्रदान करेगी अतः उपर्युक्त शुभ फलों में यदा कदा विलम्ब तथा न्यूनता परिलक्षित होगी परन्तु अंतिम परिणाम सन्तोषजनक रहेगा।

गोचरवश इस वर्ष में राहु षष्ठ तथा केतु द्वादश भाव में रहेगा। अतः यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फल प्रदान करने वाला होगा। इस समय आपके पराक्रम तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा समाज में सभी लोग आपका यथोचित सम्मान करेंगे। साथ ही शत्रुपक्ष तथा प्रतिद्वन्दियों पर भी आप विजय प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। अतः इस वर्ष आप कोई महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षा में या मुकदद्में आदि में आपको सफलता प्राप्त हो सकती हैं। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए अच्छा रहेगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्वि होगी फलतः आवश्यक मात्रा में लाभ एवं धनार्जन होता रहेगा जिससे आर्थिक सुदृढता बनी रहेगी। परन्तु शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह समय अच्छा नहीं रहेगा तथा उदर सम्बन्धी कष्ट अथवा कब्ज या गैस आदि से आप परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही इस समय आपके मन में इच्छाओं की भी वृद्धि होगी जिनमें आप यदा कदा व्यय अधिक करेंगे। इस वर्ष में आय गोचरफल आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा परन्तु दशा शुभ फल

प्रदान करेगी। अतः उपर्युक्त शुभ फलों में यदा कदा न्यूनता आएगी परन्तु शुभ फल ही अधिक मात्रा में घटित होंगे।

इस वर्ष मंगल की महादशा प्रारंभ हो रही है। इससे विदित होता है इस समय आपकी जीवन शैली तथा कार्य क्षेत्र में परिवर्तन होगा। इस वर्ष का प्रारंभ चन्द्र की महादशा में शुक्र के अंतिम अंतर से हो रहा है और वर्ष की समाप्ति मंगल की महादशा में मंगल के प्रथम अंतर से होगी। आपकी जन्मकुंडली में महादशा का स्वामी द्वितीय भाव में मेष राशि में स्थित हैं।

यह समय आपके लिए शुभ एवं सम्मानवर्धक रहेगा। इस समय आपकी आकांक्षाएं तथा आशायें पूरी होंगी तथा व्यापार में इच्छित लाभ की प्राप्ति होगी। यदि नौकरी में है तो पदोन्नति की सम्भावना प्रबल होगी तथा अधिकारी वर्ग से सम्बंधों में मधुरता रहेगी जिससे वे आपसे सन्तुष्ट रहेंगे। परिवार के सदस्यों का आपके प्रति सहयोग का भाव रहेगा तथा सभी लोग आपस में मिलजुल कर रहेंगे जिससे परिवार में शान्ति तथा सदभाव की भावना रहेगी इसके अतिरिक्त मित्रवर्ग से आपको समयानुकूल इच्छित लाभ एवं सहयोग मिलता रहेगा तथा आपस में विश्वसनीयता के भाव में भी वृद्धि होगी। अतः ऐसे समय का यत्नपूर्वक सदुपयोग करने के लिए तत्पर रहें।

यह समय आपके लिए उन्नति एवं लाभदायक रहेगा इस समय आपके उन्नति के मार्ग प्रशस्त रहेंगे तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यदा समय पूर्ण होंगे साथ ही प्रभावशाली व्यक्तियों से भी सम्पर्क स्थापित होंगे जिनसे भविष्य में लाभ होने की प्रबल संभावनाएं बनेंगी। आर्थिक दृष्टि से स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे ऐसे समय में आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। लेकिन सांसारिक व्यय में भी वृद्धि होगी पारिवारिक सुख शांति तथा समृद्धि उत्तम रहेगी परन्तु किसी पारिवारिक सदस्य का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। मित्रवर्ग से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा यात्राओं से लाभ होगा व्यापार में इस समय विस्तार की संभावना रहेगी तथा नौकरी आदि के क्षेत्र में पदोन्नति के अवसर बनेंगे। इसके अतिरिक्त शत्रुवर्ग को भी पराजित तथा प्रभावित करने में समर्थ रहेंगे अतः ऐसे समय का आपको सदुपयोग करना चाहिए।

दशा विश्लेषण

महादशा :– चन्द्र
(22/08/2018 - 21/08/2028)

चन्द्र की महादशा की अवधि दस वर्षों की है। आपकी कुण्डली में यह 22/08/2018 को आरम्भ और 21/08/2028 को समाप्त होगी।

चंद्र पंचम भाव में अवस्थित है। पंचम भाव संपत्ति, आनन्द, मनोरंजन, मनोविनोद, विश्राम, वर्ग पहेली, जुआबाजी आदि प्रतियोगी गतिविधियों, लॉटरी प्रेम, उच्च शिक्षा और ज्ञान, अकूत सम्पत्ति तथा आध्यात्मिक गतिविधियों का द्योतक है। अतः यह अवधि आपके लिये आनंद दायक होगी और आपको समृद्धि तथा शांति की प्राप्ति होगी।

स्वास्थ्य :

महादशा स्वामी की त्रिकोण में स्थिति के कारण आपका जीवन उत्तम होगा। इस अवधि में किसी बड़े रोग अथवा दुर्घटना की सम्भावना नहीं है और आप सामान्य जीवन का आनन्द लेने में सक्षम होंगे तथा अपने दैनिक कर्त्तव्यों का नियमित रूप से बिना किसी रुकावट के सम्पादन करेंगे।

अर्थ और सम्पत्ति :

अर्थ की दृष्टि से यह दशा अनुकूल होगी जब पंचम भाव में अवस्थित महादशा के स्वामी की एकादश भाव पर दृष्टि होगी। इस अवधि में आपकी चल–अचल सम्पत्ति में वृद्धि होने की संभावना है। आपकी आय में वृद्धि होगी और आप सुख–साधनों पर व्यय करने की स्थिति को प्राप्त करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

व्यवसाय :

आप निष्कपट, सत्यवादी, भद्र तथा ईश्वर से भयभीत रहने वाले हैं इसलिए आपको सरकारी पद, राज्य की सेवा के अवसर की प्राप्ति होगी। आपकी प्रतिष्ठा और स्थिति से समाज के अन्य लोगों को ईर्ष्या होगी और आपका कोई शत्रु नहीं होगा। सट्टे की ओर प्रवृत्ति के संकेत भी हैं जिसमें आपको लाभ मिलेंगे।

पारिवारिक जीवन :

आपका पारिवारिक जीवन सौहार्द्रपूर्ण और आनन्ददायक होगा। आपके जीवन साथी सहयोगी और सहायक होंगे तथा बच्चे आज्ञाकारी होंगे। संभव है आपका कोई बेटा अपने क्षेत्र में प्रसिद्ध होगा और परिवार को प्रसिद्धि दिलाएगा। आपका मस्तिष्क साफ रहेगा और बच्चों से आपको सुख की प्राप्ति होगी।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

धर्मग्रन्थों और अन्य पुराणों के अध्ययन में आपकी प्रवृत्ति होगी।

अंर्तदशा :– चन्द्र – चन्द्र
(22/08/2018 - 22/06/2019)

चंद्र महादशा की अवधि 10 वर्ष रहेगी। आपके लिए यह 22/08/2018 को प्रारंभ होकर 21/08/2028 को समाप्त होगी। इस महादशा में चंद्र की अंतर्दशा की अवधि 10 मास रहेगी। आपके लिए यह 22/08/2018 को प्रारंभ होकर 22/06/2019 को समाप्त होगी।

चंद्रमा आपकी जन्मपत्रिका के पंचम भाव में स्थित है। पंचम भाव संतान, मनोरंजन, सैर–सपाटे, प्रेम संबंध, स्पर्धा, अच्छे–बुरे चरित्र, धार्मिकता, विवेक, धनाढ्यता और आत्मिक उत्थान का परिचायक है। चंद्रमा मन का कारक है। पंचम भाव में स्थित होकर चंद्रमा की एकादश भाव पर दृष्टि है। आप जीवन हंसी–खुशी से बिताएंगे, मनोरंजन में समय व्यतीत करेंगे, संतान से प्रेम बढ़ेगा, लोकप्रियता और प्रसिद्धि बढ़ेंगी, धर्म में रुचि होगी; आत्मा और मष्तिष्क का उत्थान होगा।

प्रतिस्पर्धा और सट्टे में लाभ संभव है। शुभत्व और सकारात्मक विचारों में वृद्धि के लिए चंद्र गायत्री मंत्र का जाप करें।

अंर्तदशा :– चन्द्र – मंगल
(22/06/2019 - 21/01/2020)

चंद्र महादशा की अवधि 10 वर्ष है। आपके लिए यह 22/08/2018 को प्रारंभ होकर 21/08/2028 को समाप्त होगी। इस महादशा में मंगल अंतर्दशा की अवधि 7 मास होगी। आपके लिए यह 22/06/2019 को प्रारंभ होकर 21/01/2020 को समाप्त होगी।

मंगल आपकी जन्मपत्रिका के द्वितीय भाव में स्थित है। द्वितीय भाव भाग्य, लाभ–हानि, सांसारिक उपलब्धियां, रत्न, वाणी, दायीं आंख, महत्वाकांक्षा, जीभ, दांत, परिवार के सदस्यों का प्रतिनिधि है। मंगल ऊर्जा का कारक है और द्वितीय भाव में स्थित होकर कुंडली के 5, 8, 9 भावों पर दृष्टिपात कर रहा है।

इस अवधि में आपकी आय उत्तम रहेगी, मगर कंजूसी बढ़ सकती है। धन संचित होगा। वाक्शक्ति उत्तम होगी। कंजूसी के कारण घर में कलह हो सकती है। नेत्रों की देखभाल करें, वाणी पर नियंत्रण रखें और कटुता से बचें।

अंर्तदशा :– चन्द्र – राहु
(21/01/2020 - 22/07/2021)

चंद्र महादशा की अवधि 10 वर्ष है। आपके लिए यह महादशा 22/08/2018 को प्रारंभ हुई और 21/08/2028 को समाप्त होगी। चंद्र महादशा में राहु की अंतर्दशा की अवधि 18 मास रहेगी। आपके लिए यह 21/01/2020 को प्रारंभ होकर 22/07/2021 को समाप्त होगी।

राहु आपकी जन्मपत्रिका के दशम भाव में स्थित है। दशम भाव सम्मान, जनता, सत्ता,

सफलता, पद और साख, दुनियादारी, प्रोन्नति, नियुक्ति, धार्मिक कार्य, सरकार से सम्मान और जांघों का परिचायक है। राहु छाया ग्रह है जो अस्तित्वहीन है मगर ग्रहों के समान प्रभावशाली है। इसका शुभत्व इसके निवास और युत ग्रह के अनुसार होता है।

इस अवधि में आप अपने कार्य में प्रवीण होंगे, खूब यात्राएं करेंगे। विश्व के कार्यकलापों का ज्ञान बढ़ेगा, प्रसिद्धि मिलेगी। साहस जरुरत से अधिक बढ़ सकता है। वासना में वृद्धि के कारण अवांछित कार्य कर सकते हैं।

अरिष्ट से बचाव के लिए 7 रत्ती का गोमेद चांदी की अंगूठी में, कच्चे दूध या गंगाजल से धोकर, अपने इष्टदेव का ध्यान करते हुए, बायें हाथ की मध्यमा उंगली में रात्रि भोजन के बाद धारण करें।

अंर्तदशा :– चन्द्र – गुरु
(22/07/2021 - 21/11/2022)

चंद्र महादशा की अवधि 10 वर्ष है। आपके लिए यह 22/08/2018 को प्रारंभ हुई। इस महादशा में बृहस्पति की अंतर्दशा की अवधि 16 मास है। यह आपके लिए 22/07/2021 को प्रारंभ होकर 21/11/2022 को समाप्त होगी।

बृहस्पति आपकी जन्मपत्रिका के एकादश भाव में स्थित है। एकादश भाव मित्रगण, समाज, महत्वाकांक्षा, इच्छाएं और उनकी पूर्ति, उद्यम में सफलता, धनलाभ, बड़े भाई, भाग्योदय और टखनों का परिचायक है। एकादश भाव में स्थित होकर गुरु कुंडली के 3, 5, 7 भावों पर दृष्टि डाल रहा है। इस अवधि में आप साहसी होंगे। धन, बुद्धि और ज्ञान की वृद्धि होगी। संपदा संचित करेंगे, प्रसिद्धि प्राप्त होगी, बहुत से मित्र होंगे। आपके लिए ज्ञानी व्यक्तियों की सेवा करना और धार्मिक, सामाजिक सेवा करना उचित रहेगा।

शुभत्व में वृद्धि के लिए पीपल को गुरुवार के दिन गुरुमंत्र का उच्चारण करते हुए जल अर्पित करें।

अंर्तदशा :– चन्द्र – शनि
(21/11/2022 - 21/06/2024)

चंद्र महादशा की अवधि 10 वर्ष है। इस महादशा में शनि की अंतर्दशा 1 वर्ष 7 मास रहेगी। आपके लिए चंद्र महादशा 22/08/2018 को प्रारंभ हुई और 21/08/2028 को समाप्त होगी। शनि अंतर्दशा 21/11/2022 को प्रारंभ होकर 21/06/2024 को समाप्त होगी।

शनि आपकी जन्मपत्रिका के चतुर्थ भाव में स्थित है। चतुर्थ भाव माता, स्वयं का मकान, घरेलू वातावरण, व्यक्तिगत संबंध, वाहन, बाग–बगीचे, पैतृक संपत्ति, शिक्षा, दूध, तालाब और झील आदि का प्रतिनिधि है। चतुर्थ भाव में स्थित होकर शनि आपकी राशि के 6, 10 और लग्न भावों पर दृष्टि डाल रहा हैं

इस अवधि में आप बीमार और अप्रसन्न हो सकते हैं। वात और कफ संबंधी शिकायतों से सावधान रहें। सुस्ती और संवेदनशीलता से बचें। घरेलू मामलों में कष्ट हो सकता है। संबंधी भी आलोचना करेंगे। नकारात्मक विचारों से बचें।

अरिष्ट से बचाव के लिए चांदी में जड़ा नौमुखी रुद्राक्ष शनिवार के दिन दायें हाथ की मध्यमा उंगली में शिव की आराधना करने के बाद शनि का वैदिक मंत्र पढ़ते हुए धारण करें।

अंर्तदशा :– चन्द्र – बुध
(21/06/2024 - 21/11/2025)

चंद्र महादशा की अवधि 10 वर्ष है। इस महादशा में बुध की अंतर्दशा 1 वर्ष 5 मास रहेगी।

आपके लिए चंद्र महादशा 22/08/2018 को प्रारंभ हुई थी और 21/08/2028 को समाप्त होगी। इसमें बुध की अंतर्दशा 21/06/2024 को प्रारंभ होकर 21/11/2025 को समाप्त होगी।

बुध आपकी जन्मपत्रिका के दशम भाव में स्थित है। दशम भाव सम्मान, जनता, सत्ता, सफलता, पद और साख, दुनियादारी, प्रोन्नति, नियुक्ति, धार्मिक कार्य, सरकार से सम्मान और जांघों का परिचायक है। दशम भाव में स्थित होकर बुध कुंडली के चतुर्थ भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व पर प्रभावी हो रहा है। इस अंतर्दशा की अवधि में आप शिक्षा–दीक्षा में उत्तम प्रगति करेंगे। आपको प्रसिद्धि और प्रसन्नता प्राप्त होंगी। दान–धर्म में रुचि होगी। व्यापार में उन्नति होगी। अध्यात्म में दिलचस्पी बढ़ेगी। हर कार्य में सफलता मिलेगी। नेत्रों के रोगों से बचाव करें।

शुभत्व में वृद्धि के लिए बुध के वैदिक मंत्र के 9000 जाप करें।

अंर्तदशा :– चन्द्र – केतु
(21/11/2025 - 22/06/2026)

चंद्रमा की महादशा की अवधि 10 वर्ष है। इसके अंतर्गत केतु अंतर्दशा 7 मास की रहेगी। आपके लिए चंद्र महादशा 22/08/2018 को प्रारंभ हुई ओर 21/08/2028 को समाप्त होगी। केतु अंतर्दशा 21/11/2025 को प्रारंभ होकर 22/06/2026 को समाप्त होगी।

केतु आपकी जन्मपत्रिका के चतुर्थ भाव में स्थित है। चतुर्थ भाव माता, स्वयं का मकान, घरेलू वातावरण, व्यक्तिगत संबंध, वाहन, बाग–बगीचे, पैतृक संपत्ति, शिक्षा, दूध, तालाब और झील आदि का प्रतिनिधि है। चतुर्थ में स्थित होकर केतु आपकी कुंडली के दशम भाव पर दृष्टि डाल रहा है।

इस अंतर्दशा की अवधि में अचानक कई परिवर्तन हो सकते हैं। जायदाद आदि में

हानि हो सकती है; सुख–चैन में कमी संभव है। माता को भी कष्ट हो सकता है।

अरिष्ट से बचाव के लिए हनुमान जी की पूजा करें। प्रतिदिन हनुमान चालीसा का जाप करें। मंगलवार और शनिवार को व्रत करें। व्रत के दिन नमक न लें। इसके अतिरिक्त कुत्तों को भोजन दें और भूरा कुत्ता पालें।

अंर्तदशा :– चन्द्र – शुक्र
(22/06/2026 - 21/02/2028)

चंद्र की महादशा की अवधि 10 वर्ष है। आपके लिए यह 22/08/2018 को प्रारंभ होकर 21/08/2028 को समाप्त होगी।

इस महादशा में शुक्र की अंतर्दशा 1 वर्ष 8 मास रहेगी। आपके लिए यह 22/06/2026 को प्रारंभ होकर 21/02/2028 को समाप्त होगी।

शुक्र आपकी जन्मपत्रिका के एकादश भाव में स्थित है। एकादश भाव मित्रगण, समाज, महत्वाकांक्षा, इच्छाएं और उनकी पूर्ति, उद्यम में सफलता, धनलाभ, बड़े भाई, भाग्योदय और टखनों का परिचायक है।

इस अवधि में आपकी सैलानी प्रवृत्ति प्रबल रहेगी। इससे बहुत से मित्र बनेंगे और लोकप्रियता बढ़ेगी। विपरीत लिंग के व्यक्तियों से भी संबंध प्रगाढ़ होंगे। सुख–सुविधाएं भरपूर रहेंगी। धन का लाभ होगा।

अरिष्ट से बचाव के लिए निम्न उपाय करें :

1. चींटियों को शक्कर और आटा दें।
2. कन्याओं को खीर खिलाएं।
3. भोजन से पहली चपाती निकालकर गाय को दें।
4. लक्ष्मीजी की उपासना करें।

अंर्तदशा :– चन्द्र – सूर्य
(21/02/2028 - 21/08/2028)

चंद्रमा की महादशा की अवधि 10 वर्ष होगी। आपके लिए यह 22/08/2018 को प्रारंभ होगी और 21/08/2028 को समाप्त होगी।

इस महादशा में सूर्य की अंतर्दशा की अवधि 6 मास होगी जो आपके लिए 21/02/2028 से प्रारंभ होकर 21/08/2028 को समाप्त होगी।

सूर्य आपकी जन्मपत्रिका में दशम भाव में स्थित है। दशम भाव सम्मान, जनता, सत्ता, सफलता, पद और साख, दुनियादारी, प्रोन्नति, नियुक्ति, धार्मिक कार्य, सरकार से सम्मान, जांघों का

महादशा :– मंगल
(21/08/2028 - 22/08/2035)

मंगल की महादशा 21/08/2028 को आरम्भ और 22/08/2035 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 7 वर्ष है। आपकी जन्मकुण्डली में मंगल द्वितीय भाव में अवस्थित है। इसके पूर्व आपकी चन्द्रदशा चल रही थी जिसकी अवधि 10 वर्ष की थी। मंगल के पंचम भाव पर दृष्टि होने के कारण आपको बच्चों से सुख, उत्तम शिक्षा और समृद्धि की प्राप्ति होगी। मंगल की इस दशा में आपको धन और समृद्धि की प्राप्ति होगी और आपका झुकाव धार्मिक कार्यों की ओर होगा।

स्वास्थ्य :

इस दशा–काल में आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा। आप में आत्मविश्वास तथा पहल–शक्ति होगी और आप सक्रिय तथा स्फूर्तिवान होंगे। कुछ मौसमी बीमारियों को छोड़ आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा। सरदर्द, ज्वर, संक्रमण, ताप संबंधी बीमारियों आदि की सम्भावना है।

अर्थ और व्यवसाय :

इस दशा के दौरान आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। आप धन–संपत्ति का संचय करेंगे। आपको पिता से लाभ होगा। आपको कुछ–पैतृक–सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। व्यवसाय और जीवन–वृत्ति से उपार्जन में भी वृद्धि होगी। मंगल की पंचम भाव पर दृष्टि के फलस्वरूप आपको सट्टे तथा निवेश में लाभ होगा। अपनी जीविका के लिये सैन्य सेवा, सर्जरी तथा चिकित्सा कार्य, दन्तचिकित्सा, भूगर्भ–विज्ञानी अथवा रसायनज्ञ के कार्यों का चयन कर सकते हैं। आप असैनिक तथा यांत्रिक अभियंत्रण और औद्योगिक प्रतिष्ठानों में अच्छा करेंगे। लौह–इस्पात, खेल के सामानों, ताम्बे, खनिज पदार्थों आदि का व्यवसाय लाभदायक हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों के लिये दशा उत्तम रहेगी। आपकी आय में वृद्धि तथा पदोन्नति होगी और उच्चाधिकारियों का अनुग्रह प्राप्त होगा। व्यवसाय–व्यापार से जुड़े लोगों के लिये समय समृद्धिशाली रहेगा। आय तथा गतिविधियों में वृद्धि होगी। व्यापार का विस्तार हो सकता है और व्यापार से जुड़े लोग व्यस्त रहेंगे। आर्थिक सफलता के लिए यह दशा उत्तम है।

वाहन, यात्राएँ, सम्पत्ति :

बुध की अन्तर्दशा में आपको जीवन के सुख मिलेंगे। इस अन्तर्दशा के दौरान आपको

वाहन की प्राप्ति होगी। मंगल तथा बुध की अन्तर्दशा में जमीन–जायदाद के मामले लाभदायक होंगे। यह अवधि सभी आर्थिक कारोबार के लिए उत्तम है। शुक्र की अन्तर्दशा में आपकी छोटी तथा शनि और मंगल की अन्तर्दशाओं लम्बी यात्राएँ होगी।

शिक्षा :

इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा उत्तम होगी। गणित, विज्ञान तथा प्रशासन व प्रबन्धन से सम्बन्धित विषयों का अध्ययन लाभदायक होगा। आप परीक्षाओं में सफल होंगे। इस अवधि में आप उच्च शिक्षा भी आरम्भ कर सकते हैं। आप अपने स्वभावगत नेतृत्व तथा बैद्धिक गुणों का प्रदर्शन करेंगे।

परिवार :

परिवार में आपके संबंध मधुर रहेंगे। आपके बच्चों के साथ आपके सम्बन्ध अत्यन्त मधुर रहेंगे और आपको उनसे बहुत सुख प्राप्त होगा। वे अपनी शिक्षा में अच्छा करेंगे और आप उनसे गौरवान्वित होंगे। आपके जीवनसाथी को अप्रत्याशित लाभ मिल सकता है। सद्भावपूर्ण सम्बन्ध बनाए रखने के लिए कटु भाषा का प्रयोग न करें। आपकी माता को इस अवधि में लाभ प्राप्त होगा और उनकी मनोकामनाओं की पूर्ति होगी। आपके पिता को उनके शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी और उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपके छोटे भाई–बहनों का शुभ उद्देश्यों के लिए व्यय होगा और उनकी यात्रा होगी तथा आपके बड़े भाई–बहनों को यश, ख्याति, आय, शक्ति तथा अधिकार की प्राप्ति होगी। आपके मित्रों की संख्या विशाल होगी जिनसे आपको लाभ मिलेगा।

अन्तर्दशा :

मंगल की मुख्य दशा में उसकी अन्तर्दशा के कारण आपको पिता से लाभ तथा सम्पत्ति की प्राप्ति होगी और आपकी यात्रा होगी। इसके पश्चात् आरम्भ होनेवाली राहु की अन्तर्दशा के कारण समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। गुरु की अन्तर्दशा के कारण आपकी शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सुख में वृद्धि होगी जबकि शनि की अन्तर्दशा के कारण आय–व्यय समान होंगे और आपकी यात्रा होगी। बुध की अन्तर्दशा के फलस्वरूप आपका विवाह हो सकता है और साझेदारों से लाभ और सुख की प्राप्ति हो सकती है जबकि केतु के कारण कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। शुक्र की अन्तर्दशा के फलस्वरूप परिवर्तन और छोटी यात्राओं की प्राप्ति हो सकती है जबकि सूर्य की अन्तर्दशा के कारण शत्रुओं पर विजय की प्राप्ति होगी। चन्द्र की अन्तर्दशा के फलस्वरूप सन्तान से सुख और निवेश तथा सट्टे में लाभ होगा।

अंर्तदशा :– मंगल – मंगल
(21/08/2028 - 17/01/2029)

आपके लिए मंगल की महादशा 21/08/2028 को प्रारंभ हुई है। इस महादशा के अंतर्गत प्रथम अंतर्दशा मंगल की होगी जिसकी अवधि 4 मास 27 दिन है। आपके लिए यह 21/08/2028 को प्रारंभ होकर 17/01/2029 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी मंगल वीरता, साहस, अचल संपत्ति और भाइयों का कारक है।

इस अवधि में आप धन कमाएंगे; व्यापार में सफलता मिलेगी। धन का उपयोग सोच समझकर करना श्रेयस्कर रहेगा। लॉटरी, सट्टे आदि द्वारा धन कमाने की प्रवृत्ति हो सकती है। विरासत में या जीवनसाथी के माध्यम से धन मिल सकता है। समृद्धि बढ़ेगी, निवेश से लाभ होगा, संतान से खुशी मिलेगी। वांछित स्थान पर तबादला हो सकता है। मंगल की नवम भाव पर दृष्टि के कारण सर्जनात्मक कार्यों में मन लगेगा, किस्मत चमकेगी। कोई यात्रा हो सकती है।

आपके जीवनसाथी को विरासत में या क्रय से जायदाद मिल सकती है। उनके निवेश लाभकारी रहेंगे। आपके पिता को मामूली चोट लग रही है या बीमारी हो सकती है। उन्हें उच्चपद प्राप्त हो सकता है, धनी बन सकते हैं, यात्रा पर जा सकते हैं। माता के लिए निवेश लाभकारी रहेंगे। आपको उनके साथ मधुर संबंध बनाकर रखने चाहिएं। आपके बड़े भाई–बहन जायदाद प्राप्त कर सकते हैं। छोटे भाई–बहनों को स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। आपकी संतान की सक्रियता बढ़ेगी।

अगर आप सेवारत हैं तो सफलता और प्रसिद्धि प्राप्त होगी। परामर्शदाता प्रगति करेंगे। व्यापारियों के लिए निवेश लाभदायक रहेंगे।

गले, आंख और दांतों के रोगों से बचाव करें। अरिष्ट से बचाव के लिए तांबा, लाल चप्पल और लाल वस्त्र दान करें।

एस्ट्रोग्राफ

एस्ट्रोग्राफ, जीवन के किसी भी पहलू की ग्राफ द्वारा प्रस्तुति है। इससे स्वास्थ्य, आर्थिक, बुद्धि, प्रेम या अन्य किसी भी क्षेत्र में, एक समय के दौरान, होने वाली घटनाओं में रूचि रखने वालों को जानकारी मिलती है। एस्ट्रोग्राफ हमें सही रूप जानने और उन्हें आसानी से समझने में सहायक होते है।

अगले पृष्ठों में आपके जीवन के तीन महत्वपूर्ण पहलू – स्वास्थ्य, धन तथा मानसिक स्तर एस्ट्रोग्राफ द्वारा दिखाये गये हैं। ये एस्ट्रोग्राफ 100 मापक्रम के अनुसार हैं।। यदि आपका एस्ट्रोग्राफ 50 से अधिक अंक दि खाता है तो वह शुभ है। 65 से ऊपर बहुत अच्छा होता है और 80 से ऊपर अति उत्तम होता है। 50 से नीचे सामान्य होता है, 35 से नीचे बुरा तथा 20 से नीचे बहुत बुरा माना जाना चाहिए।

0-20	निकृष्ट	50-65	श्रेष्ठ
20-35	नेष्ट	65-80	उत्तम
35-50	सामान्य	80-100	अत्युत्तम

एस्ट्रोग्राफ – 2019

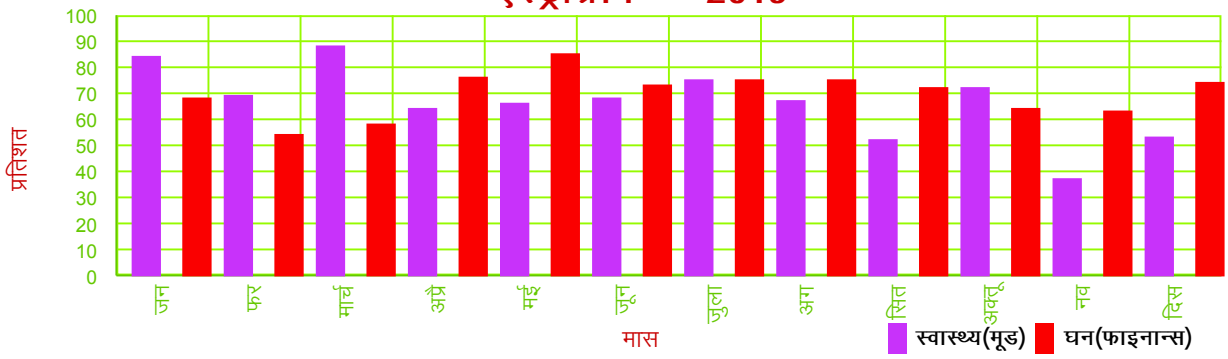

एस्ट्रोग्राफ – 2020

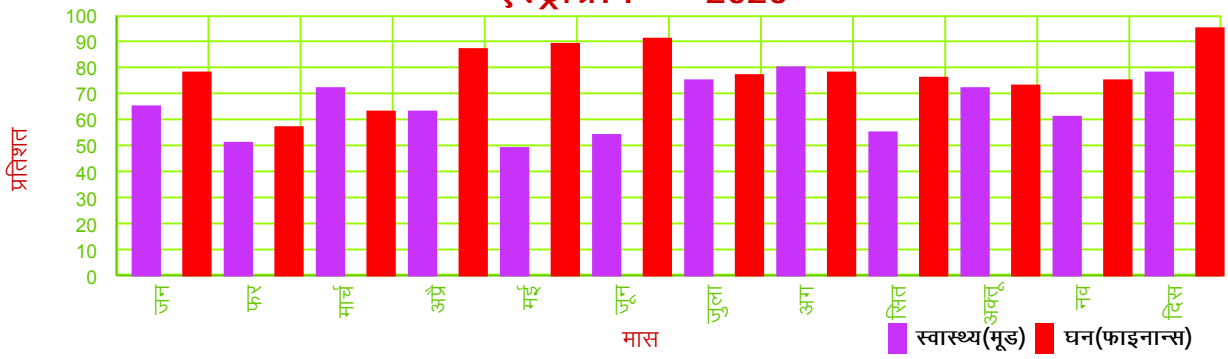

एस्ट्रोग्राफ – 2021

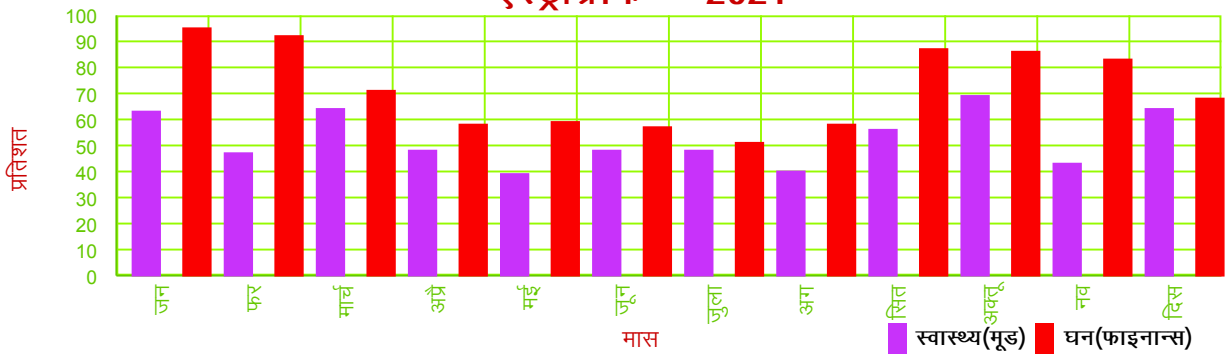

एस्ट्रोग्राफ – 2022

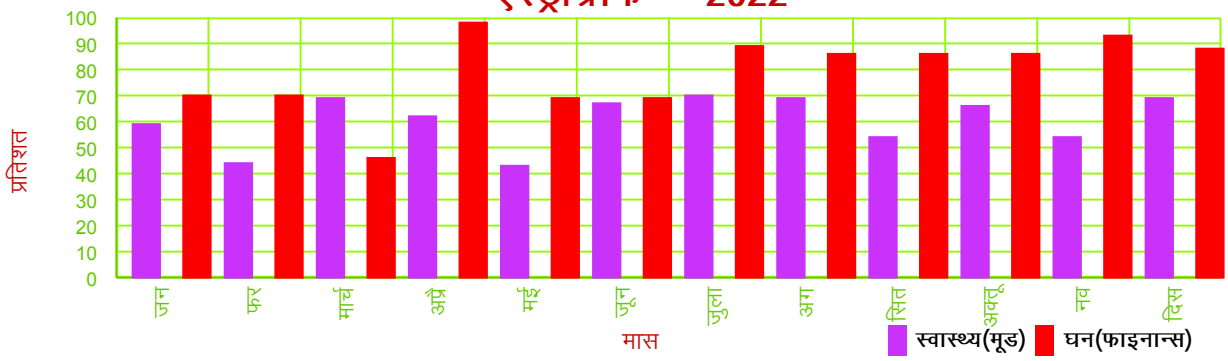

एस्ट्रोग्राफ – 2023

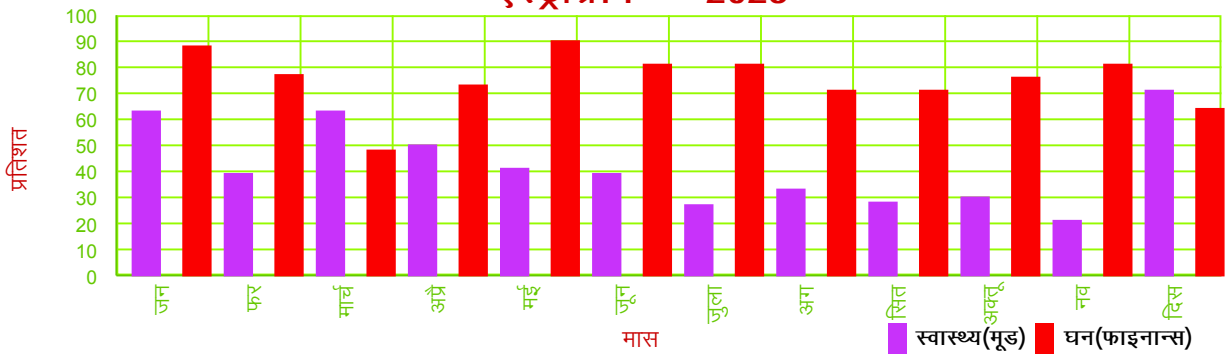

एस्ट्रोग्राफ – 2024

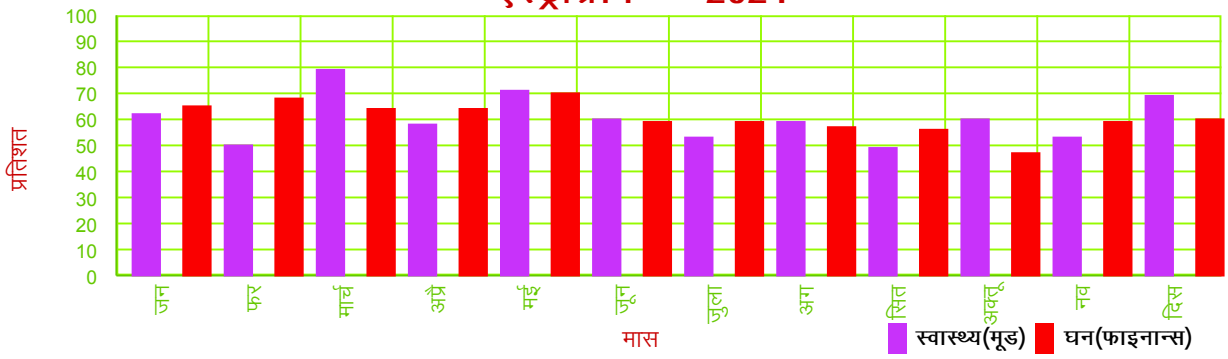

एस्ट्रोग्राफ – 2025

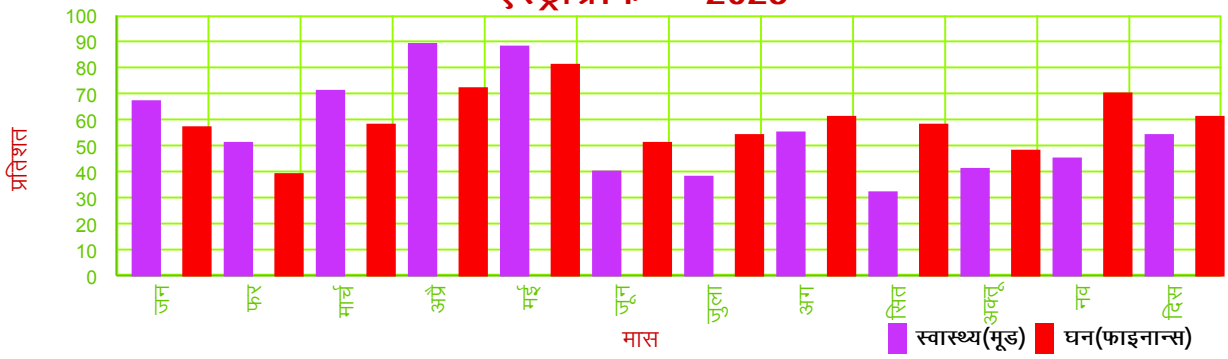

एस्ट्रोग्राफ – 2026

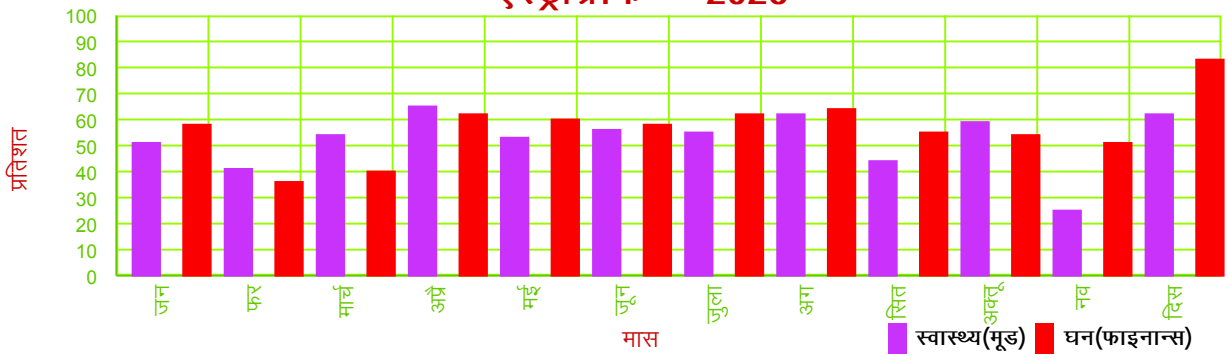

एस्ट्रोग्राफ – 2027

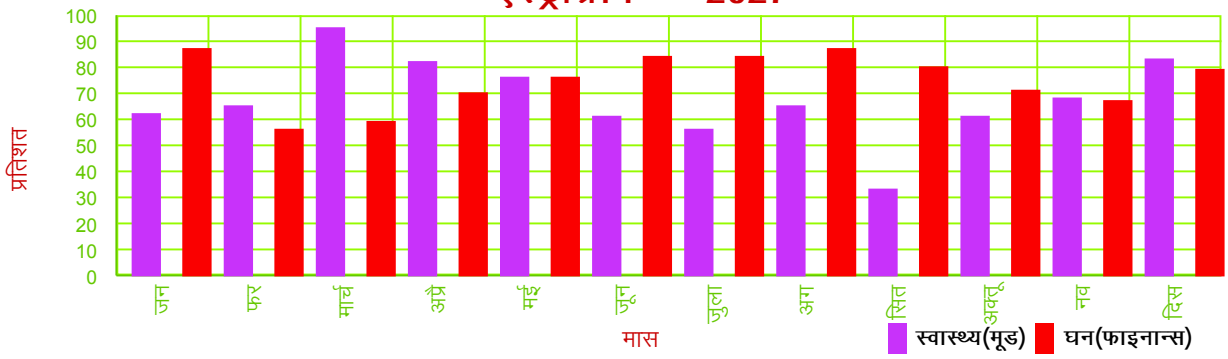

एस्ट्रोग्राफ – 2028

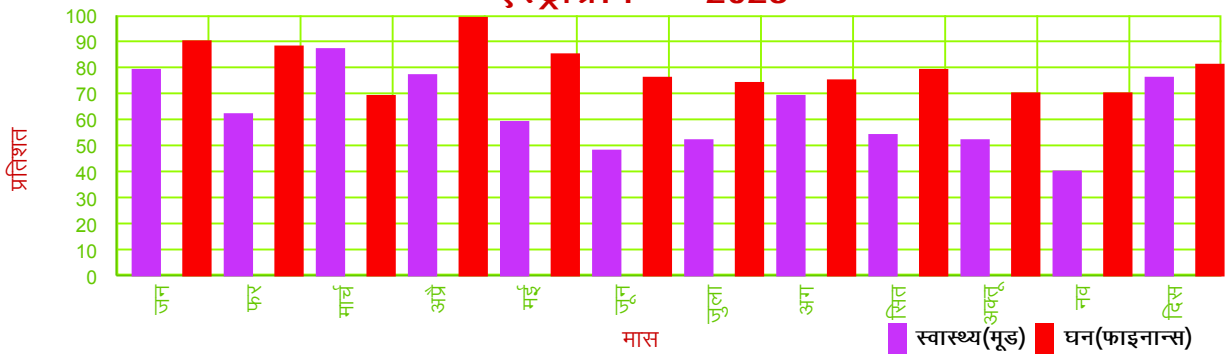

एस्ट्रोग्राफ – 2029

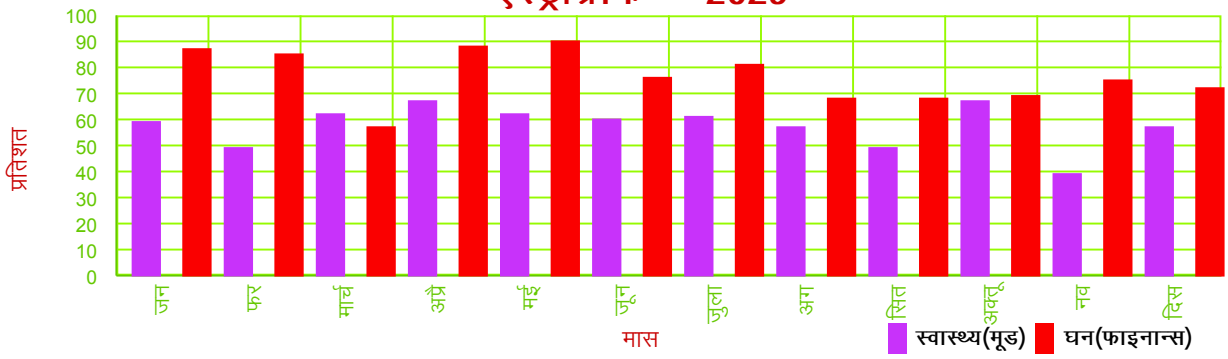

एस्ट्रोग्राफ – 2030

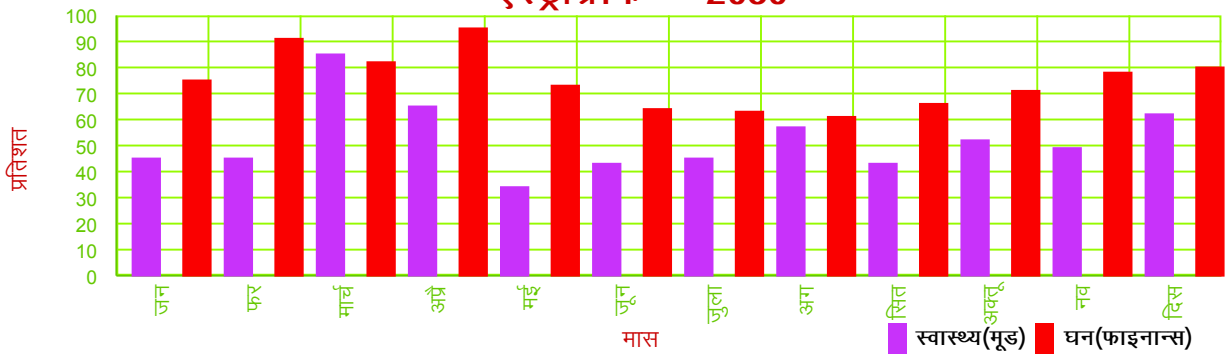

एस्ट्रोग्राफ – 2031

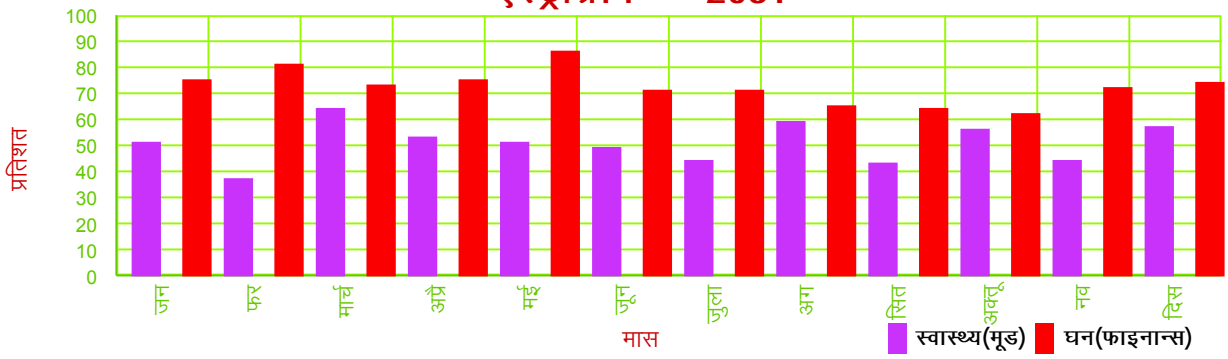

एस्ट्रोग्राफ – 2032

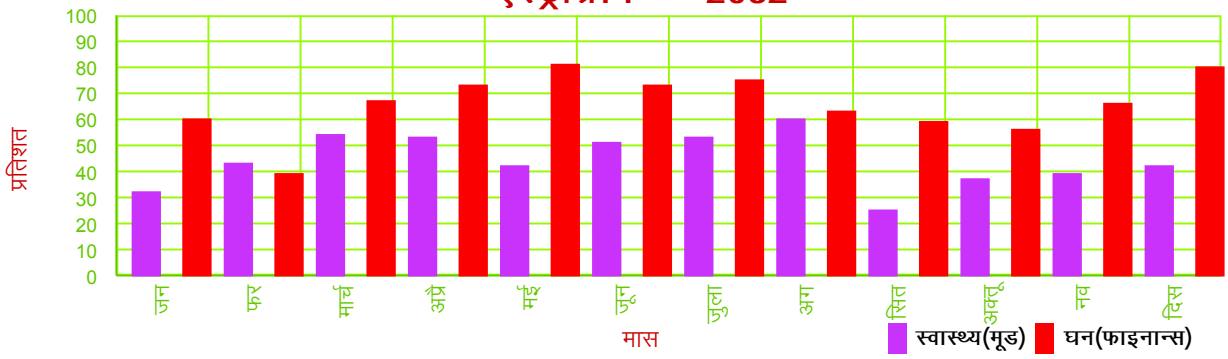

एस्ट्रोग्राफ – 2033

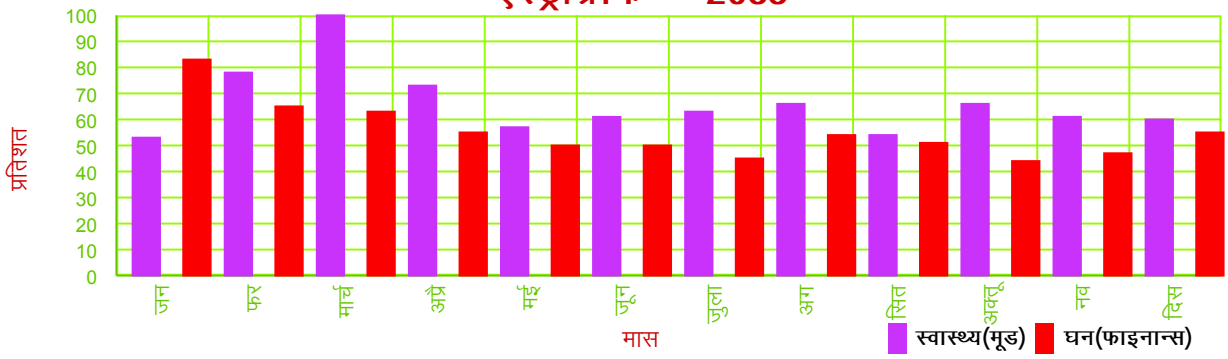

एस्ट्रोग्राफ – 2034

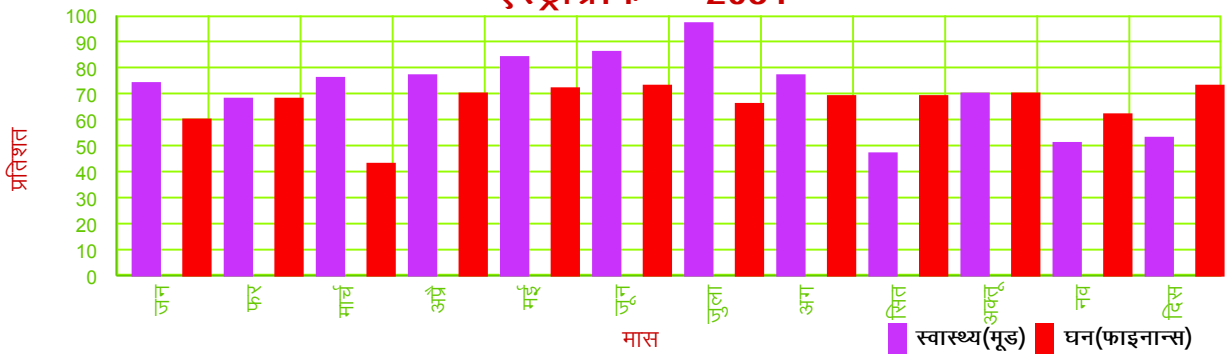

योग

अमलयोग

चन्द्राव्द्योम्न्यमलाह्वयः शुभखगैर्योगो विलग्नादपि।
क्ष्मेशः स्यादमले धनी सुतयशः संपद्युतो नीतिमान्।
।। फलदीपिका ।। अ. 6/श्लोक 19–20

यदि पत्रिका में लग्न या चंद्रमा से दशम स्थान में शुभ ग्रह हो तो अमला योग होता है।

योग कारक ग्रह : बुध

योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूपेण स्थापित हो रहा है। फलस्वरूप आप भूमि के स्वामी, धनी, नीतिवान् पुत्र एवं संपत्ति से युक्त यशस्वी व्यक्ति होंगे।

गौरी योग

स्वर्क्षोच्चे यदि कोणकण्टकयुतौ हिमकरे गौरीति जीवेक्षिते।
सुन्दरगात्रः श्लाघितगोत्रः पार्थिवमित्रः सद्गुणपुत्रः।
पङ्कजवक्त्रः संस्तुतजैत्रो राजति गौरीयोगसमुत्थः।।
।। फलदीपिका ।। अ. 6/श्लोक 21, 25

यदि चंद्रमा अपनी राशि उच्च राशि का होकर लग्न से केंद्र या त्रिकोण में स्थित हो और गुरु की दृष्टि उन पर पड़ रही हो तो गौरीयोग होता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र

योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में गौरीयोग पूर्णरूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप सुंदर, राजमित्र, सद्गुणी, संतानवान, शत्रुजीत, प्रशंसित, प्रसन्नचित्तमुखाकृति के होंगे।

छत्रयोग

भावैः सौम्युतेक्षितैस्तदधिपैः सुस्थानगैर्भास्वरैः
स्वोच्चस्वर्क्षगतैर्विलग्नभवनाद्योगाः क्रमाद्द्वादश।
सुसंसारसौभाग्यसन्तानलक्ष्मी
निवासो यशस्वी सुभाषी मनीषी।
अमात्यो महीशस्य पूज्यो धनाढ्यः
स्फुरत्तीक्ष्णबुद्धिर्भवेच्छत्रयोगे।।
।। फलदीपिका ।। अ. 4/श्लोक 44, 49

यदि जन्मपत्रिका में पंचम भाव में शुभग्रह हों या शुभ ग्रह से पंचम भाव निरीक्षित हो तथा पंचमेश अस्त न हो और वह स्वराशि या उच्चराशि में स्थित होकर उत्तम स्थान में बैठा हो तो छत्रयोग बनता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र योग की संभावना : 96 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप सौभाग्यशाली, पुत्रवान, धनवान, यशस्वी, बुद्धिमान, प्रखर वक्ता, तेज बुद्धिवाले और राजसुख से युक्त राजा के मंत्री होंगे। आप राजसरकार से सम्मानित होंगे। आपको पंचम भाव से संबन्धित सभी सुख प्राप्त होंगे।

अनफा योग

अनफा रविरहितैः।
अन्त्ये कैरववनबान्धवाद्विहगैः।।
वाग्मीप्रभुर्द्रविणवानगदः सुशीलो
भोक्तान्नपानकुसुमाम्बरकामिनीनाम्।
ख्यातः समाहितगुणः सुखशस्तचित्तो
योगे निशाकरकृते त्वनफे सुवेषः।।
।। सारावली ।। अ. 13/श्लोक 1, 5।।

यदि जन्मकुंडली में चंद्रमा से द्वादश भाव में सूर्य रहित कोई ग्रह हो तो अनफा योग बनता है।

योग कारक ग्रह : शनि,चंद्र योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप कुशलवक्ता, सामर्थ्यवान्, धनवान्, नीरोग, सुन्दर शीलवान् अन्नपानपुष्पवस्त्र व स्त्री का सुख भोगने वाले, गुणी, सुखी तथा सुन्दर वेशभूषा वाले होंगे।

धीर पुरुष योग

जीवान्विते धीरतया समेतः सर्वार्थशास्त्रार्थविशारदः स्यात् ।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.4/श्लो.–41 ।

यदि जन्मकुंडली में तृतीयेश गुरू से युक्त हो तो सब अर्थ एवं शास्त्रार्थ पारंगत होता है।

योग कारक ग्रह : गुरु,शुक्र योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप विद्वान एवं धैर्यवान होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

तीव्रबुद्धि योग

बुद्धिस्थानाधिपस्यांशराशीशे शुभवीक्षिते ।
वैशेषिकांशके वापि तीव्रबुद्धिं समादिशेत् ।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ. 5/श्लो.–35

यदि जन्मपत्रिका में पंचमेश जिसके नवांशक में हो वह शुभ ग्रह से दृष्ट अथवा वैशेषिकांश में हो तो तीव्र बुद्धि योग बनता है।

योग कारक ग्रह : बुध,शनि योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप तीव्र बुद्धि के होंगे, ऐसा प्रतीत होता है।

पुत्रहीन योग

शुक्रेन्दुवर्गे सुतभे विलग्नाच्छुक्रेण चन्द्रेण युतेऽथ दृष्टे ।
शन्यारदृष्टे सति पुत्रहीनः ।।
।। जातकपारिजात ।। अ. 13/श्लो.–10

यदि जन्मपत्रिका में लग्न से पंचम भाव शुक्र या चंद्रमा से दृष्ट, युक्त और वर्ग में हो और उसपर शनि एवं मंगल की दृष्टि हो तो पुत्रहीन योग बनता है।

योग कारक ग्रह : मंगल,चंद्र,बुध,गुरु योग की संभावना : 6 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप पुत्रहीन होंगे, ऐसा प्रतीत होता है।

बहुपुत्र योग

।। भारतीय ज्योतिष ।। पृ.– 293 ।।

यदि जन्मपत्रिका में संतान भाव में वृष, कर्क और तुला में से कोई राशि हो, पंचम भाव में शुक्र या चंद्रमा स्थित हों अथवा इनकी दृष्टि पंचम भाव पर हो तो बहुपुत्र योग बनता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र,शुक्र योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप अनेक

पुत्रों के सुख प्राप्त करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

विना पीड़ा मृत्यु योग

सौम्यांशके सौम्यगृहेऽथ सौम्य सम्बन्धगे वा क्षयेशे।
अक्लेशजातं मरणं नराणाम्।।
।। फलदीपिका–अ.14 / श्लो.–21 ।।

यदि जन्मकुंडली में द्वादशेश सौम्यग्रह की राशि या सौम्य ग्रह के नवांश या सौम्य ग्रह के साथ स्थित हो तो विना पीड़ा की मृत्यु होती है।

योग कारक ग्रह : शनि योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपका मरण बिना क्लेश का होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

वैकुण्ठवास योग

वैकुण्ठं शशिजो सम्प्रापयेत्प्राणिनः
सम्बन्धाद्व्ययनाकस्य कथयेत्तत्रान्त्यराश्यंशतः।
।। फलदीपिका–अ.14 / श्लो.–23 ।।

यदि जन्मपत्रिका के द्वादश भाव में बुध स्थित हो या द्वादश भाव जिस ग्रह की नवांश में हो यदि उस नवांश में बुध हो अथवा द्वादश भाव के स्वामी बुध से कोई संबंध स्थापित करता हो तो मरणोपरांत वैकुंठवासी होता है।

योग कारक ग्रह : बुध योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप मरणोपरांत वैकुंठवासी होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

पुत्रहीन योग

पुत्रेश्वरे दारपतौ बलाढ्ये दृष्टे युते वा त्वरिनायकेन जातोऽनपत्यः।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ–6 / श्लो.–7 ।।

यदि जन्मकुण्डली में पंचमेश एवं सप्तमेश बलिष्ठ होकर षष्ठेश से युक्त या दृष्ट हो तो जातक को पुत्र नहीं होता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र,बुध,सूर्य योग की संभावना : 288 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। अतः आप पुत्रहीन होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

बहुभार्या योग

कुटुम्बकलत्रनाथाभ्यां समेतैर्ग्रहनायकैर्वा कलत्रसंख्यां प्रवदन्ति सन्तः ।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.–6/श्लो.–14।

यदि जन्मकुण्डली में द्वितीयेश या सप्तमेश के साथ जितने ग्रह हों उतनी पत्नी होती हैं।

योग कारक ग्रह : सूर्य,बुध योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मकुण्डली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके दो या दो से अधिक जीवनसाथी हो सकते हैं। ऐसा प्रतीत होता है।

बहुभार्यायोग

कलत्रेशे बहुगुणे तुङ्गवक्रादिहेतुभिः ।
बहुभार्यं नरं विद्यादुदयर्क्षगतेऽपि वा।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.–6/श्लो.–15

यदि जन्मपत्रिका में सप्तमेश उच्च वक्र आदि बहुत गुणों से युक्त हो अथवा लग्नस्थ हो तो मनुष्य बहुत स्त्रियों से युक्त होता है।

योग कारक ग्रह : बुध योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके अधिक जीवनसाथी होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

विवाहोपरान्त भाग्योदय योग

भाग्यं विवाहत्परतो वदन्ति शुक्रेस्तगे चोपचयान्विते वा ।
कुटुम्बमेतादृशभावयुक्ते लग्नेश्वरे वा शुभदृष्टियोगे ।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.–6/श्लो.–62

जन्मपत्रिका में यदि शुक्र सप्तम में हो अथवा उपचय 3/6/11/10 स्थानों में हो अथवा द्वितीयस्थ हो अथवा लग्नेश इन भावों में से किसी भी स्थान में हो एवं शुभ ग्रह द्वारा निरीक्षत हो तो विवाहोपरांत भाग्योदय होता है।

योग कारक ग्रह : गुरु,शुक्र,चंद्र योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपका भाग्योदय विवाहोपरांत होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

गजकेसरी योग

''केन्द्रस्थिते देवगुरौ शशाङ्काद्योगस्तदाहुर्गजकेसरीति।
दृष्टे सितार्येन्दुसुतैः शशाङ्के नीचास्तहीनैर्गजकेसरीस्यात्।।''
।। बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 1 ।।

चन्द्रमा से केन्द्र में गुरु हो तो गजकेसरी योग होता है और चन्द्रमा नीच अस्तादि में न गये हुये शुक्र, गुरु और बुध से देखा जाता हो तो भी गजकेशरी योग होता है।

योग कारक ग्रह : गुरु,शुक्र,चंद्र योग की संभावना : 3 में 1

आपकी पत्रिका में गजकेसरी योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आप धनी, मेधावी, गुणी तथा राजप्रिय सम्मानित पुरुष होंगे।

पारिजात योग

''सपारिजातद्युचरः सुखानि ।''
।। बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 34 ।।

जिसकी पत्रिका के "पारिजात" भाग में ग्रह हों तो उसे सभी प्रकार के उत्तम सुख की प्राप्ति होती है।

योग कारक ग्रह : चंद्र,गुरु योग की संभावना : 2 में 1

आपकी पत्रिका में ग्रह "पारिजात" वर्ग में स्थित है। फलस्वरूप आपको सभी प्रकार का उत्तम सुख प्राप्त होगा।

उत्तमवर्ग योग

''नीरोगतामुत्तमवर्गयातः।''
।।बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 34 ।।

जिस जातक की पत्रिका के "उत्तमवर्ग" भाग में ग्रह हों तो वह प्राणी सभी प्रकार से निरोग रहता है।

योग कारक ग्रह : सूर्य योग की संभावना : 3 में 1

आपकी पत्रिका में ग्रह "उत्तमवर्ग" में स्थित है। फलस्वरूप आप सभी प्रकार से निरोग

रहेंगे।

गोपुरांश योग

''सगोपुरांशो यदि गोधनानि ''

।। बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 34 ।।

जिस जातक की पत्रिका में "गोपुरांश" भाग में ग्रह स्थित हो, वह मनुष्य गौ और धन दोनों से युक्त होता है।

योग कारक ग्रह : शुक्र

योग की संभावना : 4 में 1

आपकी पत्रिका में "गोपुरांश" योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आप गो धन अर्थात् पशुओं और धन से पूर्ण रहेंगे।

वेशि योग

''धनखेटैर्वेशी दिनेशात्''

।। बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 51 ।।

यदि जातक के जन्मकाल पत्रिका में सूर्य से द्वितीय भाव में कोई ग्रह स्थित हो, तो जातक पर वेशि योग का सृजन होगा।

योग कारक ग्रह : गुरु,शुक्र,सूर्य

योग की संभावना : 3 में 1

आपकी पत्रिका में पूर्णरूपेण "वेशि" योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आप दयावान, स्थूल शरीर वाले, चतुरवक्ता, आलस्य से युक्त एवं वक्र दृष्टि वाले प्राणी होंगे।